सूर्योदय : 6:43
सूर्यास्त : 5:57
अधिकतम तापमान : 23.0
न्यूनतम : 12.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-17 अंक-252 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 21 फरवरी 2024
10 शाबान, 1445 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 का दूसरा दिन : कई उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

भारत के विकास में सबसे आगे रहेगा यूपी : पीयूष

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

- मुख्यमंत्री योगी ने यूपी का कायाकल्प कर दिया
- योगी सरकार ने बनाया निवेश का माहौल
- 2017 से पहले यूपी था बदहाल
- आज पूरा विश्व यूपी के बारे में बात कर रहा

लखनऊ। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीएम योगी ने सात-आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश का चित्र बदला, यहां की दिशा और दशा भी बदली। आज सामाजिक न्याय दिवस है। यह तब तक अधूरी है, जब तक समाज के हर वर्ग व व्यक्ति तक विकास न पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने इन सात-आठ वर्षों में यूपी का कायाकल्प किया है, लेकिन यह एक वर्ष उपलब्धियों भरा रहा है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होगा।

उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व उत्तर प्रदेश और लखनऊ के बारे में बातचीत कर रहा है। उत्तर प्रदेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तेज गति से बदलाव का आनंद लिया है। उत्तर प्रदेश अब रुकने और थमने वाला नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत मेन हैंगर में आयोजित एफडीआई कॉन्क्लेव यूपी-इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इनवेस्टमेंट इन इंडिया को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि भारत अगले 30 वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से

> कोई भी निवेशक जब निवेश करने का निर्णय लेता है तो उसके सामने सबसे बड़ी शर्त होती है विश्वास। निवेशक तभी आता है जब उसे नेतृत्व, व्यवस्था और भविष्य पर विश्वास हो। जब यह तीनों विश्वास निवेशक को मिलते हैं तो वह प्रदेश में आने को तैयार होता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और 25 करोड़ लोगों को भी आत्मविश्वास मिलता है कि हमारा भी भविष्य उज्ज्वल होगा।
>
> **केन्द्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल**

मोदी-योगी के नेतृत्व में हुए कई रिफॉर्म

> केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी ने देश व 2017 में योगी ने उप्र की कमान संभाली। उसके बाद के रिफॉर्म हुए।

केंद्र व राज्य सरकार ने तालमेल बैठाकर यूपी का कायाकल्प किया। कोविड की महामारी जैसी गंभीर परिस्थिति में मोदी-योगी के नेतृत्व में उप्र ने अपने लोगों का ध्यान रखा। उप्र ने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को रुकने नहीं दिया। परिस्थितियों व चुनौती को उन्होंने अवसर में बदला। यूपी में आज छह एक्सप्रेसवे कोने-कोने को कनेक्ट करते हैं। प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई हुई। नवीकरणीय ऊर्जा से प्रदेश को पर्याप्त बिजली पहुंचाई गई। इन्क्लूजिव व सस्टेनेबल ग्रोथ की तरफ यूपी ने बड़े कदम उठाए हैं। उसी के कारण देश-विदेश के निवेशक यूपी में बड़े रूप में अपना कामकाज बढ़ाने आ रहे हैं।

एक लाख इलेक्ट्रिक बसें लेगी यूपी सरकार

- उत्तर प्रदेश का बड़ा बाजार ईवी के लिए तैयार है
- सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए ईवी को दे रही बढ़ावा

> मुख्यमंत्री के प्रयासों से सरोजनी नगर को एक बड़ा उद्योग मिला गया है। जीबीसी 1 के तहत 66, जीबीसी 2 के तहत 257 तथा जीबीसी 3 के जरिए 536 उद्योगों की स्थापना की जा चुकी है। 894 उद्योगों में भी जल्द ही उत्पादन शुरू होने वाला है। कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उप्र की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव रखी जा चुकी है।
>
> **वित्त मंत्री सुरेश खन्ना**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सरकार एक लाख इलेक्ट्रिक बसें लेने के लिए तैयार है। इन बसों को प्रदेश के स्कूलों द्वारा संचालित की जा रही एक लाख बसों को हटाकर उनके स्थान पर संचालित किया जाएगा। लखनऊ के सरोजनी नगर में स्कूटर इंडिया की भूमि पर स्थापित होने वाले अशोक लीलैंड के ईवी प्लांट के भूमि पूजन के मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का बड़ा बाजार ईवी के लिए तैयार है, अब उत्पादन का इंतजार शेष रह गया है। जीबीसी 4.0 के बीच में अशोक लीलैंड के उप्र में पहले प्लांट की स्थापना को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश के एक लाख गांवों को भी शहरों से जोड़ने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की जरूरत है। साथ दी दूध समितियों को भी ईवी की जरूरत है। यह बड़ा बाजार है। उन्होंने अशोक लीलैंड के संचालकों से कहा कि यही समय है, सही समय है इसका लाभ उठाएं और बाजार में ईवी की जरूरतों को पूरा करें। यहां का बाजार केवल उप्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि बिहार, मध्यप्रदेश नेपाल से भी जुड़ा है। सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदेश में ईवी को बढ़ावा दे रही है और नई नीति के तहत हर इलेक्ट्रिक बस के निर्माण पर सब्सिडी भी दी जा रही है।

राजधानी लखनऊ को एआई सिटी का बनाएंगे प्रमुख केंद्र : योगी

- उत्तर प्रदेश में एक-एक निवेश पूरी तरह से सुरक्षित
- हमें डिजिटाइजेशन को अपनाना होगा

उत्तर प्रदेश आज डाटा सेंटर का हब बनने जा रहा है। यहां पर तीन डाटा सेंटर स्थापित हो चुके हैं जबकि आठ नए डाटा सेंटर बन रहे हैं। पहले जहां प्रदेश में इस प्रकार की संभावनाएं नहीं थीं, वहीं आज यूपी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। आप सभी ने इसे बखूबी देखा भी होगा। प्रदेश के इंस्टीट्यूशन ने स्केल को स्किल में बदलने में अच्छा काम किया है, लेकिन इस स्किल को स्पीड भी चाहिये। इसके लिए हमें डिजिटाइजेशन को अपनाना ही होगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत बड़ी मदद कर सकता है। इसका यूज़ हम केवल एक फील्ड में ही नहीं बल्कि अलग-अलग फील्ड जैसे एग्रीकल्चर, मेडिकल और एजुकेशन में कर सकते हैं। यह उपयोग करने वाले पर निर्भर करता है कि वह किस रूप में इसका उपयोग करता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को आईजीपी में आयोजित डेस्टिनेशन यूपी-इमर्जिंग हब फॉर एआई इन इंडिया कॉन्क्लेव में कही। सीएम योगी ने कहा कि 7 वर्ष पहले प्रदेश में कोई निवेश नहीं करता था जबकि आज उत्तर प्रदेश देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के केंद्र के रूप में उभरा है। राजधानी लखनऊ को एआई सिटी का प्रमुख केंद्र बनाने पर सरकार काम कर रही है। इसमें आईआईएम लखनऊ के युवा भागीदार बन रहे हैं।

वहीं गौतमबुद्धनगर विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में एआई का केंद्र बनाने की दिशा में काम प्रारंभ कर दिया गया है। इसके जरिये प्रदेश के लाखों नौजवानों को उनके घर और जनपद में नौकरी दे सकते हैं।

बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित होता रहेगा। भारत की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 30 ट्रिलियन डॉलर और जुड़ने की उम्मीद है। इस वृद्धि में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहेगा।

उप्र में हर क्षेत्र का विकास हो रहा: धीरज हिंदुजा

अशोक लीलैंड के एक्जीक्यूटिव चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने कहा कि योगी के नेतृत्व में उप्र में हर क्षेत्र का विकास हो रहा है। निवेश के लिए यह अच्छा समय है। अशोक लीलैंड की शुरुआत 1948 में की गई थी। लखनऊ के प्लांट में पहले चरण में इलेक्ट्रिक बसें व ट्रक तथा छोटे कामर्शियल वाहनों का निर्माण किया जाएगा। कंपनी हाईड्रोजन, सीएनजी व एलएनजी से भी चलने वाले वाहनों का निर्माण भविष्य में करेगी। 18 माह बाद बसों का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा।

चंडीगढ़ के मेयर होंगे आप के कुलदीप

चंडीगढ़। चंडीगढ़ मेयर चुनाव पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय बेंच ने आदेश दिया है कि मेयर चुनाव में अमान्य किए गए 8 बैलेट पेपर मान्य माने जाएंगे। जिसके बाद आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार को मेयर घोषित कर दिया गया। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को 12 वोट मिले थे। आठ मतों को गलत तरीके से अमान्य करार दे दिया गया। बाद में ये आठ वोट याचिकाकर्ता के पक्ष में पाए गए।

इस तरह आठ मतों को जोड़ देने पर याचिकाकर्ता के 20 वोट हो जाते हैं। लिहाजा, आप पार्षद और याचिकाकर्ता कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ नगर निगम के महापौर पद पर निर्वाचित घोषित किया जाता है। पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह द्वारा भाजपा प्रत्याशी को विजेता घोषित करने का फैसला अमान्य है।

हम विकसित जम्मू-कश्मीर बनाकर रहेंगे: पीएम

तोहफा

- शिक्षा, रेलवे, विमानन और सड़क क्षेत्रों सहित 30,500 करोड़ की पीएम मोदी ने दी सौगात
- विकास की राह में रोड़ा थी अनुच्छेद 370

जम्मू। राज्य में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन जम्मू-कश्मीर के लिए एक उल्लेखनीय है।

प्रधानमंत्री ने बनिहाल-खड़ी-सुंबड़-संगलदान सैक्शन (48 किलोमीटर) के बीच नई रेल लाइन और बारामूला-श्रीनगर-बनिहाल-संगलदान सैक्शन के विद्युतीकरण का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने कश्मीर घाटी में कश्मीर की पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन और संगलदान-बारामूला के बीच ट्रेन सेवा को (श्रीनगर स्टेशन से) हरी झंडी दिखाई। जम्मू में 32,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जम्मू कश्मीर में परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देंगी। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में यह पहला अवसर है कि सरकार लोगों के द्वार पर पहुंची है, यह मोदी की गारंटी है कि लगातार ऐसा होता रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसी सरकार जिसकी प्राथमिकता केवल एक परिवार का कल्याण है, वह आम जनता के कल्याण की नहीं सोच सकती। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विकसित भारत का मतलब है विकसित जम्मू-कश्मीर। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत में रिकॉर्ड संख्या में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय स्थापित हुए; अकेले जम्मू कश्मीर में 50 नये डिग्री कॉलेज स्थापित किये गये। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर के विकास में मुख्य बाधा थी, भाजपा सरकार ने इसे निरस्त कर दिया। अब हमने विकसित जम्मू-कश्मीर का संकल्प लिया है। मुझे आप पर विश्वास है कि हम विकसित जम्मू-कश्मीर बनाकर रहेंगे। 70-70 साल से अधूरे आपके सपने आने वाले कुछ ही वर्षों में मोदी पूरे करके देगा। मोदी ने कहा कि एक वो दिन भी थे, जब जम्मू-कश्मीर से सिर्फ निराशा की खबरें आती थीं।

370 के बाद 370 होना चाहिए : मोदी

संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, मैं आप सभी से आगामी चुनावों में भाजापा को 370 (सीटें) और एनडीए को 400+ सीटें देने का आग्रह करता हूं। आज हम एक नया जम्मू-कश्मीर बनते हुए देख रहे हैं। प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी दीवार अनुच्छेद-370 की थी, इस दीवार को भाजपा सरकार ने हटा दिया है। अब जम्मू कश्मीर संतुलित विकास की ओर बढ़ रहा है। मैंने सुना है, इसी हफ्ते 370 को लेकर कोई फिल्म आने वाली है। पूरे देश में आपकी जय जयकार होने वाली है। अच्छा है, लोगों को सही जानकारी मिलेगी।

बदायूं से शिवपाल यादव को टिकट

सपा ने जारी की पांच और प्रत्याशियों की लिस्ट

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव अब बदायूं लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव का टिकट काटकर चाचा को दे दिया है। धर्मेंद्र को आजमगढ़ व कन्नौज दोनों ही लोकसभा सीटों का प्रभारी बनाया गया है। माना जा रहा है कि इनमें से किसी एक सीट पर धर्मेंद्र चुनाव लड़ सकते हैं। सपा ने मंगलवार को पांच प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी की है। दो चरणों में 27 टिकट घोषित कर चुकी सपा के अब तक कुल 31 प्रत्याशी मैदान में आ गए हैं।

सपा ने कैराना से पूर्व सांसद रहे मुनव्वर हसन की बेटी व शामली के विधायक नाहिद हसन की बहन इकरा हसन को मैदान में उतारा है। इकरा विधानसभा चुनाव के दौरान भाई के प्रचार में काफी सक्रिय रहीं थीं। बरेली से पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन को प्रत्याशी बनाया है। हमीरपुर से अजेंद्र सिंह राजपूत को टिकट दिया है। वे चरखारी के पूर्व विधायक चंद्र नारायण सिंह के पुत्र हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी सपा इन्हें चरखारी विधानसभा से उतार चुकी है।

राजस्थान से राज्यसभा सांसद बनीं सोनिया, बीजेपी ने जीतीं दो सीटें

कार्यकाल

- जेपी नड्डा को भी राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना गया
- अश्विनी वैष्णव निर्विरोध चुने गए, प्रमाणपत्र हासिल किया

जयपुर। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए राजस्थान से निर्विरोध चुनी गईं। इसके अलावा, भाजपा के चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ को भी राज्यसभा के लिए चुना गया है। मंगलवार को नामांकन पत्र वापस लेने का अंतिम दिन था।

राजस्थान विधानसभा के सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि किसी अन्य उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा, इसलिए तीनों निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुने गए। राज्यसभा सदस्य मनमोहन सिंह (कांग्रेस) और भूपेंद्र यादव (भाजपा) का कार्यकाल तीन अप्रैल को समाप्त हो रहा है। भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने विधायक चुने जाने के बाद पिछले साल दिसंबर में इस्तीफा दिया था। जिसके बाद तीसरी सीट खाली थी। राजस्थान की 200 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 115 और कांग्रेस के 70 सदस्य हैं। राज्य में राज्यसभा की 10 सीटें हैं। नतीजों के बाद राज्यसभा में राजस्थान से कांग्रेस के छह और भाजपा के चार सदस्य होंगे। वहीं, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा और पार्टी के तीन अन्य उम्मीदवारों को गुजरात से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना गया है। राज्यसभा की चार सीटें खाली थीं। सत्तारूढ़ भाजपा ने सभी सीटों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए थे। एक अधिकारी ने बताया कि गुजरात से राज्यसभा की चार खाली सीटों के लिए किसी अन्य ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पहुंची लखनऊ, घंटा घर पर राहुल गांधी का किया स्वागत

डरना नहीं है जाति जनगणना के लिए लड़ना है : राहुल

निशाना

- सरकार बनती है तो पेपर लीक मामले पर सख्त कार्रवाई : राहुल गांधी
- युवाओं को अवसर मिले तो सभी चीज़ों पर मेड इन लखनऊ मेड इन इंडिया हो सकता है

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। भारत जोड़ो यात्रा के आज लखनऊ के घंटा घर पहुंचने पर बड़ी संख्या में जनता ने राहुल गाँधी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

स्वागत से अभिभूत राहुल गाँधी ने सबसे पहले जनता का धन्यवाद किया इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए राहुल गाँधी ने कहा उनकी सरकार बनती है तो पेपर लीक मामले में बड़ा एक्शन लेंगे राहुल गाँधी ने इस मौके पर वादा किया उनकी सरकार बनते ही जातिगत जनगणना उनका मुख्य उद्देश्य होगा राहुल ने कहा कि मोहब्बत कि दुकान खोली है सबको प्यार से रहना है इस अवसर पर राहुल गाँधी अच्छे मूड में नज़र आये और फ्लाइंग किस दिया। इससे पूर्व राहुल गाँधी कि भारत जोड़ो यात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। श्री गांधी ने कहा कि देश में आर्थिक और सामाजिक अन्याय हो रहा है। घण्टाघर पर सभा को सम्बोधित करते हुए श्री गांधी ने कहा कि पहली यात्रा में लोगों से पूछा कि देश में इतनी नफरत क्यों फैल रही है तो जवाब मिला कि देश में गरीब, किसान, छोटे व्यापारी और बेरोजगारों, दलित-पिछड़े और आदिवासियों को न्याय नहीं मिलता। केन्द्र में सरकार आने पर जातिगत जनगणना लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा एमएसपी नहीं देगी कांग्रेस किसानों को लीगल एमएसपी दिलवाएगी। भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक पर उन्होंने कहा कि सरकार आने पर पेपर लीक वालों पर ऐसी कार्रवाई होगी कि याद करेंगे और विद्यार्थियों की ताकत का पता चल जाएगा।

कांग्रेस लीगल एमएसपी दिलवाएगी

श्री गांधी ने दिल्ली की ओर कूच कर रहे किसानों से कहा कि भाजपा एमएसपी नहीं देगी कांग्रेस लीगल एमएसपी दिलवाएगी। कहा कि नफरत मिटानी है और भाईचारा और मोहब्बत वापस लाना है। यह देश बिना मोहब्बत और भाईचारे के आगे नहीं बढ़ सकता। यह मोहब्बत का देश है। आप सबको अपनी जिंदगी में अपने घरों में शहरों में सड़कों पर नफरत मिटाना है और मोहब्बत की दुकान खोलना है। श्री गांधी ने धन्यवाद और जय हिन्द के उद्घोष के साथ अपना सम्बोधन समाप्त किया। अग्निवीर योजना सेना से पिछड़े, दलित और आदिवासियों को निकालने की योजना है। 4 साल बाद चुने हुए लोगों को लिया जाएगा और कमजोर और गरीब घर के लोगों को आर्मी से निकाल दिया जाएगा। दो तरह के शहीद होंगे एक अग्निवीर वाला जो शहीद होकर उसे परे कर दिया जाएगा और दूसरा जिसे शहीद का दर्जा मिलेगा।

जिले की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में जिले की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। तहसील मोहम्मदी के सभागार में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह, एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अनिल कुमार सिंह, एसडीएम डॉ अवनीश कुमार व अन्य अधिकारियों ने आये हुए फरियादियों के समस्याओं की गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए डीएम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 33 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत किये, जिसमें 04 शिकायत का मौके पर निस्तारण हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व 12, पुलिस 08, विकास 04, आपूर्ति 06 गन्ना के 01 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिन्हें पृष्ठांकित कर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु उपलब्ध करा दिया। इस दौरान मुख्य रूप से एसीएमओ डॉ अनिल गुप्ता, डीडीओ दिनकर विद्यार्थी, एसडीएम डॉ अवनीश कुमार, तहसीलदार प्रीति सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

फरियादी दिव्यांग के लिए मददगार बने डीएम, बनवाया राशन कार्ड

तहसील मोहम्मदी में संपूर्ण समाधान दिवस में राशन कार्ड बनवाने की फरियाद लेकर आए दिव्यांग की दीनहीन दशा देख डीएम भावुक हो उठे। उन्होंने डीएसओ अंजनी कुमार सिंह को आवाज लगाई और राशन कार्ड निर्गत करने के निर्देश दिए। डीएम के निर्देश मिलते ही आपूर्ति महकमें ने फरियादी दिव्यांग से जरूरी दस्तावेज लेकर राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद डीएम ने फरियादी दिव्यांग को राशन कार्ड की प्रति प्रदान की।

डीएम-एसपी ने सैम श्रेणी के शिशु को बाटी सुपोषण किट

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने एसपी गणेश प्रसाद साहा सीडीओ अनिल कुमार सिंह के साथ स्वयं श्रेणी के शिशु को सुपोषण किट प्रदान की। वही 6 माह के एक शिशु को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार कराया। इस दौरान एसडीएम डॉ अवनीश कुमार, तहसीलदार प्रीति सिंह, सीडीपीओ मौजूद रही।

ओवर ब्रिज से रानीगंज तक कराया जा रहा है सड़क निर्माण कार्य

लखीमपुर खीरी। ओवर ब्रिज रेलवे स्टेशन पर ओवर ब्रिज से रानीगंज तक सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है जो अभी लगभग 10 दिनो तक चलेगा। संकटा देवी से ओवर ब्रिज के बांई तरफ से संजय पैथालॉजी के बगल से होते हुए धर्मशाला व रोडवेज की तरफ जाने वाले वाहन संकटादेवी से सदर चौराहा होते हुए धर्मशाला व रोडवेज की तरफ जायेंगे । आमजनमानस से अनुरोध है कि यातायात व्यवस्था में सहयोग करते हुए अपनी दिशा/ लेन में ही चलें।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। थाना नीमगांव पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त नन्हे पुत्र सटले सरुचे पुत्र वंशी सर्वनिवासीगण ग्राम मुडिया थाना नीमगांव जनपद खीरी को मु0नं0 1846-15 राज्यप्रित सियाराम धारा 380 आईपीसी थाना नीमगांव जनपद खीरी व अभियुक्त 3. मतीउल्ला उर्फ कल्लू पुत्र अतीउल्ला निवासी ग्राम सरैया थाना नीमगांव को मु0नं0 38-22/अप0सं0 218/21 राज्यप्रति मतीउल्ला उर्फ कल्लू धारा 8/2 NDPS एक्ट थाना नीमगांव को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

प्रवेश के लिए 29 फरवरी तक कर सकते है आवेदन, यहां निशुल्क मिलती है शिक्षाः जिलाधिकारी

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। दिव्यांगजन को स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए उप्र शासन के प्राविधिक शिक्षा विभाग के तहत कानपुर में एक स्वायत्तशासी संस्थान डा. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन, उप्र, कानपुर में संचालित है। संस्थान में दिव्यांगों के प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश लेने के लिए इच्छुक अभ्यार्थियों से आवेदन मांगे गए है। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने डीआईओएस एवं जिला दिव्यांग जनशक्तिकरण अधिकारी को जिले में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र-छात्राओं को डा अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन, उप्र संस्थान में प्रवेश लेने के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने, प्रेरित करने के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस संस्थान में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त एवं प्राविधिक शिक्षा परिषद, उप्र से सम्बद्धता प्राप्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग और आर्कीटेक्चरल असिस्टेण्टशिप पाठ्यक्रम के लिए हाईस्कूल उत्तीर्ण अर्हता है, जिसकी पाठ्यक्रम अवधि तीन-तीन वर्ष है। वही मार्डन आफिस मैनेजमेण्ट एण्ड सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस (पाठ्यक्रम अवधि 2 वर्ष) के लिए इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अहर्ता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश क्षमता 50-50 निश्चित है। डीएम ने बताया कि प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन www.jeecup.admissions.nic.in पर करने की अन्तिम तिथि 29 फरवरी एवं प्रवेश परीक्षा की तिथि 16 मार्च से 22 मार्च है। संस्थान की वेबसाइट www.aith.ac.in एवं दूरभाष संख्या 0512-2583221 पर सम्पर्क कर संस्थान द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं का लाभ के बारे में और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

प्रवेशित दिव्यांग छात्र-छात्राओं को मिलेगी यह सुविधाएं

संस्थान में प्रवेशित दिव्यांग छात्र-छात्राओं को पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा के साथ निःशुल्क छात्रावास सुविधा तथा छात्रवृत्ति एवं रू0 1000/- प्रतिमाह की भोजनवृत्ति के अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन वर्दी (युनिफार्म) भी निःशुल्क प्रदान की जाती है। विगत वर्षों में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को लगभग 100 प्रतिशत सेवायोजन भी उपलब्ध कराया जाता रहा है।

जैन कॉलेज में छात्र-छात्राओं को फोन किए वितरित

सहारनपुर। जेवी जैन कॉलेज में आज प्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों को टैबलेट वितरण किए जाने की श्रंखला में आज छात्र-छात्राओं को फोन वितरित किए गए। आज जेवी जैन कॉलेज के सभागार में बीए द्वितीय वर्ष, एलएलबी द्वितीय वर्ष तथा बीएससी द्वितीय वर्ष के लगभग 600 विद्यार्थियों को फोन वितरित किए गए। सीआईएस के अध्यक्ष रविंद्र मिगलानी, एसआईए अध्यक्ष शिव कुमार गौड, एचएस चड्ढा तथा जैन कॉलेज एल्युमिनि के अध्यक्ष गुलशन नागपाल ने छात्र-छात्राओं को फोन वितरित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा स्मार्टफोन वितरित करने का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही विभिन्न शोध तथा रिसर्च के बारे में ज्ञान प्राप्त हो सके तथा उत्तर प्रदेश के विद्यार्थी किसी भी स्थिति में किसी से कम ना हो।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनी समस्याएं

सहारनपुर। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र द्वारा तहसील रामपुर मनिहारान में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याओं को सुना गया। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय में संवेदनशीलता अपनाते हुए गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 16, पुलिस विभाग की 04, विकास विभाग की 04, विद्युत विभाग की 04, नगर पंचायत की 01, आपूर्ति विभाग की 02 एवं लोक निर्माण विभाग की 01 कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 04 मौके पर ही निस्तारित कर दी गयी।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्याओं का समयबद्धता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। वरासत के मामलों में ढिलाई न बरती जाए एवं नियमानुसार अंश निर्धारण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राशन कार्डों के सत्यापन के कार्य में तेजी लाते हुए अधिक से अधिक पात्रों के राशन कार्ड बनाना सुनिश्चित करें।

व्यापारी सुरक्षा फोरम व्यापार मंडल ने की युवा जिला इकाई की घोषणा

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। व्यापारी सुरक्षा फोरम व्यापार मंडल द्वारा युवा जिला इकाई की घोषणा कर नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इस दौरान संदेश खुराना को युवा जिला इकाई का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। व्यापारी सुरक्षा फोरम व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष नरेश धीमान द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे युवा व्यापार मण्डल की कार्यकारणी की घोषणा करते हुए संदेश खुराना को युवा जिला इकाई का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया। श्रवण सिंघानिया, अशिनन्द सैनी को युवा जिला महामंत्री, चिराग गुप्ता को कोषाध्यक्ष, सन्दीप धीमान को संयोजक, गौरव कक्कड़, सीमान्त शर्मा, सुमित धीमान, जगदीश गिरधर, राजकुमार वर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। जबकि राजेन्द्र जैन, सुभाष सचदेवा को उपाध्यक्ष व रवि वर्मा, सनी राणा, नितिन सिंघल को मंत्री, प्रियम भागर्व को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नरेश धीमान ने कहा कि वह आशा करता है कि युवा जिला नई कार्यकारिणी व्यापारिक हित में कार्य करेगी। जिला महामंत्री मनोज ठाकुर व राजकुमार कालडा ने कहा कि युवा व्यापारी व्यापार मण्डल की रीढ़ है। सभी साथी व्यापारिक हित मे काम करेंगे। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष प्रवीण छाबडा, सर्विष्ट गुप्ता, नवीन, राजेश सैनी समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

नवागन्तुक उप आबकारी आयुक्त सेवालाल ने संभाला कार्यभार

सहारनपुर। नवांगतुक उप आबकारी आयुक्त सेवालाल ने आज विभागीय निरीक्षकों के साथ बैठक कर विशेष दिशा निर्देश जारी कर कहा कि ओवरव रेंटिग, तस्करी न हो तथा किसी भी स्थान पर अवैध शराब न पिलायी जाये। ऐसे करने वालों के विरूद्ध कडी कार्रवाई अमल में लायी जाये। गौरतलब रहे कि उप आबकारी आयुक्त शैलेंद्र कुमार राय को पदोनिन्त देकर संयुक्त आबकारी आयुक्त गोरखपुर भेजा गया है। उनके स्थान पर मंडल के उप आबकारी आयुक्त सेवा लाल को नियुक्त किया गया है। आज उप आबकारी आयुक्त सेवालाल ने अपना पदभार संभाला। उप आबकारी आयुक्त अयोध्या से आए है। उप आबकारी आयुक्त सेवालाल ने मंडल कार्यालय पहुंचते ही सेक्टर में सर्किलों व एनफोर्समेंट के आबकारी निरीक्षकों से वार्ता कर जिले की स्थिति के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी ली।

सपना ही बनकर रह गयी है लोगो के लिए मोहम्मदी को जिला बनाने को मांग

अवधनामा संवाददाता

मोहम्मदी-खीरी। मोहम्मदी को जिला बनाने को मांग लोगो के लिए सपना ही बनकर रह गयी है। वर्ष 2017 में विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलीला मैदान में अपनी एक जनसभा मंच से मोहम्मदी को जिला बनाने की घोषणा की थी। पांच साल बाद 2022 में पुनः विधानसभा चुनाव हुए और फिर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी और एक बार फिर मोहम्मदी की जनता ने भाजपा प्रत्याशी को विधायक बनाकर विधानसभा भेजा परन्तु मोहम्मदी जिला बने जनता का यह सपना सपना ही रह गया और विधानसभा के दो वर्ष बीतने के बाद लोकसभा चुनाव भी आ गये परन्तु मोहम्मदी तहसील जिला नहीं बन सकी। मोहम्मदी जिला बने इसके लिये समय समय पर कई सामाजिक संगठनो द्वारा इसे जिला बनाने की मुहिम चलाकर संघर्ष किया गया तहसील के वकीलो द्वारा हर शनिवार को हड़ताल पर रहकर इस मुहिम को काफी गति प्रदान की गयी थी परन्तु सारे प्रयास विफल रहे। जबकि वर्ष 1864 तक मोहम्मदी के जिला रहने सम्बन्धित कई प्रमाण आज भी मौजूद है। जानकारो की माने तो नगर के जेपी इण्टर कालेज के पास पहले एक किला हुआ करता था जो वर्तमान समय में खण्डहर बन चुका है। पहले अंग्रेज अधिकारी इस जगह को जिला मुख्यालय के रूप में प्रयोग करते थे। सन् 1857 के विद्रोह के दौरान जब क्रान्तिकारियों ने संघर्ष कर शाहजहांपुर जिले के पुवायां तक अंग्रेजो को भगा दिया था तब यहां बचे अंग्रेज अधिकारियों ने अपने को असुरक्षित महसूस किया। उसके बाद एक जून 1857 को एक लाख दस हजार रूपये यहां से सीतापुर भेजने की कोशिश की जिसें क्रान्तिकारियो ने रास्ते में मितौली कस्बे के पास लूट लिया था। इस घटना से भयभीत होकर अंग्रेज चार जून 1857 को बरबर में रात रूककर अगले दिन आगे बढ़े। उस दौरान बरबर औरंगाबाद मार्ग पर उन सभी 16 अंग्रेज अधिकारियो को क्रान्तिकारियो ने मौत की घाट उतार दिया था। इस घटना के बाद ही अंग्रोजो ने मोहम्मदी जिला समाप्त कर खीरी को जिला बनाया था। औरंगाबाद कस्बे के निकट जहां पर अंग्रेज अधिकारी जेम्सबाट थामसन सहित सभी 16 अंग्रेजो को मारा गया था। वहां पर ब्रिटिश सरकार ने स्मृति स्तम्भ का निर्माण करवाया। वह स्मारक अब आर्कियोलाजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया द्वारा संरक्षित है। यह स्मृति स्तम्भ 1857 की क्रान्ति का महत्वपूर्ण गवाह है। उन मृतको के परिजन आज भी यहां आते है। मोहम्मदी तहसील में दो ब्लाक है। यहां से पार्टी प्रत्याशी के भारी मतो से चुनाव जीतने के बाद नगर सहित पूरे क्षेत्र की जनता की ओर से क्षेत्रीय विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह से कई बार जिला बनाने की मांग भी की गयी थी फिर भी अब तक जनता की यह प्रमुख मांग पूरी नहीं हो सकी। विधानसभा चुनाव के बाद अब लोकसभा चुनाव आ गये है और सम्भवता पार्टी अपने जीती प्रत्याशी रेखा वर्मा पर पुनः दाव खेलेगी या प्रत्याशी बदलेगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा। अब अपने को ठगा महसूस कर रही जनता क्या निर्णय लेगी यह भविष्य की गर्भ में है।

32 गांवों के लिए वार्डवार योजना बनाएं: नगरायुक्त

नगरायुक्त ने शिकायतों की सुनवाई करते हुए दिए अधिकारियों को निर्देश

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगरायुक्त संजय चौहान ने नगर निगम में शामिल 32 गांवों के लिए वार्डवार योजना बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं, ताकि बिजली, पेयजल, जल निकासी आदि बुनियादी सुविधाओं से इन 32 गांवों को आच्छदित करने करने की दिशा में काम शुरु किया जा सके। नगरायुक्त ने नाले-नालियों से अतिक्रमण हटाने के लिए भी अभियान चलाने के निर्देश अतिक्रमण और प्रवर्तनदल प्रभारी को दिए हैं। नगरायुक्त संजय चौहान आज संभव जनसुनवाई कार्यक्रम में महानगर के लोगों की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने लाइट व जल निकासी आदि शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को उक्त आदेश दिए। लाइट सम्बंधी शिकायतों के सम्बंध में नगरायुक्त ने ईईएसएल कंपनी के इंजीनियर को बुलाकर कहा कि महानगर में उनकी कंपनी द्वारा लगायी गई लाइटों में जो लाइट खराब है उन्हें तुरंत ठीक कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कंपनी को अनुरक्षण धनराशि का भुगतान कंपनी की परफार्मेंस के आधार पर किया जायेगा।

आज जनसुनवाई के दौरान पांच शिकायतें आयी जिनमें से तीन का तत्काल निस्तारण कराया गया। बाकि दो शिकायतों के निस्तारण के लिए उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। वार्ड 27 मकबूल कॉलोनी निवासी मकबूल दानिश ने कॉलोनी की पाइप लाइन लिकेज ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। नगरायुक्त के निर्देश पर अवर अभियंता जलकल द्वारा अविलंब लीकेज ठीक करायी गयी। इसके अलावा वार्ड 6 अहमद कॉलोनी निवासी शहजाद ने अहमद कॉलोनी में तथा वार्ड 22 माता गढ़ निवासी कालूराम ने मातागढ़ में साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

24 फरवरी को सभी विकास खण्डों का होगा सोशल आडिट

गठित टीम करेगी कार्यवाही

सहारनपुर। शासन द्वारा दिए गये निर्देशों के क्रम में जिला विकास अधिकारी प्रणय कृष्ण ने बताया कि जनपद के समस्त विकास खण्डों में विकास खण्ड स्तर पर 15 ग्राम पंचायतों पर एक 04 सदस्यीय सोशल आडिट टीम एवं दो-दो रिजर्व सोशल आडिट टीम गठित की गयी है।

सोशल आडिट टीम में जिला विकास अधिकारी अध्यक्ष, जिलाधिकारी द्वारा नामित कालेज एवं प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्था के प्रतिनिधि सदस्य तथा जिला सोशल आडिट कोआर्डिनेटर सदस्य सचिव होंगे। सभी विकासखण्डों में 24 फरवरी 2024 को पूर्वान्ह 11 बजे गठित टीम के द्वारा सोशल आडिट के संबंध में कार्यवाही की जाएगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। शासन द्वारा शनिवार कों आयोजित होने वाला सम्पूर्ण समाधान दिवस आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा के चलते मंगलवार कों तहसील सभागार में डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान कुल 67 शिकायतें आई जिनमें मात्र 05 का निस्तारण हुआ।

बताते चले की मंगलवार कों सम्पूर्ण समाधान दिवस पहुंची डीएम हर्षिता माथुर के समक्ष राजस्व संबंधी सर्वाधिक 29 मामले आए जिसमें सरकारी भूमि पर अवैध कब्जेदारी के मुद्दे प्रमुख रहे। मौके पर हलोर प्रधान पति रिंकू चौधरी ने पट्टा अवैध होने के बावजूद पैसा लेकर लेखपाल द्वारा लोगो कों जमीन कब्जा कराने का आरोप लगाया। ताजुद्दीनपुर निवासी हरिहर सिंह ने गांव में नियुक्त रोजगार सेवक देवनाथ द्वारा मनरेगा मजदूरी भुगतान में भ्रष्टाचार की जांच कराने की मांग की। कस्बे की शांति नगर सभासद ऊषा त्रिपाठी द्वारा वार्ड में जर्जर विद्युत पोल बदलने व रविवार कों साफ सफाई कराने का मुद्दा उठाया। रिंकू जायसवाल द्वारा मस्जिदों से लाउड स्पीकर हटाने तथा मेला ग्राउंड से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग। अटर गांव निवासी रामलखन द्वारा लेखपाल राजेंद्र भारती पर चक मार्ग में गलत नाप की शिकायत की। कस्बा निवासी शमसुल हक द्वारा चंदापुर चौराहा स्थित मकान के बाहर अवैध रूप से खड़े रहने वाले टैम्पो की शिकायत डीएम से की। डीएम हर्षिता माथुर द्वारा सभी शिकायतो कों गुणवत्ता एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण के सख्त निर्देश दिए गए। मौके पर कप्तान अभिषेक अग्रवाल, सीएमओ वीरेंद्र सिंह, एसडीएम राजित राम गुप्ता, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, ईओ अपर्णा मिश्रा सहित समस्त विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

■ राजभवन में मुख्यमंत्री के समक्ष राज्यपाल आनंदी बेन के हाथों प्रशस्ति पत्र पाए पुरासी क्षेत्र के प्रगतिशील किसान गंगासागर पांडेय द्वारा तहसील सभागार पहुंच डीएम हर्षिता माथुर कों विपरीत जलवायु में कड़ी मेहनत व लगन से अपने खेतो में जैविक विधि से लगे पेड़ों के कश्मीरी बेर की टोकरी भेंट की। जिसकी सराहना डीएम ने भी की।

20 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

सतांव रायबरेली। गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के पूरे जिया का पुरवा मजरे जैतीपुर गाँव में एक 20 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण करने के उपरान्त शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। जानकारी के अनुसार कोमल (20) पुत्र भारत लाल निवासी पूरे जिया का पुरवा मजरे जैतीपुर सोमवार की देर शाम शौच के घर निकला था। देर रात तक घर वापस ना आने पर परिवारजनों ने उसकी तलाश शुरु की। अंधेरा अधिक होने के कारण से रात में कुछ पता नही चला। सुबह ग्रामीण शौच के लिए खेतों की तरफ गये तो गाँव से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित बाग में कटहल के पेड़ से कोमल का शव फांसी के फंदे से लटका देखा। घटना की जानकारी होते ही परिवारजनों में कोहराम मच गया। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई।

मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच में रोटरी क्लब ने भारत विकास परिषद को हराया

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब सहारनपुर कोन्टीनेन्टल एवं भारत विकास परिषद 'सिद्धार्थ' के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया, जिसमें रोटरी क्लब ने बेहतर प्रदर्शन कर भारत विकास परिषद को पराजित किया।

स्थानीय जे.वी.जैन डिग्री कालेज के मैदान में आयोजित मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजपाल सिंह, अति विशिष्ट अतिथि रोटरी जोन-16 के असिस्टेंट गवर्नर कर्नल संजय मिड्ढा, जे.वी.जैन कालेज के प्राचार्य हरिओम गुप्ता, कालेज के सेक्रेटरी मोहित जैन ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। टॉस रोटरी क्लब सहारनपुर कोन्टीनेंटल के कैप्टन नगर विधायक राजीव गुम्बर एवं भारत विकास परिषद के कैप्टन महापौर डा.अजय कुमार सिंह के बीच हुआ, जिसमें रोटरी क्लब ने जीतकर सर्वप्रथम बैटिंग ली। टीम ने निर्धारित ओवर में 81 रन बनाये। 81 रन का टारगेट लेकर मैदान में उतरी भारत विकास परिषद 75 रन आउट ऑल आउट हो गयी। मैच में नगर विधायक राजीव गुम्बर एवं महापौर डा.अजय सिंह ने क्रिकेट खेलकर मैच का शुभारंभ कराया। मैन ऑफ द मैच गुलशन कपूर, बेस्ट बोलर चेतन, बेस्ट प्लेयर-राहुल गांधी, वरदान मदन को दिया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के असिस्टेंट गवर्नर एवं प्रमुख समाजसेवी कर्नल संजय मिड्ढा ने कहा कि आज की भागदौड़ की जिन्दगी में जो फिट है वही हिट है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को शारीरिक व्यायाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल मनुष्य को स्वस्थ रखने का काम करते है और इस मैत्री पूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन भी खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तथा लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने के लिए किया गया है। मैच की कमेन्ट्री स.एम.पी.सिंह चावला व संदीप शर्मा ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनिल मदान, कपिल गोयल, नितिन अग्रवाल, तपेश ममगई, चमन सिंह चौहान, आशू गोयल, दीपा ममगई, पायल गांधी, पूनम मदान, संगीता शर्मा, आस्था शर्मा, नेहा सचदेवा आदि मौजूद रहे।

उपभोक्ता फोरम ने शॉपिंग मॉल पर ठोंका जुर्माना

■ अधिवक्ता सुरेंद्रनाथ ने 20 मई 2022 को सिटी कार्ट शॉपिंग मॉल से की थी खरीदारी

अवधनामा संवाददाता

गोण्डा। जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र के सोहिली गांव निवासी अधिवक्ता सुरेंद्रनाथ मिश्रा के मुताबिक वह 20 मई 2022 को शहर के सिटी कॉर्ट शॉपिंग मॉल में परिवार के साथ खरीदारी करने गए थे। वहां उन्होंने 628 रुपये का सामान खरीदा था। सुरेंद्र के अनुसार, मॉल के कर्मचारी ने उन्हें सामान के साथ एक थैला भी दिया था, लेकिन बिल देते समय थैले की कीमत के रूप में चार रुपये अतिरिक्त जोड़? लिया। इस संबंध में जब उन्होंने कर्मचारी से पूछताछ की तो उसने मैनेजर से बात? करने को कहा। सुरेंद्र का कहना है कि दो दिन दौड़ाने के बाद मैनेजर ने उनसे कहा कि थैले की कीमत अलग से ही ली जाती है। आरोप लगाया कि सवाल-जवाब पर उसने अभद्रता भी की?। मैनेजर के कृत्य से आहत अधिवक्ता सुरेंद्रनाथ मिश्रा ने उपभोक्ता फोरम में वाद दायर कर 55 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की मांग की थी?। फोरम ने प्रतिवादी को नोटिस जारी किया लेकिन वह उपस्थित नहीं हुआ। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता सुरेंद्र नाथ ने फोरम को बताया कि शॉपिंग मॉल की तरफ से उन्हें जो थैला दिया गया, उस पर कंपनी ने प्रचार-प्रसार के लिए अपना नाम लिख रखा था?, जो सीधे तौर पर उपभोक्ता के अधिकारों का हनन है। फोरम के अध्यक्ष रामानंद तथा पीठासीन सदस्य सुभाष सिंह व मंजू रावत ने सुनवाई के बाद शॉपिंग मॉल को जिम्मेदार ठहराते हुए उस पर 8004 रुपये का जुर्माना लगाया है। फोरम ने शॉपिंग मॉल के प्रबंधक को एक माह के भीतर जुर्माने की धनराशि परिवादी अधिवक्ता सुरेंद्रनाथ मिश्र को चुकाने का निर्देश दिया है। तय समय में जुर्माना न देने पर प्रति माह 6 प्रतिशत ब्याज भी देना होगा।

दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या का आरोप

गोण्डा। धानेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम शक्तिपुरवा ढोंगही पूरे सुकाली के रहने वाले जोगबहादुर के मुताबिक उसने अपनी बेटी मैना देवी (21 वर्ष) का विवाह दो साल पहले जिआऊपुरवा रमवापुर नायक के राजेश के साथ किया था। विवाह के बाद? मैना के ससुराल वाले उससे दहेज में सोने की जंजीर व एक लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर मैना को प्रताड़ित किया जा रहा था।

आरोप है कि सोमवार की रात पति राजेश सोनकर ने बहन रीना देवी व दो अन्य लोगों के साथ मिलकर नैना देवी की मारपीट कर हत्या कर दी। मामले को आत्महत्या दर्शाने के लिए उसका शव छज्जे के हुक में लटका दिया। सुबह मैना का शव हुक से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पिता ने हत्या का आरोप लगाते हुए इटियाथोक थाने में तहरीर दी है।

संकल्प पत्र के जरिये पत्रकार हितों की अपनी नीतियां स्पष्ट

अवधनामा संवाददाता

गोण्डा। संकल्प पत्र के जरिए भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति व सोशल मीडिया पत्रकार महासंघ पत्रकार हितों की अपनी नीतियों की घोषणा करेगा। यह घोषणा आगामी 25 फरवरी दिन रविवार को गोरखपुर मण्डल के सभी जिलों के प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया व सोशल मीडिया की संयुक्त बैठक में होगी। उक्त आशय की सूचना संगठन के गोरखपुर मण्डल अध्यक्ष डाक्टर सतीश चन्द्र शुक्ला ने देते हुए बताया कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय सरदार दिलावर सिंह इसकी घोषणा करेंगे। बैठक गोरखपुर के असुरन चौक के नजदीक सरदार पटेल सेवा संस्थान भेडियागढ़ स्थित कबीर मठ में दिन के 11 बजे से होगी। इसमें देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर और महराजगंज के वे सभी पत्रकार भाग लेंगे जो पत्रकार एकता के लिए प्रतिबद्ध हैं। डाक्टर शुक्ला ने बताया कि इसमें सभी पत्रकार संगठनों के पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि इस बैठक में परिचय पत्रों का वितरण भी किया जाएगा। उन्होंने इसमें उन सभी पत्रकारों से भाग लेने की अपील की है जो पत्रकार एकता के लिए कार्य कर रहे हैं।

जेसीबी से उखाड़ दिए सागौन के 43 पेड़, मुकदमा दर्ज

गोण्डा। मोतीगंज थाना क्षेत्र के छाछपारा मुतवल्ली गांव में खेत में लगे सागौन के 43 पेड़ों को जेसीबी मशीन लगाकर उखड़वा दिया गया। सूचना मिलते ही वन दरोगा देव नारायण पाण्डेय तत्काल मौके पर पहुंचे। इस मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। वन विभाग के पंडरी कृपाल रेंज की विद्यानगर बीट के दरोगा देवनारायण पाण्डेय ने मोतीगंज पुलिस को तहरीर दी जिसमें कहा कि वह सुबह कार्यरत वन क्षेत्र में भ्रमण पर थे।

भाजपा सरकार जनहित के हर मोर्चे पर विफल है : राजभर

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर पीडीए सम्मेलन सपा जिला अध्यक्ष माननीय लाल यादव जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राम अचल राजभर जी रहे तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद माननीय आलोक तिवारी जी तथा माननीय सैयदा खातून जी विधायक डुमरियागंज रही। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रवक्ता /जिला सचिव अब्दुल कलाम सिद्दीकी ने किया।

पीडीए सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राम अचल राजभर ने कहा कि भाजपा की सरकार जनहित के हर मोर्चे पर विफल है भाजपा सरकार ने धरातल पर कोई काम नहीं किया बल्कि गोदी मीडिया के सहारे अपनी झूठी उपलब्धियां का बखान किया भाजपा के नेताओं ने चुनाव के समय जितने भी वादे किए थे उनके सभी वादे खोखले एवं झूठे निकले ना तो बेरोजगारों को नौकरी मिल रही है और ना ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लग पाया और ना ही किसानों की आय दुगनी हुई और इनका बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का नारा एकदम छलावा साबित हुआ महिलाओं पर अत्याचार के घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है देश की सरकारी संपत्तियों को पूंजी पतियों के हाथों बेचा जा रहा है जब देश में सरकारी संपत्ति ही नहीं रहेगी तो हमारे बच्चों को सरकारी नौकरी मिलेगी कैसे आज देश में नौकरी के नाम पर संविदा और आउटसोर्सिंग की नौकरी है और रोजगार के नाम पर ठेला और पकौड़े की बात की जा रही है भाजपा सरकार में पिछड़ों और दलितों के लिए यह एक बहुत बड़ी साजिश है और हम लोगों को धर्म के नाम पर गुमराह करने का काम किया जा रहा है समाजवादी पार्टी ही दलितो पिछडो एवं शोषित समाज की सच्ची हितैषी है क्योंकि समाजवादियों ने काफी पहले से ही बाबा साहब के संविधान के अनुरूप नारा लगाया करते थे कि सोशलिस्टों ने बांधी गांठ पिछड़े पावे 100 में 60 और बाबा साहब को जो नागरिक सम्मान मिलना चाहिए था उसे मिलाने में 40 साल लग गए और जब समाजवादियों की सरकार 1989 मैं बनी तब जाकर 1990 में बाबा साहब को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया बाबा साहब ने संविधान में हमको स्वतंत्रता समानता बंधुत्व एवं संप्रभुता का जो अधिकार दिया था अब बाबा साहब के उस संविधान पर संकट है 2024 का होने वाला लोकसभा चुनाव देश बचाने का चुनाव है। भाजपा सरकार महंगाई बेरोजगारी शिक्षा और स्वास्थ्य की बात ना कर जनता का ध्यान भटकाने में लगी है देश का पिछड़ा और दलित समाज जाग चुका है अब वह उनके किसी बहकावे में आने वाला नहीं है लोकसभा चुनाव 2024 में पीडीए वोट समाजवादी पार्टी के साथ पूरी ताकत से खड़ा रहेगा और इस जन विरोधी सरकार को उखाड फेंकने का काम करेगा। उक्त सम्मेलन में पूर्व विधायक अनिल सिंह पूर्व विधायक विजय पासवान अजय चौधरी विभा शुक्ला

ना ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लग पाया और ना ही किसानों की आय दुगनी हुई : राम अचल राजभर

अफसर रिजवी बेचई यादव नागेंद्र नाथ चतुर्वेदी चंद्रमणि यादव सुरेश यादव घिसियावन यादव अजय यादव मोहम्मद इदरीश पटवारी प्रदीप पथरकट वीरेंद्र तिवारी राम परशुराम यादव धीरज साहनी खालकुल्ला खान कमरूज्जमा खान अब्दुल कलाम सिद्दीकी फिरोज आलम एसके मेहंदी एडवोकेट डॉ अमित शर्मा बहराइची प्रसाद प्रेमी धीरू यादव तिलकराम यादव विजय अग्रहरी चंद्रभान पहलवान साहू राजेश गुप्ता घनश्याम जायसवाल बच्चा राम बौद्ध विनोद यादव रामू यादव जोखन चौधरी रमजान अली चंद्रहास यादव रामसेवक लोधी बृजभान यादव सर्व देव यादव सुनील यादव कृष्ण नाथ यादव पहलवान सुभाष यादव राधे श्याम यादव विजय चौधरी मनीष यादव अनिल यादव उमेश चंद यादव मनीष यादव राजू चौधरी अब्दुल लतीफ कलाम खान शाहबाज आलम रवि शंकर यादव अमित यादव मुकीम खान चंद्रजीत यादव जलालुद्दीन खान अंगद यादव मोहम्मद अमूल मकरानी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ओलावृष्टि से किसानों हुए मायूस

जालौन। आज असमय जालौन के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में भारी ओलावृष्टि की खबर ने किसानों को मायूस कर दिया है। दोपहर तीन बजे के लगभग समीपवर्ती ग्राम खनुआं, कैरम में अचानक बादल गड़गड़ने लगे। तेज गति से ओलावृष्टि होने लगी। इस समय रबी की फसल पूरी तरह पक चुकी है। मटर चना, गेहूं, मसूर की फैसले कटने को तैयार हैं। ऐसे में ओलावृष्टि से खेत में खड़ी फसल वहीं झड़ जाती है और वर्ष भर खेत में मेहनत कर रहा किसान खाली हाथ हो गया है। खनुआं के किसान रामदास, कृष्ण कुमार, जगदीश, परमलाल, भगवान दास आदि ने बताया कि इस बार फसलें बीच-बीच में हुई बारिश से पहले ही प्रभावित थीं। परंतु आज की ओलावृष्टि ने किसानों को तबाही की ओर धकेल दिया है मौसम की असामयिक मार से पीड़ित किसान अब सरकारी सहायता हेतु सरकारी तन्त्र की ओर आसलगा रहा है। चुनावी वर्ष में जब देश में कई जगह किसान अपनी मांगों को आन्दोलनरत हैं। ऐसे में जनपद जालौन के मौसम की मार से पीड़ित किसानों की सहायता सरकारी तंत्र द्वारा शीघ्र हो सकेगी यह जनप्रतिनिधियों की सक्रियता व संवेदनशीलता पर निर्भर करेगी।

43वी वाहिनी एस.एस.बी द्वारा संचालित 45 दिवसीय कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग प्रशिक्षण का समापन

अवधनामा संवाददाता

शोहरतगढ सिद्धार्थनगर। 43वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, सिद्धार्थनगर द्वारा सीमा चौकी खुनुवा के कार्यक्षेत्र के बगहवा में आयोजित किये गए 45 दिवसीय कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग प्रशिक्षण का कंपोजिट उच्च माध्यमिक विधालय, धनौरा मुस्तकम में समापन समारोह का आयोजन किया गया।

जानकारी देते हुए उज्जल दत्ता, कमान्डेंट, 43वी वाहिनी ने बताया कि 43वी वाहिनी भारत-नेपाल सीमा की लगभग 40 कि.मी. कार्यक्षेत्र की सुरक्षा के साथ-साथ अपने कार्यक्षेत्र के कुल 684 गांवों के नागरिकों के उत्थान के लिए समय समय पर सामाजिक चेतना अभियान एवं नागरिक कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को स्वालंबी एवं स्वरोजगार प्रदान करने एवं समाज के उत्थान हेतु प्रयासरत रही है जैसे ग्रामीणों को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार प्राप्त कराने, ग्रामीणों के मुलभुत सुविधाओं को मुहैया कराने, खेल-कूद के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने तथा शैक्षिक भ्रमण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को अपने देश के ऐतिहासिक, शैक्षणिक संस्थाओं व संस्कृति से रु-ब-रु होने का अवसर प्रदान करने जैसे नागरिक कल्याण कार्यक्रम कर हमेशा प्रयासरत रही है। इसी कड़ी में 43वी वाहिनी द्वारा ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान, एस.बी.आई, सिद्धार्थनगर के सहयोग से सीमा चौकी खुनुवा के कार्यक्षेत्र के बगहवा गाँव में दिनांक 04.01.2024 से 19.02.2024 संचालित किये गए तक 45 दिवसीय कंप्यूटर

हार्डवेयर और प्रशिक्षण का आज समापन किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान सीमाई क्षेत्र के 06 गांवों के कुल 35 छात्र-छात्रा लाभान्वित हुए तथा इस लाभार्थियों को 43वी वाहिनी के तरफ से यशवंत कुमार, उप कमान्डेंट के कर कमलों से भावना जयसवाल, निर्देशक, ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान, एस.बी.आई एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के गरिमामई उपस्थिति में टूल किट दिया गया है जिससे ये लोग प्रशिक्षण के आधार पर स्वरोजगार के क्षेत्र में अग्रसर हो सके। इस समापन समारोह में एसएसबी से अखिलेश कुमार, सहायक कमान्डेंट, सीमा चौकी धनौरा, जसवंत कुमार, सहायक कमान्डेंट, सीमा चौकी खुनवा व अन्य कार्मिकों के साथ साथ दिनेश कुमार, अध्यापक, कंपोजिट उच्च माध्यमिक विधालय, धनौरा मुस्तकम, सुखई प्रसाद मौर्या, ग्राम प्रधान, धनौरा मुस्तकम, मो. अहमद हुसैन, प्रधान प्रतिनिधि, प्रसून शुक्ला, जिला संयोजक, प्लान इंडिया एन.जी.ओ, सहायक उप निरीक्षक सालिक राम, ए.पी.एफ, नेपाल व अन्य गणमान्य ग्रामीण व स्कूली बच्चें उपस्थित रहे।

भारत वर्ष विश्वगुरु है और रहेगा : संत कमलानंद

गाजीपुर अवधनामा ब्यूरो। नगर के सिद्धेश्वर नगर कालोनी स्थित जिला पत्रकार समिति के हाल में मिशन जामवंत से हनुमान जी के राष्ट्रीय संयोजक सूर्य कुमार सिंह के प्रमुख संयोजन में प्रदेश संयोजक कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक के संचालन और प्रख्यात शिक्षाविद् एवं समाजसेवी डा. व्यासमुनि राय की अध्यक्षता में पर्यावरण जागरूकता बौद्धिक एवं काव्य संगोष्ठी में मानव समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को मंचीय एवं आनलाईन पर्यावरण जागरूकता सम्मान-2024 मिशन जामवंत से हनुमान जी के प्रमुख संरक्षक पूर्व आईएएस अधिकारी एवं प्रख्यात संत कमलानन्द जी महाराज (डा. कमल टावरी) ने 108 लोगों को भेंट करने के बाद कहा कि भारत वर्ष विश्वगुरु है और रहेगा। हम सबको संसार में अपने आपको सभी प्रकार से सुदृढ़ रखने के लिए जो भी साधन संसाधन है। उसके अनुसार स्वावलंबी बनने का प्रयास करना चाहिए। कवि सम्मेलन में कामेश्वर द्विवेदी, दिनेश चन्द्र शर्मा, इंद्रजीत तिवारी निर्भीक, हरिशंकर पाण्डेय हरि, डा. विजय नरायण तिवारी, औषधि पण्डित रंगबहादुर सिंह, यशवन्त यादव,विनय पाण्डेय, भगवती प्रसाद राय, संजय पाण्डेय आदि ने का पाठ किया। स्वागत संयोजन मिशन जामवंत से हनुमान जी गाजीपुर जिला संयोजक डा. विजय नरायण तिवारी व धन्यवाद आभार डा. रणविजय सिंह ने किया।

मृगनयनी प्रदर्शनी का आयोजन आज

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। मध्य प्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लिमिटेड द्वारा हथकरघा व हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मृगनयनी प्रदर्शनी का आयोजन कल 21 फरवरी से 3 मार्च 2024 तक राजधानी में अलीगंज स्थित ललित कला अकादमी में किया जा रहा है जिसमें लगभग 40 बुनकर व शिल्पी स्वनिर्मित कलाकृतियों का प्रदर्शन व विपणन करेंगे। प्रदर्शनी के प्रभारी एमएल शर्मा ने बताया कि इस बार की प्रदर्शनी में पंच धातु के बने राम दरबार विशेष आकर्षण है जो बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे साथ ही रामायण व महाभारत कालीन शिल्प कला पर आधारित हस्तशिल्प उत्पाद भी उपलब्ध है 1930 के दशक की रेशम, चंदेरी, कॉटन साड़ियां, मध्य प्रदेश का विशेष बाग प्रिंट वाली साड़ियां तथा हथकरघा की चादर चंदेरी, जरी, जरदोजी उत्पाद भी देखने को मिलेंगे।

दो विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। भाषा विश्वविद्यालय की आलिया और सागर ने जीता द्वितीय कैश प्राइज यूपी प्रोडक्टिविटी कॉउन्सिल द्वारा नेशनल प्रोडक्टिविटी वीक के अंतर्गत आयोजित वीडियो प्रतियोगिता में भाषा विश्वविद्यालय के एन एस एस यूनिट एक के दो विद्यार्थियों आलिया और सागर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में महिलाओं में डिजिटल लिटरेसी विषय पर एक 5 मिनट का वीडियो बनाना था जिसके लिए उन्हें सिर्फ एक दिन का समय मिला था। इसमे ए आयी टूल के बिना इस वीडीओ को अपनी आवाज़ में रिकॉर्ड करना आवश्यक था। अवार्ड सेरेमनी सी बी गुप्ता बी एस एस महाविद्यालय में हुई और इसका आयोजन डॉ सुधा बाजपेयी तथा प्रियंका गुप्ता जी ने किया। इसमे विद्यार्थियों को 1000 का कैश प्राइज के साथ सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है।

लाभार्थी संपर्क अभियान की कार्यशाला हुई सम्पन्न

देवरिया अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र के औरा चौरी स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर पार्टी द्वारा आयोजित लाभार्थी संपर्क अभियान के निमित्त 3 विधानसभाओं के संयोजक और प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारियों के साथ संपर्क अभियान के पदाधिकारियों की बैठक जिला प्रभारी संतराज यादव की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी संतराज यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों भी हमने घर घर जाकर महा संपर्क अभियान चलाया था तथा विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से गांव गांव सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य भी किया था 17 और 18 फरवरी को सम्पन्न हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर कार्यकर्ता को घर घर जाकर लाभार्थियों से संपर्क करना चाहिए और सरकार द्वारा दिए जा रहे लाभों का विश्लेषण करना चाहिए और लाभार्थियों से संवाद करके ये पता करना चाहिए कि उनको योजनाओं का लाभ मिल रहा है कि नहीं मिल रहा है। इस अभियान को 1 मार्च से 3 मार्च तक सम्पन्न करना है । इस अभियान के तहत हमे गांव गांव और घर घर तक पहुंचना है, तथा ये ध्यान रखना है कि एक भी घर छूटने न पाए।

समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनी फरियाद

अवधनामा संवाददाता

उरई जालौन। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक ईरज राजा की अध्यक्षता में माधौगढ़ तहसील के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने जन शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर उसका निस्तारण सम्बंधित अधिकारियों को ससमय गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी के समक्ष 42 शिकायतें प्राप्त है जिसमें से 05 शिकायतो का मौके पर ही निस्तारण किया गया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि

जन शिकायतों का निस्तारण अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्ता पूर्ण ढंग से करते हुए शिकायतकर्ता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जाए। उन्होंने तहसील में आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनते हुए प्राप्त प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए निर्देश दिए कि संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरण में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा की गई शिकायतों का निस्तारण की क्रॉस जांच भी कराई जाएगी साथ ही शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाएगा।

युवा संसद प्रतियोगिता में अंजलि अव्वल

अमेठी। नगर स्थित एनवाईके कार्यालय पर युवा संसद प्रतियोगिता का मंडल स्तर पर आयोजन वर्चुअल माध्यम से सोमवार को किया गया। इसमें अयोध्या मंडल के सभी जनपद के 18 से 25 वर्ष की आयु के युवाओं ने भाग लिया। सभी ने वर्चुअल मध्यम से अपने विचार आत्म निर्भर भारत से विकसित भारत भारत को विश्व गुरु बनाना और भविष्य को शसक्त करना विषय पर 4 मिनट में विचार रखे। इस कार्यक्रम का संचालन इंजी लालमणि कश्यप ने कार्यलय से किया। निर्णायक मंडल ने अयोध्या में बैठकर सभी प्रतिभागियों के विचारो का मूल्यांकन किया। इस प्रतियोगिता में जनपद अमेठी से अंजलि मिश्रा प्रथम और अभिजीत त्रिपाठी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवादी विचार धारा की पार्टी है : धीरज बाथम

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा द्वारा आयोजित सामाजिक सम्मेलन में बोलते हुए माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा में सदैव तत्पर है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के सम्मान का ध्यान रखा जाएगा। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष धीरज बाथम ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवादी विचार धारा की पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता इस विचार को सर्वोपरि रखते हुए सेवा देता है। पार्टी की विचारधारा से प्रेरित होकर अन्य दलों के लोग बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में जालौन सेवा समिति के अध्यक्ष रामशरण विश्वकर्मा भारतीय जनता पार्टी में आज शामिल हुए।कार्यक्रम का संचालन मोर्चा के महामंत्री विकास पटेल ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख से भारतीय जनता पार्टी की जिला मंत्री श्रीमती अंजू अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष नरेश कुशवाहा, सुनील लोहिया मंडल अध्यक्ष कोच, प्रदीप गुप्ता नपा अध्यक्ष कोच,अनिल वर्मा सभासद ,दंगल यादव सभासद, नरेंद्र विश्वकर्मा शक्ति केंद्र संयोजक, बाबूराम पाल ,राघवेंद्र सोनी मुकेश कुशवाहा जी ,नरेंद्र विश्वकर्मा ,रवि कुशवाहा ,मिस्टर पटेल मनीष प्रजापति, शिव शंकर प्रजापति, संजय राठौर ,श्याम सिंह राजपूत, अतुल्य गीत, सुमित प्रजापति ,मनोज साहू ,अतुल कुशवाहा, रमाकांत कुशवाहा जी, नगर अध्यक्ष महिला मोर्चा समेत सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साढ़े चार हजार विद्यार्थियों को मिलेगा स्मार्टफोन

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार (22 फरवरी) को साढ़े चार हजार विद्यार्थियों को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरण समारोह में शामिल होकर जीवन में सफलता हासिल करने के लिए युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। तीन हजार छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन तथा डेढ़ हजार को टैबलेट वितरित किया जाएगा। वितरण समारोह में सीएम योगी कुछ विद्यार्थियों को अपने हाथों से स्मार्टफोन व टैबलेट प्रदान करेंगे। यह कार्यक्रम रामगढ़ताल के सामने स्थित महंत दिग्विजयनाथ पार्क में होगा। इसी दिन सीएम योगी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी के आयकर विभाग गोरखपुर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। सीएम योगी की मौजूदगी में अभी 28 जनवरी को गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एक हजार युवाओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया था। एक बार फिर वह 22 फरवरी को साढ़े चार हजार युवाओं के स्मार्टफोन व टैबलेट वितरण समारोह में शामिल होंगे।

मूक-बाधिर बच्चों का कानपुर में होगा कॉक्लियर इम्प्लांट

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। जिले के 0 से 5 वर्ष तक के जन्म से गूंगे-बहरे बच्चों की पहचान कर उनका इलाज कराने के लिए सीएमओ कार्यालय में जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। स्क्रीनिंग कैंप में डॉ एसएन मेहरोत्रा मेमोरियल ईएनटी फाउंडेशन कानपुर द्वारा आवाज सुनने एवं बोलने में काफ़ी परेशानियों का सामना करने वाले 64 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। इसमें से 26 बच्चों को कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए चिह्नित किया गया। उनकी ऑडियोलाजिस्ट द्वारा जाँच की गई।

इस मौके पर जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने कहा कि एडीप योजना के तहत गंभीर मामलों वाले बच्चों को अभिभावक के साथ कॉक्लियर

इम्प्लांट हेतु डॉ एसएन मेहरोत्रा मेमोरियल ईएनटी फाउंडेशन कानपुर भेजा जाएगा। जहाँ ऑपरेशन कराकर वे अपना सफल इलाज कराएंगे। उन्होंने कहा कि अबतक जिले के 16 मूक बाधिर बच्चों की कानपुर में सर्जरी कराई गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि 6 वर्षीय देव मौर्या की कॉक्लियर इम्प्लांट की सर्जरी मेहरोत्रा ईएनटी अस्पताल में कराई गई थी। सर्जरी के बाद दो वर्ष स्पीच थेरपी के बाद वह अब सामान्य बच्चों की तरह बोल सुन सकता है और स्कूल भी जाता है। सीएमओ डॉ राजेश झा ने कहा कि आरबीएसके योजना अन्तर्गत बच्चों में होने वाली 43 तरह की बीमारियों का पता लगाने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों व सरकारी विद्यालयों पर स्क्रीनिंग कैंप लगाकर बच्चों की जाँच की जाती है। बहरेपन की समस्या से बच्चों को बचाने के लिए समय रहते इलाज बहुत जरूरी है। इसके लिए माता- पिता दोनों को ध्यान देने की जरूरत है।

खनिज अधिकारी की बोलेरो में डंपर ने मारी टक्कर

उरई (जालौन)। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की किलोमीटर संख्या 229.6 पर बिना प्रपत्रों के ओवरलोड बालू भरकर जा रहे एक डंपर ने दूसरे डम्फर ने पीछे से टक्कर मार दी, साथ ही वहीं पर चेकिंग कर रहे खनिज अधिकारी की सरकारी बोलेरो गाड़ी में भी टक्कर मार दी जिससे गाड़ी के पिछले भाग के परखच्चे उड़ गये। खनिज अधिकारी द्वारा थाना कुठौंद में तहरीर देकर अभियोग पंजीकृत कराया है। विवरण के अनुसार दोपहर किलोमीटर संख्या 229.6 पर ओवरलोड बालू भरे ट्रकों की पड़ताल कर रहे खनिज अधिकारी की सरकारी बोलोरो गाड़ी में डंपर संख्या यूपी 84 ए टी 3397 ट्रक जो मोरम लोड करके बंगरा से बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से होकर जा रहा था। तेज गति के ट्रक ने चेकिंग कर रहे खनिज अधिकारी की बोलेरो गाड़ी संख्या अप 79 बाई 5857 में पीछे से टक्कर मार दी। घटना की सूचना पाकर यू पीडा का सुरक्षा बल मौके पर पहुंचा तथा ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। हादसे को देख वहां पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई और अफरातफरी का माहौल हो गया।

शिक्षकों के समस्याओं के समाधान हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारी को दिया ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। मंगलवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सिद्धार्थनगर के जिला मंत्री व ब्लॉक अध्यक्ष राकेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में विभिन्न शैक्षिक समस्याओं के निदान हेतु राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कार्यकारिणी ने खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया। जिसमें विद्यालय के वरिष्ठतम शिक्षक को विद्यालय प्रभार देने, रसोईया मानदेय नियमतीकरण, मध्याह्न भोजन परिवर्तन लागत का समय से प्रेषण, सभी शिक्षकों का विभागीय पहचान पत्र निर्गत करने, शिक्षक संकुलों का बकाया मोबिलिटी भत्ता भुगतान, बीआरसी कार्यालय सहायकों के पटल निर्धारण, बिना स्पष्टीकरण लिए शिक्षकों का वेतन बाधित न करने, विद्यालय निर्माण कार्य हेतु शिक्षक को जबरन निर्माण कार्य प्रभारी न बनाने और नगर क्षेत्र में

कार्यरत शिक्षकों को नगरीय आवासीय भत्ता दिए जाने आदि प्रमुख मांगे सम्मलित रही। ज्ञापन देने के उपरांत बैठक में अध्यक्ष राकेश कुमार पांडेय ने कहा कि कतिपय बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर कक्ष निरीक्षक ड्यूटी पर लगाए गए शिक्षकों को अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके निवारण हेतु केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया जाए, इसके अतिरिक्त विगत वर्षों के परीक्षा ड्यूटी का पारिश्रमिक भुगतान कराया जाए। इस अवसर पर ब्लॉक महामंत्री शेष राम यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इश्तियाक अहमद, कोषाध्यक्ष राम सिंह पाल, मीडिया प्रभारी मनोज द्विवेदी, उपाध्यक्ष रमेश यादव, दिलीप शर्मा, संजय मिश्रा, चंद्र भूषण दुबे, आलोक गिरि, राजेश त्रिपाठी, विवेक द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

जर्जर सड़क से मिलेगी निजात, सड़क का विधायक ने किया भूमि पूजन

कोंच अवधनामा संवाददाता। कोंच- कैलिया मार्ग की सड़क पुनर्निर्माण किए जाने के लिए मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने भूमि पूजन किया। विधायक ने इस मौके पर कहा कि इस सड़क की जर्जर हालत को देखते हुए शासन स्तर पर लगातार की गयी पैरवी का नतीजा है कि अब सड़क का नए सिरे से निर्माण हो जाने के बाद क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानी से निजात मिल जाएगी। उन्होंने ठेकेदार सहित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण किया जाये और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं बाईपास मार्ग पर पटरी बनाये जाने और कुछ जगह उखड़ गयी सड़क की मरम्मत कराये जाने के लिए भी विधायक ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता क्षितिज विवेक और अवर अभियंता सुनील कटियार ने बताया कि कोंच- कैलिया मार्ग पर कोंच से लेकर सलैया तक 21.170 किमी की दूरी की यह सड़क 7 मी. चौड़ी बनाई जाएगी। 15 माह में सड़क का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा और इसके निर्माण में 37 करोड़ रुपये की लागत आएगी। भूमि पूजन के दौरान पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, भाजपा जिला मंत्री अंजू अग्रवाल, नगर अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, सुनील शर्मा, सभासद रविकांत कुशवाहा, अनिल वर्मा, दंगल यादव, नरेश कुशवाहा, विकास पटेल धनौरा, मनोहर निरंजन, नरेंद्र विश्वकर्मा, बाबूराम पाल, विकास पटेल पड़री, अवधेश धनौरा, जितेन्द्र पटेल कैलिया आदि मौजूद रहे।

चार पुलिसकर्मियों को एसपी ने किया निलंबित

अवधनामा ब्यूरो

गाज़ीपुर। ड्राइवर के साथ मारपीट, अभद्रता और धन उगाही के आरोप में चार पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एसपी के इस एक्शन के बाद पुलिस महकमें में हड़कम्प की स्थिति बनी हुई है। ड्राइवर द्वारा बताया जा रहा है कि वह अपनी गाड़ी (ट्राला) वाराणसी से छपरा जा रहा था, इस दौरान सुहवल थाने की सीमा में उसके साथ कुछ पुलिस कर्मियों द्वारा मारपीट और अभद्रता की गई। पुलिस अधीक्षक ने प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर चार पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। जिन पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है उसमें तीन सुहवल और एक शहर कोतवाली का कांस्टेबल बताया जा रहा है। बिजनौर जिले के चांदपुर तहसील के गांव झुजैला निवासी वीरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया है कि मैं एक ट्रक चालक हूं और बीते 17 फरवरी को ट्रक लेकर सुहवल थाना क्षेत्र की तरफ जा रहा था। करीब शाम को 8:00 से 8:30 बजे के बीच एक सिपाही वर्दी में तथा दूसरा बिना वर्दी के मौजूद थे। उन दोनों ने मेरी गाड़ी रोक दी। हम जैसे ही ट्रक को साइड करके नीचे उतरे तो हमने पूछा कि आप लोगों ने हमारी ट्रक को क्यों रोका है। इस पर वह लोग हम को गाली देने लगे और मारने पीटने लगे। हमको लाठी डंडे से भी पीटा और हमारे पास मौजूद नगद छीन लिए। उन लोगों ने हमको धमकी दी कि इसको किसी से बताना नहीं। शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने इसकी जांच कराई तो मामला प्रथम दृष्टया सही पाया गया। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से आरक्षी सुहवल शम्भू प्रजापति, अजीत यादव, नवीन पाण्डेय थाना सुहवल व मुख्य आरक्षी योगेन्द्र यदुवंशी थाना कोतवाली गाजीपुर को अवैध वसूली व अभद्रता की शिकायत पर प्राप्त होने तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के साथ सभी कैबिनेट मंत्रियों ने किया रामलला का दर्शन

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी संघ उत्तराखंड सरकार की कैबिनेट मंगलवार को भगवान राम लला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंची इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज रामलला के दर्शन कर मन बहुत भावुक है। रोम-रोम भक्ति मय हो गया। पहले जब आया था तब रामलला को टेंट में देखकर मन बहुत दुखी हुआ था। 500 साल के संघर्ष के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण रामभक्तों व सनातन धर्म को मानने वालों की जीत के साथ-साथ नए युग और रामराज्य की शुरूआत है। हर रामभक्त यहां आकर रामलला का दर्शन-पूजन करना चाहता है। मैं भी रामभक्त होने के नाते यहां आया हूं और रामलला का दर्शन-पूजन कर खुद को सौभाग्शाली मानता हूं। यह बातें मंगलवार को रामनगरी पहुंचे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहीं। वे अपनी कैबिनेट के साथ यहां रामलला का अशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने रामलला को ब्रह्मकमल व भोज पत्र अर्पित किया।उन्होंने कहा कि एक लंबी प्रतीक्षा और लंबे संघष के बाद प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। इसके लिए बहुत बलिदान देने पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम यत्र, तत्र, सर्वत्र हैं। उनकी कृपा सभी पर है। प्रभु श्रीराम कभी राजनीतिक मुद्दा नहीं रहे और न ही हमने कभी श्रीराम के नाम राजनीति करने का प्रयास किया। उनका अशीर्वाद हर रामभक्त को मिलता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंत्रिमंडल में अपने सहयोगियों सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, डॉ. धन सिंह रावत, रेखा आर्य एवं राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के साथ दर्शन-पूजन किया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अयोध्या और उत्तराखंड का बेहद गहरा नाता रहा है। उत्तराखंड से बड़ी संख्या में रामभक्त यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं। उनकी सुविधा के लिए यहां 4700 वर्ग मीटर में राज्य अतिथि गृह को बनाने के लिए हमारी सरकार ने भूमि की खरीद को लेकर 32 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।

गौशाला निर्माण की मांग पूरी होने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर

बीकापुर- अयोध्या। विकासखंड बीकापुर की ग्राम पंचायत बैंती कला में लंबे समय से ग्रामीणों की गौशाला निर्माण की मांग पूरी होने के बाद गांव में खुशी की लहर है। गांव में गौशाला निर्माण के लिए चयनित की गई सरकारी भूमि जिसका रकबा करीब 80 बीघा है। पर ग्राम पंचायत द्वारा भव्य गौशाला निर्माण के निमित्त ग्राम वासियों ने मंगलवार को एक बैठक आहूत की। ग्राम प्रधान अनिल राजपूत के अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में जनपद की आदर्श गौशाला स्थापित करने की रणनीति पर चर्चा की गई। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें ग्राम प्रधान ने जानकारी दी की बुधवार को वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ विधिवत भूमि पूजन का कार्य संपन्न किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यद्यपि ग्राम पंचायत की निधि से भव्य गौशाला निर्माण की कल्पना मुश्किल है फिर भी ग्राम वासियों के उत्साह को देखते हुए पूरा गांव गौशाला निर्माण में श्रमदान कर इसे आदर्श गौशाला के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनपद में इस आकार की गौशाला और कहीं नहीं स्थापित की गई है। दो हजार गौ को संरक्षण देने के लक्ष्य के साथ योजना बनाई है। शासन से भी अतिरिक्त बजट की मांग की गई है।

अस्पताल से नदारत रहते हैं डॉक्टर व फार्मासिस्ट

रामपुर भगन-अयोध्या। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं आते है डॉक्टर। तारुन ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत विजैयनपुर सजहरा नाहरपुर में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं आते हैं डॉक्टर व फार्मासिस्ट व नर्स। क्षेत्र वासियों मे चर्चा के बाद गत शनिवार जनसंदेश टाइम्स के भ्रमण में वार्डबॉय ही ड्यूटी पर मौजूद मिला बाकी डॉक्टर, फार्मासिस्ट नर्स नदारत पाए गए ग्रामीणों का कहना है कि महीने में एक दिन डॉक्टर फार्मासिस्ट व नर्सआती है बाकी 29 दिन आराम फरमाते हैं जिससे अस्पताल की अर्थव्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है मरीज अस्पताल के चक्कर लगा रहे है जिससे मरीज को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है क्षेत्र के संभ्रांत लोगों का कहना है कि अस्पताल को आने जाने के लिए रास्ता बड़े-बड़े गड्ढे में तब्दील है।

अवध विवि में प्रधानमंत्री की पीएम उषा परियोजना का लाइव प्रसारण

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में मंगलवार को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को प्रधानमंत्री द्वारा पीएम उषा परियोजना के डिजिटल शुभारम्भ को लाइव दिखाया गया। इससे पहले प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान परियोजना को लेकर मुख्य अतिथि अयोध्या सांसद लल्लू सिह ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को 100 करोड़ का अनुदान दिया जाना हर्ष का विषय है। मैं विश्वविद्यालय परिवार एवं अयोध्या की जनता की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री अयोध्या को विश्व की सुन्दरतम् नगरी के रूप में स्थापित करने के लिए कृत संकल्पित है। इस अनुदान से विश्वविद्यालय के विकास में काफी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर विश्वविद्यालय के वातावरण को सुन्दर बनाना होगा, तभी विश्वविद्यालय का विकास होगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या के डॉ0 राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय को देश के उच्च शिखर तक पहुँचायेंगे एवं एक आदर्श विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करेंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को 100 करोड़ की धनराशि प्रदान की है। यह विश्वविद्यालय को प्राप्त होने वाली अब तक की सबसे बड़ी अनुदान धनराशि है। यह विश्वविद्यालय के अथक प्रयास एवं टीम वर्क का प्रतिफल है। इससे विश्वविद्यालय में लैब, लाइब्रेरी एवं उच्च गुणवत्ता के संयत्रों को जुटाने में बड़ी सहायता मिलेगी और विश्वविद्यालय अपने आपको एक श्रेष्ठ संस्थान के रूप में स्थापित कर सकेगा। कुलपति ने कहा कि प्रभु श्रीराम की नगरी में उन्हीं के आदर्शों पर कृत संकल्पित विश्वविद्यालय में विद्यार्थी श्रेष्ठ ज्ञानार्जन कर सकेंगे। कुलपति ने कहा कि अंधेरो को कोसने से क्या होगा, उठकर दीया जलाना होगा, एक छोटा सा दीया जलायेंगे तो अंधेरा भगा सकेंगे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल ने कहा कि हमें कार्य कुशलता के बल पर श्रेष्ठ बने। उन्होंने रामायण की चैपाई का उद्धरण देते हुए कहा कि जापर कृपा राम की होई, तापर कृपा करै सब कोई।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम,एसएसपी तथा एससपी आरए ने सुनी जन समस्याएं

अवधनामा संवाददाता

बदायूं। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सहसवान में मंगलवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी मनोज कुमार तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। शिकायतों को सुनने के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कुछ जन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।लोगों की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों द्वारा शिकायतों से संबंधित अधिकारियों को जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर विधिक रूप से उनका निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।वहीं तहसील बिल्सी पर आयोजित समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राममोहन सिंह द्वारा फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधितों को विधिक रूप से आवश्यक कार्रवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश की योगी सरकार गरीब असहाय के उत्थान के लिए संकल्पितः वरुण चौधरी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। घर-घर जाकर लाभार्थियों से संपर्क साधेगे भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव 2024 के मद्दे नजर भाजपा ने लाभार्थी संपर्क अभियान पूरा मंडल की कार्यशाला पूरा ब्लॉक के सभागार में संपन्न हुई इस कार्यशाला की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष वरुण चौधरी ने किया संचालन पूरा मंडल प्रभारी दिनेश मिश्रा ने किया मुख्य अतिथि के रूप में महानगर उपाध्यक्ष अयोध्या अरविंद सिंह रहे कार्यशाला को संबोधित करते हुए अरविंद सिंह जी ने भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के लिए पल पल का कीमती समय समर्पित किया है गरीब किसान मजदूर महिला सहित सभी वर्गों के विकास की मुख्यधारा से जोड़ा गया है शायद ही हर गांव में कोई ऐसा ही परिवार होगा जो माननीय मोदी जी की सरकारी

योजनाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं से लाभांत लाभांवित ना हुआ हो मंडल अध्यक्ष वरुण चौधरी ने पार्टी की योजना रचना पर चर्चा करते हुए कहा कि 25 फरवरी से 5 मार्च के मध्य लाभार्थी संपर्क अभियान चलाया जाएगा अभियान में लाभार्थी और उनके परिवार जनों से व्यापक स्तर पर संपर्क व संवाद स्थापित करना है मंडल प्रभारी दिनेश मिश्रा ने कहा आगामी लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए शीर्ष नेतृत्व द्वारा चलाए जाने वाले अभियान को जन जन तक पहुंचना है और लाभार्थी संपर्क अभियान को सफल बनाना है अभियान को सफल बनाने के लिए मंडल के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को पूरे मन योग से जुटने का हवन किया इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष कालका सिंह काका शारदा यादव शिवनारायण तिवारी मंडल उपाध्यक्ष मुन्ना दुबे संतराम यादव रामगोपाल माझी रामसुख वर्मा महामंत्री राजेश पाठक नारायण दत्त मौर्य ओम प्रकाश यादव महानगर महामंत्री किसान मोर्चा कपिल देव वर्मा किसान भाई राघवेंद्र तिवारी राजेश सिंह रामानुज सिंह विजय बहादुर सिंह शोभाराम वर्मा जिला पंचायत सदस्य देवता प्रसाद पटेल अवनीश प्रताप सिंह सहित विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने उद्यान विकास समिति की बैठक

अवधनामा संवाददाता

स्थानीय उत्पादों की ब्राडिंग करने हेतु पुष्प, फल एवं शाकभाजी प्रदर्शनी का आयोजन 24 एवं 25 फरवरी को अयोध्या ।मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि उद्यान विकास समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के क्रम में जनपद में पुष्प, फल एवं शाकभाजी के उत्पादन, प्रसंस्करण को नई दिशा दिये जाने हेतु एवं स्थानीय उत्पादों की ब्राडिंग करने हेतु पुष्प, फल एवं शाकभाजी प्रदर्शनी का आयोजन 24 एवं 25 फरवरी 2024 को किया जायेगा। उन्होंने बताया कि स्थानीय फल, पुष्प, शाकभाजी, शहद मशरूम आदि के उत्पादन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा देने, ब्राडिंग कराने एवं जन सामान्य में जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय उद्यान, गुसार पार्क, गुसारघाट अयोध्या पर किया जा रहा है। मण्डलायुक्त ने बताया कि उपरोक्त प्रदर्शनी में मण्डल के फल, पुष्प एवं शाकभाजी उत्पादकों एवं प्रसंस्करणकर्ताओं के बीच विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिकता का आयोजन किया जायेगा, जिसमें वर्गवार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे। उक्त जानकारी उप निदेशक उद्यान सदस्य सचिव, उद्यान विकास समिति ने दी है।

भाकियू आज करेगी ट्रैक्टर मार्च के साथ रोष प्रदर्शन

अयोध्या। दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में,एमएसपी पर गारंटी कानून बनाने, C2 +50 के आधार पर फसलों के नाम तय करने, छुट्टा जानवरों से निजात पाने, कृषि हेतु बिजली फ्री करने, गन्ना मूल्य का डिजिटल भुगतान करने, लखीमपुर घटना के दोषियों को दंडित करने आदि दर्जनों समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय कार्य समिति के आवाहन पर जनपद अयोध्या में ट्रैक्टर मार्च करते हुए रोष प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा एडवोकेट ने कहा कि ट्रैक्टर मार्च गांधी आश्रम नाका (इलाहाबाद रोड) से शुरू होकर मकबरा ओवरब्रिज, पुलिस लाइन, गांधी पार्क ,कलेक्ट्रेट होते हुए सहादतगंज बाईपास पर समाप्त होगा।

युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने अधिशासी अधिकारी सौंपा मांग पत्र

पार्क के नाम को पूर्ववत करने की मांग

अवधनामा संवाददाता

बदायूं। भाजपा युवा मोर्चा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष ने अधिशासी अधिकारी को एक पत्र सौंपकर सहसवान पालिका में स्थित पार्क का नाम पूर्ववत करने की मांग की है। गौरतलब है कि नगर पालिका परिषद सहसवान के प्रांगण में स्थित पार्क पूर्व पालिकाध्यक्ष स्व.हाजी नूरुद्दीन द्वारा बनवाया गया था।इसी पार्क को लेकर भाजपा युवा मोर्चा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष अनुज माहेश्वरी द्वारा अधिशासी अधिकारी को पत्र सौंपते हुए कहा गया कि पूर्व पालिका अध्यक्ष श्री उद्दीन द्वारा पार्क बनवाकर सहसवान की जनता को समर्पित किया गया था। उन्होंने कहा जिस स्थान पर इस पार्क का सौंदर्यीकरण एवम नवीनीकरन पूर्व पालिका अध्यक्ष ने कराया,उस स्थान पर नरकीय स्थिति रहती थी, गंदगी का अंबार और बाजार के व्यापारियों को मुसीबत थी। उन्होंने कहा कि श्री उद्दीन ने गंदगी से लबालब इस स्थान को सौंदर्यीकरण कराते हुए एक उम्दा साफ पार्क में तब्दील कर नूर पब्लिक पार्क ÷के नाम से सहसवान की जनता को समर्पित किया था, किंतु 2017 पालिका चुनाव के बाद पालिका अध्यक्ष बदलते ही उक्त नूर पब्लिक पार्क से नूर हटा दिया गया।अनुज महेश्वरी ने मंगलवार को अधिशासी अधिकारी,नगर पालिका सहसवान को पत्र सौंपकर मांग करते हुए कहा है कि जल्द से जल्द ही पार्क का नाम पूर्व पालिका अध्यक्ष,स्व हाजी नूर उद्दीन साहब के नाम पर पूर्ववत नूर पब्लिक पार्क किया जाए। उन्होंने कहा कि मेरी और नगर वासियों की ओर से ये श्रद्धांजलि श्री उद्दीन को है। उन्होंने कहा कि सहसवान के लोगों के दिल में नूरुद्दीन साहब द्वारा किये गए विकास,व्यवहार और गंगा जमुनी तहजीब की तस्वीर आज भी जिंदा है।

36 छात्राओं में स्मार्टफोन का वितरण किया गया

असंद्रा(बाराबंकी)। (अवधनामा संवाददाता) असंद्रा क्षेत्र में स्थित मलका महिला महाविद्यालय में मंगलवार को एमएलसी अंगद कुमार सिंह, प्रमुख सिद्धौर आरती रावत, सांसद प्रतिनिधि राज कुमार सिंह व कालेज उप प्रबंधक नबील जैदी, मिन्हाल ज़ैदी के सहयोग से 136 छात्राओं में स्मार्टफोन का वितरण किया गया। इस दौरान उन्होंने सरकार की शिक्षा नीति के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का बखान किया। लाभार्थियों में स्नातक की छात्राओं में पहला स्मार्ट फोन खुशनुमा बानो, मंजू,जाफरी बानो, अमरीन, अन्याया, अंकिता, शिवानी, अर्चना जायसवाल, अंजू रस्तोगी, साधना, रूबी यादव, निधि मिश्रा,आशा शुक्ला व अंशिका आदि सहित 136 को वितरित किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के संरक्षक मो. अकील जैदी, मौलाना अयाज हुसैन जैदी,प्राचार्य राम आसरे यादव,शिक्षिका पूजा पांडे,हुमा बानो,पवन सिंह व नीरज सिंह आदि थे। कार्यक्रम का संचालन रीता पाठक तथा रंगोली रीता विश्वकर्मा ने सजाई थी।

अलग अलग सड़क हादसों में बालक समेत दो की मौत, एक की हालत गंभीर

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। देवा व सफदरगंज थाना क्षेत्र में हुए अलग अलग सड़क हादसों में एक बालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक घायल का उपचार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार देवा थाना क्षेत्र के ग्राम भिटौली खुर्द निवासी दिलीप यादव व इसका साथी प्रमोद यादव निवासी ग्राम संदुपुर सफदरगंज किसानी करते हैं। सोमवार की देर शाम वह दोनों बाइक से कमेला गांव में एक तिलक समारोह में जाने के लिए निकले थे। गांव के पास ही अयोध्या लखनऊ हाइवे के किनारे वह दोनों लघुशंका करने के लिए रुके। इसी दौरान अयोध्या की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने दोनों को टक्कर मार दी। इसमें दिलीप की मोके पर मौत हो गई। मोके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों को मदद से घायल प्रमोद को जिला अस्पताल पहुंचाया। उसकी हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार देकर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। हादसे के बाद चालक कार समेत फरार हो गया। दूसरी घटना में सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सैदनपुर निवासी क्सीम कई वर्षों से अकबर नगर लखनऊ में रहते हैं। कुछ दिनों वह पैतृक गांव में परिवार सहित आये हुए थे। उनका 10 वर्षीय बेटा दानिश मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे पंचायत भवन सैदनपुर के पास साइकिल से घर जा रहा था। सैदनपुर पंचायत भवन के पास तेज रफ्तार टैक्टर ट्राली के चालक ने दानिश की साइकिल में टक्कर मार दी। दानिश सड़क पर गिर गया। टैक्टर चालक उसे रौदते हुए चला गया। इस हादसे में दानिश की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से मृतक के घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने टैक्टर-ट्राली को कब्जे में ले लिया है। प्रभारी निरीक्षक सफदरगंज ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

लघु खेत तालाब खुदवाने हेतु किसानों से आवेदन आमंत्रित

बाराबंकी। कृषको को सूचित किया जाता है कि भूमि संरक्षण इकाई कुर्सी के द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई वर्षा जल संचयन खेत-तालाब योजनान्तर्गत÷ जनपद में समान्य वर्ग कृषकों के लिए 2 (दो) लघु खेत-तालाब अवशेष है, जो कृषक अपने निजी खेत में लघु खेत तालाब खुदवाने हेतु इच्छुक है, से आवेदन आमंत्रित किया जाता है एक लघु तालाब पर मृदा कार्य पर होने वाला व्यय धनराशि 82,600 एवं पक्की संरचना इनलेट के निमार्ण पर लागत 22,400 जो कि खेत तालाब की कुल लागत धनराशि 1,05000 होती है जिस धनराशि का 50 प्रतिशत अधिकतम 52,500 मात्र का अनुदान अनुमन्य है पहले आओ और पहले पाओं के आधार पर कृषकों को अनुदान का लाभ दिया जायेगा।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय की अप्रोच रोड निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। ज़िलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में कहा कि स्कूल का एक बैंड तैयार कराया जाए जो कि स्कूल की एक विशिष्ट पहचान बन जाए। उन्होंने कहा कि स्कूल में आवश्यक हो तो एक्स्ट्रा क्लासेज़ कराए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बच्चों की कॉरियर काउंसलिंग की भी व्यवस्था कराएं।

ज़िलाधिकारी आज पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय की प्रबंध समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक से पहले उन्होंने परिसर का निरीक्षण किया और कहा कि इसे और बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जो बच्चे अधिक मेहनती हैं उनके लिए और वे बच्चे जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते है, उनके लिए कॉरियर काउंसिलिंग की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों में कॉरियर के प्रति मन में भ्रम की स्थिति को दूर करना भी शिक्षण कार्य का ही अंग है। ज़िलाधिकारी को शुरुआत में बच्चों ने गीत सुनाया वह बेहद आकर्षक तथा संगीत की लय पर स्वरबद्ध था। इस पर ज़िलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने वहां के संगीत शिक्षक की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह स्कूल का एक स्तरीय बैंड तैयार कर सकते हैं ताकि बच्चों की संगीत की प्रतिभा में निखार आए और स्कूल की अपनी एक विशिष्ट पहचान भी बन सके।

ज़िलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने अभिवावकों की मांग पर स्कूल आने जाने की अप्रोच रोड के निर्माण अथवा मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग के अभियंता से पैमाइश की औपचारिकता कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ज़िलाधिकारी ने बच्चों में स्किल डेवलपमेंट के क्लासेज़ का भी निरीक्षण किया और बच्चों से ट्रेनिंग आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पिछले वर्षों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के लिए कहा।

मादक पदार्थ व गौ तस्करी में लिप्त 3 तस्कर गिरफ्तार, डेढ़ करोड़ की मार्फीन बरामद

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। थाना सुबेहा पुलिस ने 3 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से कुल एक किलो 400 ग्राम अवैध मारफीन जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब एक करोड़ 40 लाख रूपये है, के अलावा चोरी की एक जोड़ी पायल सफेद धातू, एक मोटर साइकिल बरामद की गई। अपर पुलिस अधीक्षक, दक्षिणी डॉ0 अखिलेश नारायण सिंह ने पत्रकारों को बताया कि थाना सुबेहा पुलिस टीम को मैनुअल इंटेलीजेंस के आधार पर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। पुलिस टीम द्वारा 03 मादक पदार्थ तस्करों हसीब बाबा पुत्र बसीर निवासी किला वार्ड कस्बा व थाना इन्हौना जनपद अमेठी, मासूक पुत्र रसीद निवासी इसौली थाना बल्दीराय जनपद सुलतानपुर, प्रकाश रावत पुत्र स्व0 छविनाथ निवासी बगिया मजरे अमरवल क्रिसिया थाना सुबेहा को चौपला पुल ग्राम मंगौवा के पास से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से

कुल एक किलो 400 ग्राम अवैध मारफीन, चोरी की एक जोड़ी पायल सफेद धातु व एक मोटर साइकल बरामद कर थाना सुबेहा पर एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि इनका एक गिरोह है जो मादक पदार्थ तस्करी व चोरी तथा गौ तस्करी की घटनाएं कारित करता है। अभियुक्त मासूक उर्फ मासूम के विरुद्ध थाना बल्दीराय जनपद सुलतानपुर में गैंगस्टर एक्ट का अभियोग व अभियुक्त हसीब बाबा उपरोक्त के विरुद्ध थाना सुबेहा पर गैंगस्टर एक्ट व गौ हत्या के अभियोग सहित अन्य अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्त प्रकाश रावत थाना हैदरगढ़ में भी वांछित था। अभियुक्तगण धनोपार्जन हेतु जनपद बाराबंकी व आस-पास के जनपदों में मादक पदार्थ की तस्करी करते हैं। थाना सुबेहा पुलिस टीम द्वारा बरामद मारफीन के सम्बन्ध में गहनता से जांच की जा रही है एवं घटना में अन्य व्यक्तियों के संलिप्तता की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

गन्ने से लदा ओवर लोड ट्रक पलटा, एक घायल

सूरतगंज बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के सूरतगंज - हेतमापुर मार्ग पर गन्ने से लदा हुआ एक ओवर लोड ट्रक पलट गया। इसकी चपेट में आकर एक बाइक सवार घायल हो गया। यह हादसा बभनावा गांव के पास हुआ। गन्ने से लदा ओवरलोड ट्रक लालपुर गन्ना क्रय केन्द्र से हैदरगढ़ चीनी मिल जा रहा था। अचानक बभनावा गांव के पास वह पलट गया। चपेट में आने से बाइक सवार रिछला निवासी कुर्बान (25) ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई। इस दौरान उसकी बाइक गन्ने के नीचे दब गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार इसी मार्ग से गन्ने से भरे ओवरलोड ट्रक निकलते हैं। सांठगांठ के चलते पुलिस वाले भी ट्रक के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं। वहीं खराब सड़क के चलते आए दिन मार्ग पर हादसे होते रहते हैं। कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

तम्बाकू मुक्त घोषित किये गए दो विद्यालय, निरीक्षण को गठित की गई कमेटी

अवधनामा संवाददाता

सीतापुर। श्री हंस शैक्षणिक एवं सेवा संस्थान लखनऊ द्वारा राज्य तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के सहयोग से राज्य तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत तम्बाकू मुक्त विद्यालय/शिक्षण संस्थान का अयोजन बृजेन्द्र बाल विद्याा मन्दिर इण्टर कालेज टिकरा, सीतापुर, एवं पं0 कन्हैयालाल गीता विद्यालय बिसवां सीतापुर को तम्बाकू मुक्त घोषित किया गया।

कार्यक्रम छात्र/छात्राओं व शिक्षको, कर्मचारियों को विद्यालय परिसर में धूम्रपान तथा तम्बाकू अदि का प्रयोग न करने के बारें में जागरूक किया गया। संस्था द्वारा विद्यालय परिसर में धारा-4, धारा-6ब एवं टोबैको फ्री एरिया का बैनर पोस्टर लगवाये गये, विद्यालय में तम्बाकू मुक्त कमेटी का गठन किया गया ताकि कमेटी समय-समय पर निरीक्षण कर सुनिश्चित करें कि तम्बाकू आदि का प्रयोग विद्यालय परिसर एवं के 100 गज के परिधि में न हो। छात्र/छात्राओं व अध्यपकों को तम्बाकू के प्रति जागरूकता पम्पलेट बांटा गया साथ ही विद्यालय परिसर में विद्यालय परिसर के 100 गज की परिधि में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबन्ध का बैनर लगवाया गया।

कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित छात्र/छात्रांओं तथा अध्यपकों को तम्बाकू न प्रयोग करने की शपथ दिलाई गयी कार्यक्रम में बृजेन्द्र बाल विद्या मन्दिर इण्टर कालेज टिकरा, सीतापुर, एवं पं0 कन्हैयालाल गीता विद्यालय बिसवां सीतापुर प्रधानाचार्य एवं अन्य शिक्षकगण ने भी तम्बाकू उत्पादों से हानियों पर अपने विचार व्यक्त किये। संस्था के प्रबंधक पंकज तिवारी ने अवगत कराया कि ऐसे ही तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रमों का आयोजन जनपद सीतापुर में 60 विद्यालयों को तम्बाकू मुक्त घोषित किया जाना प्रस्तावित है।

शिक्षक संकुल की बैठक में जुटे शिक्षक, निपुण लक्ष्य पर चर्चा

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। स्थानीय विकास खंड के न्याय पंचायत वासा चक के कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय देईपार में मंगलवार को शिक्षक संकुल की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसमें तमाम विभागीय जानकारी शिक्षकों को दी गई। बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षक संकुल अहमद सईद ने बताया कि जिन विद्यालयों की यू डाइस की फीडिंग पूरी नहीं हुई है वह शीघ्र ही फीडिंग का कार्य पूर्ण करें। इसके अलावा डीबीटी में जिन बच्चों का आधार पेंडिंग है उसे भी जल्द से जल्द पूरा किया जाए। बैठक में रामकुमार वर्मा संकुल शिक्षक ने बताया कि समस्त शिक्षक नियमित निपुण ऐप के माध्यम से प्रत्येक बच्चे का आकलन माह में एक बार करें तथा बच्चों को प्रोत्साहित करें। बैठक में शिक्षण संकुल राम सजीवन, रज्जाक अहमद ने कहा कि बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए डोर टू डोर सभी शिक्षक कार्य करें। जिससे उपस्थित विद्यालय में ज्यादा हो पाए। बैठक में समावेशी शिक्षा पर भी चर्चा की गई। अंत में दीक्षा और यूट्यूब के माध्यम से साझा किया जा रहे वीडियो का अवलोकन कर उसका शत प्रतिशत उपयोग करने पर बल दिया गया। इस मौके पर नितिन कुमार, रामकिंकर द्विवेदी, नंदलाल, जसवंत कुमार, राम सजीवन, संत कुमार, मोहम्मद वसीम, परितोष ओझा, भैया राम, अजमत अली, जसवंत यादव, ओम प्रकाश, परवेज अख्तर, फौजदार आदि मौजूद रहे।

घर पर पहुँचा शव तो मचा कोहराम, हर एक की जुबान पर अब्बास मेंहदी की रही चर्चा

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के हल्धौर निवासी युवक का सोमवार की सायं गाज़ीपुर के औड़िहार में ट्रेन हादसे में मृत्यु हो गयी। जिसकी सूचना पर उक्त स्थान पर पहुचे। जहाँ से पार्थिव शरीर लेकर परिजन मंगलवार की सुबह हल्धौर स्थित मृतक के पैतृक निवास पहुँचे। दर्दनाक मौत खबर सुनकर पूरा गांव इकट्ठा हुआ।

जानकारी के अनुसार मृतक युवक अब्बास मेंहदी पुत्र मोहम्मद मेहंदी की गाजीपुर जनपद के औड़िहार स्टेशन के पास ट्रेन एक्सीडेंट से मौके पर ही मौत हो गई सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया वही गांव में सन्नाटा हो गया। अब्बास मेहदी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से स्नातक तथा बीपीएड की पढ़ाई पूर्ण कर 2013 से गांव के ही परिषदीय विद्यालय पूमावि हल्धौर में अनुदेशक पद पर कार्यरत था। अपनी

ट्रेन हादसे में युवक की मौत, गांव में पसरा सन्नाटा

शैक्षिक योग्यता के आधार पर कुछ बेहतर करने की चाहत में मृतक निरंतर संघर्ष कर रहा था इसी कड़ी में परीक्षा मैं सफलता पाने के लिए घर से निकला और जिंदगी की जंग में हार गया। इस दर्दनाक हादसे की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शाम होते ही सन्नाटा छा गया। शिक्षा खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मैं जनपद ही नहीं प्रदेश स्तर नाम रोशन करने वाला गांव का नौजवान आज अपने परिवार को छोड़कर चला गया। घर में 6 भाइयों में तीसरे स्थान पर होने के बावजूद पूरे घर को अपनी मेहनत और हिम्मत से चला रहा था। अब्बास घर मे 4 वर्षीय वारिस को छोड़ कर इस दुनिया को अलविदा कर गये। इस दर्दनाक हादसे को लेकर ग्राम प्रधान ताकीब रिज़वी, नायाब रिज़्वी नेता, हसन ताक़ीब, अनुदेशक संघ के

जिलाध्यक्ष सन्तोष सिंघानिया, खुशबू मारिया, बबलू एसीसी, अर्शी रिज़्वी, आबिद रिज़्वी, गुलाम हुसैन, तनवीर हसन, काज़िम रज़ा, महफ़ूज़ मैक्स, सारिक, बशीर हसन, तौकीर हसन, जैगम इक़बाल, इंतेज़ार हुसैन शबाब, कैफ़ी रिज़्वी, तसकीन हैदर, नफीस हैदर, शम्स हैदर, मंटू, हसन जमाल, राहिब रिज़्वी, अफसर रिज़्वी, आलम आदि ने शोक व्यक्त किया।

हरिद्वार में जुटेंगे देश के होम्योपैथिक विशेषज्ञ

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। आगामी 25 फरवरी को होमियोपैथिक चिकित्सा जगत से जुड़े देश भर के वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, छात्रों का जमावड़ा होगा। होम्योफ्रेंड्स 19वें होमियोपैथिक साइंटिफिक सेमिनार एंड अवॉर्ड सेरिमनी का आयोजन उत्तराखंड के हरिद्वार में वानप्रस्थ आश्रम में होने जा रहे होमियोपैथिक साइंटिफिक सेमिनार में उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार व मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, मुंबई व दूसरे प्रदेश से हजारों होमियोपैथिक चिकित्सक व इसमें रुचि रखने वाले छात्र भाग लेंगे। यह जानकारी रविवार को सेमिनार को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कॉन्फ्रेंस आयोजन समिति सदस्य तथा विशेष आमंत्रित अतिथि सिद्धार्थनगर के डा. भास्कर शर्मा ने दी।

कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉक्टर एमपी सिंह कन्वेनर पूर्व संयुक्त निदेशक होम्योपैथी डॉ बीआर धनकड़ आयोजक चेयरमैन डॉ पवन सिंह आयोजक सेक्रेटरी डॉक्टर सुधीर अग्रवाल को बनाया गया है। कान्फ्रेंस में ग्वालियर से डॉ राजेश गुप्ता, पंजाब से डॉ सुप्रिया सिंह राजस्थान से डॉ अमर सिंह शेखावत, दिल्ली से डॉ एके गुप्ता, बिहार से डॉक्टर चंद्रशेखर वर्मा डॉ दीपक शर्मा, कुशीनगर से डॉ अरुण गौतम, चंदौली से डॉक्टर मनोज कुमार शर्मा, लखनऊ से प्रो बीएन सिंह, डॉ गिरीश गुप्ता, डॉ ममता पंकज, डॉ निशांत कुमार श्रीवास्तव, बनारस से डॉ पीके मुखर्जी, मुरादाबाद से डॉ एमपी सिंह, सिद्धार्थनगर से डॉ भास्कर शर्मा, गाजीपुर से डॉ विजेंद्र सिंह आदि विशेषज्ञ शामिल होंगे। डॉ भास्कर शर्मा ने यह भी बताया कि कांफ्रेंस का मुख्य उद्देश्य होम्योपैथी से जुड़े चिकित्सकों शोधकर्ताओं वैज्ञानिकों छात्रों को होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में हो रहे नवीनतम शोध एवं विकास के बारे में जानकारी उपलब्ध कराकर उसे ज्ञान को अद्यतन करते हुए होम्योपैथी को जन स्वास्थ्य के रूप में स्थापित करना है।

अवैध खनन पर टीकर खदान पर हुई बड़ी कार्यवाही

अवधनामा संवाददाता

उरई। सूबे के मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशों के क्रम में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने अवैध खनन पाए जाने पर टीकर खदान के पट्टाधारक पर 34 लाख का जुर्माना लगाया। अवैध खनन को रोकने के लिए जिला खनन टास्कफोर्स समिति के उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी व खनन अधिकारी के छापा में तहसील उरई के ग्राम टीकर खदान में स्वीकृत पट्टा क्षेत्र से बाहर 3227 घन मीटर बालू/मौरंग का अवैध खनन पाया गया। जिलाधिकारी ने टीकर खदान की जांच में अवैध खनन मिलने पर 34 लाख का जुर्माना लगाते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि जनपद में किसी भी हाल में बालू/मौरंग के अवैध खनन व परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध खनन करने वालों और अवैध खनिज परिवहन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी इसके प्रति जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी।

9 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्री-ट्रायल बैठक का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। आगामी 9 मार्च को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किए जाने के सम्बन्ध में मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय रमेश चन्द्र-प्रथम, की अध्यक्षता में प्री-ट्रायल बैठक का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय की अध्यक्षता में आगामी 9 मार्च को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक मामलों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किए जाने हेतु प्री-ट्रायल बैठक का आयोजन किया गया। परिवार न्यायालय के परामर्शदाता, मध्यस्थता केन्द्र के मध्यस्थगण एवं पारिवारिक मामलों से सम्बन्धित अधिवक्तागण के साथ अधिक से अधिक पारिवारिक वादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित किये जाने पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/ पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ब्रिजेश कुमार द्वितीय, परिवार न्यायालय के परामर्शदातागण, मध्यस्थता केन्द्र के मध्यस्थगण एवं पारिवारिक मामलों से सम्बन्धित अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

समूह के माध्यम से महिला हो रही है आत्मनिर्भर : बीडीओ

अवधनामा संवाददाता

लोटन सिद्धार्थनगर। जबसे भाजपा सरकार बनी हैं। महिलाओं के आर्थिक हालत मे सुधार हो रहा है। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ रही है हर क्षेत्र मे महिलाओं को भागीदारी बढ़ रही है। महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों मे रोजगार के अवसर प्राप्त भी हो रहा है।

उक्त बातें मंगलवार को ब्लाक प्रांगण मे आजिविका मिशन द्वारा आयोजित नारी शाक्ति बंदन एवं संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख आशीष सिंह रहे उन्होंने कहा कि जब महिलाए हर क्षेत्र मे मजबूत रहेगी तभी हमारा देश मजबूत होगा। आज नोकरी,रोजगार मे भी महिलाएं आगे दिख रही है आप देख रहे है की आप के जिले की पुलिस अधीक्षक भी एक महिला है इस तरह से हर व्यक्ति को महिलाओं के उत्थान मे सहयोग करना चाहिए महिलाओं को समुह के जरिए रोज घर मे इस्तेमाल करने की समान बनाये। बेटियो के शिक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है जब हमारी बेटी पढ़ी लिखी रहेगी तो परिवार को आगे करने मे सहयोग करेंगे। बीडीओ अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से छेटे मोटे रोजगार कर सकते है आप को किसी के आगे हाथ नही फैलाना पड़ेगा पैसो के लिए ब्लाक मे 661 स्वयं सहायता समूह कार्य कर रही है हर गांव के समुह के महिला अलग अलग समान बनाये जैसे पापड़, अचार, बिस्कुट कपूर, मोमबत्ती नमकीन हल्दी मर्चा धनिया पाउडर बनाने का मशीन महिलाओं को लगाकर पैकिंग करे जो रोजगार करो वह आप के आस पास विक सके। इस दौरान मुसे सिंह गिरीश चंद पांडेय, प्रमोद कुमार, बाल मुकुंद मिश्र, निरंजन कुमार चौरसिया, चुन्नू महेश प्रजापति, निजामुद्दीन, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, हजारी लाल गुप्ता निर्मला दुबे, नीलम, पूनम आदि मौजूद रहे।

विधायक ने किया स्ट्रीट लाइट का शुभारंभ

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। बढ़नी ब्लॉक के तुलसियापुर चौराहे पर शुक्लागंज साप्ताहिक बाजार में विधायक निधि से 07 लाख 27 हजार रुपए की लागत के स्ट्रीट लाइट का शुभारंभ विधायक विनय वर्मा ने सोमवार को किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा,सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ क्षेत्र में प्रकाश की सुविधा भी उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शोहरतगढ़ को प्रदेश का सर्वोत्तम विधानसभा बनाने का प्रयास कर रहा हूं। इस दौरान सूर्य प्रकाश पाण्डेय, पूर्व प्रधान रामानंद चौहान, सुमेरु गिरी, विश्वनाथ यादव, रामकिशोर, अनुपम शुक्ल, अशोक पासवान, विनय शुक्ल, मो.सफीक आदि मौजूद रहे।

खेल अनुदेशक अब्बास मेंहदी की मौत पर शोक

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। स्थानीय विकास खंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय हल्धौर में तैनात खेल अनुदेशक अब्बास मेहंदी के एक ट्रेन दुर्घटना में मौत पर शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया है। बीते सोमवार को ट्रेन से उतरते समय बनारस के पास औड़ीहार रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अब्बास मेहंदी बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े तमाम कार्यक्रमों, गतिविधियों व खेलों के बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देते थे। इस दुखद घटना को लेकर डुमरियागंज ब्लॉक संसाधन केंद्र के परिसर में शिक्षकों ,अनुदेशको, व शिक्षामित्र ने उपस्थित होकर शोक प्रकट किया तथा 2 मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना की गई। शोक सभा में अरविंद कुमार, गणेश गौड़, प्रेम प्रकाश चौबे, अमित मिश्रा, रिजवान अहमद, विवेक द्विवेदी, संतोष सिंघानिया, सविता मिश्रा, सीमा, शब्बीर अहमद, शैलेंद्र कुमार, सचिन, शालिनी, सुनील कुमार, सुरेश, सुजीत कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

सीएम योगी के हाथों लांच होगी गीडा की आवासीय परियोजना

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार (21 फरवरी) को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) को कुल मिलाकर 1040 करोड़ रुपये की 20 परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसके तहत वह 650 करोड़ रुपये की अनुमानित आय वाली गीडा की कालेसर आवासीय टाउनशिप योजना को लांच करेंगे। साथ ही उनके हाथों एसडी इंटरनेशनल की करीब 300 करोड़ रुपये के निवेश वाली यूनिट (प्लास्टिक रिसाइक्लिंग प्लांट एवं फूड पैकेजिंग कंटेनर यूनिट) का शिलान्यास तथा गीडा की 90 करोड़ रुपये की लागत वाली 18 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी होगा।

गीडा सेक्टर 13 में 42284 वर्गमीटर में बनने वाली एसडी इंटरनेशनल की इस यूनिट से करीब साढ़े सात सौ लोगों को रोजगार मिलेगा। गीडा की जिन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण होना है उनमें औद्योगिक गलियारा सेक्टर 27 व 28 में करीब 35 करोड़ रुपये से अधिक के नौ कार्य शामिल हैं। जबकि गीडा के सेक्टर 11 में 54 करोड़ रुपये से अधिक के नौ कार्यों का शिलान्यास होना है। यह कार्यक्रम कालेसर (गीडा सेक्टर 13) में होगा। गीडा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने 80 एकड़ में कालेसर व्यावसायिक परियोजना को लांच किया था। अब 120 एकड़ में आवासीय परियोजना लांच की जाएगी।

आवासीय परियोजना में छोटे, मध्यम और बड़े आकार के भूखंड होंगे। कालेसर में व्यावसायिक एवं आवासीय परियोजना कनेक्टिविटी के लिहाज से नायाब है। यह गोरखपुर के जीरो पॉइंट पर स्थित है। इसकी कनेक्टिविटी एनएच-28, कुशीनगर राजमार्ग एवं सोनौली राजमार्ग से है। कालेसर में ही एक अंतरराज्यीय बस टर्मिनल बनाने की भी योजना है।

न्यायिक एसडीएम बांसी की अध्यक्षता में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस संपन्न

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। शासन के मंशा के अनुरूप मंगलवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। तहसील बांसी में न्यायिक एसडीएम प्रदीप यादव की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील बांसी में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर फरियादियों द्वारा कुल 27 मामले पेश हुए जिनमें मौके पर ही निस्तारण एक का भी नहीं हुआ सभी मामले जिम्मेदारों के सुपुर्द किया गया।

राजस्व से 12विकास से 06, पुलिस से 03चकबंदी 01, सिंचाई 01, पूर्ति 01,विद्युत 02, नपा. 01,मामले प्रस्तुत हुए जिनकी सुनवाई उपजिलाधिकारी बांसी कुणाल द्वारा तहसील सभागार मे की गई। पुलिस विभाग से सम्बंधित आई शिकायतों को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ संबंधित थानाधिकारियों के सुपुर्द किया गया।

मु0वि0अ0 ने पिछले तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया 7 अवलोकन के पश्चात उन्होंने तत्काल टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को समाधान दिवस के अलावा आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का भी दोनों पक्षों की उपस्थिति में गुणवत्तापूर्ण एवं समयान्तर्गत निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी बांसी सतीषचंद्र पान्डेय, प्रभारी तहसीलदार राघवेंद्र पाण्डेय, नायब तहसीलदार बिंद्रेश गुप्ता, बीडिओ बांसी लालजी शुक्ल, बीडिओ मिठवल चंद्रभान उपाध्याय के अलावा पूर्ति निरीक्षक अर्चना सिंह, सीडीपीओ मिठवल व बांसी, नलकूप विभाग से रामप्रसाद चौधरी सहित सभी थानाधिकारी भी मौजूद रहे।

जन्मदिन पार्टी में फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

उरई (जालौन)। दोपहर एक जन्मदिन की पार्टी मना रहे कुछ लोगों द्वारा लाइसेंसी रायफल से हवाई फायरिंग की गई जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कोतबाली पुलिस ने मौके पर पहुँच कर फायरिंग करने बाले युवक को गिरफ्तार कर लिया और रायफल कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई। जानकारी कर अनुसार उरई के मोहल्ला पीली कोठी निवासी यशी निखरा के जन्मदिन पर उसके कुछ साथी राठ रोड हाईवे ब्रिज के पास जन्मदिन की पार्टी कर रहे थे इसी दौरान उसके रक साथी वेदांत शुक्ला पुत्र अजय शुक्ला निवासी न्यारामनगर उरई ने अपने पिता की रायफल से फायर किये मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी वीडियो बनाकर वायरल कर दी वायरल वीडियो पर सज्ञान में लेकर पुलिस ने मौके पर पहुचकर फायरिंग करने बाले उक्त युवक को गिरफ्तार कर लिया क्षेत्राधिकारी गिरजाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि रायफल उसके पिता के नाम है जिसे कब्जे में लेकर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी।

डीएम ने किया क्रिटिकल केयर यूनिट हेतु चिन्हित स्थल का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा प्राचार्य मेडिकल कालेज/ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ए के झा, प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ डी के चौधरी की उपस्थिति में मंगलवार को जिला अस्पताल परिसर में निर्मित होने वाले क्रिटिकल केयर यूनिट के चिन्हित स्थल का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था सी एन डी एस के अधिकारी से निर्माण से संबंधित जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी को अवगत कराया की 19.97 करोड़ के बजट से क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण होगा। प्रस्तावित शिलान्यास कार्यक्रम के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

डीएम-एसपी ने सुनी 34 फरियादियों की फरियाद

एजाज़ सिद्दीक़ी

इटवा सिद्धार्थनगर। शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। तहसील इटवा में जिलाधिकारी पवन अग्रवाल की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

तहसील इटवा में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी पवन अग्रवाल, उपजिलाधिकारी इटवा राहुल सिंह द्वारा किया गया तथा पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा किया गया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी द्वारा पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस इटवा में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 34 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-18, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-03, विकास-03, विद्युत-04, पूर्ति-02, स्वास्थ्य-01 तथा अन्य-03 मामले प्रस्तुत हुए। जिसमें राजस्व विभाग से सम्बंधित-02, विद्युत-01 तथा पूर्ति-02 कुल 05 प्रार्थना-पत्र का मौके पर ही निस्तारित करा दिया गया। तहसील दिवस में अवशेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-

पांच का मौके से निस्तारण

प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त डीएफओ पुष्प कुमार के, प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 डी के चैधरी, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा राहुल गुप्ता, एसडीएम इटवा राहुल सिह, सीओ पुलिस इटवा, तहसीलदार इटवा, तहसील इटवा क्षेत्र के अन्तर्गत इटवा इंस्पेक्टर संतोष कुमार तिवारी व समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी इटवा राजकुमार, बीडीओ खुनियांव राकेश शुक्ल सीएचसी अधीक्षक संदीप द्विवेदी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये राम जानकी मंदिर हेतु 97.55 लाख स्वीकृत

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विकास खण्ड-आलापुर में रामजानकी मंदिर टिकरिया जहाँगीरगंज का पर्यटन विकास कार्य हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त के संबंध में अवगत कराना है कि जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-आलापुर में रामजानकी मंदिर टिकरिया जहाँगीरगंज का पर्यटन विकास कार्य हेतु उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0 द्वारा गठित आगणन रू0 100.50 लाख को मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास मद में प्रावधानित धनराशि में से प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया था। उक्त के सम्बन्ध में माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा प्रश्नगत प्रायोजना हेतु उप्र प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0 को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए अप्रेजल समिति द्वारा आंकलित धनराशि रू0 97.55 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति तथा प्रथम किश्त के रूप में रू0 50.00 लाख (रू0 पचास लाख मात्र) को अवमुक्त किया गया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के अभिनव प्रयास से जनपद में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। जनपद अंबेडकर नगर विश्व प्रसिद्ध अयोध्या का अभिन्न अंग होने के कारण यहां पर पर्यटन की असीम संभावना बन रही हैद्य जिलाधिकारी द्वारा श्रवण धाम क्षेत्र, दरवन झील, पुंथर झील सहित अनेक जल संचय स्रोतों व पौराणिक स्थलों का चिन्हांकन कर लगातार शासन को पत्र प्रेषित किए जा रहे हैं तथा माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा भी जनपद के विकास हेतु प्रस्तावित कार्यों की स्वीकृति भी लगातार दी जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत सेमिनार कल

बस्ती अवधनामा संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024 के इस साल के थीम इन्वेस्ट इन वीमेन एक्सलेरेट प्रोग्रेस यानी महिलाओं में निवेश करें और प्रगति में तेजी लाएं विषय पर एक दिवसीय ट्रेनिंग कार्यशाला, सेमिनार और डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को प्रेस क्लब बस्ती में विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली और युवा विकास समिति के तत्वाधान में किया जा रहा है। जिसमें महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर कार्यरत संस्थाओं, महिलाओं और व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजक संस्था से जुड़े बृहस्पति कुमार पाण्डेय नें बताया की हर साल 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संस्था द्वारा विभिन्न जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

इस साल भी संस्था द्वारा ट्रेनिंग कार्यशाला, सेमीनार और डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग, रैली, पेंटिंग प्रतियोगिता सहित तमाम आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाये जाने का उद्देश्य महिलाओं को समाज में बराबरी और लोगों को उनके अधिकारों को लेकर जागरुक करना है। इस दिवस का एक उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा और विकास के लिए हमारे भारत में अनेकों कानून है जिनका मकसद समाज में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

शरद पवार को झटका

निर्वाचन आयोग ने राकापा से अलग हुये अजित पवार को ग्रुंप का संख्या बल के आधार पर असली राकापा मानते हुये पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह अजित पवार ग्रुप को देते हुये शरद पवार को बड़ा झटका दिया है। शरद पवार दिग्गज नेता है बुद्धिबल की वजह से सबसे कम उम्र में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके है। इस समय उनके स्तर का नेता मोदी और शाह के अलावा कोई नहीं दिखता सारी काबलियत और बुद्धिबल के बावजूद चुनाव के इतने करीब नई पार्टी बनाना चुनाव चिन्ह चुनना फिर उसे जनता के बीच पहुचना इस ढलती उम्र और स्वास्थ्य के लिहाज से शरद पवार अपना करिश्मा दिखा सकेगे मुशकिल लगता है। वैसे वे करिश्माबाज नेता है। विधान सभा चुनाव में तस्वीर साफहोगी।

शरद पवार इस मसले को लेकर चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट चले गये है। अब महाराष्ट्र में गठबन्धन उनके साथ कांग्रेस और उद्धव ठाकरे रह गये है। शरद और अजित का टकराव पार्टी की विरासत को लेकर बना है। शरद पवार बेटी सुले को भतीजे पर तरजीह दे रहे थे। अजित शरद पवार के बहुत वफादार आज्ञाकारी भतीजे रहे है। अभी भी शिष्टाचार और सम्मान में कमी नहीं आई है। शरद पवार को सामने होने पर पाव छूते है और आदर के साथ बात करते है। पर राजनीति अलग हो गई है।

शरद पवार को चुनाव आयोग की कार्यवाई और अजित के बिलगांव का खामियाजा राज्य सभा चुनाव और आम चुनाव में भुगतना पड़ सकता है। अभी उनके सामने पार्टी का नया ढांचा खड़ा करना और उसे चुनाव में प्रभावी बनाने का महत कार्य करना है। उनकी काबलियत को देखते हुये मुशकिल नहीं लगता पर उम्र और स्वास्थ्य का सवाल जरूर खड़ा हो जाता है। वह भारत के अहम कोटि के नेताओं में आते है, केन्द्रीय मंत्री भी रह चुके है। महाराष्ट्र की ताकतवर शूगर लाबी पर उनका असरदार प्रभाव है। पर समय उनके पास कम है। साथ ही चुनाव का माहौल भांपते हुये उनके अति विश्वासी लोग एक एक करके साथ छोड़ते जा रहे है। शरद पवार की सारी विपरीत परिस्थितियों के बीच अजीत पवार को अपने को साबित करने का एक मौका है। अभी तक अपनी पार्टी के एनडीए में मर्ज नहीं किया है। उनकी तमन्नाये चुनाव आयोग के फैसले से उरोज पर होगी समय बतायेगा वे इन सबका कितना फायदा उठा पाते है। वे प्रभावी नेता बन कर महाराष्ट्र में बने रहते है या कुछ समय तक चमक दिखा कर भविष्य में निष्प्रभावी हो लुप्त हो जाते है। चाचा शरद पवार से उन्होंने बहुत कुछ सीखा होगा उसे आजमाने की घडी आ गयी है। अपना काबिलियत और जज्बा दिखाने को बेचैन दिखते है। समय बतायेगा वे चाचा की तरह दिग्गज नेता बन पाते है या नहीं। महाराष्ट्र की चौकोनी राजनीति में अपने को कितना महत्वपूर्ण बना पाते है धीरे धीरे पता चलेगा। अभी तो एनडीए ही आगे दिख रही है क्योंकि अभी चुनाव पूर्व सर्वे में उसे 33 सीटे मिलने की सम्भावना बतायी गयी है।

किसान आंदोलन बीच का कोई रास्ता निकलेगा

रोहित माहेश्वरी

किसानों के दो बड़े संगठनों, संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मज़दूर मोर्चा ने अपनी मांगों को लेकर दिल्ली चलो का नारा दिया है, वहीं संयुक्त किसान मोर्चा ने 16 फ़रवरी को एक दिन का ग्रामीण भारत बंद करने का आह्वान किया है। दो साल पहले दिल्ली के बॉर्डर पर धरने पर बैठे किसानों का आंदोलन इतना मुखर था कि नरेंद्र मोदी सरकार को कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) क़ानून -2020, कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार कानून 2020 और आवश्यक वस्तुएं संशोधन अधिनियम 2020 को रद्द करना पड़ा था।

किसानों को डर था कि सरकार इन क़ानूनों के ज़रिए कुछ चुनिंदा फ़सलों पर मिलने वाले न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का नियम ख़त्म कर सकती है और खेती-किसानी के कॉरपोरेटाइज़ेशन (निगमीकरण) को बढ़ावा दे सकती है। इसके बाद उन्हें बड़ी एग्री-कमोडिटी कंपनियों का मोहताज होना पड़ेगा। इन कृषि क़ानूनों के रद्द होने के बाद किसानों ने भी अपना आंदोलन वापस ले लिया था। उस दौरान सरकार ने उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने का वादा किया था। इसके साथ ही उनकी कुछ और मांगों को भी पूरा करने का वादा किया गया था।

सरकार की ओर से किसानों से बातचीत के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की कमेटी बनाई गई। हाल ही में इन मंत्रियों की किसानों के साथ दो बार बातचीत हुई, जो बेनतीजा रही। इसके बाद ही किसान संगठनों ने यह फ़ैसला लिया कि 13 फ़रवरी को वो दिल्ली कूच करेंगे। इस बार किसानों ने जो मांगे रखी हैं, उन्हें पूरी तरह मान लेना शायद किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाने में क्या दिक्कत आ रही हैं, इन पर व्यापक रूप से विचार विमर्श करने की जरूरत है। इसके लिए एक आयोग या समिति का गठन करना होगा जिसमें किसान संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल किए जाएं। फिलहाल 23 कृषि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में है और किसान मांग कर रहे हैं कि समर्थन मूल्य पर सभी फसलों को शामिल किया जाए। एक बात यह भी ध्यान देने योग्य है कि फसलों की किस्म, गुणवत्ता, पोषक तत्व, लागत आदि से फसल की कीमतें तय होती हैं। यदि खराब गुणवत्ता की उपज को भी समर्थन मूल्य पर खरीदने की बाध्यता होगी तो यह सरकार के लिए असहज स्थिति हो सकती है। सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले खाद्यान्न राशन कार्ड धारक गरीबों को रियायती दरों पर दिया जाता है। इसके अलावा देश के करीब 80 करोड लोगों को भी 5 किलोग्राम प्रति माह खाद्यान्न दिया जा रहा है। न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाए जाने से हो सकता है अधिकांश किसान वही फसल लगाएंगे जिनका उत्पादन अधिक होता है । इससे देश में खाद्यान्न की उपलब्धता में असमानता होने से जमाखोरी को बढ़ावा मिलेगा । आम उपभोक्ताओं को भी अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती हैं। इसके अलावा गरीबों को रियायती और मुफ्त में दिये जाने वाले खाद्यान्नों की कमी का भी सामना करना पड़ सकता है। जहां तक किसानों के कर्ज को माफ करने की बात है, इस पर भी व्यापक चिंतन करने की जरूरत है। यह देखा गया है कि देश के लघु और सीमांत किसानों की तुलना में बड़े किसानों पर अधिक कर्ज होता है। कर्ज का ब्याज माफ करना तो समझ में आता है लेकिन पूरा कर्ज माफ करने से ब्याज और मूल नहीं चुकाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है । इससे संपन्न और सक्षम किसान भी कर्ज नहीं चुकाते हैं, यह सोचकर कि सरकार तो कर्ज माफ कर ही देगी। कर्ज माफी के बजाय सरकार को बिजली, दवाई, बीज, कृषि यंत्र, खाद आदि पर और रियायत दें तो लागत में कमी आ सकती है। वर्तमान में लागत में अत्यधिक वृद्धि होने से किसानों को मुनाफा बहुत कम हो रहा है जिसके कारण कर्ज लगातार बढ़ रहा है। किसान 60 वर्ष से अधिक आयु होने पर 10000 रूपये प्रति माह पेंशन की भी मांग कर रहे हैं। देश में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से हर साल 10 करोड़ से अधिक किसानों को 6000 रूपये तीन किस्तों में दिए जा रहे हैं। 10000 रूपये महीने पेंशन की मांग तो शायद किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा। हां पात्र किसानों को पेंशन दी जा सकती है लेकिन किसानों की मांग यहीं थम जाएगी, इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। इस किसान आंदोलन से ऐसे अनेक सवाल सामने आ गए हैं जिनका त्वरित निराकरण करना जरूरी है। 2020 में किसान आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से संपर्क हो गया था लेकिन इस बार जैसे-जैसे समय बढ़ेगा, देश के अन्य किसान संगठन के इस आंदोलन से जुड़ने की आसार बढ़ेंगे। किसानों की तरफ से एमएसपी को लेकर कानून बनाए जाने की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। इस बीच कांग्रेस की तरफ से एमएसपी को लेकर कानूनी गारंटी का वादा किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, ये बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया।

भारतवर्ष की धरती ने महान विभूतियों को दिया जन्म

नरेन्द्र मोदी

जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर ये अनुभव होता था कैसे भारत में आध्यात्म किसी अमर और अजस्त्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है। आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं। उन्होंने पितातुल्य भाव से मेरा ख्याल रखा और देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद भी दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी। अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वह काफी उत्साहित थे। इस दौरान उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ-साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है। भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है। उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है। उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, ये बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया। आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

वो जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्त्रोत रहे। विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सानिध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया। शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। बचपन में सामान्य विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर जी बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान प्राप्ति और उस ज्ञान से पूरे समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाती है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया। सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म-जागरूकता के महत्त्व पर उनका विशेष जोर था। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वो आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वो भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डवलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे। आचार्य जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था। कितने ही कैदियों ने आचार्य जी के सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया। कैदियों में उनका इतना सम्मान था कि कई कैदी रिहाई के बाद अपने परिवार से भी पहले आचार्य विद्यासागर जी से मिलने जाते थे।

संत शिरोमणि आचार्य जी को भारत देश की भाषायी विविधता पर बहुत गर्व था। इसलिए वह हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में कई सारी रचनाएं की हैं। एक संत के रूप में वे शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, ये उनकी महान रचना 'मूक माटी' में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। इतना ही नहीं, वे अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी के योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने उन क्षेत्रों में विशेष प्रयास किया, जहां उन्हें ज्यादा कमी दिखाई पड़ी। स्वास्थ्य को लेकर उनका दृष्टिकोण बहुत व्यापक था। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया, ताकि लोग शारीरिक और मानसिक रूप, दोनों से स्वस्थ रह सकें।

मैं विशेष रूप से आने वाली पीढ़ियों से यह आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी की प्रतिबद्धता के बारे में व्यापक अध्ययन करें। वे हमेशा लोगों से किसी भी पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया करते थे। वे मतदान के प्रबल समर्थकों में से एक थे और मानते थे कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की। उनका कहना था- 'लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह है।', इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए। आचार्य जी का गहरा विश्वास था कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों के कर्तव्य भाव के साथ ही अपने परिवार, अपने समाज और देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की नींव पर होता है।

फौजी बूटों के नीचे दबा कराह रहा पाकिस्तान का लोकतंत्र

उबैदउल्लाह नासिर

पाकिस्तान में आम चुनाव के नतीजे 8 फरवरी को आगये लेकिन आज (19 फरवरी) तक वहां नयी सरकार नहीं गठित हो सकी है क्योंकि नतीजे सेना के मनमुवाफिक नहीं आये हैं। पाकिस्तान के सिलसिले में वहां की ही एक कहावत को ध्यान में ज़रूर रखना चाहिए तभी वहां की राजनीति समझी जा सकती है। वहां कहा जाता है की पाकिस्तान को 3ए चलाते है अर्थात अल्लाह ,आर्मी और अमेरिका। हमेशा की तरह पाकिस्तान के निवर्तमान निर्वाचित प्रधान मंत्री इमरान खां के खिलाफ सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाने का कुचक्र भी तत्कालीन सेनाअध्यक्ष जनरल बाजवा ने रचा था और उन्हीं के इशारे पर इमरान खां के खिलाफ मुकदमे लिखे गए और उन्हें जेल भेजा गया। जनरल बाजवा एके रिटायरमेंट के बाद जनरल आसिम वकार सेना अध्यक्ष बने लेकिन पाकिस्तानी फ़ौज की सोच और पालिसी में कोई फर्क नहीं आया। हालिया आम चुनाव में वैसे तो कई दल मैदान में थे लेकिन असल मुकाबला दो दलों के या यूँ कह लें दो नेताओं के बीच था एक ओर थे सेनाध्यक्ष जनरल आसिम वकार और दूसरी ओर थे जेल में बंद कई मुक़दमे झेल रहे पूर्व प्रधान मंत्री और पाकीस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इमरान खां, जिनकी तहरीक इन्साफ पार्टी की फ़ौज के इशारे पर पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने मान्यता रद कर दी थी और खुद इमरान खां को ही नहीं उनकी पार्टी के लगभग सभी बड़े नेताओं को जेल में ठूंस कर चुनाव लड़ने के योग्य घोषित कर दिया था।मजबूरी में इमरान खां ने अपने उम्मीदवारों को आज़ाद उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा वह सब क्रिकेट के बैट का चुनाव चिन्ह ले कर चुनाव लड़े लेकिन पाकिस्तान की जनता को सलामी देनी चाहिये की उस ने न्याय और हक का साथ दिया और इमरान खां के उम्मीदवारों को सब से ज्यादा सफलता दिलाई। इमरान खान के 101 उम्मीदवार जीते एक दुसरे पूर्व प्रधान मंत्री और सेना के दुलारे नवाज़ शरीफ की मुस्लिम लीग (N) के 73 और पीपल्स पार्टी के 54 उम्मीदवार जीते। इमरान खां के उम्मीदवार ने केवल उनके राज्य खैबरपख्तोनख्वामें बड़ी संख्या में जीते बल्कि पंजाब में भी बड़ी सफलता पायी जबकि पंजाब नवाज़ शरीफ और फ़ौज दोनों का मज़बूत किला समझा जाता है। भुट्टो प्युपिल्स पार्टी को सिंध में सफलता मिली। हालांकि इमरान खां के जीते हुए उम्मीदवारों को हराने का हर सम्भव प्रयास किया गया था, नतीजे बदले गए जीत का प्रमाण पत्र देने में खुली धांधली की गयी लेकिन अब सच सामने आ रहा है और लाहौर समेत कई जिलों के चुनाव अधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफ़ा दे कर बताया कि किस तरह उन पर चुनाव का नतीजा बदलने का दबाव डाला गया था। अवाम के हाथों पिटी हुई सेना अब इमरान खां को सत्ता में आने से रोकने के लिए न केवल नवाज़ शरीफ और भुट्टो की पार्टियों पर साझा सरकार बनाने का दबाव डाल रही है बल्कि साम दाम दंड भेद से इमरान के जीते हुए सदस्यों को भी तोड़ने की कोशिश की जा रही है।

पाकिस्तान के सम्बन्ध में एक बात और कही जाती है वह यह की हर देश के पास एक सेना होती है लेकिन पाकिस्तानी सेना के पास एक देश है जिसे वह अपने हिसाब से चलाती है सेना का मुख्य काम देश की रक्षा करना होता अहै लेकिन पाकिस्तानी सेना दुनिया से अलग है वहां का हर जनरल अछा सिपाही हो या न हो लीज अछा राजनैतिग्य ज़रूर होता है। फ़ौज द्वारा सत्ता पर कबजे का यह सिलसिला वहाँ के पहले स्वदेशी सेना अध्यक्ष जनरल अयूब खां ने शुरू किया था तब से किसी न किसी रूप में यह सिलसिला जारी है अधिकतर तो सीधे सत्ता पर कब्जा का ही रिकॉर्ड है लेकिन कभी कभी पर्दे के पीछे से यह खेल चलता रहा है इस सिलसिले में स्व ज़ुल्फ़िकार अली भुट्टो का एक वाकया बताया जाता है हुआ यह की उनके एक करीबी दोस्त ने उन से फोन पर कुछ सियासी बात करना चाही तो दूसरी ओर से प्रधान मंत्री भुट्टो हूँ हाँ करते रहे रात में भुट्टो ने उन से छुप कर मुलाक़ात की और कहा तुम मरवाओगे मुझे तुम्हें नहीं पता सेना के हेड क्वार्टर में मेरा फोन टेप होता है भुट्टो ने देश को एक संविधान भी दिया और सेना के तख्ता पलट के खिलाफ कानून बनाया और इसकी सज़ा फांसी रखी गयी उन्होंने फ़ौज पर अपनी पकड़ मज़बूत करने के लिए एक जी हुज़ूरिये टाइप के जनरल जियाउल हक को 6 सीनियर जनरलों को पीछे करके सेनाध्यक्ष बना दिया मगर यह उनकी जिंदगी की सब से बड़ी गलती बन गया। चुनाव में धांधली को ले कर जब देश में जबर्दस्त विरोध हुआ पूरा पाकिस्तान उस विरोध की चपेट में आ गया तो जनरल जियाउलहक ने मौक़ा गनीमत देख कर भुट्टो की सरकार का तख्ता पलट दिया संविधान रद कर दिया देश में मार्शल ला लगा दिया और भुट्टो पर हत्या की एक साज़िश में शामिल होने का मुक़दमा चलवा कर उन्हें फांसी दिला दी। जिया ने 10 साल तक पाकिस्तान को अपने बूटों के नीचे रखा धर्म के नाम पर रेफरेंडम करा के अपनी सत्ता मज़बूत की तथा धर्म और राजनीति का ऐसा घालमेल किया की पाकिस्तान दुनिया में आतंकवाद का अड्डा बन गया और सारी दुनिया में इस्लाम की न केवल बदनामी कराई बल्कि असल इस्लामी शिक्षाएं कही पीछे छूट गयीं अपनी सरपरस्ती में उस ने नवाज़ शरीफ को आगे बढ़ाया हवाई दुर्घटना में उसकी मौत के बाद भुट्टो की बेटी बेनजीर भुट्टो चुनाव जीत कर देश की प्रधान मंत्री बनी लेकिन उनके हाथ भी फ़ौज ने बाँध रखे थे उनकी हत्या के पीछे भी फ़ौज का ही हाथ बताया जाता है। फ़ौज की हिमायत से ही नवा शरीफ प्रधान मंत्री बने लेकिन जनरल मुशर्रफ से उनकी ठन गयी और उन्हें भी फौजी तख्ता पलट का शिकार होना पडा लेकिन इस बीच पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने थोड़ी रीढ़ की हड्डी दिखाई और चीफ जस्टिस चौधरी ने फ़ौज को सत्ता से दूर रहने की चेतावनी दे दी जबकि इससे पहले हर बार सुप्रीम कोर्ट ही ÷आवश्यकता के सिद्धांत' के तहत मार्शल ला को कानूनी मंज़ूरी देता रहता था, इसके बाद फ़ौज ने सत्ता पर सीधा कब्जा करने के बजाए प्रधान मंत्री को अपनी उँगलियों पर नचाना शुरू कर दिया कहा जाता है कि शुरू में इमरान खां भी फ़ौज की ही मदद से सत्ता में आये थे लेकिन फिर उन्होंने फ़ौज और अमरीका दोनों से पंगा ले लिया जिसके नतीजे में न केवल उनकी सत्ता गयी बल्कि वह जेल में बंद कर दिए गए हैं। यहाँ इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि जिस फ़ौज को पाकिस्तानी अवाम अपना रक्षक समझते हैं वही फ़ौज उसके दो टुकड़े करने की ज़िम्मेदार है। बंगालियों पर यह फौजियों का अत्याचार और पश्चिमी पाकिस्तान की पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आर्थिक और सियासी बेइमानी के कारण ही उसके दो टुकड़े हुए थे। चुनाव में बहुमत मिलने पर शेख मुजीब को पहले प्रधान मंत्री की शपथ के लिए इस्लामाबाद बुलाया गया और जब वह ढाका से इस्लामबाद पहुंचे तो उनको शपथ नहीं दिलाई जिससे खिन्न हो कर वह दुसरे दिन ही ढाका लौट आये और बगावत का बिगुल बजा दिया था। इतिहास फिर अपने आप को दोहरा रहा है इमरान खां को सत्ता से दूर रखने के लिए फ़ौज और सियासी पार्टियाँ जो साज़िश कर रही है वह देश के लोकतंत्र ही नहीं उसकी एकता के लिए भी वैसा ही खतरा है जैसा सत्तर की दहाई में बंगला देश या तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के साथ हुआ था पहले साज़िश शेख मुजीब और बंगालियों के खिलाफ हुई थी इस बार साज़िश इमरान खां और पख्तूनों के साथ हो रही है जबकी वहां भी अलगाव की आवाज़ बहुत पुरानी है जिसे सेना के बल पर दबाए रखा गया लेकिन अगर अवाम उठ खड़े हुए तो सेना का वही हश्र होगा जो पूर्वी पाकिस्तान में हुआ था जनता की ताक़त के आगे सरे हथियार टैंक तोप सब बेकार हो जाते हैं।

स्वास्थ्य फिट तो परीक्षा में हिट

पं. हरि ओम शर्मा

परीक्षायें निकट हैं, समस्यायें विकट हैं, इन समस्याओं में यदि स्वास्थ्य फिट है तो आप परीक्षा में हिट हैं यदि नहीं तो यह खतरे की घंटी है आपके लिए! इसलिए इस खतरे की घंटी की आवाज को कान खोलकर सुन लीजिए, सावधान हो जाइये! अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखिये तभी आप परीक्षा में हिट होकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं क्योंकि विद्वानों का मत है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मष्तिष्क निवास करता है। इसलिए अतिआवश्यक है कि परीक्षा सन्निकट होने के कारण पढ़ाई के साथ साथ स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखें। इन सुझावों पर भी अमल करें यह सुझाव आपके लिए रामबाण साबित होंगे और आप अपनी परीक्षा में विजय प्राप्त कर विजयी कहलाये जायेंगे।

आत्मविश्वास बनाये रखेंः हमेशा यह ध्यान में रखें कि परीक्षा की तैयारी सबसे अधिक आपकी ही अच्छी है। आप ही परीक्षा में हिट होंगे व सर्वोच्च स्थान प्राप्त करेंगे। यह आत्मविश्वास ही आपके तन व मन दोनों को स्वस्थ रखेगा और आपको सर्वोच्चता के मुकाम तक ले जायेगा। अतः आत्मविश्वास बनाये रखना अति आवश्यक है। याद रखिये! आत्मविश्वास सफलता की वह कुंजी है जो किस्मत के दरवाजे स्वयं खोल देती है।

नींद अवश्य पूरी करेंः यह बात सही है कि परीक्षायें निकट हैं और जमकर पढ़ाई करना है किन्तु इसका मतलब यह कतई नहीं है कि आप दिन रात पढ़ाई में ही जुटे रहे और अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करें। नींद हजार समस्याओं का निदान है। अतः कम से कम 6 घंटे अवश्य सोयें, ऐसा करने से आपके शरीर में एक नई चेतना, एक नई स्फूर्ति आयेगी, साथ ही दिमाग तरोताजा होगा, इससे आपकी पढ़ाई की क्षमता में और अधिक विकास होगा। अतः 'नींद' के समय को बरकरार रखें, नींद में मीठे-मीठे सपने देखें फिर इन सपनों को मूर्तिरूप देने के लिए जमकर पढ़ाई करें तभी आप परीक्षा में हिट हो सकते हैं।

बदलते मौसम में सावधानी बरतेंः मौसम बदल रहा है। अतः लापरवाही न करें, अभी भरपूर गर्मी नही है अतः कपड़े पहनने में लापरवाही न करे, क्योंकि इन दिनों में लापरवाही से ही सर्दी, जुकाम, बुखार अपनी पकड़ बना लेता है जो आपके हित में नही है। बदलते मौसम के मिजाज को समझना आवश्यक है। खान-पान का विशेष ध्यान रखेः इस समय पार्टियो, शादियो, होटल व रेस्टोरेन्ट के खाने से परहेज करें। घर पर बना खाना ही खायें, साथ ही यह भी ध्यान रखें कि खाना सुपाच्य व शीघ्र पचने वाला हो, इन दिनो पूरी-पराठा, छोले-भटूरे, चाट-पकौड़े व मिठाई आदि से भी दोस्ती तोड़ ले, साथ ही जूस व फलो का सेवन अवश्य करें। थोड़ा खायें भले ही दिन में कई बार खायें।

दिनचर्या नियमित करेंः स्वास्थ पर दिनचर्या का विशेष प्रभाव पड़ता है जिन लोगो की दिनचर्या अनियमित होती है उनका स्वास्थ ठीक नहीं रहता है। अतः दिनचर्या नियमित करिये। सोने का समय, जगने का समय, नित्यकर्म से निवृत होने का समय, नाश्ते का समय, लंच व डिनर का समय सबकुछ निश्चित करिये और उसका दृढ़तापूर्वक पालन करिये फिर देखिये कैसे आपका स्वास्थ्य फिट होता है और फिर कैसे आप परीक्षा में हिट होते है।

तनाव से बचेः तनाव से शीघ्र ही थकान जाती है अतः तनावमुक्त रहें, मन को बोझिल होने से बचायें, हमेशा प्रफुल्लित व मस्त रहें फिर आप देखेंगे कि किस तरह आपको चैप्टर शीघ्र ही याद हो जाते हैं और गणित की जटिल पहेलियों को चुटकी बजाकर हल कर लेंगे, विज्ञान के फार्मूले हर समय आपकी जबान पर रहेंगे, साहित्यिक भाषा में आप स्वतः ही निपुण हो जायेंगे।

आत्मविश्वास बनाये रखेंः हमेशा यह ध्यान में रखें कि परीक्षा की तैयारी सबसे अधिक आपकी ही अच्छी है। आप ही परीक्षा में हिट होंगे व सर्वोच्च स्थान प्राप्त करेंगे। यह आत्मविश्वास ही आपके तन व मन दोनों को स्वस्थ रखेगा और आपको सर्वोच्चता के मुकाम तक ले जायेगा। अतः आत्मविश्वास बनाये रखना अति आवश्यक है। याद रखिये! आत्मविश्वास सफलता की वह कुंजी है जो किस्मत के दरवाजे स्वयं खोल देती है।

रात को देर तक पढ़ाई न करेंः देखा गया है कि कुछ छात्र देर रात तक पढ़ते हैं और प्रातः देर से जगते हैं। यह आदत स्वास्थ्य एवं पढ़ाई दोनों के प्रतिकूल है। यदि आप इस गलत आदत के आदी हैं तो इस आदत में तुरन्त सुधार करिये, आज से और अभी से और इसी समय से अन्यथा यह बुरी आदत आपको मनचाही सफलता से वंचित कर सकती हैं।

पढ़ने के आसन का ध्यान रखोः कुछ छात्र या तो लेटकर पढ़ते हैं या सोफे पर पसरकर! पढ़ाई के यह दोनों आसन ही गलत है और इनका स्वास्थ्य पर विशेष प्रभाव पढ़ता है। पढ़ाई हमेशा सीधे बैठकर करें और कुर्सी पर बैठकर ही करें, जब थकान अनुभव करें तो किताब बंद कर सीधे बिस्तर पर लेट जायें, दोनों आँखे बंद कर लें फिर आपने जो चैप्टर पढ़ा है उसका मनन करें।

प्रातः जगकर पानी अवश्य पीयेंः जितना चाय स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है उतना ही जल 'मन व तन' दोनों को निर्मल करता है। प्रातः जलपान करने से छोटी मोटी बीमारी तो खुद ही किनारा कर लेती है। साथ ही प्रातः का जलपान पेट साफकरता है। इससे शरीर निरोग व सुडौल बनता है साथ ही मष्तिष्क तेज होता है। कुछ समय व्यायाम के लिए अवश्य निकालेंः परीक्षा सन्निकट है इसका मतलब यह नहीं है कि आप व्यायाम का निर्धारित समय भी पढ़ाई को भेंट कर दें, यह कदम आपके लिए आत्मघाती कदम होगा। अतः व्यायाम का निर्धारित समय किसी को न दे प्रातः व्यायाम अवश्य करें, व्यायाम आपके शरीर व मष्तिष्क दोनों को बल प्रदान करता है। अतः इस बल को प्राप्त करने के लिए व्यायाम अवश्य करिये तभी आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा और आप परीक्षा में हिट होंगे।

छात्र जीवन के पाँचो गुणों का पालन करेंः छात्रों में पाँच गुणों का समावेश होना अति आवश्यक है। वह पाँच गुण हैं - पहला - कौए जैसा प्रयास अर्थात प्रत्येक समय अवसर की तलाश में रहना, दूसरा - बगुला जैसा ध्यान अर्थात अपने उद्देश्य पर ही ध्यान केन्द्रित करना, तीसरा - कुत्ते जैसी नींद अर्थात सोते समय भी अपने कर्तव्य पर अडिग रहना, चौथा - अल्पहारी अर्थात कम भोजन करने वाला, पाँचवा - गृहत्यागी अर्थात घर के झंझटों से अपने आपको दूर कर पढ़ाई में ही जुटे रहना। इन पाँच गुणों को संस्कृत में इस प्रकार कहा गया है -

'काग चेस्टाः, बको ध्यानं, स्वान निद्राः तथैव च। अल्पहारी, गृह त्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणम।।

यह कुछ ऐसे चन्द सुझाव हैं जो आपको देखने में अवश्य छोटे लग रहे होंगे किन्तु याद रखिये छोटी-छोटी बातें ही बड़े-बड़े परिणाम दिलाती हैं यदि आप बड़ा परिणाम चाहते हैं और परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर हिट होना चाहते हैं तो आप इन छोटी-छोटी बातों पर अमल करिये।

खेल मैदानों से निखर रही ग्रामीण प्रतिभाएं : केशव

ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं, बच्चों को मिल रहा लाभ

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में उत्तर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण इलाकों में मनरेगा से लगातार खेल मैदान बनवाये जा रहे हैं। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा मनरेगा के तहत गाँवों में मैदानों का निर्माण कराया जा रहा है। खेल मैदानों के बनने की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस वित्तीय वर्ष में जनवरी की शुरुआत में जहां सात हजार मैदान बनकर तैयार हुये थे, अब उनकी संख्या बढ़कर आठ हजार से अधिक हो गई है। इससे नई प्रतिभाएं तो निखर ही रही हैं, साथ ही मनरेगा के तहत इन खेल मैदानों का निर्माण होने की वजह से श्रमिकों को निरंतर रोजगार भी मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में प्रदेश के छोटे से छोटे गाँव से प्रतिभाओं को निखारने के लिये ग्राम्य विकास विभाग की ओर से बनाई गई कार्य योजना से खेल मैदानों का निर्माण हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2017-18 से वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक लगभग 33,609 खेल मैदानों का निर्माण पूरा जो चुका है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक 8 हजार से अधिक खेल मैदानों का निर्माण किया जा चुका है। खेल मैदानों के बनने की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिससे ग्रामीणों में खुशी के साथ खेल के प्रति जागरूकता भी साफ़ बढ़ती नजर आ रही है।

मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी में ऐतिहासिक वृद्धि

अवधनामा संवाददाता

- वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 में भागीदारी दर 42 फीसदी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्ग दर्शन में ग्राम्य विकास विभाग के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने बहुत गम्भीर व सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आमदनी में इजाफा करने के बहुआयामी प्रयास किये जा रहे हैं। मनरेगा के तहत अधिक से अधिक महिलाओं को काम देने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 2023-24 में अब तक मनरेगा योजना के तहत कुल 31.15 करोड़ मानव दिवस सृजित हुए, जिनमें से 13.16 करोड़ महिलाएं हैं जो लगभग 42 प्रतिशत है। महिला मेट मनरेगा में प्रबंधन और पर्यवेक्षण के लिए महिला श्रमिकों के लिए सहायक सिद्ध हो रही हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी हो रही है। मनरेगा योजना में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी तेजी के साथ आगे बढ़ी है। ग्रामीण महिलाओं की आजीविका संवर्धन से महिलाएं स्वावलंबी बन रही हैं। उत्तर प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) के तहत महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ग्रामीण रोजगार योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी 2019-20 और 2020-21 में 34 प्रतिशत रही, वर्ष 2021-22 में 37 प्रतिशत रही, वर्ष 2022-23 में 38 प्रतिशत रही और वर्ष 2023-24 में माह अब तक बढ़कर औसतन 42 प्रतिशत हो गई है, जो अब तक का महिलाओं की मनरेगा में भागीदारी में सबसे अधिक है।

बीते वर्षों से महिला लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने में प्रदेश तेजी से जुटा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस योजना के तहत अब तक 2024 तक 31.15 करोड़ मानव दिवस सृजित हुए, जिनमें से 13.16 करोड़ महिलाएं हैं, जो लगभग 42 प्रतिशत है। आयुक्त ग्राम्य विकास श्री जी0 एस0 प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा में सक्रिय महिला श्रमिकों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से भी जोड़ा जा रहा है।

अवध चौराहे पर नहीं लगेगा जाम, बनेगा अण्डर पास : जितिन प्रसाद

अवधनामा संवाददाता

- 887.36 मीटर लम्बाई में अण्डर पास के निर्माण हेतु 121.09 करोड़ की धनराशि स्वीकृति
- जाम की समस्या का स्थायी समाधान होगा : लोक निर्माण मंत्री

लखनऊ। लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने जनपद लखनऊ में अवध चौराहे पर 887.36 मीटर लम्बाई में अण्डर पास के निर्माण हेतु 121.09 करोड़ रुपये की धनराशि को स्वीकृति प्रदान कर दी है। साथ ही निर्माण कार्य शुरू करने हेतु 42.30 करोड़ रुपये की धनराशि जारी करा दी गई है। अण्डर पास के निर्माण हो जाने से अवध चौराहे पर रोजाना लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी और लोगां का आवागम आसान हो जायेगा।

लोक निर्माण मंत्री ने बताया कि आलमबाग स्थित अवध चौराहे पर प्रायः जाम की स्थिति बनी रहती है। उक्त चौराहे पर अण्डरपास के निर्माण से पारा की तरफ से एक्सप्रेस-वे, हरदोई, मलिहाबाद, सीतापुर से आने-जाने वाले यातायात को एयरपोर्ट, कानपुर रोड एवं वीआईपी रोड की तरफ जाने में जाम से मुक्ति मिलेगी। उक्त मार्ग का उपयोग अति विशिष्ट जनप्रतिनिधियों द्वारा दिल्ली से लखनऊ आने-जाने के लिए उपयोग किया जाता है। अतः उक्त स्थल पर अण्डरपास का निर्माण अति आवश्यक है। अण्डरपास के निर्माण से लगभग 5 लाख की जनता/आबादी लाभान्वित होगी एवं यातायात निर्बाध रूप से सुगम हो जायेगा, जिससे समय व ईंधन की बचत होगी, प्रदूषण से राहत मिलेगी तथा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा।

मान्यवर श्री कांशीराम जी प्रेरणा स्थल द्वार को बचाते हुए ही अंडरपास का निर्माण किया जाना होगा। पारा मार्ग की तरफ से वी0आई0पी0 मार्ग की तरफ आवागमन के लिए अण्डरपास के निर्माण हेतु सिंचाई विभाग की नहर से उचित दूरी (12 से 15 मी0) रखते हुए एवं उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लि0 से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर अवध चौराहे पर अण्डरपास का निर्माण प्रस्तावित किया गया है जिससे अवध चौराहे पर जाम की समस्या का निराकरण हो जायेगा।

उपभोक्ता परिषद ने आज से शुरू किया अभियान

अवधनामा संवाददाता

- सोशल मीडिया, वेबीनार, सामाजिक व कृषि क्षेत्र के जुडे संगठनों से वार्तालाप कर जानेगा उनकी राय

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव में सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र में बिजली क्षेत्र की पांच प्रमुख मागे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र में शामिल कराने को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आज से सोशल मीडिया ट्विटर फेसबुक व्यक्तिगत ऑनलाइन वेबीनार व सामाजिक व कृषि क्षेत्र के जुडे संगठनों से वार्तालाप कर उनकी राय जानेगा और यह अभियान 6 मार्च तक चलेगा सभी मांगों पर उपभोक्ता परिषद अलग-अलग 3 दिन तक राय शुमारी करेगा इसके बाद उस पर आम जनता और प्रदेश के उपभोक्ताओं की राय के आधार पर उस मुद्दे की आम जनता की राय को राजनीतिक दलों को भेजेगा और उनसे यह मांग करेगा कि वह अपने चुनावी घोषणा पत्र में इन मुद्दों को प्रमुख स्थान दें।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा उपभोक्ता परिषद ने बिजली क्षेत्र और उपभोक्ता सेवा में व्यापक सुधार के लिए जिन 5 प्रमुख मुद्दों को चुना है उसमें प्रमुख रूप से देश व प्रदेश के किसानों की बिजली फ्री की जाए अथवा सस्ती की जाए ? देश व प्रदेश के सभी विद्युत उपभोक्ताओं को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति दी जाए या वर्तमान रोस्टर लागू रखा जाए? बिजली क्षेत्र का निजीकरण हो अथवा नहीं देश के उत्पादन क्षेत्र में निजी घरानो का 51 प्रतिसत कब्जा उचित अथवा अनुचित? देश के उत्पादन वितरण ट्रांसमिशन सहित सभी क्षेत्रो में कार्यरत निजी घरानों की सीएजी ऑडिट अनिवार्य रूप से हो अथवा नहीं?

151 युवाओं को मिला रोजगार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, लखनऊ, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में डी.डी.यू.जी.के.वाई. योजनान्तर्गत, अमेठी इण्टर कालेज ब्लाक-गोसाईगंज, लखनऊ, में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ मो0 वहीद, चेयरमैन प्रतिनिधि, ब्लाक- गोसाईगंज द्वारा किया गया। प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई लखनऊ राज कुमार यादव ने बताया कि रोजगार मेले में 09 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। 448 अभ्यर्थी में से 151 अभ्यर्थियों को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ।

प्राचीन धार्मिक स्थलों का होगा विकास : जयवीर

अवधनामा संवाददाता

- मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत जनपद गोरखपुर में 03 योजनाओं के लिए 02 करोड़ 15 लाख की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत गोरखपुर जनपद में तीन धार्मिक स्थलों पर बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए 02 करोड़ 15 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। इस स्वीकृत धनराशि का 50 प्रतिशत-राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज यहां दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र सहजनवा में भूलेश्वरनाथ मंदिर, चौरी-चौरा क्षेत्र स्थित प्राचीन काली माता मंदिर और खजनी क्षेत्र स्थित महोदवा मंदिर का पर्यटन विकास किया जायेगा। ये तीनों प्राचीन धार्मिक स्थल हैं। विभिन्न अवसरों पर दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। खासतौर से विधानसभा खजनी क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध देवा मंदिर की बड़ी मान्यता है। इस मंदिर के पर्यटन विकास पर 84.15 लाख रूपये व्यय किये जायेगे। स्वीकृत धनराशि का 50 प्रतिशत राज्य सरकार और 50 प्रतिशत स्थानीय मा0 विधायक द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसी तरह विधानसभा क्षेत्र चौरी चौरा में स्थित काली माता मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 67.35 लाख रूपये स्वीकृत किये गये हैं। इसमें भी 50 प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार द्वारा तथा 50 प्रतिशत धनराशि स्थानीय मा0 विधायक द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी। इसी प्रकार भूलेश्वरनाथ मंदिर के लिए 63.13 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। यह भी मंदिर अतिप्राचीन है। विभिन्न अवसरों पर यहां पर मेले का आयोजन होता है और दूर-दराज से लोग दर्शन पूजन के लिए आते हैं। श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधायें सुलभ कराने के लिए यह धनराशि व्यय की जायेगी। उन्होंने बताया कि उ0प्र0 में धार्मिक पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसको दृष्टिगत रखते हुए प्राचीन धरोहरों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत जनप्रतिनिधि, सक्षम व्यक्ति, संस्था व संगठन भी प्रस्तावक हो सकते हैं। प्रस्ताव पर खर्च होने वाली राशि का 50 प्रतिशत सरकार और 50 प्रतिशत व्यक्ति या संस्था देगी। इसी तरह जनप्रतिनिधियों की ओर से भी जो प्रस्ताव आएंगे, उसमें भी सरकार 50 प्रतिशत राशि देगी और 50 प्रतिशत जनप्रतिनिधि को देने होंगे। योजना के तहत प्रत्येक विधानसभा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थल का चयन या अल्पज्ञात पर्यटक स्थलों को चिन्हित कर उसे उच्चस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा लोग भ्रमण के लिए निकलें। ऐसा तब होगा जब लोगों के नजदीक पर्यटन के विकल्प उपलब्ध होंगे। इसी उद्देश्य से सभी विधानसभा क्षेत्रों में पर्यटन स्थल विकसित करने की तैयारी है। इससे प्रदेश में आर्थिक गतिविधियां बढ़ने के साथ ही लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर ऐतिहासिक तथा धार्मिक विरासत के लिए पहले से ही विख्यात है। अध्यात्मिक एवं धार्मिक पर्यटन की इस जनपद में असीम संभावनायें हैं।

अयोध्या के लिए 20 नई बसें इसी सप्ताह से

लखनऊ। अयोध्या के लिए राजधानी लखनऊ से 20 नई बसें चलाई जाएंगी। परिवहन निगम प्रशासन इन्हें चारबाग स्टेशन और आलमबाग बस टर्मिनल से चलावाएगा। मुख्यालय की ओर से आवंटन होने के बाद चारबाग और कैसरबाग डिपो को ये बसें सौंप दी गई।

- `अयोध्या दर्शन' के नाम से चलाई जाएंगी

बसों का संचालन चारबाग बस अड्डा, आलमबाग टर्मिनल, कैसरबाग स्टेशन और अवध बस स्टेशन से होगा। नई बसों को अयोध्या दर्शन के नाम से चलाया जाएगा। इनके ड्राइवर-कंडक्टरों की ड्यूटी लगाने, बसों की समयसारणी तय करने की तैयारी शुरू हो गई है। बसों का संचालन इसी सप्ताह से शुरू हो जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि इन बसों की समयसारणी ट्रेनों के आगमन के हिसाब से बनाई जाएगी। इससे गैर राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को अयोध्या के लिए सीधी बसों का लाभ मिल सकेगा।

सड़क किनारे फेंका जा रहा नगर का कचरा

कागजों पर चल रहा सफाई अभियान

अवधनामा संवाददाता

कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत का दर्जा पाये नगर पंचायत करारी इन दिनों नगर में फैली गंदगी के कारण सुर्खियों में है। कस्बे का कचरा सफाई कर्मचारियों द्वारा आबादी और स्वास्थ्य केंद्र के पास डंप किया जा रहा है। नगर वासियों में इस बात को लेकर स्थानीय प्रशासन के खिलाफ आक्रोश देखा जा रहा है। शिकायत के बावजूद इस गम्भीर समस्या पर कोई भी जिम्मेदार मुंह खोलने को तैयार नहीं है।

सदर ब्लाक के आदर्श नगर पंचायत करारी में निजाम भले ही बदल गया हो पर समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। नगर पंचायत में जगह जगह कूड़े के ढेर से उठ रही दुर्गंध ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। कस्बे की नालियां भी बजबजा रही हैं। चारों ओर कूड़े का ढेर देखा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ करारी -मंझनपुर रोड स्थित सरकारी अस्पताल के पास नगर प्रशासन द्वारा गन्दगी फेंकवाई जा रही है। हालांकि नगर के कचरे के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाया जाता है जहां पूरे नगर का कूड़ा करकट डंप करने की व्यवस्था की जाती है लेकिन स्थानीय नगर प्रशासन के जिम्मेदारों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा बल्कि जमकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है।

नाले को पाट रहे भू माफिया

कौशाम्बी। जिले के चर्चित कस्बों में से एक नगर पंचायत करारी में नगर प्रशासन की मिली भगत से कस्बे के हजरतगंज वार्ड और नयागंज वार्ड का बरसात का पानी निकलता है लेकिन करारी-मंझनपुर रोड़ स्थित मुख्य मार्ग पर बने नाले को भू माफिया ने नगर प्रशासन की मिली भगत से उक्त नाले को नगर प्रशासन ने कचरा डलवाकर नाले के अस्तित्व को ही खत्म कर दिया है और उक्त बंद नाले पर भू माफिया अपना वाहन खड़ा कर कब्जा जमा रखा है। इस बाबत कई बार जिम्मेदारों से शिकायत भी की गई लेकिन इस गम्भी समस्या पर भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा। उधर दोनों वार्ड के लोगों का कहना है कि अगर समय रहते उक्त बंद नाले की सफाई न कराई गई तो आने वाली बरसात में बारिश के पानी को निकलने दिक्कतें आती दिखाई दे रही हैं।

कोर्ट ने सुनाई दुष्कर्म अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा

कौशाम्बी (अवधनामा संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक कौशांबी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में दुष्कर्म के सम्बन्ध में पंजीकृत परिवाद से सम्बन्धित अभियुक्त जमरेही पुत्र सजावल नि0 ग्राम हिनौता थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को दिन मंगलवार को मा0 न्यायालय एडीजे/एफटीसी-02 जनपद कौशाम्बी द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में मानिटरिंग सेल के माध्यम से प्रभावी पैरवी कराते हुए अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारावास तथा 10,000 रू0 के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

टीएमयू डेंटल कॉलेज के फेस्ट ग्रेविटास का शुभारम्भ

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर का 10 दिनी फेस्ट- ग्रेविटास-2.0

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के 10 दिनी फेस्ट-ग्रेविटास-2.0 का गुब्बारे उड़ाकर, रंग-बिरंगी आतिशबाजी, मशाल के संग मार्च पास्ट के बीच पवेलियन में भव्य शुभारम्भ हुआ। इस फेस्ट के तहत कल्चरल और स्पोर्ट्स इवेंट्स होंगी। इस सुअवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य शर्मा, डीन एकेडमिक्स प्रो. मंजुला जैन, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. एसके जैन, डेंटल कॉलेज की डायरेक्टर गवर्नेंस डॉ. नीलिमा जैन, डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनीष गोयल आदि की गरिमामयी मौजूदगी रही।

सभी मेहमानों ने ग्रेविटास-2.0 के पोस्टर और ट्राफी का अनावरण भी किया। ट्राफी की खास बात यह है कि इसे डेंटल कॉलेज के स्टुडेंट्स ने ही तैयार किया है। इस रंगारंग कार्यक्रम में बीडीएस, एमडीएस, इंटर्न्स, फैकल्टीज़ की भी उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है ग्रेविटास-2.0 में कल्चरल इवेंट्स के तहत फेस पेंटिंग, फ्लैश मॉब, सिंगिंग, डांसिंग, अंत्याक्षरी, स्टैंडअप कॉमेडी, मॉक प्रेस, पेंटिंग, स्केटिंग, मेंहदी, ट्रेजर हंट, सोप कार्विंग, फ्रूट कार्विंग, कूकिंग विदआउट फ्लेम, रंगोली, रील मेकिंग, सब्जेक्ट रीलेटिड म्यूजिक आदि की प्रतियोगिताएं होंगी।

स्पोर्ट्स के तहत आउटडोर स्पोर्ट्स में क्रिकेट, खो-खो, ट्रैक इवेंट, फन गेम्स, जबकि इंडोर स्पोर्ट्स के तहत बास्केटबाल, वालीबॉल, बैडमिंटन, टेबिल-टेनिस, चेस, बॉक्स क्रिकेट आदि की प्रतियोगिताओं में स्टुडेंट्स अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। ग्रेविटास-2.0 का शुभारम्भ प्रिंसिपल डॉ. मनीष गोयल ने मशाल जलाकर किया। पीजी फर्स्ट ईयर के छात्र डॉ. शुभम ने मशाल को लेकर आगे-आगे चले।

जमीन में हेरा फेरी का लगा राजस्व कर्मी पर आरोप

अवधनामा संवाददाता

कौशाम्बी। नगर पंचायत पश्चिमशरीरा में एक जमीनी विवाद का मामला सामने आया है इस में राजस्व कर्मी की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। पट्टेधारक की जमीन पर दूसरे का नाम चढ़ा देने का मामला सामने आया है। लोगों में इस बात को लेकर राजस्व कर्मी के खिलाफ आक्रोश देखा जा सकता है। इस बात को लेकर भुक्त भोगी ने उप जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है।

पश्चिमशरीरा निवासी मन्नी लाल पुत्र गुलजार निवासी पश्चिम शरीरा ने उप जिलाधिकारी को दिए गये शिकायती प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि प्रार्थी को आराजी सं0 515मि0 रकबा 0.068 हे0 स्थित मौजा पश्चिम शरीरा परगना अथरवन, तहसील मंझनपुर जनपद कौशाम्बी में फसली सन् 1394 ई0 में कृषि कार्य हेतु पट्टा मिला हुआ था जिसपर प्रार्थी पट्टे की दिनांक से काबिज, दखील होकर उसका उपयोग व उपभोग कर रहा है जिसपर गाँव की केलपतिया बेवा भगौती द्वारा उक्त आराजी का अपना फर्जी इन्द्राज करा लिया है जबकि केलपतिया को कभी भी कृषि आवंटन नही किया गया है, विपक्षिणी द्वारा वर्तमान हल्का लेखपाल अजीत कुमार पटेल से सांठ गांठ करके मोटी रकम देकर प्रार्थी की पट्टे वाली भूमि पर अवैधानिक तरीके से कब्जा करा दिया है जबकि विपक्षिणी का उक्त पट्टा वाली भूमि से कोई वास्ता सरोकार न था और न ही आज है। वर्तमान हल्का लेखपाल द्वारा विपक्षिणी का आराजी उपरोक्त में दर्ज त्रुटिपूर्ण नाम निरस्त करने के बजाय प्रार्थी की पट्टे वाली भूमि पर अवैधानिक तरीके कब्जा करा दिया गया है। ऐसीस्थिति में हल्का लेखपाल अजीत कुमार पटेल के अपने पद का दुरूपयोग करने के सम्बन्ध में कार्यवाही करते हुए तथा साथ ही साथ विपक्षिणी केलपतिया का दर्ज फर्जी नाम आराजी उपरोक्त की जाँच कराकर निरस्त किया जाना आवश्यक है।

रोजगार मेले में 131 अभ्यर्थियों का किया गया चयन

कौशाम्बी (अवधनामा संवाददाता)। कौशल विकास मिशन, राजकीय आईटीआई एवं सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत आज जन शिक्षण संस्थान, मंझनपुर रोड समदा के परिसर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें 253 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं 03 नियोक्ता कम्पनियों के द्वारा कुल 131 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले का शुभारम्भ अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद्, मंझनपुर बीरेन्द्र सरोज द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने रोजगार मेले में उपस्थित प्रतिभागी अभ्यर्थियों को रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन के0के0 राम, डीएसएम योगेन्द्र कुमार शुक्ला, डीपीएम शिव नरेश शुक्ला, प्लेसमेन्ट प्रभारी सेवायोजन विनोद सिंह आदि उपस्थित रहें।

संस्कृत सभी भाषाओं की जननी : डॉ ममता

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। कुर्सी रोड स्थित आइडियल डिग्री कॉलेज में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान एवं यशोराज ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृत भाषा के नए आयाम विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ ममता शुक्ला, अश्वनी शर्मा, माया गुप्ता, सुमित, राजेश उपस्थित रहे।

डॉ ममता शुक्ला ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी कही जाती है। भारत की सांस्कृतिक पहचान अगर पूरी दुनिया में है, तो उनमें से एक संस्कृत भाषा भी है। जिसे हम देव भाषा भी कहते हैं। क्योंकि इसको भगवान ब्रह्मा जी ने उत्पन्न किया था। वेदों की रचना इसी भाषा में की गई क्योंकि यह शुद्धता का भी प्रमाण है। इसके आंचल से ही हिन्दी, पाली, प्राकृत आदि कई भाषाएं विकसित हुई हैं, यह भाषा संस्कृति की तरह व्यापक है अनेक वेद, उपनिषद, वेदांग आदि की विषयवस्तु संस्कृत में ही वर्णित है। संस्कृत भाषा हिन्दू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म और सिख धर्म में संचार का पारंपरिक साधन रही है।

अश्वनी शर्मा ने कहा कि इतिहासकार अलब-ए-रूनी ने संस्कृत भाषा की विशेषता आदि पर खूब चर्चा की है। इसी प्रकार इतिहासकार विल डूरान्ट ने लिखा है कि 'भारत की मातृभूमि कई प्रजातियों की जन्मदात्री रही है और संस्कृत यूरोपीय भाषाओं की जननी थी। संस्कृत साहित्य को प्राचीन कविता, नाटक और विज्ञान के साथ-साथ धार्मिक और दार्शनिक ग्रंथों में इस्तेमाल होने वाले विशेषाधिकार भी प्राप्त है।

माया गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति को समृद्ध बनाए रखने में इस भाषा का योगदान अतुलनीय है। यह जितनी प्राचीन है उतनी आधुनिक और वैज्ञानिक भी। संस्कृत भाषा के सार्वभौमिक स्वरूप एवं व्यापकता के कारण वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसका महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

सीएमएस छात्रा की किताब 'फेबल्स ऑफइमैजिनेशन' हुई प्रकाशित

अवधनामा संवाददाता

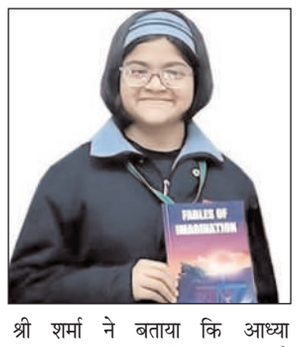

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस की कक्षा-5 की छात्रा आध्या चौहान द्वारा लिखित पुस्तक 'फेबल्स ऑफइमैजिनेशन' को देश के प्रख्यात साहित्यिक प्रकाशन 'ब्रिबुक्स' ने प्रकाशित किया है। इस पुस्तक में आध्या की लिखी प्रेरक लघु कथाओं को बच्चे व किशोर खूब पसंद कर रहे हैं, जिसमें आध्या ने अपनी कहानियों के माध्यम से बच्चों व किशोरों को सद्चिंतन व सद्विचारों के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें सामाजिक विकास में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रेरित किया है।

सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट व प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. छात्रा की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि आध्या सृजनात्मक प्रतिभा की धनी छात्रा है जिसका साहित्य के क्षेत्र में विशेष लगाव है। इतनी अल्प आयु में आस्था की यह उपलब्धि न केवल उसकी प्रतिभा और साहित्य के समर्पण को उजागर करती है बल्कि अन्य छात्रों को भी साहित्य के प्रति प्रेरणा के रूप में भी काम करती है। सी.एम.एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने सिद्ध कर दिया कि युवा लेखकों की कलम में इतनी ताकत है कि वे अपने सृजनात्मक लेखन के द्वारा समाज में रचनात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी जनसमस्याएं

अवधनामा संवाददाता

एटा। जनता की समस्याओं, शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के उद्देश्य से जनपद की तीनों तहसीलों में मंगलवार को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 02 बजे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम प्रेम रंजन सिंह ने एसएसपी राजेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में तहसील एटा सदर में जनता की समस्याओं को सुना, डीएम ने जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन शिकायतों का निस्तारण हो सकता है, उनका निस्तारण प्रत्येक दशा में करें। अनावश्यक फरियादियों को परेशान करने की शिकायतें प्राप्त नहीं होनी चाहिए, साथ ही जिन प्रकरणों में निस्तारण नहीं हो सकता, उन प्रकरणों में शिकायतकर्ता को समझाते हुए संतुष्ट करें। तहसील, ब्लाक कार्यालयों में अधिकारी नियमित रूप से जनसुनवाई पर जोर दें, जिससे कि अधिक से अधिक प्रकरण तहसील, ब्लाक स्तर पर ही निस्तारित किए जा सके। डीएम ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतें अधिक प्राप्त होने पर उपस्थित अधिशासी अभियंताओं को निर्देश दिए कि जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरतें। जेई, एसडीओ की बैठकें कर उन्हें कड़े निर्देश जारी करें, जनता का शोषण कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा। डीएम ने कहा कि पैमाईश के प्रकरणों में दोनों पक्षों के हस्ताक्षर कराएं, वादी-प्रतिवादी दोनों को मौके पर बुलाकर पैमाईश करें। यदि एक बार तहसील से पैमाईश हो जाती है और पुनः कब्जा किसी भी व्यक्ति द्वारा किया जाता है, तो उसके खिलाफ कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। लेखपाल, पंचायत सचिव, सफाईकर्मियों की गांव में उपस्थिति सुनिश्चित करें, जिससे कि जनशिकायतों का गांव स्तर पर निस्तारण किया जा सके। तहसील एटा सदर में फरियादियो द्वारा कुल 63 शिकायती पत्र प्रस्तुत किए गए, जिसमें से 6 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।

एडीएम वित्त एवं राजस्व आयुष चैधरी ने तहसील जलेसर में एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में जनता की समस्याओं को सुना गया। इस दौरान प्राप्त 13 शिकायतों में से 01 का निस्तारण किया गया।

इस मौके पर एसएसपी राजेश कुमार सिंह, सीएमओ डा0 यूके त्रिपाठी, सीडीओ डा0 एके वाजपेयी, एसडीएम सदर भावना विमल, तहसीलदार नीरज वार्ष्णेय, डीडीओ प्रवीन कुमार राय, पीडी सुरेन्द्र कुमार गुप्त, डीडी कृषि रोताश कुमार, कृषि अधिकारी मनवीर सिंह, एलडीएम सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारीगण, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, थाना प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 के सम्बन्ध मे जिलाधिकारी ने की बैठक

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार मे जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता मे लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल के सम्बन्ध मे निर्माणाधीन कार्य को समयान्तर्गत पूर्ण कराने के सम्बन्ध मे बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि मण्डी परिसर मे निर्माणाधीन दुकानों का कार्य जल्द पूर्ण कराया जाये, ताकि इनका प्रयोग स्टंअग रूम के रूप मे किया जा सके। उन्होंने कहा कि मण्डी परिसर मे साफ-सफाई का कार्य कराया जाये। सड़कों की मरम्मत का कार्य समय से पूर्ण कर लिया जाये। आवश्यकता अनुसार मण्डी प्लेटफार्मो की भी मरम्मत करा ली जाये। बिजली के ढीले तारों को ठीक करा लिया जाये। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट प्रशान्त तिवारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सबसे अधिक ज़मीन से संबंधित शिकायत आई

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। जिलाधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जाकर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रकरणों की गंभीरता से जांच की जाये साथ ही जबाबदेह लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि जब भी अधिकारीगण गावों के भ्रमण पर जाये अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का मौके पर सत्यापन करें तथा लाभार्थियों का फीडबैक भी लें। तहसील सदर में विभिन्न संदर्भों से संबंधित कुल 26 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें मौके पर 04 शिकायतों का निस्तारण किया गया शेष संबंधित अधिकारियों को प्राप्त कराकर जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में सबसे अधिक जमीन से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक सप्ताह से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निस्तारण में विलम्ब के कारण का भी उल्लेख किया जाये, साथ ही सभी प्रकरणों को अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करा दिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई की। उन्होंने थानाध्यक्षों को निर्देश दिये कि प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर कार्यवाही की जाये। इसको ध्यान में रखते हुए निस्तारण गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। उक्त अवसर पर निदेशक सामाजिक वानिकीय अतुलकांत शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी गीता राम, क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी सदर विक्रम सिंह राघव, तहसीलदार सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

थाना सिरसागंज का निरीक्षण कर दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

सिरसागंज/फिरोजाबाद। थाना सिरसागंज का आईजी आगरा रेंज द्वारा थाना सिरसागंज का वार्षिक निरीक्षण किया गया जिसमें प्रमुख रजिस्टरों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आईजी आगरा रेंज के साथ फिरोजाबाद एसएसपी सौरभ दीक्षित भी रहे मौजूद। आईजी द्वारा थाना हेल्प डेस्क सीसीटीएनएस कक्ष, जनसुनवाई कक्ष, आइजीआरएस मुख्यमंत्री पोर्टल, पर प्राप्त प्रार्थना पत्र आदि का बारीकी से निरीक्षण करते हुए जनसुनवाई को अधिक प्रभावी बनाने एवं महिला संबंधी शिकायतों को गंभीरता से सुनने व महिला संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया आईजी द्वारा बैरक,भोजनालय एवं थाना प्रांगण का निरीक्षण करते हुए साफ सफाई के आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान आईजी द्वारा थाना क्षेत्र के सभी सम्भ्रांत नागरिकों संग गोष्ठी आयोजित की गई गोष्ठी के दौरान बताया कि आगामी चुनाव को सकुशल संपन्न कराने फिरोजाबाद पुलिस प्रशासन का सहयोग करें किसी भी प्रकार की घटना या समस्या होने पर तत्काल डायल 112 संबंधित चौकी या थाने पर सूचना दें फिरोजाबाद पुलिस द्वारा तत्काल विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। थाना सिरसागंज के निरीक्षण के दौरान अगर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकार सिरसागंज, क्षेत्राधिकारी टूंडला, प्रभारी निरीक्षक सिरसागंज एवं अन्य पुलिस अधिकारीगण/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

मनाई हिन्दू हृदय सम्राट शिवाजी महाराज की जयंती

मथुरा। हिन्द स्वराज के संस्थापक, परम योद्धा, अभ्दुत साहस व शौर्य के प्रतीक, कुशल प्रशासक और धर्म के प्रति समर्पित छत्रपति शिवाजी महाराज की 394वीं जयंती कृष्ण मोहन विश्वविद्यालय में सहउत्सव समारोह के साथ मनाई गई। जिसमें विवि के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी को हैरान कर दिया। इस अवसर पर छात्रों ने शिवाजी के जीवन पर नाटक का रूपान्तर का अच्छा प्रदर्शन कर कुलाधिपति को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों व आदर्शों को आज के युवा पीढ़ियों को आत्मसात करने की जरूरत है। केएम विवि परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज के स्वरूप में घोड़े पर सवार होकर एमबीबीएस 2023 बैच के छात्र मालउदय, हर्षवर्धन ने प्रवेश किया तो छत्रपति शिवाजी महाराज के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

यूपी बोर्ड परीक्षा कन्ट्रोलरूम का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

एटा। अपर जिलाधिकारी प्रशासन सत्य प्रकाश ने तहसील अलीगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरान्त शासन के निर्देशानुसार तहसील अलीगंज का निरीक्षण किया। एडीएम ने इस दौरान नजारत अनुभाग, राजस्व लिपिक, न्यायालय तहसीलदार अलीगंज व खतौनी कक्ष का निरीक्षण किया गया। एडीएम ने निर्देश दिए कि शासन की मंशानुसार सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को कार्य करना है, पटल पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से लेकर निस्तारित करें। अनावश्यक फाइलें लंबित न रखी जाए, अन्यथा की स्थिति में संबंधित पटल सहायक पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। एडीएम ने इस दौरान राजकीय इण्टर कॉलेज एटा में यूपी बोर्ड परीक्षा की सघन मॉनीटरिंग हेतु बनाए गए कन्ट्रोलरूम को भी चैक कर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए। राजस्व लिपिक कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का निरीक्षण भी किया गया। एडीएम प्रशासन ने न्यायालय तहसीलदार अलीगंज के निरीक्षण के समय उप निबन्धक कार्यालय से प्राप्त बैनाम प्रतियों का अवलोकन किया। प्रकाश में आया कि बैनाम प्रतियों में शपथ पत्र व प्रपत्र 11 संलग्न नहीं किया जा रहा है। जिसे अद्यतन करने हेतु निर्देश दिये गए। केश डायरी व मिशिलबन्द का अवलोकन किया गया जो कि अद्यावधिक पाये गए। 03 वर्ष से लम्बित वादों की पत्राविलयों का निरीक्षण किया गया व लम्बित वादों का शीघ्र निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया गया। खतौनी कक्ष के निरीक्षण के समय खतौनी शुल्क, प्रतिदिन प्रिन्ट खतौनियों की संख्या व रजिस्टर न0 09 का अवलोकन किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन धनराशि बैंक खाते में जमा कराने के निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर एएसपी धनंजय सिंह कुशवाह, डीआईओएस चन्द्रकेश सिंह, तहसीलदार राकेश कुमार, नायब तहसीलदार जैथरा, सम्बन्धित पटल सहायक आदि मौजूद रहे।

विधिक सेवाओं और सरकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

- पीड़िताओं की सुनी समस्याएं, किया मार्गदर्शन

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद महिला सशक्तिकरण को लेकर सर्व उत्थान उज्जवला समिति द्वारा एसआरके पीजी कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एजुकेशन स्ववित्त पोषित विंग परिसर में एक दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें, पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका मार्ग दर्शन किया गया। इस दौरान सभी को शपथ दिलाई गई और महिला कल्याण अधिकारी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और पैंपलेट वितरण कर व स्टीकर चिपकाकर महिलाओं एवं छात्राओं को जागरूक किया गया। संचालन एसआरके पीजी कॉलेज कंप्यूटर साइंस एंड एजुकेशन स्ववित्त पोषित विंग के निदेशक उमाशंकर गुप्ता ने किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश यजुवेंद्र विक्रम सिंह, डीजीसी राजीव कुमार, महिला कल्याण अधिकारी अनम अकाशा, स्वीप ब्रांड एंबेसडर संध्या द्विवेदी, समाज सेविका कल्पना राजौरिया, अधिवक्ता निशी शर्मा, मनोज कुमार व अन्य मंचासीन अधिकारियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ हस्ताक्षर जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया और विधिक सेवाओं के साथ साथ महिलाओं को मुफ्त कानूनी सलाह एवं सरकारी वकील मुहैया कराने की प्रक्रिया के विषय में विस्तार से बताते हुए उन्हें, आत्मनिर्भर व साक्षर बनने के लिए प्रेरित किया और उनकी समस्याओं को एक एक कर सुन उनका मार्ग दर्शन किया। उन्होंने कहा कि, महिलाओं में विधिक जागरूकता का बहुत अभाव है। उन्हें, न्याय प्रणाली की हर इकाई से वाकिफ होना चाहिए। ताकि, समस्याओं से वे निजात पा सके। यदि, किसी को भी विधिक सहायता या संबंधित जानकारियों की आवश्यकता है तो, वह न्यायालय परिसर स्थित कार्यालय विधिक सेवा प्राधिकरण में संपर्क कर सकते हैं। महिला कल्याण अधिकारी अनम अकाशा ने महिला संबंधी अधिनियमों पर चर्चा करते हुए कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन स्पॉन्सरशिप व सरकार की अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं के विषय में विस्तार से बताया एवं चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, महिला हेल्प लाइन 1090, घरेलु हिंसा हेल्पलाइन 181, साइबर हेल्प लाइन 1930, पुलिस हेल्प लाइन 112, मुख्यमंत्री हेल्प लाइन 1076 के साथ साथ साइबर क्राइम, घरेलू हिंसा, सेल्फ डिफेंस, गुड टच बैड टच आदि के प्रति जागरूक किया और सखी वन स्टॉप सेंटर के कार्य व पीड़िताओं को दी जाने वाली सुविधाओं के विषय में विस्तार से बताया। मंचासीन अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी को जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व डीजीसी विश्राम राठौर, एडीजीसी मनोज शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप चंद्र जैन, निशी शर्मा एडवोकेट, समाजसेविका कल्पना राजौरिया, रमा बीएल भदौरिया एवं संस्था अध्यक्ष रश्मि जैन और पीड़िताओं सहित विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं, स्टॉफ व छात्राएं उपस्थित रहीं।

विधायक के प्रयास से संवरेगा शीतला मंदिर का परिसर

संडीला। पौराणिक शीतला माता मंदिर का सौदृयीकरण और पर्यटन विकास के कार्य कराए जाने के प्रस्ताव को शासन ने मंजूरी दे दी है करीब 189 लाख से सौंदृयीकरण कराया जाएंगा।

शीतला माता मंदिर संडीला क्षेत्र में स्थित है परिसर मे ही एक बहुत पुराना सरोवर भी है मंदिर में हर महीने दीपोत्सव का आयोजन भी होता है मंदिर परिसर को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किए जाने को लेकर क्षेत्रीय विधायक अलका सिंह अर्कवंशी ने एक नवंबर को सौंदरयीकरण के लिए प्रमुख सचिव व पर्यटन मंत्री को पत्र भेजा और व्यक्तिगत मिलकर निर्माण कार्य कराने की मांग की थी जिसमें पर्यटन विभाग से एक टीम आयी थी जिसमे पर्यटन अधिकारी दीपांकर चैधरी,प्रदीप सिंह संडीला विधायक

के निर्देश पर अंगूरी शंकर सिन्हा ने सर्वे कराया। शीतला मंदिर के दस्तावेज राजस्व विभाग से लिए गए और शीतला माता मंदिर व सरोवर तथा जंगली शिव मंदिर भरावन को शासन ने सौंदरयीकरण कराये जाने को मंजूरी दे दी थी जिला पर्यटन अधिकारी हरदोई दीपांकर चैधरी ने बताया की 189 लाख रूपये से शीतला देवी मंदिर का जिणोद्वार एवं सौंदरयीकरण कराया जाएंगा मंदिर के पास ही सेल्फी पॉइंट का निर्माण भी कराया जाएगा मार्ग व्यवस्था प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ ही यज्ञशाला का निर्माण भी कराया जाएगा इसके अलावा सरोवर की बाउंड्रीवाल कराये जाने की अनुमति प्रदान की गई है भक्तो को रुकने के लिए भवन निर्माण भी कराया जाएगा य परिसर मे सोलर लाइट लगवाए जाने आदि को भी व्यवस्था की गई है उन्होंने बताया कि निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जल्द ही काम भी शुरू करा दिया जाएगा वही दूसरी ओर संडीला के भरावन क्षेत्र मे जंगली नाथ शिव बाबा स्थल का भी लगभग 102.75लाख से सौंदर्यकरण कराया जा रहा है जो लगभग कार्य पूर्ण होने पर है दोनों पौराणिक ऐतिहासिक मंदिरों के लिए क्षेत्रीय विधायक अलका सिंह अर्कवंशी के सफल प्रयास से होना निश्चित हुआ है जिसकी क्षेत्र में प्रशंसा की जा रही है।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 कार्यक्रम फिरोजाबाद में एलईडी स्क्रीन पर देखा प्रसारण

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। लखनऊ में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 कार्यक्रम का फिरोजाबाद में एलईडी व प्रोजेक्टर के जरिए लाइव प्रसारण देखा गया। फिरोजाबाद कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक मनीष असीजा ने अपने संबोधन में कहा की यहां के उधमियों ने अपनी कुशलता से उद्योगों को गति प्रदान की है।वहीं जिलाधिकारी उज्ज्वल कुमार ने अपने संबोधन में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में दस लाख करोड़ रुपए से अधिक लागत की 14000 परियोजना का शुभारंभ किया गया है।कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष राकेश शंखवार सहित जनप्रतिनिधि,उद्योग बंधु, उद्यमी, संबंधित अधिकारीगण एवं लाभार्थियों ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से सीधा प्रसारण देखा,जिसमे प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रारंभ हुए उद्योगों व परियोजनाओं से लोगो को रोजगार मिलेगा। यूपी को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ व्यवस्था बनाने में अहम भूमिका होगी। आज पूरी दुनिया मोदी की गारंटी की बहुत चर्चा कर रही है।यह मोदी की गाड़ी प्रत्येक लाभार्थियों को सरकार द्वारा चलायी जा रही समस्त योजनाओं का लाभ दे रही है। उन्होंने कहा की हमारा प्रयास है कि हर घर सोलर जनरेटर बन जाय।300 यूनिट तक बिजली फ्री मिलेगी।

तस्वीरों से नफरत रोक दी बरात, पुलिस ने सुलझाया विवाद

मथुरा। बरात में दो महापुरुषों के चित्र लेकर चलने पर विवाद हो गया। एक पक्ष ने बरात रोक ली। सूचना पर पुलिस पहुंची। तस्वीरों को हटाने पर बात बनी और बरात चढ़ी। कस्बा की मुस्लिम मंडी निवासी सुधीर कुमार की बरात मथुरा के गांव जुनसुटी निवासी मोतीलाल की पुत्री पूजा के साथ तय हुई थी। रविवार देर शाम करीब 8 बजे सुधीर बरात लेकर जुनसुटी पहुंचा। रात 9 बजे बरात चढ़ने लगी। इस दौरान दूल्हे के दोनों दो महापुरुषों के चित्र लिए कुछ लोग चल रहे थे। बरात थोड़ी ही दूर आगे बढ़ी तभी कुछ लोगों ने बरात रोक ली।डॉ, अंबेडकर और गौतम बुद्ध की तस्वीरों को लगाने पर आपत्ति जताई और हटाने की बात कही। काफी प्रयासों के बाद भी बात नहीं बनी तो सूचना पुलिस को दी गई। बाद में बरातियों ने दोनो महापुरुषों की तस्वीरें हटा दीं तब जाकर बरात आगे बढ़ी और शादी की सभी रस्में पूरी हुई।

किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये: अंशुल यादव

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। जिला पंचायत कार्यसमिति की बैठक जनपद के प्रथम नागरिक/जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गयी। उक्त बैठक का आयोजन वित्तीय वर्ष 2023-24 के पुनरीक्षित बजट की स्वीकृति/अनुमोदन, वित्तीय वर्ष 2024-24 के मूल आय व्यय बजट की स्वीकृति एवं पांचवें राज्य वित्त आयोग व पन्द्रहवें केन्द्र वित्त आयोग की संस्तुति के अन्तर्गत प्राप्त प्रस्तावों के अनुमोदन/विचार हेतु आहूत की गयी। सदन को सम्बोधित करते हुए सभापति/जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पिछली बैठको में जो कार्य प्रस्तावित/अनुमोदित किये गये थे उनको यथा शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करायें साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। उन्होंने विद्युत विभाग के द्वारा आमजन के उत्पीडन को लेकर जिला अध्यक्ष सपा बबलू शाक्य को सम्बोधित करते हुए कहा कि यदि विद्युत विभाग द्वारा उत्पीडन किसी समुदाय विशेष को लेकर किया जाता रहेगा तो वह स्वयं उस उत्पीडन के विरूद्ध धरने पर बैठेंगे इसकी एक तिथि निर्धारित की जाये। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किन किन ग्रामों की विगत 6 माहों में विद्युत आपूर्ति काटी गयी है उसकी सूची तत्काल उपलब्ध करायें। मैनपुरी सांसद प्रतिनिधि/जिला अध्यक्ष सपा ने सदन में मांग रखी कि जिस तरह डीएम चैराहे को पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी के क्रिया कलापों से सुसज्जित करते हुए अटल पथ के नाम से अलंकृत किया गया है उसी प्रकार पूर्व रक्षा मंत्री/ मुख्य मंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव के क्रिया कलापों से एस.एस.पी. चैराहे को सुसज्जित किया जाये। सदर विधायिक प्रतिनिधि हरि नरायण बाजपेई ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सदन के सदस्यों द्वारा जो कार्य अनुमोदन उपरान्त कराये जाने की मांग की है उसे प्राथमिकता के आधार पर बिना किसी भेदभाव के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। यही मन्तव्य प्रदेश व केन्द्र सरकार का भी है कि विकास कार्य तेजी से कराये जायें। सदन की कार्यवाही को संचालित करते हुए अपर मुख्य अधिकारी राम गोपाल ने विगत बैठक की कार्यवाही को पढकर सुनाया जिसे सदन के सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से पुष्टि कर दी गयी। उन्होंने विगत बैठक के 26 प्रस्तावों को भी पढकर सुनाया जिसकी सदन द्वारा पुष्टि की गयी। इसके अलावा उन्होंने विगत बैठक में सदस्यों द्वारा सदन में उठाये गये कुल 40 प्रश्नों को पढकर सुनाया जिसकी पुष्टि की गयी। बैठक में जनपद के समस्त जिला पंचायत सदस्यों सहित जिला विकास अधिकारी व सम्बन्धित अन्य अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

एकादशी पर उमड़ी भीड़

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में एकादशी पर मंगलवार को आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिरों में धार्मिक आयोजन हुए। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही। सुबह भक्तों ने बांके बिहारी के साथ होली भी खेली। भक्तों ने परिक्रमा भी लगाई। वृंदावन की गलियां राधे-राधे के जयकारों से गूंजती रहीं। यही हाल मथुरा के द्वारकाधीश मंदिर में रहा सुबह से ही दर्शन के लिए भक्त पहुंचे। यहां ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार किया गया। प्राचीन केशव देव मंदिर में मंत्रोच्चारण के साथ ठाकुरजी के श्रीविग्रह का अभिषेक किया गया। गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग पर भी श्रद्धालुओं के कदम नहीं रुके। परिक्रमा मार्ग दिनभर ठाकुरजी के जयकारों से गुंजायमान होता रहा।

तीर्थनगरी के अन्य मंदिरों में भी भीड़ रही। दिल्ली-हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए आए हैं।

इससे प्रेम मंदिर तिराहा, विद्यापीठ चौराहा, सौ फुटा रोड एंट्री प्वाइंट और अटल्ला समेत कई मार्ग पर जाम के हालात रहे। इधर, गिरिराजजी के जयकारों से तलहटी गूंज उठी। हजारों भक्तों ने परिक्रमा लगाई। आधी रात से ही भक्तों ने दानघाटी मंदिर में गिरिराजजी का दुग्धाभिषेक कर परिक्रमा लगाना शुरू कर दिया।

समाजसेवी मरहूम हाजी अब्दुल मन्नान का सपना साकार: हाजी चाँद

वहाज अली निहाल

- सर्व समाज मुसाफिर खाने का हुआ उद्घाटन
- मुसाफिरों को ठहरने के लिए बिलकुल निःशुल्क सुविधा दी जायेगी

इटावा। शहर में अब अन्य जनपदों से आने वाले ज़रूरतमंद मुसाफिरों को ठहरने के लिए नहीं होगी कोई परेशानी क्योंकि समाजसेवी मरहूम हाजी अब्दुल मन्नान मंसूरी ने जो सर्व समाज के लिए निःशुल्क मुसाफिर खाने/रैन बसेरे का जो सपना देखा था वह सोमवार को पूरा हुआ। उक्त बात भारती मंसूरी वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य हाजी अब्दुल हन्नान उर्फ चाँद मंसूरी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पक्का तालाब चौराहे पर स्थित सर्व समाज मुसाफिर खाने का उद्घाटन नूरुद्दीन मंसूरी ज़िलाध्यक्ष मंसूरी समाज व ज़िला सचिव समाजवादी पार्टी जनपद औरैया व हाजी अब्दुल मजीद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों का एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद मंसूरी, हाजी अब्दुल हन्नान, वाई के शफी चिश्ती, मोहम्मद दिलशाद चिश्ती आदि ने शाल उड़ाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया।

उद्घाटन अवसर पर मुसाफिर खाने में शादी भी हुई, शादी के उपरांत हाजी नईम मंसूरी, कौमी तहफ़्फ़ुज़ कमेटी ने संयोजक खादिम अब्बास, नूरुद्दीन मंसूरी, जमाल अहमद, हाजी अज़ीम वारसी, हाशिम कुरैशी, मोहम्मद इलियास, हाजी समद, नजमुद्दीन फारूकी भूरे, डॉ.शहाबुद्दीन खां, मोहम्मद इसहाक आदि ने वर-वधू को आशीर्बाद दिया। श्री हन्नान ने कहा कि मुसाफिर खाने में मुसाफिर को एक आई डी व फोटो लाना आवश्यक है। मुसाफिरों को बिलकुल निःशुल्क सुविधा दी जायेगी जिसमें रजाई व बैड अथवा चारपाई शामिल है। शादी में आये वर-वधू पक्ष की ओर से सभी लोगों को भोजन की भी व्यवस्था की गई थी जिसमे एसोसिएशन की ओर से मुसाफिर खाना निःशुल्क दिया गया था व कुछ सहयोग भी किया गया था। खाने से पूर्व कारी शाहवाज़ अनवर ने नज़र पेश की बाद नज़र हाथ उठाकर सभी ने अल्लाह तआला की बारगाह में सभी के हक़ में दुआये की। इस अवसर पर हाजी अज़ीम वारसी, हाजी रईस अहमद, रौनक इटावी, नोमान आलम, मोहम्मद असलम, अब्दुल मन्नान राइन, हाशिम मंसूरी, बड़ा मुन्ना, हाजी शेख़ शकील अहमद, हाजी शेख़ आफताब, मोहम्मद दिलशाद चिश्ती, जैनुल आबदीन, गुफरान अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

चौथे टेस्ट में भारत के खिलाफ गेंदबाजी कर सकते हैं बेन स्टोक्स

लगातार दो टेस्ट मैच में शिकस्त ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को गेंदबाजी में जल्द वापसी पर विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। वहीं इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने स्वीकार किया है कि यह एक अच्छा संकेत है लेकिन वे नहीं चाहते कि यह ऑलराउंडर अनावश्यक रूप से जल्दबाजी करें।

भारत के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच में शिकस्त ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को गेंदबाजी में जल्द वापसी पर विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। वहीं इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने स्वीकार किया है कि यह एक अच्छा संकेत है लेकिन वे नहीं चाहते कि यह ऑलराउंडर अनावश्यक रूप से जल्दबाजी करें। अब भी घुटने की सर्जरी से उबर रहे स्टोक्स ने पिछले साल जून में दूसरे एशेज टेस्ट के बाद से गेंदबाजी नहीं की है।

मैकुलम के हवाले से सोमवार को 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' ने कहा, ''यह अच्छा है कि वह उस स्थिति में पहुंच रहा है जहां उसे लगता है कि वह गेंदबाजी कर सकता है। लेकिन बेन चतुर है, वह काफी चतुर है। वह तब तक गेंदबाजी नहीं करेगा जब तक उसे नहीं लगता कि वह वैध रूप से गेंदबाजी करने में सक्षम है। समस्या तब होगी जब वह गेंदबाजी स्पैल शुरू करेगा और फिर उसे खत्म नहीं कर पाएगा। इसलिए हम देखेंगे कि क्या होता है।

ब्रेंडन मैकुलम ने आगे कहा कि, हमें देखना होगा कि खतरा कहां है और उसे इससे दूर करने की कोशिश करनी होगी। लेकिन यह एक अच्छा संकेत है।'' राजकोट टेस्ट से पहले स्टोक्स ने कहा था कि उन्होंने अपने फिजियोथेरेपिस्ट से वादा किया था कि वह मौजूदा श्रृंखला में गेंदबाजी नहीं करेंगे। लेकिन रविवार को तीसरे टेस्ट में 434 रन की हार के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अपनी ऑलराउंडर की भूमिका दोबारा निभाएंगे तो स्टोक्स ने कहा, मैं हां नहीं कह रहा हूं, मैं ना भी नहीं कह रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं ज्यादातर चीजों के बारे में हमेशा बहुत आशावादी रहता हूं। मेडिकल टीम के साथ विस्तृत बातचीत होगी कि मुझ पर काम का कितना बोझ है जिससे कि मुझे कोई बड़ा खतरा नहीं हो।

राजकोट टेस्ट के दौरान स्टोक्स ने शत प्रतिशत क्षमता से ट्रेनिंग की थी और स्वीकार किया था कि उन्हें काफी अच्छा महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं अभ्यास के एक दिन शत प्रतिशत क्षमता के साथ गेंदबाजी करने में सफल रहा जिससे मुझे काफी अच्छा महसूस हुआ। मुझे लगा कि मैं मैच में गेंदबाजी कर सकता था लेकिन यह बेवकूफी होती। श्रृंखला का पहला मैच 28 रन से जीतने के बाद इंग्लैंड को विशाखापत्तनम में 106 रन से हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद राजकोट में उसे अपनी सबसे करारी हार में से एक झेलनी पड़ी और टीम पांच मैच की श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ गई। अगर यह तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर दोबारा गेंदबाजी करना शुरू कर दे तो इंग्लैंड की टीम को काफी फायदा होगा।

मेहमान टीम ने पहले दो टेस्ट में सिर्फ एक तेज गेंदबाज को खिलाने का विकल्प चुना। उन्होंने तीसरे मैच में जेम्स एंडरसन और मार्क वुड दोनों तेज गेंदबाजों को खिलाने के लिए स्पिनर शोएब बशीर को एकादश से बाहर कर दिया। इंग्लैंड का 'बैजबॉल' (हर हाल में आक्रामक होकर खेलने की रणनीति) रवैया भी तीसरे सेट में उस पर भारी पड़ा गया जिससे टीम को 434 रन के बड़े अंतर से हार झेलनी पड़ी जो 1934 के बाद से रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। मैकुलम ने कहा कि हार निश्चित रूप से टीम को आहत कर रही है लेकिन वे पांच मैचों की श्रृंखला के बाकी मुकाबालों में अपने आक्रामक 'बैजबॉल' रवैये को जारी रखेंगे। मैकुलम ने कहा कि उन्हें अपने रवैये पर 'कोई पछतावा नहीं' है। बीबीसी स्पोर्ट ने मैकुलम के हवाले से कहा, हम भारत को फिर से दबाव में लाने की कोशिश करेंगे।उम्मीद है कि सात या आठ दिनों में हम इस बारे में बात करेंगे कि निर्णायक मुकाबले में जाना कितना रोमांचक है।

मनोज तिवारी पर बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना, रणजी ट्रॉफी की आलोचना की थी

भारत के पूर्व बल्लेबाज मनोज तिवारी ने खुलासा किया। इस दौरान उन्होंने कहा था कि, रणजी ट्रॉफी की आलोचना करने के चलते उन पर बीसीसीआई ने जुर्माना ठोका था। तिवारी ने बिहार के खिलाफ अपना आखिरी फर्स्ट क्लास मुकाबला खेला। बीसीसीआई ने उन्हें रणजी ट्रॉफी की आलोचना करने के लिए 20 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया था। क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के एक दिन बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज मनोज तिवारी ने खुलासा किया। इस दौरान उन्होंने कहा था कि, रणजी ट्रॉफी की आलोचना करने के चलते उन पर बीसीसीआई ने जुर्माना ठोका था। तिवारी ने बिहार के खिलाफ अपना आखिरी फर्स्ट क्लास मुकाबला खेला। बीसीसीआई ने उन्हें रणजी ट्रॉफी की आलोचना करने के लिए 20 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया था। तिवारी ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि रणजी ट्रॉफी में काफी कुछ गलत हो रहा है, अगले सीजन से इसको कैलेंडर से हटा देना चाहिए। जिसके बाद उनके खिलाफ एक्शन लिया गया है।

अपने इंस्टाग्राम पर मनोज ने रणजी ट्रॉफी की फोटो शेयर करते हुए लिखा था कि, अगले सीजन से रणजी ट्रॉफी को कैलेंडर से हटा देना चाहिए। टूर्नामेंट में कई चीजें गलत हो रही हैं। समृद्ध इतिहास वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को बचाने के लिए कई चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है। ये अपना आकर्षण और महत्व खोता जा रहा है। बोर्ड ने हाल ही में केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों से कहा था कि अगर वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए चयन करना चाहते हैं तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा। ये आदेश संभवतः इशान किशन के रणजी ट्रॉफी ना खेलने के कारण आया है।

एशियाई ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप का आयोजन 21 फरवरी से दिल्ली में

ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेताओं सहित लगभग 500 खिलाड़ी 21 से 26 फरवरी तक यहां आयोजित होने वाली एशियाई ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप में चुनौती पेश करेंगे। इसमें भारत के 42 साइकिलिस्ट खिताब के लिए जोर लगायेंगे। यह कुल मिलाकर छठी बार है जब भारत इस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इससे पहले देश ने 1989, 2005, 2013, 2017 और 2022 एशियाई ट्रैक चैम्पियनशिप की मेजबानी की है।

प्रतियोगिता में पाकिस्तान की टीम भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान के खिलाड़ियों को उनके देश में यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एशियाई साइकिलिंग परिसंघ के महासचिव ओंकार सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, पाकिस्तान के खिलाड़ियों को हमारे विदेश मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने हमें सूचित किया है कि वे नहीं आ रहे हैं क्योंकि चुनाव के बाद उनके यहां मंत्रालय का गठन नहीं हुआ है।

इस प्रतियोगिता से राइडर्स द्वारा एकत्र किए गए अंकों को ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया में शामिल किया जायेगा। भारत का कोई भी खिलाड़ी हालांकि पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने के करीब नहीं है। भारतीय साइकिल महासंघ (सीएफआई) महासचिव मनिंदर पाल सिंह ने कहा, हाल के दिनों में हमारे साइकिल खिलाड़ियों के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है और उन्हें शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, हम सही दिशा में जा रहे हैं और हमारा लक्ष्य हमारे साइकिल चालकों को 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कराना है। चैंपियनशिप का आयोजन यहां इंदिरा गांधी इंडोर परिसर के अत्याधुनिक साइकिलिंग वेलोड्रोम में किया जाएगा। इसमें चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया, कजाकिस्तान और ईरान सहित 18 देशों के खिलाड़ी विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसमें पुरुष और महिलाएं, जूनियर पुरुष और महिलाएं और पैरा स्पर्धाएं शामिल हैं। पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक रोनाल्डो सिंह की अगुवाई में भारतीय खिलाड़ी प्रतियोगिता में अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ना चाहेंगे। रोनाल्डो के साथ डेविड बेकहम, रोजित सिंह और एसो अल्बेन पोडियम पर जगह हासिल करना चाहेंगे।

आईपीएल के 17वें सीजन की तारीख आई सामने, चेयरमैन अरुण धूमन ने किया ऐलान

आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी। इसका ऐलान 10 टीमों वाली दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के चेयरमैन अरुण धूमल ने मंगलवार को किया। बता दें कि, इस बार देश में लोकसभा चुनाव भी होने हैं। जिसको ध्यान में रखते हुए तारीख का ऐलान किया है। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी। इसका ऐलान 10 टीमों वाली दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के चेयरमैन अरुण धूमल ने मंगलवार को किया। बता दें कि, इस बार देश में लोकसभा चुनाव भी होने हैं। जिसको ध्यान में रखते हुए तारीख का ऐलान किया है। ऐसे में आईपीएल को सरकार के साथ मिलकर इस लीगा का शेड्यूल बनाना होगा। देश भर के ये आम चुनाव करीब 7 या 8 चरणों में होंगे ऐसे में सुरक्षा दृष्टिकोण से चुनावों के साथ इस लीग का तालमेल बिठाकर शेड्यूल पेश किया जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने अरुण धूमल के हवाले से बताया कि, आईपीएल 2024 को 22 मार्च से शुरू करने की योजना है।

फुटबॉल विश्व कप 1990 के फाइनल में गोल कर पश्चिम जर्मनी को चैंपियन बनाने वाले ब्रेहमे का निधन

1990 विश्व कप फाइनल मैच का इकलौता गोल कर पश्चिम जर्मनी को चैंपियन बनाने वाले एंड्रियास ब्रेहमे का निधन हो गया है। वह 63 वर्ष के थे। ब्रेहमे की पार्टनर सुजैन शेफर ने मंगलवार को जर्मनी की डीपीए समाचार एजेंसी को दिये बयान में उनके की निधन पुष्टि की।

अर्जेंटीना के खिलाफ 1990 विश्व कप फाइनल मैच का इकलौता गोल कर पश्चिम जर्मनी को चैंपियन बनाने वाले एंड्रियास ब्रेहमे का निधन हो गया है। वह 63 वर्ष के थे। ब्रेहमे की पार्टनर सुजैन शेफर ने मंगलवार को जर्मनी की डीपीए समाचार एजेंसी को दिये बयान में उनके की निधन पुष्टि की। शेफर ने कहा कि ब्रेहमे का रात में दिल का दौरा पड़ने से 'अचानक और अप्रत्याशित रूप से' निधन हो गया।

उनके पूर्व क्लब बायर्न म्यूनिख ने 'एक्स' पर कहा एंड्रियास ब्रेहमे हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। एक विश्व कप विजेता और इससे भी महत्वपूर्ण एक बहुत ही खास व्यक्ति के रूप में वह हमारे दिलों में रहेंगे। ब्रेहमे अग्रिम पंक्ति में आम तौर पर बायीं ओर से खेलते थे। वह 1980 और 1990 के दशक में जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ियों में शामिल थे। उन्होंने 1990 में टीम को विश्व चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

ब्रेहमे ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भी गोल किया था। पश्चिम जर्मनी ने पेनल्टी शूटआउट में इस मैच को जीता था। उन्होंने रोम में खेले गये फाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ मैच के 85वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम को विश्व विजेता बनाया था। उन्होंने पश्चिम जर्मनी और फिर एकीकृत जर्मनी के लिए 86 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

शिमरी ऑफ वाइट सब्यसाची की साड़ी में नजर आईं दीपिका पादुकोण, किलर लुक से जीता फैंस का दिल

बाफ्टा में दीपिका पादुकोण ने दिखाया हुस्न का जलवा, शिमरी ऑफ वाइट साड़ी में ढाया कहर। एक्ट्रेस को फिल्म नॉट इन द इंग्लिश लैंग्वेज की कैटेगरी को प्रस्तुत किया था। रेड कार्पेट पर देसी अंदाज में नजर आईं एक्ट्रेस। इस लुक के लिए एक्ट्रेस ने मैचिंग ईयररिंग्स और हेयर बन से कंपलीट किया।

दीपिका पादुकोण 77वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म पुरस्कार में थीं, बाफ्टा में पहली बार, जहां वह एक प्रस्तुतकर्ता थीं। दीपिका पादुकोण सब्यसाची की शिमरी ऑफ वाइट साड़ी में नजर आईं। इस इवेंट से दीपिका ने अपने लुक से फैंस का दिल जीत लिया है। दीपिका ने अपने बाफ्टा 2024 लुक की कुछ सुंदर तस्वीरें शेयर की है, जिसमें उन्होंने सब्यसाची की साड़ी पहनी हुई है। इस साड़ी लुक में दीपिका बेहद खूबसूरत लग रही है। इस इवेंट के लिए दीपिका ने ऑफ वाइट शिमरी साड़ी चुना, जिसके साथ मैचिंग बैकलेस ब्लाउज के साथ पेयर किया। इस लुक के लिए एक्ट्रेस ने

मैचिंग ईयररिंग्स और हेयर बन से कंपलीट किया। दीपिका ने अपना मेकअप काफी मिनिमल रखा।

दीपिका को स्टाइल करने वाली शालीना नथानी ने लिखा, अभिनेत्री का बैक लुक को पोस्ट किया। आज रात बाफ्टा में। सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर अंशुका परवानी ने दीपिका पादुकोण के साथ अपनी बाफ्टा-पूर्व तस्वीर पोस्ट की, कैप्शन दिया- बाफ्टा सुबह। सेंटर स्टेज पर आने से पहले खूब पसीना बहा रही हूं।

यह पहली बार नहीं है जब दीपिका पादुकोण ने साड़ी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया है। उन्होंने कई साल पहले अपने पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल में रोहित बाल की क्रिएशन पहनी थी और उसके बाद 2022 में कान्स जूरी में काम करते समय एक बार फिर सब्यसाची की साड़ी और उसके बाद अबू-संदीप का लुक पहना था।

भारत की तरफ से लापता लेडीज को ऑस्कर के लिए भेजेंगी किरण राव ? फिल्म निर्माता ने दी सफाई

किरण राव ने अपनी आने वाली फिल्म लापता लेडीज के प्रमोशनल इवेंट के दौरान इस बात पर चर्चा की कि क्या वह इस फिल्म को ऑस्कर के लिए सबमिट करेंगी। फिल्म निर्माता, कलाकारों के साथ, लापता लेडीज़ की एक विशेष स्क्रीनिंग में भाग लेने के लिए दिल्ली में थे।

किरण राव ने अपनी आने वाली फिल्म लापता लेडीज के प्रमोशनल इवेंट के दौरान इस बात पर चर्चा की कि क्या वह इस फिल्म को ऑस्कर के लिए सबमिट करेंगी। फिल्म निर्माता, कलाकारों के साथ, लापता लेडीज़ की एक विशेष स्क्रीनिंग में भाग लेने के लिए दिल्ली में थे। किरण राव के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

19 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किरण से पूछा गया कि क्या वह लापता लेडीज को ऑस्कर के लिए भेजेंगी। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिक पहचान बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों की प्रतिक्रिया से

मिलती है। अगर दर्शक और देश हमारे काम की सराहना करते हैं, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी प्रशंसा होगी।

किरण ने कहा, इसके बाद, हम फिल्म को अगले साल ऑस्कर के लिए प्रस्तुत करने पर विचार करेंगे। एक विशिष्ट समुदाय है जिसे साल की बेहतरीन फिल्मों का मूल्यांकन और चयन करने का काम सौंपा गया है, और अगर हमारी फिल्म योग्य समझी जाती है, तो हम इसे ऑस्कर के लिए प्रस्तुत करेंगे। हालाँकि, अभी के लिए, हम उत्सुकता से उस मान्यता का इंतजार कर रहे हैं जो हमें 1 मार्च, 2024 को मिलना बाकी है, जो फिल्म की रिलीज का संकेत है।

लापता लेडीज में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और छाया कदम मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। पटकथा और संवाद स्नेहा देसाई द्वारा लिखे गए हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं।

लापता लेडीज का ट्रेलर 24 जनवरी को आया था। किरण राव द्वारा निर्देशित यह फिल्म ग्रामीण भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित है और एक युवा दुल्हन के बारे में है जो ट्रेन की यात्रा के दौरान खो जाती है, जिसके बाद वह आदमी किसी और के साथ चला जाता है। इसके बाद वह आदमी अपनी असली पत्नी को ढूंढने के लिए पुलिस के पास जाता है। रवि किशन द्वारा अभिनीत, पुलिसकर्मी किसी छिपे हुए मकसद और असली पत्नी को खोजने के लिए उसका पीछा करता है। यह फिल्म 1 मार्च 2024 को रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है।

रूपाली गांगुली ने अपने को-स्टार ऋतुराज सिंह को किया याद, इमोशनल नोट के साथ जाहिर किया एक्टर के प्रति अपना सम्मान

अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने अपने अनुपमा के सह-कलाकार ऋतुराज सिंह को याद करते हुए एक भावनात्मक नोट लिखा है। रूपाली ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर ऋतुराज की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने उनके अजीब हास्यबोध, विश्व सिनेमा और प्रतिभा के बारे में अपार ज्ञान के बारे में भी लिखा। अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने अपने अनुपमा के सह-कलाकार ऋतुराज सिंह को याद करते हुए एक भावनात्मक नोट लिखा है। रूपाली ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर ऋतुराज की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने उनके अजीब हास्यबोध, विश्व सिनेमा और प्रतिभा के बारे में अपार ज्ञान के बारे में भी लिखा। तस्वीरों में, ऋतुराज ने शेफ की टोपी और एक एप्रन पहना हुआ था और रसोई के अंदर अलग-अलग पोज़ दे रहे थे। वह काली टी-शर्ट, ब्लेज़र और पैंट पहने नजर आए। तस्वीरों को साझा करते हुए रूपाली ने पोस्ट को कैप्शन दिया, प्रिय ऋतुराज सर, आपके साथ स्क्रीन

स्पेस साझा करना सम्मान की बात थी... जैसे एक उत्साही छात्र को एक शिक्षक से अपना पसंदीदा विषय सीखने को मिला, जिसने कई अन्य लोगों को पढ़ाया है, मुझे बहुत खुशी हुई। उन्होंने आगे कहा आपने कहा था कि आपने मेरा काम देखा है, और फिर भी मैं आपको यह साबित करना चाहती था कि मैं टेलीविजन के उन दिग्गजों में से एक के बगल में खड़े होकर फ्रेम में अपनी जगह कमा सकती हूं, जिन्हें मैंने बड़े होते हुए देखा था हमारे दृश्यों के बाद आपकी सर्वज्ञ मुस्कान और आपके प्रोत्साहन के शब्द मेरे लिए एक रिपोर्ट कार्ड की तरह थे मैं आपके दयालु शब्दों से रोमांचित थी लेकिन सीखने के लिए बहुत कुछ था सर. रूपाली ने आगे लिखा, ये तस्वीरें मैंने आपकी तब खींची थीं जब आपने शेफ कैप पहनी थीज मैंने इसे आपको भेजने में देर कर दीज कभी नहीं सोचा था कि इन्हें यहां याद के तौर पर रखा जाएगाज आपके जीवन की कहानियाँ, विचित्र हास्यबोध, विश्व सिनेमा के बारे में अपार ज्ञान और आपकी प्रतिभा को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने अंत में कहा, मेरी अनुपमा के लिए यशपाल सर बनने के लिए धन्यवाद उन शब्दों के लिए धन्यवाद जिन्होंने एक अमिट छाप छोड़ी... रूपाली। आपको शांति मिले, ओम शांति (हाथ जोड़े हुए इमोजी)।÷ रूपाली ने हैशटैग भी जोड़े ऋतुराज, सद्गति, रूपाली गांगुली, स्मरण, जय माता दी और जय महाकाल। एक करीबी दोस्त ने बताया कि ऋतुराज का मंगलवार सुबह उनके घर पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 59 वर्ष के थे। उन्हें पेट की कुछ समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और कुछ दिन पहले उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। अमित बहल ने समाचार एजेंसी को बताया, दिल का दौरा पड़ने से देर रात करीब 12.30 बजे उनके घर पर उनका निधन हो गया। अमित ने कहा कि उन्हें अभिनेता पल्लवी जोशी से मौत की खबर मिली।

उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। ऋतुराज टीवी सीरियल, फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शो का भी जाना पहचाना चेहरा थे। उनकी टेलीविजन भूमिकाओं में बनेगी अपनी बात, हिटलर दीदी, शपथ, अदालत और दीया और बाती हम शामिल हैं। इसके अलावा, वह हिंदी फिल्मों और बंदिश बैंडिट्स, मेड इन हेवन और इंडियन पुलिस फोर्स जैसे ओटीटी शो में सहायक भूमिकाओं में दिखाई दिए। वह बद्रीनाथ की दुल्हनिया समेत कई फिल्मों में भी नजर आए।

डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ एशन करती दिखेंगी कियारा आडवाणी शाहरुख खान के फैंस को लगा झटका

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार फरहान अख्तर ने डॉन 3 के लिए फीमेल लीड की घोषणा कर दी। कियारा आडवाणी आगामी फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार फरहान अख्तर ने डॉन 3 के लिए फीमेल लीड की घोषणा कर दी। कियारा आडवाणी आगामी फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फरहान ने एक्स पर एक वीडियो के साथ अभिनेता का स्वागत किया। प्रशंसक पहले से ही कियारा और रणवीर के बीच शानदार केमिस्ट्री का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और मनमोहक अभिनय के लिए मशहूर कियारा आडवाणी ने अपनी एक्शन से भरपूर भूमिका से डॉन ब्रह्मांड में आग लगा दी है। फरहान ने एक्स पर घोषणा साझा

की और लिखा, डॉन यूनिवर्स में आपका स्वागत है कियारा आडवाणी...डान 3।

फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित, डॉन 3 एक उल्लेखनीय सिनेमाई यात्रा के लिए मंच तैयार करते हुए एक और एड्रेनालाईन-ईंधन देने का वादा करता है। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी द्वारा निर्मित, जो दर्शकों को खुश करने वाली असाधारण परियोजनाओं को तैयार करने के अपने ट्रैक रिकॉर्ड के लिए जाने जाते हैं, प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी की बहुप्रतीक्षित किस्त के लिए एक उत्कृष्ट कृति होने का वादा करने के लिए उत्सुकता बहुत अधिक है।

इससे पहले, फरहान ने पुष्टि की थी कि डॉन 3 की शूटिंग 2025 से पहले शुरू नहीं होगी। इसके अलावा, जब फिल्म की जल्द घोषणा के बारे में सवाल किया गया, तो अख्तर ने कहा कि वह चाहते थे कि दर्शकों को पता चले कि नया डॉन/ कौन होगा।

हड़ताल से पहले राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के पास पहुंची OPS की अर्जी, दिया पांच करोड़ लोगों का हवाला

नई दिल्ली। देश में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी हो रही है। हालांकि अभी तक नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) द्वारा गठित सात सदस्यीय कमेटी ने हड़ताल की तिथि की घोषणा नहीं की है। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने 19 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर पत्र लिखा था। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में बंधु ने कहा है कि देश के करोड़ों कर्मचारी, पुरानी पेंशन व्यवस्था से वंचित हैं। इसके चलते कर्मचारियों का भविष्य असुरक्षित एवं अंधकारमय हो गया है। अन्य कर्मियों के साथ ही देश का शिक्षक समुदाय भी अपने भविष्य को लेकर बहुत चिंतित है। पुरानी पेंशन का मामला, एक करोड़ शिक्षकों-कर्मचारियों के साथ-साथ एक परिवार के पांच सदस्य, यानी लगभग 5 करोड़ लोगों से सीधा जुड़ा हुआ है। विजय कुमार बंधु ने कहा, नई पेंशन व्यवस्था एनपीएस के दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। एनपीएस में किसी को 1200 रुपये, 1800 रुपये एवं 2500 रुपये बतौर पेंशन मिल रहे हैं। इतनी कम राशि में कर्मियों या उनके परिजनों का इलाज तक नहीं हो पा रहा। बाकी जिम्मेदारियों का निर्वहन कैसे होता है, ये अंदाजा लगाया जा सकता है। देश के विकास में जिन कर्मचारियों ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण 35 साल दिए हों, राष्ट्र का भविष्य संवारने में योगदान दिया हो, आज उनका स्वयं का भविष्य अंधकारमय है।

व्यवस्था

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में बंधु ने कहा है कि देश के करोड़ों कर्मचारी, पुरानी पेंशन व्यवस्था से वंचित हैं।

नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने अपने पत्र में कहा, यह न्यायोचित नहीं है। कर्मचारी संगठनों के लगातार दबाव के बाद कई प्रदेश सरकारों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल कर दी है।

ऐसे में केंद्र व बाकी राज्यों की सरकारों को भी ओपीएस लागू करनी चाहिए। देश के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले अर्धसैनिक बलों को भी पुरानी पेंशन व्यवस्था से वंचित कर दिया गया है। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की आनबान शान का प्रतीक केंद्रीय अर्धसैनिक बल, जो अपना बलिदान देकर राष्ट्र की सुरक्षा करते हैं, उन्हें भी ओपीएस से वंचित कर दिया गया है। बुढ़ापे में सामाजिक सुरक्षा से वंचित करना, अन्यायपूर्ण व कष्टदायक है।

बंधु के मुताबिक, केंद्र सरकार एनपीएस में संशोधन करने जा रही है।

सोनिया के राज्यसभा जाने से राजस्थान में क्यों मची हलचल?

नई दिल्ली। कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की चर्चा के बीच राजस्थान में कांग्रेस को पार्टी को विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने का डर सता रहा है। प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि सोनिया गांधी के राज्यसभा सांसद का प्रत्याशी बनने के बाद से ही भाजपा बड़े उलटफेर की तैयारी में लगी है।

कांग्रेस के आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ नेता-विधायक दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। इसी बीच सीडब्ल्यूसी सदस्य और पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। अब गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे लालचंद कटारिया, उदयलाल आंजना और राज्य मंत्री रहे राजेंद्र यादव सहित 7 से अधिक विधायक-नेताओं के कांग्रेस का दामन छोड़ने की चर्चाएं चल रही हैं। नेताओं की पार्टी छोड़ने की इस हलचल से प्रदेश के पूर्व सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट समेत कई नेताओं की धड़कनें बढ़ गई हैं।

दरअसल, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का राजस्थान से राज्यसभा का प्रत्याशी बनने के बाद

से ही कांग्रेस के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। विधायकों की संख्या के लिहाज से कांग्रेस के पास फिलहाल 19 वोट अधिक हैं, लेकिन सोनिया गांधी के नामांकन दाखिल करने के बाद से ही नेताओं के पार्टी छोड़ने और बयानबाजियों से कांग्रेस को शर्मिंदगी झेलना पड़ रही है।

प्रदेश के राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कांग्रेस के एक बड़े नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री और गहलोत के करीबी महेंद्रजीत सिंह मालवीय भाजपा में शामिल हो गए हैं। जबकि पूर्व कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, पूर्वी राजस्थान से राज्य मंत्री रहे राजेंद्र यादव सहित अर्जुनसिंह बामनिया, नानालाल निनामा और रमीला खड़िया जैसे विधायकों के भाजपा से संपर्क में होने की चर्चाएं हैं। इसी बीच सोनिया गांधी के करीबी अशोक गहलोत डैमेज कंट्रोल में जुट गए हैं। वे लगातार विधायकों को जोड़े रखने के लिए उनसे मेल-मुलाकात करते हुए दिख रहे हैं।

अमर उजाला से चर्चा में स्थनीय कांग्रेस नेता कहते हैं कि इन दिनों राजस्थान कांग्रेस में भी उठापटक का दौर जारी है। कई नेता मेल मुलाकात करते हुए नजर आ रहे हैं। लेकिन पार्टी को ये अंदाजा नहीं था कि सोनिया गांधी के राज्यसभा चुनाव के नामांकन दाखिल के बाद ऐसा सियासी संकट खड़ा हो जाएगा। गहलोत ने पिछले दिनों विधायक अर्जुन सिंह बामनिया, नानालाल निनामा और रमीला खड़िया को जयपुर बुलाकर बातचीत भी की थी। हालांकि विधानसभा के अंक गणित के हिसाब से जीत के लिए सोनिया गांधी को 51 विधायकों का साथ चाहिए, जो कोई मुश्किल नहीं लग रहा। अगर तीन से चार विधायक पार्टी छोड़ते भी हैं, तो भी कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या में विधायक रहेंगे।

संदेशखाली के बाद अब चोपड़ा पहुंचे राज्यपाल बोस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली हिंसा को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बना हुआ है। इसी बीच राज्यपाल सीवी आनंद बोस आज उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा पहुंचे। दरअसल, यहां वे उन चार बच्चों के परिजनों से मिलें जिनका भारत-बांग्लादेश सीमा के पास जल निकासी विस्तार के दौरान मिट्टी का टीला ढहने से मौत हो गई थी।

बता दें कि यह घटना 12 फरवरी की है, जब पांच से 12 साल के चार बच्चे चोपड़ा ब्लॉक के चेतनगढ़ गांव में मिट्टी का टीला ढहने से उसी में दब गए थे। यह निर्माण कार्य सीमा सुरक्षा बल द्वारा किया गया था।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस सोमवार की रात ट्रेन से किशनगंज के लिए रवाना हुए थे। इसके बाद वे सड़क मार्ग के जरिए चोपड़ा पहुंचे। राज भवन के सूत्रों ने राज्यपाल के चोपड़ा पहुंचने की जनकारी दी है। सीवी आनंद बोस यहां पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात करने के साथ स्थानीय लोगों से भी मिले।

क्षेत्र में भयावह स्थिति, अराजकता का सटीक उदाहरण, संदेशखाली के दौरे के बाद बोले सुवेंदु अधिकारी

संदेशखाली। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली की एक घटना ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। विपक्ष और सत्ता पक्ष लगातार एक-दूसरे पर जुबानी हमला बोले रहे हैं। जहां एक तरफ विपक्षी दल राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने की बात कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, टीएमसी इसे भाजपा की साजिश करार दे रही है। तमाम बयानबाजी के बीच, आखिरकार कलकत्ता हाईकोर्ट ने भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को संदेशखाली जाने की अनुमति दी। वहां पहुंचकर नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने महिलाओं, स्थानीय लोगों से बातचीत की। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली पहुंचने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने क्षेत्र की स्थिति को भयावह और अराजकता का स्पष्ट उदाहरण करार दिया है। इस दौरान उन्होंने वहां के स्थानीय लोगों का दर्द सुना और उनके साथ समय बिताया। उन्होंने कहा कि लोगों के बताए गए अनुभवों ने रोंगटे खड़े कर दिए हैं। सत्तापक्ष के लोगों ने उनकी जमीनें हड़प ली हैं। यहां तक कि महिलाओं का शोषण किया गया। क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह से भयावह है, जो अराजकता का स्पष्ट उदाहरण है। यह घटना पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से हुआ है। गौरतलब है कि पुलिस ने निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी को संदेशखाली का दौरा करने से रोक दिया था। मंगलवार को प्रतिबंध के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, जिसके बाद अदालत की अनुमति मिलने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने संदेशखाली का दौरा किया। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस टीएस शिवगणम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसने सुवेंदु अधिकारी और भाजपा विधायक शंकर घोष को मंगलवार को संदेशखाली जाने की अनुमति दी थी।

जरांगे ने आंदोलन खत्म करने से किया इनकार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा में मंगलवार को मराठा आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ। इसके कुछ ही मिनट बाद जरांगे ने कहा कि उन्हें उस आरक्षण की जरूरत है जिसके वह हकदार हैं। उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत आरक्षण दिया जाए, जिनके पास कुनबी प्रमाण पत्र है।

मराठा आरक्षण आंदोलन का नेतृत्व करने वाले कार्यकर्ता मनोज जरांगे भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा में पारित आरक्षण विधेयक का स्वागत किया है। हालांकि, उन्होंने तर्क दिया कि इसमें जो आरक्षण प्रस्तावित किया गया है, वह समुदाय की मांग के अनुरूप नहीं है।

राज्य विधानसभा में मंगलवार को मराठा आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ। इसके कुछ ही मिनट बाद जरांगे ने कहा, ÷हमें उस आरक्षण की जरूरत है जिसके हम हकदार हैं। हमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत आरक्षण दिया जाए, जिनके पास कुनबी प्रमाण पत्र है। जिनके पास कुनबी प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए सेज सोयारे

कानून पारित करें। उन्होंने कल दोपहर 12 बजे मराठा समुदाय की बैठक बुलाई है।

जरांगे ने कहा कि किसी के खून के रिश्ते को भी कुनबी प्रमाणपत्र के लिए पंजीकरण की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुनबी जाति महाराष्ट्र में ओबीसी की श्रेणी में आती है। आरक्षण कार्यकर्ता ने मांग की कि मराठा समुदाय के सभी लोगों को कुनबी माना जाए और उसके मुताबिक (ओबसी के तहत) आरक्षण दिया जाए। लेकिन सरकार ने फैसला लिया कि केवल निजाम युग के (कुनबी प्रमाणपत्र) दस्तावेज रखने वाले लोगों को ही इसके तहत लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा, मैं सभी लोगों से आग्रह करता हूं कि वे सम्मेलन के लिए अंतरवाली सरती पहुंचें। मैं सेज सोयारे कानून को लाग करने की अपनी मांग पर कायम हूं। मैं आरक्षण का स्वागत करता हूं, लेकिन जो आरक्षण दिया जाएगा, वह हमारी मांग के अनुसार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस आरक्षण से केवल सौ-डेढ़ सौ मराठा लोगों को ही लाभ होगा। हमारे लोग आरक्षण से वंचित ही रहेंगे। इसलिए मं सेज सोयारे को लागू करने की मांग कर रहा हूं। आंदोलन के अगले दौर की घोषणा कल की जाएगी। हम वही आरक्षण लेगें, जिसके हम हकदार हैं। इस बीच, जरांगे ने अपने हाथ में लगी आईवी ड्रिप हटा दी है और डॉक्टर से आगे इलाज कराने से इनकार कर दिया है।महाराष्ट्र विधानसभा (निचले सदन) में सर्वसम्मति से पारित मराठा आरक्षण विधेयक का उद्देश्य समुदाय के पचास फीसदी की सीमा से 10 फीसदी अधिक आरक्षण देना है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अब इस विधेयक को विधानपरिषद में पेश करेंगे, जिससे मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बन जाएगा।

तमिलनाडु सरकार को जयललिता के आभूषण मार्च के पहले हफ्ते में सौंपेगा कर्नाटक

बंगलूरू। तमिलनाडु की दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक विशेष अदालत ने एक अहम फैसला सुनाया है। उसने मामले में जब्त किए गए करोड़ों रुपये के मूल्यवान आभूषणों को तमिलनाडु सरकार को जल्द ही सौंपने का आदेश दिया है।

विशेष अदालत ने 27 किलोग्राम सोने और हीरे के गहने पड़ोसी राज्य को छह और सात मार्च को देने का आदेश दिया। बता दें, 20 किलो सोना बेचा या नीलाम किया जा सकता था, बाकी को अदालत ने सोमवार को इस तथ्य पर विचार करते हुए छूट दे दी कि ये दिवंगत जयललिता को यह उनकी मां से विरासत में मिले थे।

बता दें कि 27 सितंबर 2014 को की एक विशेष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में जयललिता को चार साल जेल की सजा सुनाई थी। साथ ही 100 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इसने यह भी निर्देश दिया था कि जयललिता की जब्त की गई कीमती चीजों को सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) या भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को बेचा जाना चाहिए।

अतिरिक्त सिटी सिविल एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश एचए मोहन ने जयललिता से जब्त कीमती सामान तमिलनाडु सरकार को सौंपने का निर्देश दिया था। आय से अधिक संपत्ति मामले में भौतिक साक्ष्य माने जाने वाले सोने और हीरे के आभूषणों के निपटान सहित आगे की कार्रवाई की जिम्मेदारी तमिलनाडु सरकार पर डाली गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कर्नाटक में ट्रायल आयोजित किया गया था और इसलिए सभी भौतिक साक्ष्य अब न्यायालय की हिरासत में कर्नाटक के खजाने में हैं।

राकेश अस्थाना पर नहीं चलेगा भ्रष्टाचार का केस, हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। हाईकोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट से भी दांत के एक डॉक्टर को झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को हाईकोर्ट के एक आदेश

खिलाफ दी गई याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक व सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार के तहत मुकदमा चलाने की मांग वाली याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसी के खिलाफ डॉक्टर ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति प्रसन्ना भालचंद्र वराले की पीठ ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

दरअसल, अस्थाना के खिलाफ चंडीगढ़ निवासी डॉ. मोहित धवन ने याचिका दाखिल कर मुकदमा चलाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में शिकायत केंद्रीय सर्तकता आयुक्त और सीबीआई के पास काफी लंबे समय से लंबित है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। हालांकि, हाईकोर्ट ने 15 फरवरी, 2021 को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जहां से भी उनको निराशा हाथ लगी।

इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। याचिका पर सुनवाई करने से हाईकोर्ट के जज योगेश खन्ना ने अपने आप को अलग कर लिया था. जस्टिस खन्ना ने अज्ञात कारणों से अपने आप को इस मामले में अलग कर लिया और इस मामले की सुनवाई किसी अन्य पीठ से कराने का आग्रह किया था, इसके साथ ही उन्होंने इस मामले की सुनवाई 15 फरवरी के लिए स्थगित कर दी थी.

धवन ने दलील दी कि उन्होंने 2019 में सीबीआई निदेशक के समक्ष अस्थाना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

नवी मुंबई में पांच लोगों से धोखाधड़ी के मामले में चार के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई। नवी मुंबई में पुलिस ने पांच लोगों से धोखाधड़ी करने के आरोप में चार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चारों आरोपियों पर पांच व्यक्तियों से हाई-प्रोफाइल मोबाइल फोन और कारों में भारी छूट देने का वादा करते हुए 65.73 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है।

आरोपियों ने खुद को एक बड़ी कंपनी का कर्मचारी बताया था। उन्होंने पीड़ितों तो 40 दिनों में कंपनी के कूपन के जरिए महंगे मोबाइल फोन और कार में छूट दिलाने का वादा करके पर्याप्त रकम का निवेश करने का लालच दिया। पड़ितों ने अगस्त 2023 से जनवरी 2024 तक 65.73 लाख रुपये का निवेश किया। जब आरोपियों ने उनका सामान नहीं दिया तो एक 34 वर्षीय महिला ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सोमवार को आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

भारत ने फिर दिखाई दरियादिली: गरीबी और भूख से निपटने के लिए आईबीएसए फंड को दिए 10 लाख डॉलर

संयुक्त राष्ट्र। भारत एक ऐसा देश है, जो कभी भी किसी की मदद करने से पीछे नहीं हटता था। वह जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा आगे खड़ा रहा है। इसी क्रम में, उसने गरीबी और भूख से निपटने के लिए 10 लाख डॉलर का योगदान दिया है। यह दान भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका द्वारा चलाए जा रहे एक फंड में दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका गरीबी एवं भूख उन्मूलन फंड के योगदान के रूप में संयुक्त राष्ट्र दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय की निदेशक दीमा अल-खातिब को सोमवार को 10 लाख डॉलर का चेक सौंपा।

कंबोज ने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता का ध्यान लोगों का, लोगों द्वारा और लोगों के लिए विकास पर था। उन्होंने कहा कि भारत आईबीएसए फंड का समर्थन

करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि हम मानते हैं कि फंड ने ग्लोबल साउथ में लाखों लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। इसके अलावा, दक्षिण-दक्षिण सहयोग की भावना को मजबूत किया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका आईबीएसए फंड में हर साल 10 लाख डॉलर का योगदान करते हैं।

वर्ष 2004 में आईबीएसए फंड की स्थापना और साल 2006 में काम शुरू होने के बाद से अबतक इस फंड में भारत 1.8 करोड़ डॉलर से अधिक का दान दे चुका है। संयुक्त राष्ट्र दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय इस फंड के फंड मैनेजर और सचिवालय के रूप में कार्य करता है।

आईबीएसए फंड उन परियोजनाओं का समर्थन करता है, जिनका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना और एचआईवी/एड्स को संबोधित करने के लिए, सुरक्षित पेयजल तक पहुंच प्रदान करना है। इस फंड ने ग्लोबल साउथ के 37 देशों में 45 परियोजनाओं का समर्थन करते हुए अब तक 50.6 करोड़ डॉलर आवंटित किए हैं।

इस साल, आईबीएसए फंड ने पहले ही तीन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिनमें दक्षिणी बेलीज में माइक्रो-ग्रिड का उपयोग करके ग्रामीण विद्युतीकरण, दक्षिण सूडान में सतत कृषि को चलाने के लिए महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाना और फलस्तीन में कृषि-व्यवसाय विकास में निवेश शामिल हैं। यूएनओएसएसी ने कहा कि फंड के निदेशक मंडल की पिछले महीने यहां बैठक हुई, जिसमें बेलीज, फलस्तीन और दक्षिण सूडान के लिए 30 लाख डॉलर के नए वित्तपोषण के तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसने 2024 में शुरू होने के लिए माली में एक परियोजना के डिजाइन को भी मंजूरी दी।

रूसी पायलट का स्पेन में गोलियों से छलनी शव मिला

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले कई महीनों से जंग जारी है। इस युद्ध में जहां यूक्रेन तबाह हो गया है। वहीं रूस को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। मॉस्को अभी तक इस युद्ध में अपने बड़ी संख्या में पायलट और लड़ाकू विमान गवां चुका है। इस बीच, रूस के लिए एक बुरी खबर आ रही है। यहां का एक पायलट पिछले साल यूक्रेन गया था, जो हाल ही में स्पेन में एक गैरेज में मरा हुआ मिला। उसका पूरा शरीर गोलियों से छलनी है।

स्पेन की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि स्पेन में एलिकांटे के पास विलाजोयोसा शहर में 13 फरवरी को एक शव मिला, जिसकी पहचान पायलट मैक्सिम कुज्मिनोव के रूप में हुई। उसके पास से यूक्रेन का पासपोर्ट मिला है। हालांकि, वह यहां अलग नाम से रह रहा था। बताया जा रहा कि पिछले साल अगस्त में कुज्मिनोव अपने एमआई-8 हेलीकॉप्टर से यूक्रेन गया था।

पश्चिमी देशों ने लंबे समय तक पाकिस्तान को हथियार दिए रूस से रक्षा सहयोग पर जयशंकर की दो टूक

म्यूनिख। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के साथ रक्षा और व्यापार सहयोग पर जोर दिया। साथ ही कहा कि कई पश्चिमी देश पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करते थे, भारत को नहीं। हालांकि, पिछले एक दशक में यह प्रवृत्ति बदल गई है। जयशंकर ने कहा, भंडार के मामले में हां यह सच है कि कई पश्चिमी देशों ने लंबे समय से पाकिस्तान को आपूर्ति करना पसंद किया है और भारत को नहीं। हालांकि, पिछले 10-15 सालों में अमेरिका के साथ संबंधों में बदलाव आया है। नए आपूर्तिकर्ता के रूप में अमेरिका, रूस, फ्रांस और इस्राइल के साथ विविधता आई है।

बता दें, विदेश मंत्री जयशंकर फिलहाल जर्मनी के म्यूनिख में हैं। यहां वह म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे हुए हैं। इस दौरान उन्होंने इंटरव्यू में दुनिया में आपूर्ति श्रृंखलाओं के ढांचागत असंतुलन पर प्रकाश डाला और कहा कि दुनिया का आर्थिक मॉडल

अस्थिर

दुनिया ने एक आर्थिक मॉडल बनाया है जो अस्थिर और अनुचित है।

अस्थिर और अनुचित है।

उन्होंने कहा, दुनिया ने एक आर्थिक मॉडल बनाया है जो अस्थिर और अनुचित है। वैश्वीकरण के नाम पर हमने दुनिया में अति-एकाग्रता देखी है। कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं को खोखला कर दिया गया है। मंत्री जयशंकर ने आगे कहा कि बहुत से देश बुनियादी चीजों के लिए भी दूसरों पर निर्भर हैं। हालांकि हम समस्या पर तुरंत ध्यान देते हैं। जैसे जब कोविड-19 आया था। वहीं, अब जलवायु परिवर्तन और लाल सागर में बढ़ रहे हमले समस्याएं हैं। परेशानी कितनी

ज्यादा है यह कहना इतना आसान नहीं है, लेकिन इन पर काम किया जाए तो सब ठीक हो जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, वैश्विक व्यवस्था इस समय कई परेशानियों का सामना कर रही है। कोविड, यूक्रेन में युद्ध, गाजा में युद्ध, अफगानिस्तान से नाटो की वापसी और बदलती जलवायु जैसी घटनाएं दुनियाभर में हो रही हैं। यह सब हमारे लिए चुनौती है। हालांकि, यह केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करने के बारे में नहीं है, बल्कि इस व्यवस्था को बदलने के बारे में भी है। इसे कौन आकार देता है और किस आधार पर? अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को और विकसित होना चाहिए।

विदेश मंत्री ने आगे कहा कि भारत और रूस ने दशकों से एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी बनाए रखी है, जो ऐतिहासिक संबंधों और साझा हितों पर आधारित है। रूसी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस संबंध के केंद्र में व्यापक रक्षा सहयोग है, जिसमें रूस भारत को सैन्य उपकरणों के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में सेवा दे रहा है। हाल ही में, ऊर्जा सहयोग द्विपक्षीय संबंधों का एक और मजबूत स्तंभ बन गया है। भारत का सबसे बड़ा कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मॉस्को द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सहायता से तमिलनाडु में बनाया जा रहा है।

मालदीव के अधिकारी ने दबे जुबान की भारत की तारीफ

माले। मुइज्जू ने अपने चुनावी अभियान में भारत के विरोध को प्रमुख मुद्दा बनाया था। खासतौर पर मालदीव के तटों पर निगरानी के लिए लगाए रडार और गश्ती स्टेशनों पर तैनात 80 भारतीय सैनिकों की वापसी को लेकर मुइज्जू लगातार भारत के खिलाफ तीखे बयान दे रहे हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के चीन प्रेम के चलते द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बावजूद भारत की तरफ से मालदीव में जारी निर्माण परियोजनाओं में तेजी आई है। मालदीव के एक अधिकारी ने पहचान छिपाए रखने की शर्त पर कहा कि मालदीव की सरकार और नेताओं ने जो कुछ भारत और पीएम नरेंद्र मोदी के साथ किया है, वैसा चीन के साथ किया गया होता, तो चीन अब तक मालदीव को हर तरफ से घोंट चुका होता। लेकिन, भारत दरियादिली दिखाते हुए परियोजनाओं को तेजी से पूरा कर रहा है। इस वर्ष भारत ने पहले से तय 400 करोड़ की बजटीय सहायता को बढ़ाकर 700 करोड़ कर दिया है। भारतीय अधिकारियों का इस बारे में कहना है कि उनकी सरकार मालदीव के कुछ नेताओं की हरकतों के चलते वहां के लाखों लोगों के लिए विकसित की जा रही

सुविधाओं को नहीं रोकना चाहती क्योंकि, इसमें लोगों का कोई दोष नहीं है। मुइज्जू ने अपने चुनावी अभियान में भारत के विरोध को प्रमुख मुद्दा बनाया था। खासतौर पर मालदीव के तटों पर निगरानी के लिए लगाए रडार और गश्ती स्टेशनों पर तैनात 80 भारतीय सैनिकों की वापसी को लेकर मुइज्जू लगातार भारत के खिलाफ तीखे बयान दे रहे हैं। हालांकि, भारत ने अपने सैनिकों को मालदीव से वापस बुलाने की मांग मान ली है। भारत इन सैनिकों की जगह वहां अब तकनीकी स्टाफ भेजेगा। मुइज्जू के रवैये पर मालदीव की जनता व विपक्ष ने खासी नाराजगी जताई है।

भारत की ओर से कर्ज के तौर पर दी गई रकम में 50 करोड़ डॉलर की परियोजनाओं में माले के आसपास की सड़कें और पुलों का निर्माण होना है। साथ ही मालदीव के सुदूर द्वीपों में 13 -13 करोड़ डॉलर में दो एयरपोर्ट बनने हैं। दोनों देशों के बीच तनाव उस समय ज्यादा बढ़ गया था, जब मुइज्जू मंत्रिमंडल के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी के लक्षद्वीप दौरे को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। हालांकि, इन मंत्रियों को तुरंत पद से हटा दिया गया था।

एडी बेसिक व निपुण भारत सेल की टीम ने स्कूलों का किया निरीक्षण

प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर की व्यवस्था देख हुए प्रसन्न

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (सिकरारा) मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक (एडी बेसिक) सत्य प्रकाश त्रिपाठी निपुण भारत सेल की टीम के साथ मंगलवार को विभिन्न परिषदीय स्कूलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दो स्कूलों पर चूल्हे पर मिडडेमील बनने पर नाराजगी जताई। बीआरसी पर एसएमसी व एआरपी की बैठककर कई अहम निर्देश भी दिया।

एडी बेसिक सुबह साढ़े दस बजे निपुण भारत सेल के अश्वनी जी, विशाल कुमार उपाध्याय, जिला समन्वयक प्रशिक्षण डा.अखिलेश सिंह, एआरपी सुशील उपाध्याय, अनुपम श्रीवास्तव, शैलेन्द्र सिंह व शैलेष चतुर्वेदी टीम के साथ सबसे पहले कम्पोजिट विद्यालय इब्राहिमाबाद पहुंचे वहां क्लास रूम में जाकर बच्चों से निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों से सम्बंधित सवाल किया तो बच्चों ने बेबाकी से जबाब दिया। स्कूल में चूल्हे पर मिड डे मील बनने पर नाराजगी जताते हुए भविष्य में ध्यान रखने की नसीहत दी। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय हरिबल्लमपुर पहुंचे। वहां भी शिक्षण कार्य सन्तोजनक मिला लेकिन मिडडेमील चूल्हे पर बन रहा था बताया गया कि सिलेंडर चोरी हो गया। जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। इसके बाद वे प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर पहुंचे। वहां क्लास रूम व डिस्कवरी लैब में जाकर बच्चों से सवाल किया। जिसका बच्चों ने बेबाकी से जबाव दिया। प्रधानाध्यापक अमित सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए विजिटल पंजिका रजिस्टर पर लिखा कि बच्चो का अनुशासन, गुणवत्ता तथा जागरूकता सराहनीय है।

इसके बाद बीआरसी पर बीईओ आनन्द प्रकाश सिंह के साथ एआरपी, एसआरपी की बैठक करके निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों के बाबत कई अहम निर्देश दिया। इस दौरान डॉ कमलेश यादव, अजय मौर्य, शैलेश चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

अहीरोंपरशुराम गाँव स्वच्छता से कोसों दुर

जौनपुर (खुटहन) विकास खण्ड खुटहन के अहीरोंपरशुरामपुर गाँव की दसा दयनीय है हर तरफ गंदगी का अम्बार लगा है गाँव की सड़कों हाल बेहाल है खुले में शौच करने से गाँव में अनेक तरह की बिमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है ग्राम प्रधान प्यारे लाल के घर से महज कुछ ही दुरी पर सार्वजनिक शौचालय घर बना हुआ है जिसका सीट मिट्टी डालकर भर दिया गया है दीदार फर्स पर गंदगी का अम्बार लगा हुआ है वहाँ से लगभग सौ मीटर दुरी पर ग्राम प्रधान का घर है उस रास्ते के दोनों पटरियों पर चलना मुश्किल है उसी गंदगी भरें रास्ते से ग्राम प्रधान का आना जाना रहता है इस सम्बन्ध में विकास अधिकारी से पुछे जाने पर अनभिज्ञता जाहिर किये वही ग्राम प्रधान कही जल्दी पहुचने का बहाना कर पतली गली से निकल लिए जबकि सरकार द्वारा हर घर शौचालय देने के साथ गाँव में सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया गया इनकी साफ सफाई के लिए बकायदा समुह सखियों को नियुक्ति किया गया है।

कृष्णे स्वधामोपगते धर्मज्ञानादिभिः सह- शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। श्री काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगदुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज के शिविर में दण्डी सन्यासियों की धर्म सभा एवम् एकादशी के उपलक्ष्य में फलाहारी भण्डारा का आयोजन हुआ । इस अवसर पर आयोजित धर्म सभा में पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि कृष्णे स्वधामोपगते धर्मज्ञानादिभिः सह। भगवान् श्रीकृष्ण के धर्म, ज्ञानादि सहित अपने परमधाम चले जाने के पश्चात् कलियुग में अज्ञानान्धकार से अंधे लोगों के लिए यह श्रीमद्भागवत पुराण रूपी सूर्य जीवन के अन्धकार को नष्ट कर जीवन को प्रकाशित करने वाला है। पुराणों के पाँच विषयों का वर्णन है। सृष्टि, प्रलय, सूर्यवंश और चन्द्रवंश का विवरण, अलग- अलग काल के मनुओं का विवरण और विस्तृत कथा श्रीमदभागवत महापुराण और विष्णु पुराण में इन पाँचों विषयों की पूर्ण रूप से चर्चा है। इसलिए ये दोनों ही पुराण पूर्ण-पुराण कहे गए हैं। श्रीमद भागवत पुराण सभी शास्त्रों का सार है । जब वेदों के संकलन और महाभारत, पुराणों की रचना के बाद भी वेद व्यास शान्ति न मिली, तो उनके गुरु नारद मुनि ने उन्हें श्रीमद भागवत पुराण लिखने को प्रेरित किया। यह श्री वेदव्यासजी की आखिरी रचना है और इस कारण पूर्व के सारे रचनाओं का निचोड़ है। वेदव्यास जी का नाम कृष्ण द्वैपायन है। कृष्ण अर्थात श्याम वर्ण के और द्वैपायन अर्थात छोटे कद के या द्वीप में निवास करने वाले व्यासदेव स्वयं भगवान के शक्त्यावेश अवतार थे और आने वाले कलयुग का ध्यान कर उन्होंने वेदों को 4 भाग में विभक्त किया और शास्त्रों को लिखित रूप में संरक्षित किया। भगवान स्वयं शब्दात्मक स्वरुप में श्री मद्भागवत में विराजते हैं।

अनुराग बनाये गये पत्रकार प्रेस एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष

प्रयागराज। पत्रकार प्रेस एसोसिएशन द्वारा संगठन की मजबूती और विस्तार के लिए प्रदेश, मंडल और जिले के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ शहनवाज खान द्वारा जारी की गई सूची में अनुराग दर्शन समाचार पत्र के प्रधान संपादक अनुराग शुक्ला को प्रयागराज का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने रजनीश यादव को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया है। इसके साथ ही उन्होंने दो मंडल अध्यक्ष, एक क्षेत्रीय अध्यक्ष, 12 जिला अध्यक्ष, एक जिला प्रभारी, दो जिला संयोजक और एक जिला सहसंयोजक की नियुक्ति भी की है। प्रदेश अध्यक्ष ने नए पदाधिकारियों की सूची जारी करते हुए आशा व्यक्त की है कि नए पदाधिकारी संगठन को मजबूती और विस्तार प्रदान करेंगे। डॉ शहनवाज खान ने सभी पदाधिकारियों को उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं भी दी हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने सुनी फरियाद

आजमगढ़। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज एवं पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य की अध्यक्षता में आज तहसील बूढ़नपुर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जन समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तायुक्त निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि इसमे किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नही होगी, जन समस्याओं का गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर कुल 89 मामले आये, जिसमे से 15 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष 74 मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत करने के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। प्राप्त मामलों में राजस्व विभाग के 36, विकास के 10, पुलिस के 15 एवं अन्य के 28 मामले शामिल है। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन-जिन विभागों से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, उसे जल्द से जल्द शत प्रतिशत गुणवत्तायुक्त निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि समस्याओं का निस्तारण प्रारम्भिक स्तर पर ही कर दिया जाए तो जनता को मुख्यालय तक नही जाना पड़ेगा। इसलिए संबंधित अधिकारीगण प्राथमिकता के आधार पर प्रारम्भिक स्तर पर ही जन समस्याओं का वास्तविक निस्तारण कर दें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, उप जिलाधिकारी बूढ़नपुर, तहसीलदार बूढ़नपुर, जिला विकास अधिकारी संजय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में तहसील बदलापुर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समाधान दिवस पर आने वाली शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक लेते हुए त्वरित एवं गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्ध निस्तारण कराये। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर कुल 197 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमे से 31 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत करने के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। जिलाधिकारी के सामने राजस्व विभाग, विकास विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य विभागों के शिकायत पत्र प्राप्त हुई। जिलाधिकारी द्वारा डीसी एनआरएलएम, एलडीएम, जिला सेवायोजन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन विभागों से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, उसे जल्द से जल्द प्राथमिक स्तर पर ही निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अर्चना ओझा, पी.डी. जयकेश त्रिपाठी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा पिछड़ा वर्ग का युवा संवाद का आयोजन

आजमगढ़। ब्लॉक सभागार में हुई संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी जी विशिष्ट अतिथि गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अरविंद जायसवाल जी रहे युवा संवाद को संबोधित करते हुए शिवनाथ चौधरी ने कहा प्रधानमंत्री मोदी जी के पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में भारत के विकास भवन की जो मजबूत नींव रखी है। उसे देखकर जनता को पूरा भरोसा है कि उनके तीसरे और चौथे कार्यकाल में हमारे देश का विकास आसमान की बुलंदियों को छूएगा और इसमें युवाओं का सबसे बड़ा हाथ होगा विशिष्ट अतिथि अरविंद जायसवाल ने कहा जब से मोदी जी की सरकार केंद्र में आई है देश में परिवारवाद की राजनीति खत्म हुई है। गरीबों को आवास किसानों को सम्मान निधि गरीब जनता को निशुल्क अन्न गरीबों को इलाज करने के लिए 5 लाखं का आयुष्मान कार्ड दिया जा रहा है।

सकारात्मक ज्ञान के लिए करें स्मार्टफोन का प्रयोगः विद्या सागर सोनकर

पीयू में 59 विद्यार्थियों को मिला स्मार्टफोन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के आर्यभट्ट सभागार में मंगलवार को 59 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन का वितरण किया गया। वितरण समारोह के मुख्य अतिथि विधान परिषद के उपसभापति विद्यासागर सोनकर और विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी प्रज्ञाक्ता त्रिपाठी थीं।

इस अवसर पर विधान परिषद के उपसभापति विद्यासागर सोनकर ने कहा कि डिजीटल युग में विद्यार्थी स्मार्टफोन का प्रयोग सकारात्मक ज्ञान के लिए करें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ संस्कार को भी अपने जीवन में अपनाएं।

उन्होंने त्रेता और द्वापर का उदाहरण देते हुए कहा कि अहम और वहम त्यागकर हमेशा बढ़ों से सीख लेने की जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में अध्यात्म की भी बहुत आवश्यकता है। प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी ने देश ही नहीं विदेशों में भी अध्यात्म की पताका फहराई है। साथ ही इसे पर्यटन से जोड़कर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने स्मार्टफोन पाने वाले विद्यार्थियों का परिचय भी जाना। कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वीडी शर्मा, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. धीरेंद्र चौधरी, डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. अमित वत्स, डॉ श्याम कन्हैया, डॉ. पुनीत धवन आदि ने भाग लिया।

22 फरवरी से शुरु होगी यूपी बोर्ड परीक्षा

अवधनामा संवाददाता

गड़बड़ी पर होगा सख्त एक्शनः दिव्य कांत शुक्ला

प्रयागराज। 22 फ़रवरी से शुरु होने वाली यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। यह परीक्षा 9 मार्च तक चलेगी। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं प्रदेश के 8265 केंद्रों पर आयोजित होंगी। यूपी बोर्ड 10वीं 12वीं की परीक्षा को नकलविहीन कराने के लिए जिला प्रशासन ने कड़ी व्यवस्था की है। दो पालियों में परीक्षा को नकलविहीन संपन्न कराने और इसके लिए सभी आवश्यक उपायों को लेकर मंगलवार को यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकान्त शुक्ला ने प्रेस वार्ता में जानकारी दी। दिव्यकान्त शुक्ला ने बताया कि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए 566 राजकीय विद्यालय 3479 सवित्त और 4220 वित्त विहीन विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। जिसमें हाईस्कूल की परीक्षा में 1571184 छात्र और 1376127 छात्राओं को मिलाकर 29 लाख 47 हजार 311 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसके साथ ही इंटरमीडिएट की परीक्षा में 1428323 छात्र और 1149674 छात्राओं को मिलाकर 25 लाख 77 हजार 997 परीक्षार्थी शामिल होंगे। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में कुल 55 लाख 25 हजार 308 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने बताया इस प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर कंट्रोल रूम बनाये गये है। जहां से परीक्षा देने वाले छात्र छात्राओ पर कक्ष के अंदर निगरानी की जायेगी। किसी प्रकार कि कोई गड़बड़ी पाए जाने पर केंद्र व्यवस्थापक व प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड परीक्षा में इस बार परीक्षा पुस्तिका में क्यू आर कोड लगाया गया है। साथ ही अनुक्रमांक दर्ज रहेगा। दिव्यकान्त शुक्ला ने बताया इस कापिया बाहर ना जाने पाए साथ पुस्तिका के साथ किसी प्रकार का कोई खिलवाड़ न हो इसके लिए कापियों पर क्यू आर कोड लगाया गया है। उन्होंने बताया कि परीक्षा से पहले केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरे से लाइव मानिटरिंग का निर्देश यूपी बोर्ड की 22 फरवरी से शुरु रही हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा से पहले परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर 24 घंटेलाइव मानिटरिंग करने के निर्देश दिया गया हैं। नकल विहीन बोर्ड परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों की और प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और गोपनीयता के देखते हुए प्रश्नपत्रों के स्ट्रॉगरूम की ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके लिए इस साल पहली बार सभी पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों एवं मुख्यालय में अलग से एक-एक कमांड व कंट्रोल रूम भी स्थापित किये गये है।

विद्युत संविदा कर्मचारी ने 16 सूत्रीय मांगो का सौंपा सत्याग्रह ज्ञापन

आजमगढ़। विद्युत मजदूर संयुक्त मोर्चा और विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंचे विद्युत संविदाकर्मियों शीर्ष नेतृत्व के आह्वाहन पर 16 सूत्रीय मांगो का सत्याग्रह ज्ञापन सौंपा है। विद्युत संविदा कर्मचारीयो का कहना था की शक्ति भवन में कुछ मांगे हमारी मान तो ली गई थी लेकिन उसका अभी तक पालन नहीं हुआ। कहा की हमारी प्रमुख मांगे थी की जो संघर्ष समिति द्वारा की गई हड़ताल में शामिल न होने के बावजूद भी जिन आउट सोर्सकर्मियों को निकाला गया है उनकी बहाली की जाए।

निर्मल सेवा फाउंडेशन ने वितरण किया गर्म कपड़े

जौनपुर। सेवा परमो धर्मः को अपना प्रेरणा स्रोत मान के जौनपुर के निर्मल सेवा फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. देवव्रत पाण्डेय और संस्था के अन्य सदस्य हर्ष मिश्रा, सूरज पाण्डेय, प्रभाकर यादव ने इस कपकपाती ठण्ड के मौसम मे जौनपुर शहर मे रह रहे असहाए गरीबों, झुग्गिओ मे डेरा डाल रह रहे परिवारों, सड़को पे भीख मांगते बच्चो को सबको चिंन्हित किया और उनतक ठंढ से बचने के लिए जरुरी सामान जैसे कम्बल, टोपी, शाल आदि चीज़ो को मुहहिया करवाते हुए उनको हर प्रकार की यथाशक्ति सहायता प्रदान करने का अस्वशन दिया, ये सारी चीज़े पाकर बच्चे हो या बुजुर्ग सबके चेहरे पर खुशी एवं आशीर्वाद का भाव था, और यह देखते हुए निर्मल सेवा फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा गरीबों के मुस्कान और उनका आशीर्वाद ही हमारी प्रेरणा है और हम सादैव इनके विकास और मदद के लिए आगे आते रहेंगे और अपना पूरा योगदान देते रहेंगे।

बच्चों ने देखे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल

उच्च प्राथमिक विद्यालय उठगी के बच्चों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ये भ्रमण विद्यार्थियों को अपने और दूसरों के अनुभव से सीखने का एक अच्छा अवसर देते हैं। जब विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर जाते हैं तो वह अपनी आंखों से प्रत्यक्ष रूप से देखकर किसी भी विषय वस्तु पर वर्णन करने में सक्षम हो जाते हैं।

कौडिहार विकासखंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय उठगी के बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण प्रत्यक्ष रूप से ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों को देखकर शैक्षिक क्षमता वृद्धि के लिए सहायक अध्यापिका अनीता सोनकर के मार्गदर्शन में कराया गया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान बच्चों ने आनंद भवन, चंद्रशेखर आजाद पार्क, चंद्रशेखर आजाद पार्क स्थित संग्रहालय, कंपनी बाग परिसर में स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अकबर का किला, किले के अंदर अवस्थित सनातन अक्षय वट, माघ मेला क्षेत्र एवं अन्य धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। कंपनी बाग में स्थित नर्सरी में विभिन्न प्रकारके पौधों से परिचित कराया गया। जिसे देखकर बच्चे बहुत ही आश्चर्यचकित एवं उत्साहित हो रहे थे। अनीता सोनकर के साथ साथ विनीता देवी त्रिपाठी, सरिता गुप्ता, सरिता सिंह एवं दिनेश कुमार के द्वारा ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के विषय में जानकारी दी जाती रही। जिस बच्चे लगातार अपने नोटबुक में लिख रहे थे। बच्चों को माघ मेला लगाए जाने के पीछे के धार्मिक एवं ऐतिहासिक बच्चों की जानकारी दी गई। अकबर द्वारा किला बनाए जाने के उद्देश्य , शहीद चंद्रशेखर के बलिदान, एवं संग्रहालय में रखी हुई प्राचीन धरोहरों से परिचय कराया गया। बौद्धिक क्षमता संवर्धन हेतु ऐसे भ्रमण कराना अति आवश्यक हैं।

लाभार्थी संपर्क अभियान कार्यशाला का आयोजन

आजमगढ़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे लाभार्थी संपर्क अभियान के निमित भारतीय जनता पार्टी लालगंज लोकसभा की कार्यशाला का आयोजन जिला कार्यालय पर किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप भारतीय जनता पार्टी लालगंज के निवर्तमान जिला अध्यक्ष ऋषिकांत राय उपस्थित होकर कार्यशाला को संबोधित किया। भारतीय जनता पार्टी लालगंज के निवर्तमान जिला अध्यक्ष ऋषिकांत राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के एक एक कार्यकर्ता मोदी सरकार द्वारा चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर हर घर जाएंगे और मोदी सरकार को 2024 में फिर दोहराएंगे। जिले भर के लाभार्थियों को अभी तक चिह्नित किया गया है। आज पूरे जिले में लाभार्थी हैं। जिन्होंने केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया है।

डीएम ने आजमगढ़ साहित्य महोत्सव-2024 के लोगो का अनावरण

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जिलाधिकारी ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 23 से 25 फरवरी तक हरिऔध कला केन्द्र आजमगढ़ में आयोजित होने वाले आजमगढ़ साहित्य महोत्सव-2024 के लोगो का अनावरण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आजमगढ़ का एक लंबा साहित्यिक इतिहास रहा है,। आजमगढ़ की धरती साहित्यकारों की धरती है, यहां पर बहुत बड़े-बड़े विश्वविख्यात साहित्यकार, कवि एवं लेखक हुए हैं। उन्होने कहा कि अयोध्या सिंह हरिऔध, राहुल सांकृत्यायन, कैफी आजमी, पंडित लक्ष्मी नारायण मिश्र जैसे एक से एक साहित्यकार, लेखक एवं कवियों ने भारत एवं विश्व में आजमगढ़ का नाम रोशन किया है। उन्होने कहा कि आजमगढ़ साहित्य महोत्सव-2024 कराये जाने का उद्देश्य आज के लेखकों, कवियों एवं रचनाकारों, साहित्यकारों को मंच प्रदान किया जाना है। उन्होने कहा कि साहित्य एवं भाषा के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को साहित्यिक मंच प्रदान करना इसका मूल उद्देश्य है। इसके माध्यम से नयी प्रतिभाएं निकलकर आयेंगी। उन्होने कहा कि वरिष्ठ साहित्यकारों एवं नवोदित साहित्यकारों को मंच प्रदान करना है। उन्होने कहा कि आज के समय में जो हमारे छात्र-छात्राएं एवं आम जनमानस हैं, उनको हिंदी साहित्य से जोड़ने, उन्हें अपनी विरासत को समझने के लिए यह साहित्यिक महोत्सव कराया जा रहा है, जिसमें जनपद से जुड़े सभी साहित्यकारों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। उनमें से हम लोग कुछ लोगों को जनपद स्तरीय मंच पर अवसर देंगे। उन्होने सभी जनपद वासियों से अपील किया कि दिनांक 23 से 25 फरवरी तक हरिऔध कला केन्द्र आजमगढ़ में आयोजित आजमगढ़ साहित्य महोत्सव में प्रतिभा करें। जिलाधिकारी ने बताया कि दिनांक 23 फरवरी को अपरान्ह 1:30 बजे से 1:40 बजे तक अतिथि आगमन, दीप प्रज्ज्वलन एवं उद्घाटन, 1:40 बजे से 1:50 बजे तक सरस्वती वन्दना, अपरान्ह 3:00 बजे से 4:00 बजे तक स्टोरी टेलिंग, अपरान्ह 4:00 बजे से 5:00 बजे तक पुरस्कार प्राप्त जनपद के लेखकों द्वारा अपनी रचनाओं पर संवाद एवं अपरान्ह 5:00 बजे से 5:30 बजे तक साहित्यकार सम्मान एवं आजमगढ़ साहित्य महोत्सव का उद्बोधन, दिनांक 24 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे से 12:30 बजे तक हरिऔध जी और राहुल जी विश्वनाथलाल शैदा के कृतित्व व व्यक्तित्व पर चर्चा, अपरान्ह 12:30 बजे से 1:30 बजे तक आजमगढ़ के समृद्ध साहित्यिक इतिहास पर व्याख्यान, अपरान्ह 2:00 बजे से 3:00 बजे तक नवोदित गद्य रचनाकारों द्वारा आजमगढ़ के साहित्य जगत के समक्ष प्रस्तुतिकरण, अपरान्ह 3:00 बजे से 4:00 बजे तक नवोदित पद्य रचनाकारों का मुख्य अतिथि द्वारा सम्मान, 4:00 बजे से 5:00 बजे तक डिजीटल युग मे साहित्य पर परिचर्चा, 5:00 बजे से 6:00 बजे तक कैफी आजमी व शिब्ली नोमानी के व्यक्तित्व पर चर्चा, 5:00 बजे से 8:00 बजे तक जनपद के ख्यातिलब्ध कवियों द्वारा कवि सम्मेलन व मुशायरा।

मातृभाषा मातृतुल्य सम्मान और प्रेम से ओत प्रोतः प्रो. भदौरिया

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में मातृभाषा दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज, प्रयागराज के हिन्दी विभाग, राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं मातृभाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में %मातृभाषा दिवस% के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। %दक्षिण भारत और हिन्दी % विषय पर आयोजित इस व्याख्यान के विशिष्ट वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग के संयोजक तथा गांधी विचार एवं शान्ति अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. सन्तोष कुमार भदौरिया रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. आशिमा घोष ने विशिष्ट वक्ता का स्वागत किया और मातृभाषा दिवस मनाने के इतिहास पर प्रकाश डाला और बताया कि इस वर्ष मातृभाषा उत्सव का थीम शिक्षा है जो नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अनुपूरक सिद्ध होगा. प्रो. भदौरिया ने अपने वक्तव्य में मातृभाषा को मातृतुल्य सम्मान और प्रेम से ओत-प्रोत बताया।

भारतीय भाषाएं पुष्पगुच्छ में गुंथी हुई राष्ट्र की विविधता में एकता को स्थापित करती हैं। उन्होंने दक्षिण भारत में हिन्दी विरोधी अनेक प्रसंगों का उल्लेख किया और त्रिभाषा फार्मूला पर प्रकाश डाला। भाषाओं की प्रवाहमानता पर हो रहे समकालीन शोधकार्यों के विषय में जानकारी थी हिन्दी - मलयालम में हो रहे अद्यतन कार्यों की चर्चा की। उन्होंने निज गरिमा को बनाये रखने के लिए अपनी मातृभाषा साथ ही मातृशक्ति के सम्मान का आह्वान किया। इस अवसर पर डा. नम्रता देब के निर्देशन में छात्राओं ने बंगाली एवं असमिया भाषा में मधुर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ सुकृति मिश्रा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी विभाग की संयोजिका एवं राजभाषा समिति की प्रभारी डॉ रतनकुमारी वर्मा ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शोधार्थीगण तथा छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अनुवाद अधिकारी डा. हरिओम कुमार तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डा. अंशुमाला मिश्रा, डा. विजयलक्ष्मी, डा. फातिमा नूरी, डा. प्रमा द्विवेदी, डा. सुषमा श्रीवास्तव, डा. नन्दिनी मुखर्जी, डा. माधुरी राठौड़ ,डा. शालिनी सिंह, डा. अजिता ओझा इत्यादि उपस्थित रहे।

राम भजनों के सुर सरिता में बहे श्रोता

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। संस्कार भारती प्रयागराज के अवलोकन तीरथराजु चलो रे में रामोत्सव के नौवें दिन मुख्य अतिथि काशी-प्रांत प्रचारक रमेश तथा विशिष्ट अतिथि सह-प्रचारक मुनीश एवं अन्य अतिथिगण का संस्कार भारती प्रयागराज के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार मिश्र ने स्वागत किया। आलोक मिश्रा प्रयागराज ने एकल तबला-वादन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रयागराज के ब्रजराज तिवारी दल के शिवेन्द्र शुक्ला एवं उमेश कनौजिया ने लोकगायन के माध्यम से मिट्टी के गीत और प्रभु श्रीराम के गीतों से श्रोताओं को आल्हादित कर दिया। वाराणसी की प्रो. श्यामा कुमारी,प्रयागराज की डाइन्दु शर्मा एवं डा. शुचि द्वारा राम-भजनों की प्रस्तुति ने पूरा पांडाल राममय कर दिया। गाजियाबाद की समीक्षा शर्मा के दल द्वारा कथक नृत्य में राम- भजन, धमार-ताल, रुद्राक्षकम शिव वंदना एवं सरगम की प्रस्तुति दी।

वाराणसी के अष्टभुजा प्रसाद मिश्र ने नौटंकी में केवट प्रसंग प्रस्तुत कर समरसता का संदेश दिया। प्रयागराज जिला अध्यक्ष गिरिजाशंकर मिश्र राजन तथा कार्यक्रम संयोजक ने कलाकारों को प्रमाणपत्र प्रदान किये। जिला इकाई महामंत्री धनंजय शाश्वत ने मंच-संचालन किया।

शेयर बाजार लगातार छठे दिन हरे निशान पर हुआ बंद, सेंसेक्स 349 अंक चढ़ा, निफ्टी 20190 पार

नई दिल्ली। सेंसेक्स की ब्लूचिप कंपनियों पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी और कोटक बैंक के शेयर मंगलवार को टॉप गेनर्स के रूप में कारोबार करते

दिखे और 2% से 4% की बढ़त के साथ बंद हुए। एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन की अगुवाई में भारती शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स मंगलवार को लगातार छठे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। इस दौरान निफ्टी 50 लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। मंगलवार को बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 349 अंक या 0.48% बढ़कर 73,057 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 75 अंक या 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,197 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की ब्लूचिप कंपनियों पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी और कोटक बैंक के शेयर टॉप गेनर्स के रूप में कारोबार करते दिखे और 2% से 4% की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, टीसीएस, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और मारुति सुजूकी के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। स्मॉलकैप स्टॉक जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज के शेयर मंगलवार के कारोबारी सेशन के दौरान 14% से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। कंपनी ने घोषणा की है कि उसने तीन साल के लिए ईजमायट्रिप प्लानर्स लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है।

निफ्टी बैंक एक प्रतिशत की बढ़त के साथ हुआ बंद

जैगल और ईजमायट्रिप कॉरपोरेट ग्राहकों को एकीकृत यात्रा और व्यय प्रबंधन समाधान प्रदान करेंगे। काउंटर पर ब्लॉक डील की रिपोर्ट के बीच टूरिज्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन का शेयर 5% की अपर सर्किट में बंद हुआ। निफ्टी बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और कोटक बैंक की अगुवाई में 1% से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए।

निफ्टी मीडिया में भी दो प्रतिशत से अधिक का उछाल

दूसरी ओर, निफ्टी मीडिया में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज और टीवी 18 ब्रॉडकास्ट की अगुवाई में 2% से अधिक का उछाल आया। विस्तृत बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.13% और 0.53% तक फिसले। बाजार में बुल्स के पक्ष में रुझान दिखा। बीएसई पर लगभग 1,949 शेयरों में तेजी आई, 1,887 में गिरावट आई और 95 अपरिवर्तित रहे।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने जलमार्गों के विकास के लिए कई बड़ी परियोजनाएं लॉन्च की

पांडु, गोवाहाटी। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग तथा आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में आज 308 करोड़ मूल्य की परियोजनाओं का अनावरण कर जलमार्गों के विकास पर जोर दिया है। इस सिलसिले में आज डिब्रूगढ़ के नज़दीक बोगीबील, करीमगंज में बदरपुर, और ढुबरी में आईडब्ल्यूएआई बंदरगाह तथा त्रिपुरा में सोनामुरा में समारोह आयोजित किए गए।

सर्बानंद सोनोवाल ने आज डिब्रूगढ़ के नज़दीक बोगीबील पर पैसेंजर-एवं-कार्गो टर्मिनल, त्रिपुरा में सोनामुरा में अंतर्देशीय जल परिवहन टर्मिनल और असम स्थित करीमगंज एवं बदरपुर में उन्नत टर्मिनलों का किया उद्घाटन किया। यह टर्मिनल इस क्षेत्र में कार्गो और यात्रियों के आवागमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा जिससे व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी।

आज मंत्री ने ढुबरी में एक सीमा-

अनावरण

पूर्वोत्तर भारत के लिए 308करोड़ मूल्य की परियोजनाओं का किया अनावरण

शुल्क आप्रवासन कार्यालय तथा आईडब्ल्यूएआई जोगीघोपा टर्मिनल के लिए परिसर की दीवार के निर्माण की भी आधारशिला रखी। नव-निर्मित बागीबील टर्मिनल का निर्माण कार्य लगभग 50 करोड़ मूल्य के निवेश से किया जा रहा है। इस अवसर पर, केंद्रीयमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में, हमारे देश के जलमार्गों के समृद्ध एवं जटिल नेटवर्क का विकास किया जा रहा है और इस सिलसिले में आज कई प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। मोदी की गारंटी से पूर्वोत्तर क्षेत्र के जलमार्गों को सक्षम बनाकर उन्हें विकसित भारत की दिशा

में बढ़ावा दिया जा रहा है। बागीबील स्थित टर्मिनल क्षेत्र के आर्थिक विकास में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएंगे और ऊपरी असम तथा अरुणाचल प्रदेश में व्यापार के अवसरों को और मजबूत बनाएंगे। इसी तरह, त्रिपुरा स्थित सोनामुरा टर्मिनल से भारत एवं बांग्लादेश के बीच सीमा-परीय वाणित्य को बढ़ावा मिलेगा। करीमगंज और बदरपुर टर्मिनलों से भी वाणिज्य के अवसरों को बल मिलेगा। ये सभी परियोजनाएं पूर्वोत्तर को विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के विकास के इंजन के तौर पर स्थापित करने की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दृष्टि को साकार करने में अहम् साबित होंगी।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने ढुबरी में ?7.5 करोड़ की लागत से सीमा शुल्क आप्रवासन कार्यालय के निर्माण की आधारशिला भी रखी। इसी तरह, ग्वालपाड़ा, असम में जोगीघोपा टर्मिनल परिसर की दीवार का भी निर्माण किया जाएगा। जोगीघोपा, तेजपुर, बिश्वनाथघाट, नेमाटी, सादिया, बिंदाकोटा में 6 टूरिस्ट जेट्टियों का निर्माण किया जाएगा। इनमें से तीन का बंदोबस्त पहले ही किया जा चुका है और शेष तीन की व्यवस्था जल्द की जाएगी। यह प्रोजेक्ट एनडब्ल्यू-2 के साथ-साथ मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर को उन्नत बनाने के साथ-साथ कार्गो, यात्री परिवहन, नदी पर्यटन की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए शुरू किया जा रहा है।

अगस्त 2024 तक गोवाहाटी में दो इलैक्ट्रिक कैटामरान तैनात करने की भी योजना है। इन्हें कोच्चिन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा ?36 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है और इससे गोवाहाटी के बाशिन्दों के लिए आवागमन की सुविधा में सुधार होगा।

दो दिन में ही प्याज की कीमतों में 40 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की खबरों के बाद देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी, लासलगांव में 19 फरवरी को इसका थोक थोक बिक्री मूल्य 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल था। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध 31 मार्च की पूर्व घोषित समय सीमा तक जारी रहेगा क्योंकि सरकार कीमतों को नियंत्रण में रखने और घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना चाहती है। सरकार ने 8 दिसंबर, 2023 को 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी थी उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने पीटीआई से कहा, प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। यह प्रतिबंध लागू है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया गया है।÷ उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर प्याज की पर्याप्त घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की खबरों के बाद देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी, लासलगांव में 19 फरवरी को इसका थोक थोक बिक्री मूल्य 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल था। सूत्रों ने कहा कि आम चुनावों से पहले 31 मार्च के बाद भी प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि रबी (सर्दियों) प्याज का उत्पादन कम होने की आशंका है। खासतौर पर महाराष्ट्र में रकबा की कम कवरेज होने के कारण रबी प्याज का उत्पादन कम होने की आशंका है। 2023 में रबी सीजन में प्याज का उत्पादन 22.7 मिलियन टन होने का अनुमान था। कृषि मंत्रालय के अधिकारी आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज के रबी फसल का आकलन करेंगे।

नई दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल ईवी शो के चौथे संस्करण का आयोजन

नई दिल्ली। आगामी इंडिया इंटरनेशनल ईवी शो 2024 (आईईवी शो) का दिल्ली में एक बड़ा आयोजन होने जा रहा ह। इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी का आयोजन 15 से 17 मार्च, 2024 इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसी), द्वारका, में किया जायेगा भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के सम्मेलन के रूप में पहचाने जाने वाले इस कार्यक्रम में इंजीनियरों, मैकेनिकों, वैज्ञानिकों और निर्णयकर्ताओं को एक साथ आने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। प्रदर्शनी का आयोजन फ्युचरेक्स ग्रुप द्वारा इंडस्ट्री एसोसिएशन पार्टनर के रूप में सोसाइटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल (एसएमईवी) के साथ मिलकर किया गया है। इस कार्यक्रम को फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी), इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए), आईपीसी इंटरनेशनल इंक और इलेक्ट्रिक

मोबिलिटी फाइनेंशियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईएमएफएआई) का समर्थन प्राप्त है।

इंडिया इंटरनेशनल ईवी शो इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के लिए देश के प्रमुख मंच के रूप में उपलब्ध है, जो इंजीनियरों, मैकेनिकों, वैज्ञानिकों और निर्णयकर्ताओं को सहयोग करने और ईवी और उन्नत बैटरी क्षेत्रों में नवाचार को चलाने के लिए एक साझा आधार प्रदान करता है। नवीनतम ईवी रुझानों और उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान देने के साथ, यह अभूतपूर्व विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा देता है। यह बैटरी प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा भंडारण समाधानों और चार्जिंग अवसंरचना विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा को बढ़ावा देता है।प्रदर्शनी में इलेक्ट्रिक कारों और बाइक से लेकर ई-रिक्शा, चार्जिंग स्टेशन और बुनियादी ढांचे, सेवाएं और उत्पाद शामिल होंगे।

जलवायु परिवर्तन और ऑटोमोटिव क्षेत्र में तकनीकी विकास के बारे में बढ़ती चिंताओं ने इलेक्ट्रिक कारों (ईवी) की लोकप्रियता को बढ़ा दिया है। वैश्विक ईवी बिक्री 2023 की पहली छमाही में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 40त्र बढ़ी। 2030 तक सभी नई कारों की बिक्री में ईवी की बिक्री 35-40त्र होगी। हालांकि, इस व्यापक स्वीकृति के लिए बैटरी प्रौद्योगिकी, स्मार्ट ग्रिड और चार्जिंग बुनियादी ढांचे में प्रगति आवश्यक है। ईवी व्यवसाय के लिए बैटरी प्रौद्योगिकियों में नवाचार महत्वपूर्ण हैं। 2008 के बाद से, लिथियम बैटरी तकनीक में सुधार के परिणामस्वरूप ईवी बैटरी की लागत में 90त्र की कमी आई है, जिससे ईवी की सामर्थ्य, रेंज और आराम बढ़ गया है। स्मार्ट ग्रिड और ईवी चार्जर में नवाचार से उपभोक्ता की रुचि और भी अधिक बढ़ जाती है। वैश्विक ईवी बाजार अनुकूल सरकारी नियमों, ईवी लाभों में वृद्धि और ग्राहक मांग में वृद्धि से प्रेरित हुआ है। इंडिया इंटरनेशनल ईवी शो 2024 टिकाऊ परिवहन की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतिनिधित्व करता है। जैसे-जैसे हम विद्युतीकरण की ओर बढ़ते हैं, ये कार्यक्रम नवाचार के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करते हैं, प्रौद्योगिकी में प्रगति करते हैं और ऑटोमोटिव आपूर्ति श्रृंखला को नया आकार देते हैं।

एजेंट पार्टनर से सलाहकार तक पीबीपार्टनर्स की सफलता की कहानी

pbpartners.com
#EK RISHTA BHAROSE KA

नई दिल्ली। प्रवीण कुमार, दिल्ली के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में स्थित एक बीमा एजेंट पार्टनर, ने अपने करियर में समर्पण और उद्यमिता का प्रतीक साबित किया है। लगभग दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले प्रवीण कुमार का सफर तीन साल पहले एक बड़े परिवर्तन से गुजरा, जब वह पीबीपार्टनर्स, बीमा उद्योग के प्रमुख खिलाड़ी, में शामिल हो गए पीओएसपी पारंपरिक एजेंट पार्टनर्स को सशक्त करना 2015 में IRDAI ने भारत में बीमा के अनुमोदन के लिए पीओएसपी दिशानिर्देश साझा किए थे। प्रवीण ने कहा, पीबीपार्टनर्स में शामिल होने से पहले, एक दिन में मेरे पास जितने ग्राहक आते थे, वह 2-3 थे। लेकिन पीबीपार्टनर्स के साथ, मैं रोज 10-15 ग्राहकों से मिल पाता हूं और उन पर उचित ध्यान दे सकता हूं। पीबीपार्टनर्स ने मेरी क्षमता बढ़ाने और मेरी कमाई को भी बढ़ाने में मुझे बहुत मदद की है7 नए मॉडल में काम करने के बारे में बात करते हुए प्रवीण ने कहा, मेरे फोन पर सभी जानकारी उपलब्ध रहती है, इसलिए मैं ग्राहकों को उत्पादों के बीच निष्पक्ष तुलना करके मदद कर सकता हूँ। इस तरह, ग्राहक उन उत्पादों को प्राप्त करते हैं जो उनके लिए सही हैं और मैं उनके विश्वास का सम्मान करता हूं। पीबीपार्टनर्स के पास ऐसी प्रौद्योगिकी है जिसके माध्यम से मैं एक ग्राहक को सही नीति चुनने में मदद कर पाता हूं, उनकी नीति को नवीनीकृत कर सकता हूं, या फिर कुछ मिनटों में उनका दावा प्रोसेस कर लेता हूं7 पीबीपार्टनर्स ने ऐसे एजेंट पार्टनर्स के लिए एक बेहतर करियर बनाया है। प्रवीण ने कहा, ÷पहले, विभिन्न स्रोतों से उद्धरण इकट्ठा करने जैसा बहुत सारा क्लर्कीय काम शामिल था। हालांकि, क्श्स्क्मॉडल समेकित तकनीकी समाधान मेरी कार्यप्रवृत्ति को संयोजित किया, मुझे एक ही स्थान पर सब कुछ प्रदान किया। इसके अलावा, मुझे किसी विशेष वेतन दिन का इंतजार नहीं करना पड़ता है। पीबीपार्टनर्स ऐप पर ह्ष्ठक्नामक एक सुविधा है जिसके माध्यम से मैं जब भी कोई नीति बेचता हूं तो किसी भी समय भुगतान के लिए मांग सकता हूं। रूप से, एजेंट पार्टनर्स को सर्वोत्तम वेतन देने वाले कर्मचारियों में नहीं माना जाता है। लेकिन पीबीपार्टनर्स के साथ, उन्हें बेहतर प्रोत्साहन के अवसर मिलते हैं। प्रवीण ने कहा, पीबीपार्टनर्स के साथ साझेदारी जोड़ने से मुझे महत्वपूर्ण वित्तीय पुरस्कार मिले हैं, जिसमें आय में 50% की आकर्षक वृद्धि शामिल है। मेरा ग्राहक आधार काफी बड़ा हो गया है, धन्यवाद पीबीपार्टनर्स का। मेरी हाल की उपलब्धियां, एक नई कार प्राप्त करना, पीबीपार्टनर्स के साथ मेरी प्राप्ति का प्रतीक हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि एजेंट पार्टनर्स महसूस करते हैं कि वे समाज में मूल्य जोड़ रहे हैं। प्रवीण ने कहा, इस मॉडल में, एक सहयोगी वातावरण है जहां अनुभवी प्रतिनिधियां नए आगंतुकों का समर्थन करती हैं, ज्ञान साझा करती हैं और आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करती हैं। यह समुदाय केंद्रित प्रस्ताव आउटरीच प्रयासों को बढ़ावा देता है और जहां विश्वास महत्वपूर्ण है। पीबीपार्टनर्स इस तरह के प्रशिक्षण को पाठशाला घटनाओं में आयोजित करता है। अब, मुझे एजेंट पार्टनर कम और उत्पादक अधियापक के रूप में काम करने का अनुभव होता है जो विभिन्न बीमा उत्पादों के बारे में ग्राहकों को सिखाने की क्षमता रखता है।

लखनऊ में ग्लोबल आर्क कंसल्टेंसी के कार्यालय और पोलिसीक्यू की नई शाखा का उद्घाटन

बजाज आलियांज के एमडी तपन सिंघल ने किया उद्घाटन

■ ग्लोबल आर्क कृषि क्षेत्र के लिए सभी सहायक खासकर प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

लखनऊ। ग्लोबल आर्क कंसल्टेंसी ने अपने कार्यालय परिसर और पॉलिसीक्यू इंश्योरेंस ब्रोकर ने विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ में एक नई शाखा के उद्घाटन के साथ अपनी पहुंच का विस्तार किया। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारीगणों ने बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री तपन सिंघल को उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया; तथा ग्लोबल आर्क कंसल्टेंसी सर्विसेज के कार्यालय और पोलिसीक्यू इंश्योरेंस ब्रोकर की लखनऊ में नई शाखा के उद्घाटन के लिए गर्मजोशी भरा स्वागत किया ।

तपन करिश्माई व्यक्तित्व वाले उद्योग जगत के अग्रणी नेता हैं। वह महान पारस्परिक कौशल वाले एक प्रेरक पूर्णतावादी और अत्यधिक रचनात्मक रणनीतिकार हैं। वह हमारे लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं और हम हमारे कार्यालय के उद्घाटन के लिए उनकी उपस्थिति के लिए आभारी हैं।

ग्लोबल आर्क का लखनऊ कार्यालय कृषि क्षेत्र के लिए सभी सहायक खासकर प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं प्रदान करेगा। ग्लोबल आर्क कृषि क्षेत्र में सहायक सेवाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पॉलीसीक्यू इंश्योरेंस ब्रोकर, व्यापक बीमा समाधान प्रदान करने वाला एक अग्रणी बीमा ब्रोकर, लखनऊ में अपनी नई शाखा खोलने की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है, जो व्यापक रूप से उपभोक्ताओं को बेजोड़ बीमा सेवाएं प्रदान करने के अपने मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रहा है। नई शाखा अपने संस्थापक सदस्यों के गहन अनुभव और विशेषज्ञता द्वारा समर्थित, इस क्षेत्र में एक प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

अनुभवी टीम के मेंटर (परामर्शदाता) बिशेश्वरी सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा अपनी लखनऊ शाखा के उद्घाटन के साथ, हमारा लक्ष्य बीमा उद्योग में नए मानक स्थापित करना है। हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को बीमा निर्णय लेने के लिए जानकारीपूर्ण आवश्यक ज्ञान और साधनों से सशक्त बनाना है, जिससे वह निश्चिन्त हो सके।

ग्लोबल आर्क के सह-संस्थापक अरविंद यादव ने बताया टीम आने वाले दिनों में नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए बेहद उत्साहित है। हम कृषि के क्षेत्र में सहायक सेवाओं का समर्थन करने के लिए प्रौद्योगिकी के सर्वोत्तम उपयोग के साथ अद्वितीय सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पोलिसीक्यू के सह-संस्थापकों में से एक, संजय वत्स ने विस्तार के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, लखनऊ में हमारी नई शाखा न केवल हमारी भौतिक उपस्थिति का विस्तार है, बल्कि व्यापक और विश्वसनीय बीमा सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

कांग्रेस के सरकार गिराने के रिकॉर्ड को 100 साल बाद भी कोई नहीं तोड़ पायेगाः अमित शाह

लखनऊ। दिल्ली के भारत मंडपम में बीजेपी के राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संबोधित करते हुए कहा कि, 'देश ने तय कर लिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से देश के पीएम बनेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है।'

आज दुनिया में कहीं भी जाओगे तो लोग पूछेंगे कि मोदी के भारत से आ रहे हो। 75 वर्ष में इस देश ने 17 लोकसभा चुनाव, 22 सरकारें और 15 प्रधानमंत्री देखे हैं। देश में हर सरकार ने अपने समय पर समयानुकूल विकास करने का प्रयास किया है, लेकिन आज बिना किसी कन्फ्यूजन के कहा जा सकता है कि समग्र विकास, हर क्षेत्र का विकास और हर व्यक्ति का विकास करने का काम केवल नरेंद्र मोदी जी के 10 वर्षों में हुआ है।

मोदी जी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में परिवारवाद, जातिवाद, तुष्टीकरण को खत्म कर देश के अंदर 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' की स्थापना की है। देश के प्रतीकों पर अंग्रेजों की गुलामी की जितनी भी निशानियां थीं, उन्हें धीरे-धीरे हटाने का काम किया है। भारतीय राजनीति के चाणक्य शाह ने इसके अलावा कहा की इन कार्यों को आजादी के तुरंत बाद किया जाना चाहिए था। हालांकि कांग्रेस ने कभी भी यह करने की कोशिश नहीं की।

लखनऊ के अपोलोमेडिक्स अस्पताल में 81 वर्षीय मरीज की जान बची

लखनऊ। चिकित्सा उपचार को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति में, अपोलोमेडिक्स अस्पताल लखनऊ में डॉ. विजयंत देवेनराज और टीम ने महाधमनी विच्छेदन या एऑर्टिक डिसेक्शन से पीड़ित 81 वर्षीय रोगी को बचाने के लिए एक अभूतपूर्व सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। वाराणसी के रहने वाले 81 वर्षीय पुरुष ओम प्रकाश कई वर्षों से उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित थे। उनकी तबीयत तब अचानक खराब होने लगी और उन्होंने सीने में तेज दर्द की शिकायत की और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। किसी को भी जरा भी अंदाजा नहीं था कि यह उनके लिए जानलेवा अग्निपरीक्षा की शुरुआत है। वाराणसी के एक अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों को पता चला कि ओम प्रकाश को टाइप ए एऑर्टिक डिसेक्शन (यह एक गंभीर स्थिति जिसमें मुख्य धमनी (आर्टरी) प्रभावित होती है) के साथ-साथ गंभीर एऑर्टिक रिगरजिटेशन का सामना करना पड़ा था। यह स्थिति एक तात्कालिक खतरा उत्पन्न करती है क्योंकि रोगी किसी भी समय ऐसी स्थिति में पहुंच सकता है, जहां उसे बचाना संभव न हो। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, उन्हें

अपोलोमेडिक्स अस्पताल में आपातकालीन इलाज के लिए लखनऊ स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। अपोलोमेडिक्स लखनऊ पहुंचने पर ओम प्रकाश का एओर्टोग्राम और कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई, जिसमें उनके एऑर्टिक डिसेक्शन की स्थिति और सीमा और उनके मस्तिष्क, नसों, बाएं हाथ और पैरों सहित उनके शरीर के विभिन्न हिस्सों पर इसके प्रभाव का आकलन करना शामिल था। परिणाम चिंताजनक थे, क्योंकि यह पाया गया कि एऑर्टिक डिसेक्शन में उनकी एक किडनी भी शामिल थी। स्थिति की गंभीरता बता रही थी कि सर्जरी की मांग की जाए। आईसीयू में स्थिर होने के बावजूद, रोगियों की स्थिति तेजी से बिगड़ने लगी और हार्ट फेल्योर के लक्षण प्रकट होने लगे। डॉ. विजयंत के नेतृत्व में सीटीवीएस टीम ने बिना समय बर्बाद किए एक इमरजेंसी ऑपरेशन करने का फैसला लिया।

यह ऑपरेशन, रात 9 बजे से सुबह 3 बजे तक चला, इसमें प्रक्रियाओं की एक जटिल श्रृंखला शामिल थी। डॉ विजयंत ने जटिल बेंटॉल प्रक्रिया का प्रदर्शन किया, एक सर्जिकल तकनीक जिसमें महाधमनी वाल्व, आरोही महाधमनी, महाधमनी जड़ और दोनों कोरोनरी धमनियों को बदला जाता है। यह प्रक्रिया अधिक जटिल थी क्योंकि मुख्य आर्टरी दो लुमेन में विच्छेदित हो चुकी थी, जिसमें नाजुक सूजन वाले ऊतक थे और बहुत अधिक रक्तस्राव हुआ था। यह जटिल सर्जरी छह कठिन घंटों तक चली, यह एक तरह से सर्जिकल टीम के साथ-साथ कार्डियक एनेस्थीसिया टीम के कौशल और सहनशक्ति का परीक्षण ही था।

लुइस फिलिप ने आकर्षक 'रॉयल इंडियन वेडिंग' कलेक्शन लॉन्च किया

वाराणसी। लुइस फिलिप, आदित्य बिरला फैशल एण्ड रिटेल लिमिटेड के घराने से भारत के अग्रणी प्रीमियम मेन्सवियर ब्राण्ड, ने अपनी नई पेशकश 'द रॉयल इंडियन वेडिंग' कलेक्शन को पेश किया है। यह कलेक्शन लग्जरी और जादुई अहसास का जश्न है। इस खास रेंज को खूबसूरती से डिजाइन किया गया है, ताकि हर दूल्हा अपनी शादी के खास दिन राजसी लगे। यह कलेक्शन सदाबहार खूबसूरती और कंटेम्परेरी डिजाइन का प्रतीक है। लुइस फिलिप की सीओओ फरीदा कालियादान ने कहा, 'शादियों का खुशियों से भरा सीजन पूरे शबाब पर है और हम रॉयल इंडियन वेडिंग कलेक्शन को लॉन्च कर उत्साहित हैं। यह दूल्हों को उनकी शादी के खास दिन वाकई राजसी होने का एहसास देगा। हर पीस को सावधानी से तैयार किया गया है, ताकि पहनने वाले को राजसी अनुभव मिले। इस कलेक्शन के साथ, लुइस फिलिप ने शादियों के परिधानों के लिये पसंदीदा ब्राण्ड के तौर पर अपनी स्थिति को मजबूत किया है। यह कलेक्शन बेमिसाल गुणवत्ता और डिजाइन की पेशकश करता है।''

लुइस फिलिप का 'द रॉयल इंडियन वेडिंग' कलेक्शन प्री-वेडिंग फोटोशूट से लेकर भव्य रिसेप्शन समारोह तक, शादी के हर खास पल की जरूरतों को पूरा करता है। इस कलेक्शन में आकर्षक थ्री-पीस सूट, मंत्रमुग्ध करने वाली बंडी, खूबसूरत बंदगला और सजीले टक्सेडो हैं। इन्हें खास स्टाइल वाले किनारों के साथ रिच ब्लैक टोन्स में बिना किसी गलती के तैयार किया गया है। कलेक्शन में छुपी हुई जेबों और जड़ित कॉलर्स वाली साटन शर्ट भी हैं। इन्हें उत्कृष्ट रॉ मटेरियल्स से बनाया गया है और इसमें तरह-तरह के रंगों के परिधान हैं, जैसे कि ब्लू, मरून, वाइन और टील जैसे बेहतरीन ज्वेल टोन्स शामिल हैं। और क्रीम तथा क्वार्ट्ज पिंक जैसे हल्के रंग भी हैं, जो किसी भी मौके को जादुई रंगत देते हैं।

एयर एशिया ने लॉन्च किया आईएनआर 0* बेस फेयर के साथ अपना सिग्नेचर बिग सेल कैंपेन

लखनऊ। एयर एशिया ने आज भारत के कई शहरों से कुआलालम्पुर, बैंकॉक एवं कई अन्य गंतव्यों के लिए आईएनआर0* बेस फेयर सीट्स के साथ अपने बिग सेल कैंपेन का लॉन्च किया है। अब आप विशाखापटनम, जयपुर, त्रिवेन्द्रम, अहमदाबाद सहित कई शहरों से मलेशिया- कुआलालम्पुर की उड़ान लेकर इस बेहतरीन गंतव्य का अनुभव पा सकते हैं। और अगर आप बैंकॉक जाना चाहते हैं, तो भी एयर एशिया ने आपको कवर किया है। आप सीट के लिए नो कोस्ट* पर सीधे लखनऊ, गुवाहाटी से उड़ान ले सकते हैं। कंपनी कुआलालम्पर से मलेशिया के सैंकड़ों गंतव्यों के लिए भी आईएनआर0* सीट्स का ऑफर लेकर आई है, तो अब लैंगकावी के समुद्रतटीय द्वीपों, कोटा किनाबालु के पहाड़ों और खूबसूरत बाली की यात्रा का यादगार अनुभव पाने के लिए तैयार हो जाएं! एयरलाईन किफ़ायती एवं सुलभ फ्लाई-थ्रू विकल्प भी लेकर आई है, जहां भारत से मलेशिया जाने वाले मेहमान कनेक्टिंग हब कुआलालम्पुर होते हुए 22 देशों के

130 से अधिक गंतव्यों के लिए एयर एशिया की उड़ान ले सकते हैं। एयर एशिया एविएशन ग्रुप के ग्रुप चीफ़ एक्ज़क्टिव ऑफिसर बो लिंगम ने कहा, ''पीपल्स एयरलाईन' बनने के दृष्टिकोण के साथ हम अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से मेहमानों को उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करते रहे हैं, हम हमेशा से अपने सिगनेचर बिग सेल कैंपेन के साथ वैल्यू-एडेड डील्स लेकर आते हैं। इन प्रयासों के माध्यम से हम देश भर में हमारे मेहमानों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने पिछले सालों के दौरान हमें सहयोग प्रदान किया है और हम तकरीबन 1 बिलियन से अधिक मेहमानों को अपनी सेवाएं प्रदान करने का जश्न मना रहे हैं। खुशी की बात यह है कि ये आंकड़े लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं।'' ''भारत के इन बेहतीन शहरों से मेहमान कुआलालम्पुर की यात्रा कर सकते हैं और हमारी लोकप्रिय फ्लाई-थ्रू सर्विसेज़ के माध्यम से मलेशिया एवं अन्य गंतव्यों का यादगार अनुभव पा सकते हैं। वे लोग जो एडवेंचर का अनुभव पाना चाहते हैं या खूबसूरत कुआलालम्पुर घूमना चाहते हैं, उनके लिए सुनहरा मौका है, आज ही आईएनआर0* सीट्स पर अपनी उड़ान की बुकिंग कीजिए।'' कैंपेन की अवधि के दौरान 1 सितम्बर 2024 से 18 जून 2025 के बीच यात्रा के लिए सीटें बुक की जा सकती हैं। अपनी सीटों की बुकिंग के लिए एयर एशिया ऐप www.airasia.com पर विज़िट करें और यात्रा की योजना बनाएं!

अंतर्राज्जीय स्तर पर ठगी करने वाले चार साइबर ठग पुलिस के हत्थे चढ़े, सात लाख रुपए बरामद

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। देश विदेश भेजने के नाम पर अंतर्राज्जीय स्तर पर ठगी करने वाले साइबर गैंग का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस इन ठगों के पास से सात लाख रुपए नगद वह कूटरचित कर तैयार किए गए फर्जी दस्तावेज व भारी मात्रा में उपकरण बरामद किया है। गैंग का खुलासा करने में कसया पुलिस, स्वाट व सर्विलांस टीम शामिल रही।

मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान एसपी धवल जायसवाल ने साइबर ठगी गैंग का खुलासा करते हुए बताया कि जनपद व आस-पास के क्षेत्रो के रहने वाले भोले-भाले लोगो को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जीवाड़े कर कुटरचित दस्तावेज तैयार कर उनके साथ छलकपट कर धनउगाही करने वाले गिरोह के चार अभियुक्त

विदेश भेजने के नाम पर लोगों से करते थे ठगी

पुलिस के हत्थे चढ़े। पकड़े गए अभियुक्तों में मुकेश रावत उर्फ रंजन कुमार सिंह पुत्र मदन रावत निवासी त्रिलोकपुर थाना उचका गांव जिला गोपालगंज बिहार, प्रिन्स कुमार उर्फ सुल्तान दुर्रानी पुत्र उमाशंकर पटेल निवासी अन्ना चौराहा थाना चकेरी जनपद कानपुर नगर, मंतोष तिवारी पुत्र सीताराम तिवारी निवासी अभिनायकपुर थाना कसया जनपद कुशीनगर व संजीत गुप्ता पुत्र भकोल गुप्ता निवासी पाण्डेय बरदहा थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तगण के पास से सात लाख दो हजार रूपये नगद व अपराध में प्रयुक्त तीन लैपटाप भिन्न, 13 मोबाईल आईफोन सहित, 22 बन्धक पासपोर्ट, 40 कुटरचित मुहरे (सरकारी व गैर सरकारी), 25 फर्जी कुटरचित आधार कार्ड, अपराध में प्रयुक्त 39 फर्जी सिम कार्ड, 68 कुटरचित एग्रीमेन्ट लेटर सम्बन्धित केन्या राष्ट्र, 23 आफर लेटर भिन्न भिन्न विदेशी कंपनीयो के

नार्थन टूर एण्ट ट्रैवेल्स एजेन्सी की आड़ में लोगों से करते थे ठगी

गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि हम लोग नार्थन टूर एण्ट ट्रैवेल्स एजेन्सी की आड़ में जो सैकडो भोले-भाले लोगो को विदेश भेजने के नाम पर फर्जी व धोखाधडी से हवाई टिकट कूटरचना कर उपलब्ध करा देते थे तथा अपने नार्थन टूर एण्ट ट्रैवेल्स एजेन्सी नाम से स्थापित संस्थान के कार्यालय में स्थापित किये गये इलेक्ट्रानिक सिस्टम से आनलाईन पेन सिग्नेचर गुगल बेवसाईट से साईट से भिन्न- भिन्न देशो जैसे कुवैत, उज्बेकिस्तान, कतर, सउदी अरब, कम्बोडिया, मलेशिया, हांकांग, इजिप्ट, केन्या आदि के अन्तर्गत स्थित भिन्न-भिन्न कम्पनियों के सर्विस आफर लेटर को हैकर तथा कम्पनी के विभागध्यक्षो के नाम व हस्ताक्षर को अपने इलेक्ट्रानिक सिस्टम में एमएस वर्ड व एमएस एक्सेल में सिफ्ट कर कूटरचित दस्तावेजो को निकालकर तथा मौजूद कूटरचित मुहरो की सहायता से स्वफर्जी हस्ताक्षरित कर भोले भाले लोगो को धोखाधडी से उक्त कागजात उपलब्ध करा देते है तथा उनसे मोटी रकम ले लेते है तथा इन भोले-भाले लोगो का स्वास्थ्य का फिटनेश सर्टीफिकेट भी अपनी मर्जी से फर्जीवाडा कर तथा इनसे अलग से हजारो रूपये वसूलकर कूटरचित दस्तावेजो का भी इस्तेमाल कर फिटनेस सर्टीफिकेट कुशीनगर व गोरखपुर में स्थित भिन्न-भिन्न संस्थानो जैसे- शंकर पैथोलाजी एण्ड एक्सरे सेन्टर कसया कुशीनगर, वीजन इमैजिन एण्ड डाईग्नेस्टिक सेन्टर गोरखपुर के कुछ व्यक्तियों के मिलीभगत से भोले भाले लोगो से ज्यादा मात्रा में पैसा वसूलते है तथा इनको छल कर उनमें से भी आधा पैसा उसके बिना जानकारी के आपस में बाट लेते है एवं इनको दिल्ली मुंम्बई आदि एयरपोर्टो में भेजकर विदेश जाने के लिए भेजे देते है। इन भोले भाले लोगो को तब पता लगता है कि यह एयर टिकट व बीजा कागजात व आफरिंग लेटर फर्जी है तथा निराश होकर मन मारकर वापस आ जाते है।

(कुटरचित) व 23 भिन्न भिन्न मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट कुटरचित मोहर व हस्ताक्षर सहित, फर्जीवाड़े में प्रयुक्त दो मानीटर, एक सीपीयू, एक किबोर्ड, एक बण्डल फर्जीवाड़े के हिसाब किताब के रजिस्टर, 87 जाब आफर लेटर केन्या का, 16 रिज्यूम लेटर तथा उक्त अपराधिक कृत्य में अपराध हेतु प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल बरामद किया गया।

एनएसएस ने चलाया सफाई अभियान

अमेठी अवधनामा संवाददाता। नगर स्थित रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेविकाओं एवं कार्यक्रमाधिकारियों द्वारा मंगलवार को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय प्रांगण में साफ-सफाई करते हुए इधर-उधर बिखरे हुए सूखे कूड़े को एक स्थान पर एकत्रित किया गया।परिसर में अनावश्यक उगी हुई घासो की कटिंग भी की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो पी के श्रीवास्तव ने बताया कि शासन द्वारा हमारे महाविद्यालय को जो भी निर्देश एवं लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं उसका अनुपालन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा बहुत ही अच्छे ढंग से किया जाता है। इस स्वच्छता कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ पवन कुमार पांडेय डॉ सुधीर सिंह स्वयंसेवक सेविकाओं ने सहयोग किया।

संपूर्ण समाधान दिवस पर 60 मामले, निस्तारण शून्य

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। मंगलवार को सहजनवा तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता अपर आयुक्त न्यायिक हरिओम शर्मा ने किया। इस दौरान 60 मामले आए थे। लेकिन किसी भी मामले का निस्तारण नही हो पाया। राजस्व 41, पुलिस 6, विकास 5 समाज कल्याण 1, अन्य 7 मामले आए थे। राजस्व संबंधित मामले के निस्ताफ़ के लिया राजस्व टीम गठित किया गया है। वही पुलिस के मामले की जांच कर कारवाई करने का निर्देश दिया गया है। इस दौरान उपजिलाधिकारी कुंवर सचिन सिंह, तहसीलदार राकेश कन्नौजिया, नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया, नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह, बीडीओ बृजेश यादव कानूनगो सतीश कुमार त्रिपाठी, सहित अनेक विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण करें निस्तारण : डीएम

अमेठी अवधनामा संवाददाता। जनपद की चारों तहसीलों में मंगलवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में तहसील गौरीगंज में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि संपूर्ण समाधान दिवस में समय से आकर जन समस्याएं सुनें तथा उनका निस्तारण कराना सुनिश्चित करें इसमें लापरवाही किए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा इलामारन जी ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। आज तहसील गौरीगंज में कुल 38 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया।तहसील मुसाफिरखाना में 46 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 02 का निस्तारण किया गया तहसील तिलोई में 18 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 02 का निस्तारण किया गया तथा तहसील अमेठी में 110 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

सहकारिता के कार्यकर्ताओं ने भरा हुंकार फिर एक बार मोदी सरकार

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी सहकारिता प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं की बैठक देवरिया-कसया सहकारी बैंक के सभागार में हुई। जिसमें लोकसभा चुनाव के लिये विभिन्न विषयों पर रणनीति तैयार किया। बैठक को सम्बोधित करते हुये उत्तर प्रदेश भूमि विकास बैंक के चेयरमैन, भाजपा जिला प्रभारी संतराज यादव ने कहा कि देश और देश से सहकारिता को खण्डित करने का काम किया तथा आज भी देश को खंडित करने वालो के साथ इंडी गठबन्धन बनाकर गलबहियां कर रहे है। इससे हमको देश को बचाना है तो फिर एक बार मोदी सरकार बनाना है।

भाजपा की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किया है। सहकारिता में और मजबूती आये इसके लिये फिर एक बार सरकार बनाना है। इसके लिये हर कमजोर बूथ पर एक-एक लोगों को लगाया गया है,वे लोग उन बूथों पर लोगों से सम्पर्क कर बूथ को जीतने का काम करेंगे। आप सभी अपने मोबाइल में नमो ऐप डाऊनलोड करें और कम से कम दस लोगों को डाऊनलोड कराये तथा विकसित भारत का ब्रांड एम्बेसडर बनाये। वोटर लिस्ट के एक-एक पन्ने को अपने जिम्मे लेकर पन्ना प्रमुख भी बनने का काम आपको करना है और फिर एक बार मोदी सरकार बनने तक चुप नही बैठना है। सहकारिता प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक, पूर्व चेयरमैन सहकारी बैंक ओमप्रकाश मौर्या ने कहा कि लखनऊ में सहकारिता के कार्यकर्ताओं का बहुत बड़ा सम्मेलन होने वाला है जिसे केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह सम्बोधित करेंगे। इसमें देवरिया की भागीदारी सबसे अधिक हो इसके लिये आप सभी अभी से तैयारी करें। सम्मेलन की तिथि जल्द ही आप सभी को बता दिया जायेगा।

कार्यदायित्व निर्वहन में लापरवाही बरतने पर लेखपाल निलंबित

देवरिया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा की उपस्थिति में आज बरहज तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 23 प्रार्थना पत्र आये जिसमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया। सर्वाधिक 11 प्रकरण राजस्व विभाग से संबंधित रहे। ग्राम बढ़या हरदो निवासी संजीव यादव पुत्र रामायण ने सरकारी भूमि पर हरे पेड़ की अवैध कटाई में लेखपाल की संदिग्ध भूमिका की शिकायत की और मौके की तस्वीर दिखाई। जिलाधिकारी ने प्रथमदृष्टया शिकायत को सही पाया और मौके पर ही लेखपाल चंद्रशेखर को निलंबित करने का निर्देश दिया। नन्दना वार्ड निवासी रामायण पुत्र विजयी ने दाखिल-खारिज से जुड़े प्रकरण में तहसील में सक्रिय प्राइवेट व्यक्ति राजेश द्वारा रिश्वत मांगने का आरोप लगाया। जिलाधिकारी ने प्रकरण को गंभीरतापूर्वक लेते हुए आरोपी व्यक्ति को जांच के लिए थाने भेजने का निर्देश दिया।

अपर आयुक्त न्यायिक ने किया निरीक्षण

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। मंगलवार को अपर आयुक्त न्यायिक हरिओम शर्मा ने सहजनवा तहसील में स्थित आधा दर्जन के अधिक कार्यालय का निरीक्षण किए। निरीक्षक के दौरान आपूर्ति विभाग का कार्यालय बंद मिला। जिस पर काफी नाराजगी दिखाते हुए मौजूद लिपिक को जमकर फटकार लगाई। उपजिलाधिकारी और तहसीलदार कोर्ट का निरीक्षण करते हुए लम्बित फाइलों को देखे। और उसे समय से निस्तारण कराने का निर्देश दिए। भूलेख कार्यालय में जाकर सर्विस रजिस्टर, तैनात लेखपालों की सूची,लेखा जोखा रजिस्टर को देखने के बाद आरके बाबू को निर्देश दिए की जीफीएफ का को पैसा कटता है। उसे अगले वित्तीय वर्ष में ब्याज सहित अंकित करे। संग्रह अनुभाग,रिकार्ड रूम,मतदाता पंजीकरण केंद्र का भी जांच किए। और निर्देश दिए की जो भी फाइल है। उसे सुरक्षित रखे। उपनिबंधक कार्यालय में बैनामे के दौरान लगे स्टैम्प पेपर के बारे में जानकारी ली। इस दौरान तहसीलदार राकेश कन्नौजिया, नायब तहसीलदार भान प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया, आरके पीयूष श्रीवास्तव मौजूद थे।

प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में पारदर्शिता बरतें अधिकारी : डीएम

निस्तारण में लापरवाह लेखपाल व राजस्व निरीक्षक रामकोला पर गिरी गाज

अवधनामा ब्यूरो

कप्तानगंज तहसील में फरियाद सुनते डीएम व एसपी

कुशीनगर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल की उपस्थिति में मंगलवार को तहसील कप्तानगंज के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि तहसील दिवस के प्रार्थना पत्रों को ग्राम पंचायतों में जाकर अधिकारी/कर्मचारी स्वयं संज्ञान लेते हुए निस्तारण करें तथा ऐसे मामले जिनके निस्तारण में व्यवधान हो उनके सम्बन्ध में अपने उच्च अधिकारियों को अवश्य अवगत कराएं तथा दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास करें। प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में संवेदनशील रहे।

प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में लापरवाही क्षम्य नही होगी इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे। इसी क्रम में मनोज यादव पुत्र बद्री यादव निवासी सेमरा द्वारा ग्राम सभा की भूमि गाटा संख्या 120 तथा 121 पर अवैध अतिक्रमण तथा अवैध कब्जादारों के खिलाफ अभी तक उ0प्र0 राजस्व संहिता की धारा 67 की कार्यवाही लेखपाल द्वारा नहीं किए जाने और पूर्व में दिए प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने की शिकायत की गई जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी प्रकट की गई तथा उप जिलाधिकारी कप्तानगंज को लेखपाल अजय राव हल्का सेमरा के विरुद्ध चेतावनी पत्र जारी करने तथा कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रार्थी बन्हुई देवी पत्नी रामाश्रय बनाम महेंद्र पुत्र रामप्यारे आदि निवासी पकड़ी बंतीर उर्फ सौनहा उ0प्र0 राजस्व संहिता धारा 32/38 के अंतर्गत दर्ज जुलाई 2023 में वाद को विगत लगभग चार-पांच महीने पूर्व में वाद पत्रावली प्राप्ति के उपरांत भी राजस्व निरीक्षक राकेश लाल श्रीवास्तव रा0नि0 क्षेत्र रामकोला द्वारा अभी तक रिपोर्ट नहीं लगाने की शिकायत पर जिलाधिकारी द्वारा अत्यंत रोष व्यक्त किया गया तथा रा0नि0 द्वारा कार्यो में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने, काफी लंबे समय तक वाद पत्रावली अपने पास रखने और रिपोर्ट नहीं लगाने पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी कप्तानगंज को निर्देशित किया कि रा0नि0 राकेश लाल श्रीवास्तव के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु संस्तुति पत्रावली प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा की कोई भी कानूनगो और लेखपाल अपने हल्के में उच्च अधिकारियों के बिना आदेश के कदापि पैमाईश न करें। विवादों को निस्तारित करने के प्रयास करें न कि उसे और विवादास्पद करें। आबादी की भूमि पर भी पैमाईश न करें।

ज्यादातर मामले राजस्व में पैमाईश से संबंधित होते है इसलिए राजस्व वादों के निस्तारण में सभी अधिकारी/कर्मचारी सजगता व संवेदनशीलता बरतें और गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने का प्रयास करें।

50 शिकायती पत्रों में से मात्र 5 का निस्तारण

आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 50 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से राजस्व विभाग के 32 में से 5 को तत्काल निस्तारित कराया गया, पुलिस विभाग से संबंधित 7, विकास विभाग से संबंधित 2, शिक्षा विभाग के 2 तथा अन्य विभाग के 7 प्रार्थना पत्र आए। इस प्रकार कुल 50 में से 5 प्रार्थना पत्र का निस्तारण तत्काल एवं अवशेष 45 प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग को समया अंतर्गत निस्तारण के निर्देश के साथ सौंपा गया।

पेयजल व जल जनित बीमारियों से बचाव हेतु लोगों को जागरूक करेंगी निगम की टीम

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। राज्य पेयजल स्वच्छता मिशन, नमामि गंगे ग्रामीण जलापूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश व जल जीवन मिशन हर घर जल के अंतर्गत जनपद कुशीनगर में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न किया गया। प्रशिक्षण में समस्त ग्राम पंचायतों में पेयजल स्रोतों के फील्ड टेस्ट किट द्वारा जल गुणवत्ता की जांच हेतु चयनित पानी समिति की महिलाओं को जल जनित बीमारियों के कारण एवं निवारण तथा जल गुणवत्ता की जांच कर भारत सरकार के वॉटर क्वालिटी मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम पोर्टल पर अपलोड करने एवं जागरूकता हेतु जल गुणवत्ता विशेषज्ञ परिषद को तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया जो कि प्रतिक्षण प्राप्त करने के बाद जनपद के समस्त ग्राम पंचायत में जाकर सुरक्षित पेयजल एवं जल जनित बीमारियों के बचाव हेतु जन समुदाय को जागरूक करेंगे। इस मौके पर अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण पंकज कुमार, आईएसए कोऑर्डिनेटर डीपीएमओ मोहम्मद सफी, कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक व लैब इंचार्ज प्रभात कुमार, प्रशिक्षक आलोक तिवारी, त्यागी, राजेश्वरी त्रिपाठी, संजय कुशवाहा, कमलेश सिंह, जयराम यादव, डीपीसी अंकुश सिंह, एडीपीसी मानवेंद्र सिंह, विवेक सिंह, हरिओम सिंह, राकेश सिंह आदि मौजूद रहे।

22 को देवरिया आयेंगे केशव प्रसाद मौर्या

देवरिया अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या 22 फरवरी को देवरिया के भाटपार रानी विकास खंड के बेलपार में निर्माणाधीन आवासीय एवं अनावासीय भवनों के शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रातः 10:30 बजे पहुंचेंगे, तत्पश्चात 11:35 पर हेलीकॉप्टर द्वारा देवरिया पुलिस लाइन आएंगे और लगभग 12 बजे औरा चौरी स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे उसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में शामिल होंगे तथा समीक्षा बैठक के उपरांत प्रेस वार्ता करेंगे तदोपरांत जनपद की विकासशील एवम निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे। जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने उप मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के निमित्त पार्टी कार्यालय पर पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि उप मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। बैठक में जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, महामंत्री श्रीनिवास मणि, प्रमोद शाही, अरविंद पांडे, पवन मिश्रा, सतेंद्र मणि, निर्मला गौतम, भगवान यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यूपी बोर्ड परीक्षा : तीन सुपर और छह जोनल मजिस्ट्रेट करेंगे निगरानी

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी में जिला प्रशासन पूरी तरह से कर लिया है। कल 22 फरवरी से शुरू हो रही परीक्षा को शुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए केंद्रों को छह जोन और 29 सेक्टर में बांटा गया है। इसके अलावा तीन सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। हर केंद्र पर एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों का लाइव टेलिकास्ट किया जाएगा। इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है।

जिले में संचालित 361 विद्यालयों में 22 राजकीय, 55 वित्तपोषित और 284 स्व वित्तपोषित हैं। वर्ष 2024 की बोर्ड परीक्षा के लिए 112760 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। इनमें

परीक्षा के मद्देनजर जिले को छह जोन व 29 सेक्टरो में बांटा गया

हाईस्कूल में 61496 और इंटर के 51264 परीक्षार्थी शामिल हैं। 150 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। नकलविहीन परीक्षा के लिए जिले को छह जोन और 29 सेक्टर में बांटा गया है। डीआईओएस रविंद्र सिंह ने बताया कि जिले में आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा कड़ी निगरानी के बीच होगी। एडीएम वैभव मिश्र, कसया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अंकित जैन और पीडी जगदीश त्रिपाठी को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। इनके अलावा सभी एसडीएम अपने क्षेत्र के जोनल मजिस्ट्रेट होंगे। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर जिले को 29 सेक्टर में बांटा गया है। इसकी जिम्मेदारी जिला स्तरीय अधिकारियों के अलावा तहसील और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को दी गई है। सभी परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष के अलावा जिला प्रशासन की तरफ से एक-एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा की जिला, मंडल और मुख्यालय स्तर से ऑनलाइन निगरानी भी की जाएगी। डीआईओएस ने बताया कि उनके कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। यहां 15 कंप्यूटर लगाए जा रहे हैं। एक कंप्यूटर पर दस-दस परीक्षा केंद्रों की लाइव निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। परीक्षा तिथि से पूर्व इससे संबंधित सभी अधूरी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

एनओसी की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर। गीडा प्रशासन द्वारा धारा 80 के प्रकरण में एनओसी न दिए जाने से परेशान जनता को देखते हुए तहसील बार एसोशिएसन अध्यक्ष केके त्रिपाठी और बार मंत्री राधवेंद्र सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने अपर आयुक्त न्यायिक हरिओम शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है की धारा 80 के संबंध में जो पत्रावली दाखिल किया जा रहा है। किसी भी पत्रावली पर गीडा प्रशासन द्वारा एनओसी नही दिया जा रहा है।जिससे जनता काफी परेशान है। एनओसी न देने का गीडा के पास कोई शासनादेश भी नही है। गीडा तानाशाही कर रहा है और स्पष्ट जवाब भी नही दिया जा रहा है। ज्ञापन सौंपने वालो में सुरेश चंद गोंड, संतोष केसरी, इंद्रेश कुमार गोंड, बालिकरन, सत्यबीर, अभिषेक श्रीवास्तव, सतीश कन्नौजिया, राम नारायन, राम आशीष सिंह, रमेश कुमार कन्नौजिया, सुग्रीव यादव मौजूद थे।

सीएमओ ने स्वास्थ्य कर्मियों का बढ़ाया हौसला

कायाकल्प अवार्ड मिलने पर प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

देवरिया अवधनामा संवाददाता। शहरी क्षेत्र के तीन स्वास्थ्य केंद्रों के कायाकल्प अवार्ड मिलने वाले स्वास्थ्य कर्मियों सहित डीपीएमयू के कर्मचारियों को मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ राजेश झा ने मंगवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनका हौसला बढ़ाया। सीएमओ ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में और बेहतर सेवा देने का पाठ पढ़ाया। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजेश झा न कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामनाथ, सोमनाथ और चकीयवा को 2021-22 और 2022-23 में कायाकल्प अवार्ड मिला है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी सीएचसी व पीएचसी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचेंगी। जिसके लिए मैं पूरी तरीके से संकल्पित हूं। उन्होंने सभी अधिकारी, कर्मचारी व लिपिकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लोग अपनी जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक निभाते हुए लोगों को पारदर्शी तरीके से स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र को एनक्वास के लिए भी सुदृढ़ करें। कार्यक्रम में एसीएमओ डॉ संजय गुप्ता, एसीएमओ डॉ संजय चंद, डीटीओ डॉ सुरेंद्र कुमार चौधरी, डॉ आरपी यादव, लालबचन चौधरी, राजेश, अभिषेक, डीपीएम पूनम, डीसीपीएम राजेश गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा निरस्त कराने को लेकर छात्र नेताओं ने सौंपा ज्ञापन

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। बीते दिनों सम्पन्न हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में धांधली तथा पेपर लीक होने का आरोप लगाते हुए भर्ती परीक्षा को निरस्त करने की मांग को लेकर छात्र नेताओं ने उदित नारायण डिग्री कॉलेज छात्रसंघ उपाध्यक्ष राम लखन यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। विदित हो कि बीते 17 व 18 फरवरी को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा सम्पन्न हुई, जिसमें कई जगहों पर धांधली व पेपर लीक होने का मामला भी सामने आया है। पुलिस भर्ती परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुए छात्र नेता राम लखन यादव के नेतृत्व में अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री के नाम से जिलाधिकारी कुशीनगर को ज्ञापन सौंपकर भर्ती परीक्षा को निरस्त कराने की मांग किया। इस दौरान राम लखन ने कहा कि भर्ती परीक्षा में हुई भयंकर धांधली और परीक्षा पेपर लीक हो जाने के चलते छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। ऐसे में प्रतियोगी छात्र उनके सपने और मेहनत पर पानी फिर गया है। पारदर्शी परीक्षा न होने के कारण छात्र सदमे में है इनका भविष्य अंधकारमय में हो गया है, ऐसे में सभी छात्रों की तरफ से मांग करते हैं कि उपरोक्त लिखित बिंदुओं पर ध्यान देते हुए परीक्षा को निरस्त किया जाए।

डीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

अवधनामा संवाददाता

- शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश
- राशन कार्ड की अधिक शिकायतें आने पर आपूर्ति निरीक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही के दिये निर्देश

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तहसील तिलहर में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न हुआ। जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की शिकायतों व समस्याओं को सुना तथा उनका गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण निर्धारित समयावधि में सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। तहसील तिलहर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 75 शिकायतें प्राप्त हुयी, जिसमें से 6 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। जिलाधिकारी ने शेष प्रकरणों को समय निस्तारण करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्यतः राजस्व, आपूर्ति, पुलिस, कृषि विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, समाज कल्याण, कृषि आदि विभागों से संबंधित प्रकरण प्राप्त हुए। राशन कार्ड सम्बन्धित अधिक शिकायतें प्राप्त होने पर आपूर्ति निरीक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश जिला पूर्ति अधिकारी को दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर प्रभावी समाधान किया जाना शासन की प्राथमिकता है, जिसके क्रम में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। किसी भी दशा में पात्रों को योजनाओं से बंचित नही किया जायेगा। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा, डीएफओ प्रखर गुप्ता, उप जिलाधिकारी तिलहर अंजलि गंगवार, जिला विकास अधिकारी पवन कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डी.आर. डी.ए. अवधेश राम, जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर, तहसीदार तिलहर जेपी यादव, डीएसओ ओम हरी उपाध्याय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुवायाँ पुलिस ने अवैध शस्त्र मय करतूस के साथ अपराधी को किया गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। मंगलवार को थाना पुवायाँ को जरिये मुखबिर खास सूचना मिली कि एक अमित नाम का व्यक्ति है नवाबपुर गंगा गाँव मे उसके पास नाजायज असलहा है उस असलहा से वह अपने पिता की हत्या फिराक मे घूम रहा है अगर जल्दी की जाये तो वह पकडा जा सकता है मुखबिर की सूचना पर नवाबपुर गंगा पुल से जिगनिया मुजफ्ता की तरफ करीब 400 कदम की दूरी पर सडक पुख्ता पर एक व्यक्ति को पकड लिया पकडे हुए व्यक्ति से नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली तो इस व्यक्ति ने अपना नाम अमित पुत्र राजकुमार नवाबपुर गंगा थाना पुवायाँ जिला शाहजहाँपुर बताया जामा तलाशी से इस व्यक्ति के पैंट की बायी फैट मे घुरसा एक अदद तमंचा नाजायज 315 बोर बरामद हुआ तथा इसी व्यक्ति की पहनी पैट की दाहिनी जेब से एक अदद कारतूस 315 बोर बरामद हुआ इस बरामद तमंचा कारतूस के बारे मे लाईसेंस तलब किया गया तो दिखा नही पाया तथा गलती की माफी मागने लगा अभियुक्त के खिलाफ धारा 3/25 की कारवाई करते हुए न्यायालय के सामने पेश किया गया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया।

22 फरवरी से शुरू होगी यू0पी0 बोर्ड की परीक्षा

सुल्तानपुर/प्रयागराज। 22 फरवरी से 9 मार्च तक यूपी बोर्ड की परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। 22 फरवरी से 10वीं और 12वीं की परीक्षा प्रारंभ हो रही है। 55 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे है।प्रदेश में 8265 परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड परीक्षा आयोजित की जायेगी।परीक्षा में 2 लाख 75 हजार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।बोर्ड परीक्षा की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बन गया है।कॉपियां सुरक्षित रखने के लिए हर जिले में स्ट्रॉन्ग रूम की स्थापना की गई है। क्यूआरकोड और क्रमांक युक्त कॉपी तैयार की गई है।10वीं में 29 लाख 99 हजार 507 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।तथा 12वीं में 25 लाख 25 हजार 801परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

जातिगत टिप्पणी को लेकर युवक व परिजनों के साथ हुई मार पीट

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना सिंधौली के रहने बाले रामफूल पुत्र विजयपाल जाति दलित जाति से है और दिनांक 17 फरवरी को समय करीब 2.00 बजे पीड़ित अपनी बकरियों को चरा रहा था, बाजार में पहले से मौजूद थे सुखदेव पुत्र कालीचरन व विपिन व श्रीराम पुत्र कालीचरन वह लोग वहीं शराब पी रहे थे व अपनी लाही सुखा रहे थे, पीड़ित की बकरी धोखे से सुखदेव की लाही में चली गयी, इसी बात पर नाराज होकर गालियाँ देने लगे तथा जाति सूचक शब्द कहकर कि भंगी साले तेरे बहुत दिमाग खराब हो गया, अपनी औकात भूल गया तब मैने कहा ऐसा क्यो कह रहे हो तो आरोपियों ने कहा कि पकड़ लो साले को यह ज्यादा बहुत बनता है और जान से मारने के लिए पीड़ित को लाठी डण्डो से काफी मारा पीटा, मेरे शोर मचाने पर मेरी दोनो बहने घर से निकल आयी जिनका नाम आरती व पूजा है, पुत्री विजयपाल है जो उन्हें भी मारा पीटा उन सभी लोगो के चोटे के निशान मौजूद है, मैं आरोपियों के मारने पीटने से मौके पर बेहोश हो गया। गांव के लो इकट्ठे हो गये उन लोगो ने मुझे बचाया नही तो आरोपियों ने मुझे मार ही डाला था। होश मे आने पर मै घटना की रिपोर्ट लिखाने थाना सिंधौली गया, तब पीड़ित की रिपोर्ट नही लिखी गयी और कहा कि पहले पीड़ित ही स्वस्थ्य केन्द्र सिंधौली जाओ और रिपोर्ट लिखाओ। अभी तक पीड़ित की रिपोर्ट नही लिखी गयी। पीड़ित ने अपना मेडिकल कराया, उसके बाद थाने गया तो थाने वालो ने थाने से भगा दिया।

सिलगन में खेत किये जा रहे खदान में तब्दील

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। जनपद में अवैध खनन किस स्तर पर किया जा रहा है, इसकी वानिगी ग्राम सिलगन में देखने को मिल रही है। यहां रहने वाले आधा दर्जन से अधिक किसानों ने लामबंद होकर माफियाओं द्वारा अवैध खनन कर हरे-भरे खेतों को खदानों के स्वरूप में बदले जाने का आरोप लगाया है। हैरत की बात तो यह है कि किसानों का आरोप है कि उनके खेतों से दबंग माफियाओं द्वारा बेखौफ होकर किये जा रहे अवैध खनन की शिकायत पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारियों को देने के बावजूद भी कार्यवाही के नाम पर उदासीनता बरती जा रही है। किसानों ने शासन को जीरो टोलरेंस की नीति को प्रभावी बनाया जाकर माफियाओं पर सख्त कार्यवाही किये जाने की गुहार मुख्यमंत्री से लगायी है।

ज्ञापन में सिलगन निवासी किसानों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि अल्प भूमिहीन किसान हैं, जिनके पास महज एक-एक एकड़ ही जमीनें उपलब्ध हैं। इन खेतों में वह जीवकोपार्जन के लिए खेती करके अपना व परिवार का भरण पोषण करते हैं। किसानों ने बताया कि उनका गांव मुख्यालय से महज 5 किमी दूरी पर स्थित है।

मुरादाबाद की आंधी में बहराइच ब्लू परास्त

अवधनामा संवाददाता

- 225 रनों से मुरादाबाद ने जीता मुकाबला

बहराइच। जनपद के इन्दिरा गांधी स्पोर्ट स्टेडियम में आयोजित अंडर-19 देवीपाटन चैलेंज कप राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में आज छठवें दिन डीएसए मुरादाबाद एवं डीसीए बहराइच ब्लू के बीच मुकाबला खेला गया7 सुबह टॉस जीतकर मुरादाबाद के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया । निर्धारित 35 ओवर में मुरादाबाद की टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 310 का बड़ा स्कोर बनाया । मुरादाबाद की तरफ से आर्यन ने 80 , उस्मान ने नाबाद 86 एंव कप्तान अक्षु बाजवा ने 22 गेंदों में 57 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। बहराइच ब्लू की तरफ से सत्यम ने 02, देव एवं रोहित ने 1-1 विकट लिए। 310 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए बहराइच ब्लू की पूरी टीम 20 ओवरों में 85 रनों पर आल आउट हो गई। बहराइच की तरफ से देव ने 21 रनों का योगदान दिया। मुरादाबाद ने 225 रनों से यह मुकाबला जीत लिया। मुरादाबाद की तरफ से शहनवाज ने 05, तुषार ने 03 एवं हर्षित ने 1 विकेट लिया। आज के मैन ऑफ द मैच शहनवाज को रहे आज के मैच की अंपायरिंग मनीष बंसल एवं नीरज शुक्ला ने की। आशुतोष बाजपेई स्कोरर की भूमिका में रहे। आंखों देखा हाल गोविंद चौहान ने सुनाया। इस अवसर पर इशरत महमूद खान, चांद क्रिकेटर,सुनील कुमार राय, हरेंद्र वेदवान , अटल सिंह, आयुष चित्रांश, अभिषेक शुक्ला, मनीष सिंह ,खैराती, कुशमेंन्द्र सिंह एवं अन्य क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे। आज का मुकाबला सुल्तानपुर एवं मुरादाबाद के बीच खेला जाएगा।

टैबलेट व स्मार्टफोन बच्चों की शिक्षा में होगे मददगार साबितः डॉ. आरए वर्मा

सुल्तानपुर। प्रदेश सरकार युवाओं को तकनीकी रुप से सशक्त करने हेतु टैबलेट एवं स्मार्टफोन का वितरण कर रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा ने सोमवार को श्री रामचंद्र नारायण शिक्षण एवं प्रशिक्षण महाविद्यालय बौरा जगदीशपुर सुल्तानपुर में 218 छात्र - छात्राओं को 180 टैबलेट एवं 38 स्मार्टफोन वितरित किया।टैबलेट व फोन पाकर छात्र- छात्राओं के चेहरे खिल गए। भाजपा जिलाध्यक्ष ने बतौर मुख्य अतिथि छात्र- छात्रों को संबोधित करते हुए कहा सरकार बच्चों को पढ़ाई पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्हें दिया जा रहा टैबलेट व स्मार्टफोन शिक्षा में काफी मददगार साबित होगा।मुख्यमंत्री का सपना है कि यहां का युवा समग्र रूप में स्मार्ट व सक्षम हों। विद्यालय के प्रबंधक हरिश्चन्द्र सिंह ने कहा तकनीकी युग में सरकार की स्मार्टफोन व टैबलेट वितरण की महत्वाकांक्षी योजना से युवा अपनी पढ़ाई व रोजगार को आगे बढ़ाने में सफल होंगे।इस मौके पर संरक्षक शशांक राघव, भाजपा नेता विवेक सिंह, बृजेश सिंह प्रधान, प्रदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

पीएचसी सुजौली में आयोजित होगा महिला नसबंदी दिवस

अप्रैल से अब तक 4450 महिलाओं व 60 पुरुषों ने अपनायी नसबंदी की सेवाएँ

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जनपद में परिवार पूरा हो गया है और बच्चे नहीं चाहिए ऐसे दंपति के लिए 23 फरवरी को स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुजौली में महिला नसबंदी दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में विशेषज्ञ सर्जन द्वारा नसबंदी की सेवाएं दी जाएंगी।

यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी (इंचार्ज) डॉ राजेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि महिला नसबंदी परिवार नियोजन का एक स्थायी, सुरक्षित व प्रभावी तरीका है । इसे ऐसे दंपति को अपनाना चाहिए जिन्हें अब और बच्चे नहीं चाहिए । इसके लिए मिहींपुरवा ब्लॉक के सुजौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला नसबंदी दिवस का आयोजन किया जाएगा। नसबंदी के बाद लाभार्थियों को घर तक छोड़ने के लिए एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया इस वित्तीय वर्ष में अब तक 4450 महिलाओं को व 60 पुरुषों को नसबंदी की सेवाएँ दी चुकी हैं।

कौन करा सकता है महिला नसबंदी

जिला परिवार नियोजन विशेषज्ञ यूपी टीएसयू ने बताया कि महिला शादी शुदा हो और उसकी आयु 22 वर्ष से 49 वर्ष के बीच हो और कम से कम एक बच्चा जिसकी उम्र एक वर्ष या इससे अधिक हो साथ ही पति की पूर्व में नसबंदी न हुई हो और महिला मानसिक रूप से स्वस्थ हो तो वह नसबंदी करवा सकती है।

कब कराएं नसबंदी

जिला परिवार नियोजन विशेषज्ञ यूपी टीएसयू ने बताया कि माहवारी शुरू होने के पहले दिन से अगले सात दिन के अंदर, प्रसव के तुरंत बाद या सात दिनों के अंदर या प्रसव के 6 सप्ताह के बाद कभी भी इसे अपनाया जा सकता है । इसके अलावा गर्भपात के तुरंत बाद या सात दिनों के अंदर महिला नसबंदी कराई जा सकती है।

दी जाती है प्रोत्साहन राशि

जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी बृजेश सिंह ने बताया कि प्रसव के तुरंत बाद या सात दिनों के अंदर महिला नसबंदी अपनाने पर लाभार्थी को 3 हजार रुपए व इसके बाद महिला नसबंदी अपनाने पर 2 हजार रुपए देने का प्रावधान है । इसके लिए नसबंदी के लिए अस्पताल जाते समय अपना आधार कार्ड व बैंक पसबुक की फोटो कॉपी साथ में अवश्य ले जाए।

संक्षिप्त समाचार

अपने अंदर छिपी शक्ति को पहचान रही नारीः जया

कुड़वार, सुल्तानपुर। क्षेत्र के असरोगा स्थित केएसआरएम इंटर कॉलेज में रूद्र नारी उत्थान सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष व कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जया सिंह ने कही। उन्होंने महिलाओं को अपनी शक्ति को पहचानने रूढ़िवादी विचारधारा से बाहर आने समाज के हर क्षेत्र में आगे आने पर जोर दिया। कुड़वार एसएचओ गौरी शंकर पाल एवं ताहिर खान के प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य रुद्र नारी उत्थान सेवा समिति की जिला महामंत्री प्रीति मिश्रा जिला प्रवक्ता रेशमा खान अरोग्य भारती से डॉक्टर प्रदीप मिश्रा कॉलेज के प्रबंधक मुईद प्रोफेसर राशिद कार्यक्रम के संरक्षक चंदन तिवारी समेत दर्जनों रहे।ज़िला पंचायत सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राम शंकर यादव ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में 1090,181,1076,112 मिलाकर महिलाएं बेटियां अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।

शाह पर अभद्र टिप्पणी मामले में राहुल कोर्ट पेश, जमानत

सुलतानपुर। केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी मामले में कड़ी सुरक्षा के बीच राहुल गांधी एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट में सरेंडर व जमानत अर्जी पेश की।जमानत पर सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने आरोपों को निराधार बताते हुए जमानत की मांग की।वहीं अभियोजन पक्ष ने जमानत पर विरोध जताया।उभय पक्षो को सुनने के पश्चात स्पेशल मजिस्ट्रेट योगेश यादव ने राहुल गांधी को सशर्त जमानत दे दी।कोर्ट ने जमानत व मुचलका दाखिल करने का आदेश दिया।अग्रिम कार्यवाही के लिए कोर्ट ने दो मार्च की तारीख तय की।कर्नाटक चुनाव के दौरान गृहमंत्री अमित शाह पर की गई अभद्र टिप्पणी मामले में भाजपा नेता विजय मिश्रा ने परिवाद दाखिल किया था।कोर्ट ने राहुल गाँधी को आज के लिए तलब किया था। राहुल गांधी के आने की खबर पर भारी संख्या में समर्थकों का जमावड़ा रहा।कोर्ट की व्यवस्था बाधित न हो इसके मद्देनजर कोर्ट ने जल्द से जल्द मामले में सुनवाई कर राहुल गांधी को जमानत पर रिहा कर दिया।कोर्ट की कार्यवाही खत्म होने के बाद राहुल गांधी सुलतानपुर से अगले कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए।राहुल गांधी रायबरेली व अन्य स्थानों पर भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगे। राहुल गांधी का स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व एमएलसी दीपक सिंह, जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, कांग्रेस नेता वरुण मिश्रा, शकील अहमद आदिलोक प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

केएसआरएमएम विद्यालयों में हुआ मातृ पितृ पूजन कार्यक्रम

ललितपुर। शहर के विभिन्न स्कूलों में योग एवं उच्च संस्कार, सनातन संस्कृति के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत करवाया गया और आजकल जो कुप्रथा चल पड़ी, वे बड़े होकर बच्चे अपने माता पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ देते हैं। भारत देश में ये पर चलन न फैले, इस निमित्त शहर के विद्यालयों में में मातृ पितृ पूजन कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसमें महर्षि विद्या मंदिर जू. हाईस्कूल, शारदा विद्या मंदिर, के.बी.विद्या मंदिर, नवप्रभात, एस.बी.कान्वेन्ट स्कूल, बालाजी स्कूल, अटल विद्या मंदिर, जीडीएम इंटर कालेज, ब्लू बेल स्कूल, प्रशांत एजुकेशन एकेडमी, माई ड्रीम स्कूल, एच.डी.ज्ञान स्थली, मॉर्डन एकेडमी आदि विद्यालयों में आयोजित हुए। कार्यक्रम के व्यवस्थापक डा.आर.सी.साहू व संरक्षक शिखरचंद जैन रहे।

भयभीत व्यक्ति सामाजिक न्याय नहीं कर सकता हैः प्रो. राजेश्वर

- विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर केडीसी में हुई परिचर्चा

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्ववित्तपोषित संस्था के अंशकालिक शिक्षक संघ द्वारा कॉलेज के कांफ्रेंस हॉल में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला कार्यवाह भूपेंद्र थे तथा विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह थे।अध्यक्षता महाविद्यालय के पूर्व एसोशिएट प्रोफेसर राजेश्वर सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ.सत्यभूषण सिंह ने किया। परिचर्चा का विषय प्रवर्तन बीएड विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अजय त्रिपाठी,समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर साधना स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. आनंद श्रीवास्तव, हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर सीडी सिंह बिसेन, बीएड विभाग के प्रभारी प्रोफेसर डॉ.ओपी सोनी सहित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजेश्वर सिंह ने कहा कि भयभीत होकर हम सामाजिक न्याय नहीं कर सकते हैं। आरएसएस के जिला प्रचारक में कहा कि मानवीय संवेदना हमें सामाजिक न्याय के लिए प्रेरित करती है। प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने कहा कि निर्मल मन से ही सामाजिक न्याय की भावना विकसित होती है। इस अवसर पर महाविद्यालय के उप प्राचार्य प्रोफेसर मुहम्मद उस्मान,अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पंकज सिंह, अंशकालिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष आनंद पांडेय, सचिव सविता वर्मा सहित सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

रिटायर्ड डीआईजी पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

सुल्तानपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के एक रिटायर्ड डीआईजी पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। उन पर उन्हीं के किराएदार ने लैंगिक अपराध का मुकदमा दर्ज कराया है। केस दर्ज होने से पहले नगर कोतवाल ,क्षेत्रधिकारी नगर और पुलिस अधीक्षक ने मामले की तहकीकात में पाया कि घटना सच्चाई को छू रही है। उन्होंने घटना की गंभीरता को देखते हुए मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। मुकदमा दर्ज भी हो गया है। पता चला है कि बच्चे का पिता महानगर में जीवकोपार्जन करता है। वह घटना की सूचना पर ट्रेन द्वारा सुल्तानपुर पहुंचा। मामले में मुकदमा दर्ज होने से पहले बाल कल्याण समिति सुल्तानपुर की टीम ने पूरे मामले की पड़ताल करके शासन के अधिकारियों को भी अवगत कराया है। प्रकरण में 1090 से भी मॉनिटर हो रही है।

योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाये अधिकारी

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में तहसील तालबेहट में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए सम्बंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान का उद्देश्य प्रत्येक जरुरतमंद व्यक्ति को त्वरित न्याय दिलाना है, सभी अधिकारी प्राथमिकता पर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेकर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करायें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। तहसील तालबेहट में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 76 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व विभाग के 23, पुलिस के 11, विकास विभाग के 05, विद्युत के 03, नगर पंचायत के 02, पूर्ति के 09 तथा अन्य विभागों के 23 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 12 का मौके पर निस्तारण कराया गया। तहसील ललितपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 26 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, राजस्व के 11, पुलिस के 06, विद्युत 02 तथा अन्य विभागों के 07 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 03 का मौके पर निस्तारण कराया गया।

मझवारा गांव में बना सा0 सुलभ शौचालय निष्प्रयोज्य

अवधनामा संवाददाता

बल्दीराय सुल्तानपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण स्वच्छ रखने व खुले में शौच रोकने के लिए ,प्रत्येक गांव में लाखों की लागत से , सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया है जोकि ग्रामीण स्वच्छता की अवसंरचना एवम प्रोत्साहन करने वाली स्कीम है। इसके लिए प्रतिमाह हजारों की रकम व्यय की जा रही है। किन्तु केंद्र सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। धनपतगंज वि0खँ0 के मझवारा ग्रामसभा में ,सा0शौचालय भवन जिम्मेदारों की गैरजिम्मेदारी से ,गर्दिशी में है। लोगों का कहना है ।कि , यह शौचालय भवन न तो खुलता है और न ही इसकी देखभाल होती है। अंदर गन्दगी से अटा पड़ा यह शौचालय निष्प्रयोज्य है ।देखाजाय तो शौचालय के आसपास गंदगी ही गंदगी है। जबकि शासनादेश के अनुसार सा0शौचालय प्रातः पांच बजे से रात दस बजे तक खुले रहना चाहिए । इसके देखभाल के लिए केयरटेकर भी नियुक्त किया गया है जिसे 6000/ तथा साफ सफाई के लिए 3000/प्रतिमाह अवमुक्त होता है। भ्रस्टाचार के खेल में शामिल ब्लाक के जिम्मेदारों के मिलीभगत के चलते, यह योजना जमीनी तौर पर दम तोड़ रही हैं। जिम्मेदार शौचालय योजना के प्रति दायित्व निर्वहन करते तो सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना की यह दुर्दशा न होती।और सरकारी धन का दुरुपयोग न होता तथा ग्रामवासियों व बहन बेटियों के इज्जतघर की इज्जत खतरे में न रहती। जानकारी लेने पर इस बाबत प्रभारी बी डी ओ धनपतगंज ने बताया कि मामला संज्ञान में नही है। इस प्रकरण की जांच करवाई जाएगी।

ड्रिंक एण्ड ड्राईव और हेलमेट को लेकर चला चैकिंग अभियान

ललितपुर। शहर में यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाये रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस काफी संजीदा है। हाल ही में संपन्न हुयी पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर यातायात व्यवस्थाओं को आमजन द्वारा काफी सराहा गया, तो वहीं दूसरी ओर यातायात पुलिस लगातार लोगों को नियमों के प्रति जागरूक कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को यातायात पुलिस ने शहर में सघन चैकिंग अभियान चलाया। इस अभियान में ड्रिंक एण्ड ड्राईव और हेलमेट को लेकर लोगों को जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के आदेश व अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार और क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाते हुये वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात प्रभारी उप निरीक्षक आलोक कुमार तिवारी द्वारा शहर में सघन चैकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शहर में बनाये गये यातायात प्वाइंटों पर तैनात यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा टीएसआई आलोक कुमार तिवारी के नेतृत्व में वाहनों की जांच की गयी।

समाधिस्त आचार्यश्री विद्यासागरजी को श्रद्धालुओं ने अर्पित की विनयांजलि

अवधनामा संवाददाता

- 18 फरवरी को छत्तीसगढ़ के चंद्रगिरि तीर्थ डोंगरगढ़ में आचार्य श्रेष्ठ ने ले ली थी समाधि
- मड़ावरा के महावीर विद्याविहार में आयोजित हुआ कार्यक्रम, नम आंखों से किया आचार्यश्री को याद

मड़ावरा (ललितपुर)। कस्बा मड़ावरा के महावीर विद्याविहार परिसर के देशनाग्रह में आयोजित सभा में श्रद्धालुओं ने नम आंखों से आचार्य भगवन विद्यासागरजी को याद करते उनके द्वारा देश हित समाज हित में किये गए जनहितैषी कार्यो का बखान करते हुए अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने किए अपने केशदान। विनयांजलि सभा के दौरान उपस्थित जैन समाज के श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री विद्यासागरजी द्वारा समाज हित, बालिका हित, गौ हित, स्वास्थ्य व इंडिया को भारत शब्द से उच्चारित करने हेतु जो कार्य किये उनके बारे में बोलते हुए बताया कि आचार्य श्रेष्ठ ने जो छाप मानव हृदय में छोड़ी है, वह अमिट रहेगी। उन जैसा दिव्यात्मा कभी भूतो न भविष्यति। साथ ही कहा कि आचार्य श्री जैसी दिव्यात्मायें मानव कल्याण के लिए ही अवतरित होतीं है जो कि समय आने पर यह नश्वर देह छोड़ देती हैं, लेकिन उनकी छाया हमेंशा ही अपने भक्तों पर बनी रहती है। जैसा कि संत पुरुषों द्वारा कहा गया है कि आचार्य भगवन का जीव कई भवों से मुनि बनकर मानव कल्याण करता चला आ रहा है तो यही आशा और विश्वास है कि आचार्य भगवन पुनः अवतरित होंगे व अनवरत मानव हित धर्म हित व जैन धर्म की ध्वजा लहरायेंगे। सकल दिगम्बर जैन समाज मड़ावरा के सैकड़ों युवाओं बुजुर्गो ने आचार्य भगवन विद्यासागर महामुनिराज के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा जताते हुए अपने केश दान किये। जैसे ही शोसल मीडिया पर समाज के युवाओं द्वारा केशदान किये जाने को खबर वायरल हुयी जगह जगह युवाओं ही क्या बुजुर्गो एवं बच्चों में मुंडन कराने की होड़ मच गयी, जिसको भी देखो वह स्वयं ही अपने केश दान कर आचार्यश्री को याद करता नजर आया।

पूर्वोत्तर रेलवे — **ई–ऑक्शन सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल द्वारा लखनऊ मण्डल के हरगांव, मैलानी GMU (General Minor Unit) एवं मनकापुर SMU (Special Minor Unit) संचलन की 05 वर्ष की अवधि हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित है। जिसके खुलने की तिथि दिनाँक 07.03.24 समय 13:00 बजे एंव बंद होने की तिथि दिनाँक 07.03.24 समय MLN(13:30,14:00), HA(13:40,13:50) & MUR (14:10) सम्बन्धित लॉट के अनुसार है। इस आक्शन के अन्तर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगें। ई ऑक्शन से सम्बन्धित अन्य जानकारी www.ireps.gov.in (E-Auction Module) वेबसाइट पर उपलब्ध है। ध्यान दें कि ई–ऑक्शन मूल्य एवं धरोहर राशि का भुगतान केवल through IREPS, online payment mode से ही स्वीकार्य किया जाएगा जोकि www.ireps.gov.in (E-Auction Module) की वेबसाइट पर उपलब्ध है, डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही है। अन्य जानकारी www.ireps.gov.in (E-Auction Module) की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ई ऑक्शन सूचना सं० (कैटलॉग सं०)	स्टेशन	लोकेशन	ऑक्शन/लॉट बन्द होने की तिथि व समय
Catg-MLN-HA-MUR	मैलानी	पीएफ 2/3 पर स्टॉल नंबर 06	दिनॉक 07.03.2024 समय 13:30
		पीएफ 01 पर स्टॉल नंबर 02	दिनॉक 07.03.2024 समय 14:00
	हरगांव	पीएफ 2/3 पर स्टॉल नंबर 06	दिनॉक 07.03.2024 समय 13:40
		पीएफ 01 पर स्टॉल नंबर 01	दिनॉक 07.03.2024 समय 13:50
	मनकापुर	पीएफ 4/5 पर स्टॉल नंबर 12	दिनॉक 07.03.2024 समय 14:10

गुजाधि/वाणिज्य–277 — मण्डल रेल प्रबन्धक/(वा.)/लखनऊ

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.–09794845955 पर SMS करें

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सम्पूर्ण समाधान दिवस का किया गया आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का आयोजन फरवरी महीने के दूसरे शनिवार को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा होने के कारण, आज मंगलवार को किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस ओबरा में मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार द्वारा शिकायतकर्ताओं की शिकायतों बड़े ही सरल भाव से सुना गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों का समाधान सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के मौके पर विभागीय कार्मिकों की टीम द्वारा किया जाये और जो मामले एक या दो दिन के अन्दर निस्तारित नहीं होंगे, उनका निस्तारण उच्च स्तरीय अधिकारी द्वारा मौके पर जाकर निस्तारित किया जायेगा। सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार,उप जिलाधिकारी ओबरा प्यारे लाल मौर्य ने 32 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 02 मामलें निस्तारित किये गये और बाकी 30 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने की कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। इस मौके पर तहसीलदार अंजनी गुप्ता, सी0ओ0 चारू द्विवेदी, नायब तहसीलदार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

02-सम्पूर्ण समाधान दिवस दुद्धी का आयोजन अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में शिकायतकर्ता के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण किया गया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने प्रकरणों का निस्तारण कराते हुए सम्बन्धित को निर्देशित भी किया कि इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी दुद्धी सुरेश राय, नायब तहसीलदार आदि ने 44 शिकायतों को सुनते हुए मौके पर ही 03 मामलें निस्तारित किये गये, बाकी 41 प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिए गए।

03- सम्पूर्ण समाधान दिवस राबर्ट्सगंज में उप जिलाधिकारी राबर्ट्सगंज निखिल कुमार यादव व अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया, इस दौरान क्षेत्रों में भी टीम भेजकर प्रकरणों का निस्तारण कराया गया और सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये।

पुलिस भर्ती परीक्षा कैंसिल करने को युवाओं का प्रदर्शन

मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन डीएम ऑफिस में दे कर किया विरोध प्रदर्शन

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा शिफ्टों की रद्द करने की मांग को लेकर युवाओं ने किया विरोध प्रदर्शन मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन डीएम ऑफिस में देखकर लगाई न्याय की गुहार।

युवाओं में नेतृत्व कर रहे शिवम सिंह ,रवि वैश ,अजय पति त्रिपाठी, फूल सिंह, काजल गुप्ता, प्रीति यादव, रोशनी मौर्य, दीपक, संजय ,अजय ,संतोष ,सुनील, अर्पित ,आशीष, अभय ,पवन, रोहित, दीपक, पुष्पा, सोनाक्षी ,शुभम ,काजल ,आकृति, निलेश, कारण सहित दर्जनों युवाओं ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती बीते दिनों परीक्षा हुई जिसमें मीटिंग का पेपर लीक सच के साथ हुआ है प्रदेश का हर व्यक्ति एवं महान शिक्षक इसका गवाह है मुख्यमंत्री जी का ध्यान अर्थ करते हुए अभ्यर्थियों के साथ धोखा ना करें इसकी संपूर्ण जांच कारण जिस जिस ने भी यह पेपर ली किया दादरी का कार्य किया है उसके ऊपर बुलडोजर की कार्रवाई के साथ कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि भविष्य में भूल कर भी ना कर सके वही युवकों ने चारों शिफ्ट की परीक्षा रद्द कराकर पुनः परीक्षा कर की गुहार लगाई।

मजदूरी नहीं मिली तो किया धरना प्रदर्शन जताया आक्रोश

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। चुर्क सोनभद्र में बन रहे मेडिकल कॉलेज में मंगलवार की सुब्रह मेडिकल कॉलेज में काम कर रहे मजदूरों ने मजदूरी भुगतान को लेकर किया हड़ताल।

वही श्रमिकों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए बताया कि चुर्क में बना रहे मेडिकल कॉलेज का काम कर रही यूनिक इंफ्रा कंपनी ने अपना काम बंद कर दूसरे जगह चले जाने के बाद यहां पर कार्य कर रहे हैं मजदूरों का कई महीने से भुगतान नहीं किया था जिसको लेकर आज सुबह लगभग दो सौ से ज्यादा मजदुरो ने कार्य को बंद कर मेडिकल कॉलेज के मेन गेट पर ताला लगा दिया जिससे सभी मजदूर बाहर बैठे रह गए मजदूरी भुगतान को लेकर हंगामा कर रहे मजदूरों का कहना है कि जब तक कंपनी हमारा पैसा नहीं भुगतान करती तब तक हम लोग ना काम करेंगे ना किसी को काम करने देंगे जिससे इस समय काम करा रही पीएसपी कम्पनी का कार्य भी बंद हो गया।

आधे घंटे तक धरना प्रदर्शन विरोध करने के बाद पीएसपी कम्पनी के प्रोजेक्ट मैनेजर महेश सिंह ने मजदूरों को आश्वासन दिया कि शुक्रवार तक मजदुरो का मजदूरी भुगतान कराने का वादा किया जिसके बाद मजदूर काम करने के लिए तैयार हुए हंगामा कर रहे मजदूरों का कहना है कि अगर शुक्रवार तक सभी मजदुरो का पैसा नहीं मिलता तो सभी मजदूर पुनः हड़ताल पर बैठ जायेंगे इस दौरान राजकुमार यादव, धर्मेंद्र, गोविंद, विनोद वर्मा, विजय चौहान, विनोद कुमार, अजय मेहता पंकज, राजित, विमलेश, सुरेंद्र, राहुल, के साथ सैकड़ों मजदूर उपस्थित रहे।

भूमि पर अनाधिकृत कब्जे की शिकायत पर हो कार्रवाई

मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील करहल में जान-शिकायतें सुनने के उपरांत उपस्थित अधिकारियों को आदेशित करते हुए कहा कि जन-शिकायतों के निस्तारण में किसी भी दशा में लापरवाही न बरती जाए, शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण प्रत्येक विभाग के कार्यालयाध्यक्ष की जिम्मेदारी है, यदि किसी भी स्तर पर कोताही, लापरवाही बरती गई तो जिम्मेदारी निर्धारित कर प्रभावी कार्यवाही होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस, राजस्व विभाग के अधिकारी, कर्मचारी भूमि संबंधी विवादों पर पैनी नजर रखें, भूमि पर अनाधिकृत कब्जों की शिकायतों पर तत्काल मौके पर जाकर प्रभावी कार्यवाही करें, भूमि पर जबरन कब्जा करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाए साथ ही अनाधिकृत कब्जे तत्काल हटवाये जाएं।

हिण्डाल्को में 53वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आगाज

जब हम अपने आप को सुरक्षित रखेंगे तभी हम सब भी सुरक्षित रहेंगेः एन. नागेश

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/ रेणुकूट। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हिण्डाल्को में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर सुरक्षा सप्ताह का आयोजन पूरे उत्साह से किया जा रहा है। दिनांक 20 फरवरी से 4 मार्च तक आयोजित होने वाले उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ हिण्डाल्को के मुखिया एन. नागेश ने अन्य उच्चाधिकारियों एवं मान्यताप्राप्त श्रमिक संघों के पदाधिकारियों के साथ दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर सभी ने सुरक्षा शपथ ली। नागेश ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिण्डाल्को में सुरक्षा को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है और यहां के सभी कार्यक्रम एवं मीटिंग की शुरुआत ही सुरक्षा मंथन से होता है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने आप को सुरक्षित रखेंगे तभी हम सब भी सुरक्षित रहेंगे। हमें अपने सुरक्षा स्टैण्डर्ड को और बढ़ाना है जिससे हम जीरो हार्म के लक्ष्य को पा सके। उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन शैलेन्द्र पाण्डेय ने किया जबकि डा0 प्रदीप ने सप्ताह के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न सुरक्षा प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी दी। प्रथम दिन सेफ्टी ग्राउण्ड पर फायर ड्रिल एवं फर्स्ट-एड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अल्युमिना, रिडक्शन, ब्वायलर व युटिलीटीज एवं फैब्रिकेशन प्लांट की टीमों ने भाग लेकर अग्निशमन उपकरणों के उपयोग से आग पर काबू पाने का प्रदर्शन किया और साथ ही फर्स्ट-एड के अंतर्गत सीपीआर का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक कर्नल रोहित शर्मा एवं डा0 अमित पाण्डये ने प्रदर्शन के आधार पर रिडक्शन की टीम को प्रथम, अल्युमिना को द्वितीय एवं ब्वायलर व युटिलीटीज़ की टीम को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया। चयनित टीमों को दिनांक 4 मार्च को होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया जायेगा।

सड़क हादसों में होमगार्ड समेत तीन लोगों की मौत

बांदा। अलग-अलग हुए सड़क हादसों में होमगार्ड समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मवई गांव के पास ट्रक से कुचल जाने पर एक युवक की मौत हो गई। जबकि सड़क हादसे में जख्मी एक युवक ने दम तोड़ दिया। वह एक दिन पूर्व सड़क हादसे में जख्मी हुआ था। सड़क हादसे में घायल एक अन्य व्यक्ति की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने तीनो शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम कराया है। चिल्ला थाना क्षेत्र के पपरेदा गांव निवासी रामकरन (31) पुत्र सूरजपाल सोमवार दोहपर अपने छोटे भाई राजकरन (25) के साथ बाइक में सवार होकर बांदा जा रहा था। तभी मवई गांव के पास डंपर की बाइक में टक्कर लगने से बाइक अनियंत्रित हो गई। दोबारा फिर टक्कर लगीतो रामकरन बाइक से गिर गया और डंपर ने उसे कचुल दिया।

गृह कर लगाये जाने के नाम पर जम कर हो रही है धांधली

अवधनामा संवाददाता

सभासदों ने आरोप लगाया है कि चेयर मेन ने बिना बोर्ड के सहमती के काला कानून बना डाला।

सुमेरपुर हमीरपुर। नगर पंचायत सुमेरपुर मे नगर सीमा के अन्तर्गत बने नए मकानो पर गृह कर लगाये जाने के नाम पर गरीब जनता को लूटा जा रहा है इससे पहले कभी भी इतने महंगे गृह कर नही लगाये गये है आजादी के पहले ही टाउन एरिया थी अंग्रेजो के जमाने से यहां 1920 मे टाउन एरिया स्थापित हुई थी और कई चेयर मेन बने मगर वर्तमान चेयर मेन धीरेन्द्र शिवहरे उर्फ धीरू (एश्वर्य) ने जब से शपथ ली है तभी से नगर पंचायत मे धांधली का सिलसिला जारी को गया है सूत्रो के हवाले से मिली खबर से पता चला है कि गृहकर लगवाने के लिये कई बार नगर पंचायत के चक्कर लगाने पड़ते है क्यो कि गृहकर का कार्य चेयर मेन महोदय देखते है और वर्तमान चेयर मेन महोदय कभी कभार ही अपने कक्ष मे बैठते है ज्यादा तर कक्ष मे ताला ही लटका मिलता है और जनता को मयूस वापस लौटना पड़ता है इसके बाद लोग अपनी फाइल लिये इधर उधर घूमते रहते है और बाद मे चेयर मेन के आदेश होने के बाद फाइल कार्यालय मे जमा हो जाती है। कार्यालय मे ठेका कर्मियो को बैठाया गया है वहां पर कोई परमानेंट कर्मी नही बैठता क्यो कि चेयर मेन अपने चहते लोगो को उस कुर्सी मे बैठाते है जो कि एक ठेका कर्मी है उनका कोई अनुभव भी नही है इसके बाद बैनामा वाली फाइलो मे विज्ञापन के नाम पर एक हजार रुपये लिये जाते है बिना बैनामा वाली फाइलो मे विज्ञापन के नाम पर 500 रुपये वसूले जाते है इसके बाद बिना बैनामे वाली फाइलो मे विकास कार्य के नाम पर 5000 रुपये वसूले जाते है और गृहकर निर्धारण के नाम पर 500 या 1000 रुपये वसूले जाते है फिर कही गृहकर के नाम पर 200 रुपये वर्षिक टैक्स के नाम पर भी पैसा वसूला जाता है इसके बाद ठेका कर्मी जॉच के नाम पर गरीब जनता से पैसा भी ऐठा जाता है कुछ लोगो ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वर्तमान चेयर मेन और उसके गुर्गा का मेन काम है प्रोपर्टी डीलर का पहले ये सस्ती जमीने खरीद लेते है फिर उसको मंहगे दामो पर बेचा जाता है और बाद मे गृहकर लगाने के नाम पर जमकर धांधली करके गरीब जनता को लूटा जाता है गृहकर तो लगाये जा रहे है मगर टैक्स तो जनता देती है मगर इस टैक्स के पैसे से अन्य वार्डो मे विकास कार्य भी नही कराये जा रहे है। नगर पंचायत सुमेरपुर के सभासदो ने बताया कि गृहकर निर्धारण मे विकास कार्य के लिये जो 5000 की वसूली जो कि जाती है उसे बिना बोर्ड के सहमती के ये काला कानून अध्यक्ष महोदय ने बनाया है इस कानून को पास करने के लिये पहले एजेन्डा मे लाया जाता है और बोर्ड की मीटिंग भी बुलाई जाती है मगर चेयर मेन ने न मीटिंग बुलाई न सभासदो से राय मसेवरा किया बस अंग्रेजी कानून लगा दिया गया है जिससे लोगो मे नराजगी है

लाभार्थी सम्पर्क अभियान कार्यशाला आयोजित

अवधनामा संवाददाता

राठ। भारतीय जनता पार्टी की लाभार्थी संपर्क अभियान की कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें भाजपा पदाधिकारीयों द्वारा जानकारी दी गई और आगामी होने वाले लोकसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई। महोबा रोड स्थित एक विवाह घर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा लाभार्थी संपर्क अभियान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा लाभार्थी संपर्क अभियान का कार्यक्रम आगामी दिनों में चलाए जाने वाला है जिसमें केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा आम जनमानस तक जो लाभकारी योजनाएं पहुंची हैं उनसे संपर्क स्थापित कर भाजपा की रीतियां एवं नीतियों को बताएं और उनसे लगातार संपर्क में रहे जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को 5 लाख से ज्यादा वोटो से लोकसभा प्रत्याशी को जिताया जाए। उन्होंने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारीयो को इस कार्यक्रम में एक-एक लाभार्थी तक पहुंचना है और उसको भाजपा की केंद्र व प्रदेश की सरकारों द्वारा जो भी योजनाओं का लाभ मिला है उसे बताना है कि यह केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी की सरकारों द्वारा ही मिला है। अध्यक्षता कर रहे मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ला ने कहा कि संगठन का एक-एक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता महत्वपूर्ण कड़ी है जहां दूसरे दल आम जनमानस का बिल्कुल ध्यान नहीं रखते वहीं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी हमेशा आमजन के बीच उपलब्ध रहते हैं। कार्यशाला मे चैयरमैन श्रीनिवास बुधौलिया,ब्लाक प्रमुख अरविंद मुखिया, अमरचंद अनुरागी, धर्मेंद्र साहू, स्वदेश राजपूत, सुनील नगायच, भोले सोनी, सुयशभानु शिवहरे, ममता रवि गुप्ता, अखिलेश यादव, अभय त्रिपाठी, ब्रजेश खरे सहित शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी ,भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यशाला का सफल संचालन मनीष गौतम ने किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता आपरेटरों का प्रशिक्षण

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित विभिन्न पोर्टल/एप तथा àßNCORàß, VIGIL,SUVIDHA इत्यादि के सफल संचालन हेतु सभी नोडल प्रभारियों,सहायक प्रभारियों व डिस्ट्रिक कान्टेक्ट सेन्टर 1950 (डी0सी0सी0) में सम्बद्ध कम्प्यूटर आपरेटरों का प्रशिक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें सभी नोडल प्रभारियों/सहायक नोडल प्रभारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकशित विभिन्न पोर्टल/एप के बारें में वीडियो कॉन्फेंसिग के माध्यम से जानकारी दी गयी। जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी नोडल प्रभारियों/सहायक नोडल प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के द्वारा दिए गए निर्देशों का भालिभाँति समझ लें जिससे चुनाव में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़ी।

इस अवसर पर उपजिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार मिश्रा,अपर जिलाधिकारी न्यायिक नागेन्द्र नाथ यादव,अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे सुरेश कुमार,उपजिलाधिकारी राठ विपिन शिवहरे, उपजिलाधिकारी हमीरपुर पवन प्रकाश पाठक,वरिष्ठ कोषाधिकारी मनीष कुमार शुक्ला,अतिरिक्त उपजिलाधिकारी खालिद अंजुम सहित निर्वाचन से जुड़े अन्य नोडल प्रभारी/सह नोडल प्रभारी उपस्थित रहे।

किसान दिवस का आयोजन आज

मैनपुरी। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि 21 फरवरी को दोपहर 12 बजे से क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान सभागार में किसानों की समस्याओं के निस्तारण हेतु किसान दिवस का आयोजन होगा।

उन्होने बताया कि किसान दिवस में किसानों की समस्याओं के निस्तारण के साथ-साथ कृषकों की आय बढ़ाने के उपाय, कृषि विपणन के सम्बन्ध में उपयोगी जानकारी, किसानों के हितार्थ संचालित योजनाओं की जानकारी, कृषि निवेश, उपकरणों, संचालित योजनाओं में लाभार्थी किसानों के चयन की प्रक्रिया आदि की जानकारी दी जायेगी। उन्होने बताया कि किसान दिवस में कृषि, उद्यान, सहकारिता, मत्स्य, विद्युत, सिंचाई, पशु पालन दुग्ध संघ कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, बैंक मैनेजर, इन्श्योरेंस कम्पनी प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे।

वायरल हुई अवैध असलहा लिए युवक की तस्वीर

थाना प्रभारी बोले जांच कर होगी कार्यवाही

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जनपद में अवैध असलहों का शोक नवयुवाओं द्वारा जमकर किया जा रहा है।मजे की बात तो यह है कि यह शोक का खेल जनपद के सुमेरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नवयुवकों को क्राइम के आगोश में लिए जा रहा है जो यह कही न कही एक चिंता का विषय है जो भविष्य के लिए खतनाक साबित होगा।हालांकि इस अवैध असलहों के प्रदर्शन के उपरांत पुलिस के संज्ञान में आने पर समय समय पर कार्यवाहियां भी की जाती रही है।पर सोचना तो यह होगा कि यह कार्यवाहियां आखिर कितनी कारगर साबित हुई।क्या नवयुवकों पर इन कार्यवाहियो का असर हुआ , अगर असर हुआ होता तो फिर इन नवयुवकों द्वारा शोसल मीडिया पर दहसद फैलाने के इरादे से अवैध असलहों का प्रदर्शन न किया जाता।पुलिस कार्यवाहियां कर अपनी जुम्मेदारियो से इति कर अपनी पीठ तो जरूर थपथपा लेते है पर यह भी कभी सोचते है कि कार्यवाहियों के करने भर से क्या क्राइम कम हो जाता है।इस तरह से हो रहे क्राइम को कम करने के लिए पुलिस को कोई ठोस कदम उठाने होंगे।पुलिस को ऐसी जगहों व लोगो को चिन्हित कर एक विशेष अभियान चला स्थानीय लोगो व समाजसेवियों से संबंध स्थापित कर समय समय पर रणनीति बना ऐसे लोगो को जागरूक करना होगा। हालांकि यह क्राइम की ओर अपने कदम बढ़ा रहे नवयुवक कोई जन्म जात अपराधी नही होते इन्हें तो समाज मे ब्याप्त कुछ क्रिमिनल हिस्ट्री के लोगो द्वारा इन्हे क्राइम जैसे घोनोने कार्य से होने वाली इनकम और अपना सिक्का जमाने के सपने दिखाए जाते है पर इन्हें पता नही कि बुरे का परिणाम बुरा ही होता है जो अंधेरी गलियों की ओर जाता है।ऐसा ही कुछ शोसल मीडिया पर देखने को मिला जब एक नवयुवक द्वारा ट्रेन की पटरी पर खड़े हो हाथ मे अवैध असलहा लिए दिखाई दिया।यह वायरल तस्वीर शोसल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है जो समाज मे दहसद फैला रही है। जब इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक सुमेरपुर से बात हुई तो उन्होंने जांच कर कार्यवाही किये जाने की बात कही है।

छात्रा और युवती ने फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

बांदा। अलग-अलग स्थानों पर एक छात्रा और युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने देखा तो उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। देहात कोतवाली क्षेत्र के लुकतरा गांव में रहने वाले दउवा की पुत्री प्रियंका (17) गांव के इंटर कालेज में 11वीं में पढ़ती थी। रविवार शाम सूने घर में अटारी में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भाई अजीत ने शव फंदे पर लटकता हुआ देखा तो कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। इसी तरह नरैनी कोतवाली क्षेत्र के करतल गांव निवासी गोमती उर्फ रामप्यारी (29) पत्नी राधेश्याम एक साल से अपने मायके हजारीपुरवा में रहती थी।

संक्षिप्त समाचार

ओलावृष्टि से फसलों को हुआ बड़ा नुकसान

सुमेरपुर हमीरपुर। शाम लगभग 5:00 बजे जनपद हमीरपुर के क्षेत्र भरुआ सुमेरपुर में बहुत तेज आंधी व बारिश और बारिश के साथ-साथ जमकर ओलावृष्टि हुई जिससे खेतों में खड़ी फसलो के तबाह होने का अंदेशा है। इस मौसम मे बारिश व ओलावृष्टि से किसानों में बहुमत ही मायूसी छागई है क्योंकि यह समय फसल की खटाई शुरु होनें का दलहन और तिलहन की फसलें बिल्कुल तैयार खड़ी है जिन को ओलावृष्टि से बहुत ही नुकसान हो सकता है। खेतों में बारिश और ओलावृष्टि कितनी हुयी और उस से फसलों को कितना नुकसान हुआ है यह खेतों मे जानें से पता चलेगा फिलहाल इलाके का किसान बहुत ही मायूस है पहली नजर में ओलावृष्टि देखकर ऐसा लग रहा है कि फसलों को भारी नुकसान किसानों पहुंचा होगा।

धर्मेश्वर बाबा में नही हो रह कोई कार्य

सुमेरपुर हमीरपुर। नगर पंचायत के वार्ड 4 धर्मेश्वर बाबा में कोई विकास कार्य नही हो रहा है। धर्मेश्वर बाबा मुहाल में कई दिनों से खराब पड़ा हैंडपंप तक ठीक नही हो रहा है जबकि करीब दो दर्जन घरों में केवल पेयजल का सहारा इकलौता हैंडपंप है जो खराब पड़ा है।बजबजाती नालिया कूड़े के ढेर साफ बया कर रही है की नगर पंचायत की तरफ से इस वार्ड में कितना काम किया जा रहा है न कोई खडंजा अभी तक बना है न नालियां सूत्रों की माने तो पता चलता है कि इस वार्ड के लोगो ने चेयरमैन के जब चुनाव हुए थे तो जबरजस्त नोट के बदले वोट के नाम पर वोटरो को नोट बाटे गए थे।नगर पंचायत अध्यक्ष को कोई मतलब भी नही है कि यहां की जनता को क्या परेशानी हैं। अजय साहू के पीछे कई दिनों से एक हैंडपंप खराब पड़ा है इसकी शिकायत मेंबर से की गई और मुहाल के लोगो ने नगर पंचायत अध्यक्ष से भी जाकर कहा लेकिन कोई ध्यान अभी तक नही दिया गया।दो दर्जन घरों के लोगो को पानी की परेशानी झेलनी पड़ रही है।एक तरफ अगर देखा जाए तो सही भी है जब लोग नोट के बदले वोट दिया है तो इस मुहाल की जनता के साथ ऐसा होना जरूरी भी है।लोगो को पता भी चलाना चाहिए की हमने सही किया हैं या गलत जब लोग नोट लेकर वोट देगे तो जरूरी भी हैं।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस संपन्न

हमीरपुर। मतदाता जागरूकता अभियान आओ हम मतदान करने की शपथ लेते है एवं हस्ताक्षर करते है स्वीप के अन्तर्गत जिलाधिकारी श्री राहुल पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा द्वारा तहसील राठ में हस्ताक्षर किये तथा स्वीप कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त की। तथा जनपद स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन राठ तहसील में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुल 49 शिकायतें प्राप्त हुई , जिसमें से 03 शिकायत का मौके पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

अवैध खनन के परिवहन में क्या सिर्फ ट्रक आपरेटर ही दोषी है: जयराम सिंह

अवधनामा संवाददाता

बाँदा। जनपद मे इन दिनों अवैध मौरंग परिवहन पर जहां प्रशासन कडी कार्यवाहियां कर रहा है वहीं ट्रक संचालको के बडे विरोध का सामना भी करना पड रहा है , ताजा मामला तिंदवारी क्षेत्र मे मौरंग के ट्रक पकडने का है जहां ट्रक आपरेटर यूनियन ने एसडीएम सदर सहित खनिज अधिकारी पर संगीन आरोप लगाते हुये ट्रक मालिक को मारने का भी आरोप लगाया है। तिंदवारी क्षेत्र मे खनिज अधिकारी और एसडीएम सदर द्वारा चेकिंग करने पर दो ट्रक ओवरलोड मौरंग और बिना रायल्टी के मौरंग का परिवहन करते पकडे गये परंतु उन ट्रको को छुडाने के लिये भाजपा नेताओ द्वारा दबाव बनाया गया और तिंदवारी थाने का घेराव कर दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही करने के लिये जिलाधिकारी कार्यालय भी पहुंच गये।अभी कुछ दिनो पूर्व ही एक उपजिलाधिकारी के ड्राइवर का आडियो भी वायरल हुआ था (जिसकी पुष्टी अवधनामा नही करता है) जिसमे बाकायदा ट्रको से वसूली और बिना धन दिये ओवरलोड मौरंग की गाडियों को नही चलने देने की ट्रक मालिक को धमकी दी गयी थी उसका भी जिक्र जयराम सिंह ने अपने आरोप मे किया है। यहां जनपद मे खनिज अधिकारी अर्जुन कुमार की कार्यशैली पर काफी समय से मीडिया मे भी चर्चा थी , और आलाकमान लखनऊ भी उनके कारनामो से खुश नही था वहीं स्थानीय ट्रक आपरेटरो ने भी कई बार उनकी मौरंग खदान संचालको से नजदीकियों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी , हवा तो यह भी उडी थी कि खनिज अधिकारी की कई मौरंग खदानो मे अघोषित पार्टनरशिप भी है जिसकी पुस्टि हम नही करते हैं। परंतु इन सभी आरोपो को दरकिनार करने के बाद भी एक बडा सवाल है कि जब कुछ टन अधिक मौरंग ले जाने वाले ट्रक पर सवा से डेढ लाख का जुर्माना लगाया जाता है तो जिस खदान से ओवरलोड मौरंग दी जाती है उस पर मेहेरबानी क्यों?

हाईटेंशन करंट से जल उठा डंपर, चालक की मौत

अवधनामा संवाददाता

बाँदा। हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिरने से डंपर जल उठा। करंट की चपेट में आने से चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि मोरम खाली करने के बाद कंप्रेशन डाउन करते समय तार डंपर में छू गया था। जनपद आजमगढ़ के इरनी गांव निवासी पंकज सरोज (29) पुत्र चद्रदेव सरोज डंपर चलाकर भरण पोषण करता था। रविवार शाम मोदम लेकर वह देहात कोतवाली के बिलवई गांव पहुंचा था। कंप्रेशर से मोरम खाली करने के बाद डंपर का कंप्रेशर डाउन कर रहा था। तभी डंपर में फंसकर नजदीक से गुजरी 11 हजार की लाइन टूटकर डंपर में टच हो जाने से करंट की चपेट में आए डंपर के टायर जल उठे। इसके साथ ही चालक पंकज भी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास मौजूद रहे लोगों ने किसी तरह पंकज को करंट से अलग करने के बाद उसे जिला अस्साल ले गए। वहां चिकित्सक ने पंकज को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास से मिले मोबाइल के जरिए परिजनों को हादसे की खबर दी गई। मृतक के बड़े भाई प्रदीप ने बताया कि पंकज तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसकी पत्नी का नाम पूनम है। वह गर्भवती है। इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मार्च में जनता को समर्पित होगी रिंग रोडः राजनाथ

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज प्रातः लखनऊ में लगभग बनकर तैयार रिंग रोड के विकास कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी डॉक्टर महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 में जब मैं लखनऊ का सांसद बना था तो मैंने फैसला किया था की लखनऊ में ट्रैफिक जाम की समस्या बहुत विकट समस्या है और उससे निजात दिलाने के लिए लखनऊ शहर के चारों तरफ आठ लेन की 104 किलोमीटर रोड बननी चाहिए। और

लखनऊ में जो भी डेवलपमेंट हुआ है उससे मैं पूरी तरह से संतुष्ट नहीं: रक्षामंत्री

आज मुझे देखकर अत्यंत खुशी हो रही है कि फरवरी अंत तक 104 किलोमीटर रिंग रोड का कार्य पूरा होगा जिसमें चार लाइन जाने के लिए और चार लेन वापसी के लिए बनकर तैयार होगी और मार्च में इसका उद्घाटन भी किया जाएगा। यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है और यह पूरा होते देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है । इसके उद्घाटन के बाद आप देखेंगे कि लखनऊ शहर की ट्रैफिक समस्या को काफी हद तक जाम से निदान मिलेगा। लखनऊ में अभी तक जो भी डेवलपमेंट हुआ है मैं अभी उससे पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हूं। बहुत सारी ऐसी परियोजनाएं अभी स्वीकृत पड़ी है जिसमें काम होना अभी शेष है अभी समय में जब वह सभी काम आरंभ होंगे तो लखनऊ भारत क्या पूरे विश्व में टॉप 3 शहर की रैंकिंग में लखनऊ जाना जाएगा। राहुल गांधी के लखनऊ आने के सवाल पर उन्होंने जवाब दिया कि लखनऊ जो भी है उनका स्वागत है अदब और तहजीब की पुरानी परंपरा है। इंडी गठबंधन में फूट के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि ईंडी गठबंधन अब पूरी तरह बिखर चुका है और जनता ईंडी गठबंधन को लेकर बहुत निराशा है और अगले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 80 से कितने सीटे मिलने के अनुमान पर उन्होंने जवाब दिया कि इस समय पूरे देश में मोदी जी के प्रति आम जनता का गहरा विश्वास है लोग मानते हैं कि देश को यदि कोई विकसित देश बना सकता है तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ही कर सकते हैं।

ऐसा सभी का विश्वास है और अपने भारत का मस्तक अंतरराष्ट्रीय जगत में ऊंचा करने का काम यदि किसी ने किया है तो वह मोदी ने ही किया हैं। उत्तर प्रदेश में योगी के नेतृत्व में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 80 की पूरी 80 सीट हम जीतेंगे। 104 किलोमीटर लंबी आउटर रिंग रोड का शिलान्यास 2016 में तत्कालीन गृहमंत्री के रूप में राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री केंद्र सरकार नितिन गडकरी द्वारा किया गया था। लखनऊ आउटर रिंग रोड का निर्माण पांच पैकेजों में किया गया है जिसमें सुल्तानपुर से बेहटा गांव तक 31.745 किलोमीटर का निर्माण 1062 करोड़ की लागत से पूर्ण हो चुका है।

राज्यसभा चुनावः अखिलेश का संदेश लेकर राजा भैया के घर पहुंचे नरेश उत्तम

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस से खटास और स्वामी प्रसाद मौर्य व पल्लवी पटेल के बिदकने के बाद राज्यसभा चुनाव में अपने तीसरे प्रत्याशी को जिताने के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब नए सहयोगी की तलाश में जुट गए हैं।

इसी कड़ी में अखिलेश ने मंगलवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष और कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया के पास भेजा। वहां नरेश उत्तम ने राज्यसभा चुनाव में उनका समर्थन मांगा और अखिलेश से बात भी कराई। दोनों नेताओं के बीच मोबाइल पर काफी देर बात हुई। सूत्रों के मुताबिक अचानक ही राजा भैया के आवास पर पहुंचे नरेश उत्तम ने राज्यसभा में समर्थन देने का अनुरोध करने के साथ ही लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन के मुद्दे पर चर्चा भी की। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने साथ भोजन भी किया। चर्चा के दौरान राजा ने जहां नेता जी (मुलायम सिंह) के साथ सियासी सफर का जिक्र किया। कहा कि अपने राजनैतिक जीवन का अधिकांश हिस्सा तो उन्होंने सपा को ही दिया है। नेता जी ने भी उन्हें उसी तरह सम्मान दिया था। पर उत्तम के प्रस्ताव पर राजा ने कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया।

पशुधन एवं डेयरी क्षेत्र में पूर्वांचल में निवेश बढ़ा

ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में पशुधन विभाग की 2131.65 करोड़ की 532 निवेश परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई

- **परियोजनाओं से 123167 लोगों को रोजगार प्राप्त होगाः पशुधन मंत्री**
- **प्रदेश में ब्रीडिंग फार्म्स के लिए निवेशकों ने रूचि दिखाईः धर्मपाल**

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि राजधानी लखनऊ में आयोजित ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी के तहत पशुधन विभाग में 2131.65 करोड़ रुपये की 532 निवेश परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इन परियोजनाओं के मूर्तरूप लेने से 123167 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि सेरेमनी में 1250 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के अधारशिला का लक्ष्य था, जिसके सापेक्ष 180 प्रतिशत अधिक सफलता प्राप्त हुई है। धर्मपाल सिंह आज विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी के अंतर्गत पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के निवेश परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 532 निवेशक परियोजनाओं में से अयोध्या मण्डल में सर्वाधिक 111 परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। क्षेत्रवार इन्वेस्ट यू0पी0 के अंतर्गत जेबीसी में पूर्वांचल में 229, मध्यांचल में 145, पश्चिमांचल में 114 तथा बुंदेलखण्ड में 44 निवेशकों द्वारा विशेष रूचि दिखाई गई है। उन्होंने बताया कि एनीमल हास्बेन्ड्री इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फण्ड, पोल्ट्री सेक्टर तथा नेशनल लाईवस्टाक मिशन के क्षेत्र में निवेश किया गया है। साथ ही उत्तर प्रदेश में ब्रीडिंग फार्म्स के प्रति निवेशकों द्वारा विशेष आकर्षण दिखाया गया है, जिससे प्रदेश में उन्नत नस्ल/प्रजाति के दुधारू पशु प्राप्त होंगे, इससे दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में तीव्र वृद्धि होगी और किसानों एवं पशुपालकों की आय बढ़ेगी।

सात चल वैजयंती कप प्राप्त किये

लखनऊ। राजभवन में आयोजित प्रादेशिक फल शाक भाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार के रूप में कुल 7 चल वैजयंती कप प्राप्त किये। इस मौके पर संस्थान परिसर प्रांगण में महानिदेशक हरिशंकर वर्मा, अपर महानिदेशक संजय त्रिपाठी, वरिष्ठ प्रोफेसर प्रशासन राजेश कुमार सहित समस्त संकाय सदस्यों ने संस्थान परिसर में कार्यरत सभी बागवानी निविदा कर्मचारियों को धन्यवाद दिया और संस्थान परिसर की सुंदरता बनाये रखने के लिए दिशा निर्देश दिए।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की हुई बैठक

लखनऊ। आरडीएसओ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। महानिदेशक अजय कुमार राणा की अध्यक्षता में राजभाषा के प्रचार प्रसार और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने राज्य स्तरीय बिजली सेवा एवं जनसम्पर्क अभियान का किया शुभारम्भ

उपभोक्ता से जनसम्पर्क कर लिए जायेंगे फीडबैक

- **उ.प्र. को विद्युत की समस्या से मुक्त करने के लिए हो रहा युद्धस्तर पर कार्यः ऐ.के. शर्मा**

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विद्युत संरचना के सुदृढ़ीकरण, अनुरक्षण एवं जन शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 20 फरवरी से 29 फरवरी, 2024 तक पूरे प्रदेश में चलने वाले ÷बिजली सेवा एवं जनसम्पर्क अभियान÷ की शुरूआत की। ऊर्जा मंत्री ने मंगलवार को 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र, अर्जुनगंज लखनऊ में पहुँचकर इस 10 दिवसीय अभियान का शुभारम्भ किया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और जनता को इस अभियान से जुड़ने और विद्युत व्यवस्था संबंधी अपने सुझावों के माध्यम से विभाग का सहयोग करने का आग्रह किया। ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 में मा0 प्रधानमंत्री जी ने प्रदेश की विद्युत व्यवस्था की तारीफ की है। इसके पहले भी केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री ने पीक डिमाण्ड के समय उत्तर प्रदेश द्वारा देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने तथा पूरे देश में विद्युत के क्षेत्र में सर्वाधिक भौतिक प्रगति करने सराहना की गई। कहा कि बिजली के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सबसे अच्छा कार्य कर रहा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि विद्युत विभाग द्वारा संचालित व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी समस्याओं का समाधान करायें। प्रदेश विद्युत की समस्या से हमेशा के लिए मुक्त हो इसके युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा।

अभियान के दौरान इस दौरान अधीक्षण अभियन्ता अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले सभी सांसद, विधायक, महापौर नगर निगम, अध्यक्ष नगर पालिका/नगर पंचायत व उपभोक्ताओं से शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के लिए फीडबैक व सुझाव प्राप्त किये जायेंगे।

मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि आरडीएसएस योजना के लॉस रिडक्शन मद में लगभग 13,500 करोड़ रूपये के कार्य कराये जा रहे हैं। आरडीएसएस योजना के एएमआईएसपी (स्मार्ट मीटर) मद में समस्त उपभोक्ताओं के संयोजन को प्री-पेड स्मार्ट मीटर से करने की योजना बनायी गयी है।

151 युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, लखनऊ, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में डी.डी.यू.जी.के.वाई. योजनान्तर्गत, अमेठी इण्टर कालेज ब्लाक-गोसाईगंज, लखनऊ, में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ मो0 वहीद, चेयरमैन प्रतिनिधि, ब्लाक-गोसाईगंज द्वारा किया गया। प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई लखनऊ राज कुमार यादव ने बताया कि रोजगार मेले में 09 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। 448 अभ्यर्थी में से 151 अभ्यर्थियों को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ।

80 लोकसभा सीटों की जीत पर भाजपा ने की चर्चा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, मोर्चों के अध्यक्षों और क्षेत्रीय अध्यक्षों की बैठक मंगलवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सम्पन्न हुई। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा की उपस्थिति में हुई बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सम्मिलित हुए। बैठक में पार्टी द्वारा चलाए गए अभियानो व कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत के संकल्प के साथ आगामी कार्यक्रमों, अभियानों के संदर्भ में भी विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। बैठक का संचालन पार्टी के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने किया। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश के लोकसभा चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा ने अपने संबोधन में कहा कि 2014 में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र में सरकार बनने के बाद विगत 10 वर्षों में अभूतपूर्व कार्य हुए है। उन्होंने कहा केन्द्र की भाजपा सरकार गांव, गरीब, किसान, नौजवान सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज योगी सरकार की प्रशंसा और उसके द्वारा किये जा रहे लोककल्याणकारी कार्यों की प्रंशसा चारो ओर हो रही है। बैजयंत जय पांडा ने कहा कि योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने सुशासन और कानून का राज स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारतीय जनता पार्टी कार्यालय, लखनऊ में प्रदेश पदाधिकारी बैठक के अवसर पर

सपा ने बरेली और वाराणसी में भी घोषित किए प्रत्याशी

अवधनामा ब्यूरो

- **यूपी में करीब-करीब टूटा इंडिया गठबंधन**

लखनऊ। यूपी में इंडिया गठबंधन करीब-करीब टूट गया है। बरेली और वाराणसी में भी सपा द्वारा सीटें घोषित हो जाने के बाद यह बात करीब-करीब साफ हो गई है कि यह सपा और कांग्रेस अलग-अलग चुनाव लड़ने जा रहे हैं। मंगलवार को शाम जारी हुई सपा की तीसरी सूची में सपा ने बरेली और वाराणसी से भी प्रत्याशी उतार दिए। यह वो सीटें थीं जिन्हें सपा कांग्रेस को ऑफर कर चुकी थी। या जिन पर माना जा रहा था कि कांग्रेस यहां से चुनाव लड़ने जा रही है। इस सूची में शिवपाल यादव को बदायूं से उम्मीदवार घोषित किया है। इससे पहले यहां से अखिलेश के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव चुनाव लड़ चुके हैं। पार्टी ने वाराणसी से सुरेंद्र सिंह पटेल को टिकट दिया है। यह सीट कांग्रेस कोटे की सीट बताई जा रही थी।

सपा ने कांग्रेस को दिया था 17 सीटों का प्रस्ताव

समाजवादी पार्टी ने गठबंधन के तहत अब 17 सीटों पर कांग्रेस को अपने प्रत्याशी उतारने का प्रस्ताव दिया था। इससे पहले सपा ने कांग्रेस को 11 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया था, जिसे लेकर दोनों दलों के बीच बयानबाजी शुरू हो गई थी। सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के लिए 17 लोकसभा सीटें छोड़ने का फैसला किया था। सूत्रों के मुताबिक सपा ने कांग्रेस को अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, कैसरगंज, वाराणसी, अमरोहा, सहारनपुर, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, फतेहपुर सीकरी, कानपुर, हाथरस, झांसी, महराजगंज और बागपत सीट दी है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक सपा की ओर से 17 सीटों का प्रस्ताव मिला था, हालांकि पार्टी की ओर से इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई थी। मालूम रहे कि इससे पहले 11 सीटों का प्रस्ताव देने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने असंतोष जताया था।

सीएसआर फंड के लिए यूपी से बेहतर कोई जगह नहीं: अनिल

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। जीबीसी 4.0 के दूसरे दिन मंगलवार को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिल्टी कान्क्लेव (सीएसआर) का आयोजन हुआ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कॉन्क्लेव में योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री असीम अरुण, प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने विभिन्न कंपनियों के सीएसआर प्रमुखों से संवाद किया। इस दौरान सरकार की ओर से कंपनियों को उनके सीएसआर फंड का उपयोग रचनात्मक कार्यों में करने की अपील की गई। कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि सीएसआर फंड के सदुपयोग के लिए यूपी से बेहतर कोई जगह नहीं है। वहीं राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि सीएसआर मूल रूप से समाज को अच्छी दिशा दिखाने वाले प्रयोग हैं। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने बताया कि प्रदेश सरकार जल्द ही यूपी सीएसआर समिट का आयोजन करेगी।

कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के आशीर्वाद, मुख्यमंत्री के संकल्प और अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रयास से यूपी के विकास की नई गाथा लिख दी गई है। किसी ने कल्पना नहीं की थी कि हम इस तरह के इवेंट करेंगे। लोग कहते थे कि निवेश का प्रस्ताव मिलना और उसका धरातल पर उतारना दोनों अलग-अलग बात है। मगर यूपी में अब 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर उतर गया है। उन्होंने कहा कि सीएसआर फंड के सदुपयोग के लिए यूपी से बेहतर कोई जगह नहीं है। यूपी में 8.39 करोड़ श्रमिक पंजीकृत हैं। सीएसआर फंड को खर्च करने के लिए बहुत बड़ी संभावना यूपी में है।

राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा सीएसआर डबल इंजन सरकार में गार्ड के डिब्बे की तरह है। जो ये सुनिश्चित करता है कि कोई डिब्बा पीछे ना छूट जाए। समाज का कोई तबका विकास से वंचित न रहे, यही सीएसआर के मूल में है। वस्तुतः ये समाज के लिए अच्छी दिशा दिखाने वाला प्रयास है। असीम अरुण ने विभिन्न कंपनियों द्वारा सीएसआर फंड से किये गये कार्यों की चर्चा करते हुए उन्हें अन्य कंपनियों के लिए मॉडल बताया।

600 ओपन जिम और सौ नये सिलाई कढ़ाई केन्द्र होंगे स्थापितः राजनाथ

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऐशबाग वार्ड की पीली कॉलोनी स्थित पार्क में स्थापित ओपन जिम का निरीक्षण किया और क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण के लिए खुलवाए सिलाई कढ़ाई सेंटर की महिलाओं और क्षेत्र वासियों से संवाद किया। क्षेत्र वासियों द्वारा पार्क के जीर्णोद्धार की मांग को भी मंजूर किया। जनता से संवाद करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में जितने भी बडे पार्क हैं सभी में ओपन जिम लगवाए जाने का कार्य चल रहा है। डेढ़ सौ लग चुके हैं 100 और स्वीकृत है। जो भी बड़े पार्क हैं जहां जिम लगाने का स्थान हैं वहां जिम लगाए जाएंगे। अच्छा स्वास्थ्य होना अच्छी जिंदगी के लिए अति आवश्यक है क्योंकि मनुष्य की सबसे अनमोल पूंजी उसका स्वास्थ्य होता है जिम की व्यवस्था लखनऊ महानगर के हर पार्क में की जाएगी। क्षेत्र में हाल ही में खोले गए सिलाई केंद्र की महिला लाभार्थियों से भेंट की। सबीना, लक्ष्मी और मोनिका यादव ने हाथ से सिली व कढी हुई चादर रक्षा मंत्री जी को भेंट की। महिलाओं के हुनर को देखते हुए रक्षा मंत्री ने महिलाओं को रोजगार के रूप में बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया और खुश होकर 100 और नये सिलाई केंद्र खोले जाने की घोषणा की। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम के उपरांत रक्षा मंत्री ने बूथ संख्या 15 की अध्यक्षा शशि श्रीवास्तव के आवास पर जलपान किया।

समाप्त हुए ड्राइविंग लाइसेंस 29 तक रहेंगे वैध

लखनऊ। परिवहन मंत्रालय ने एक बड़ी राहत दी है। जिनके ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता 31 जनवरी से 15 फरवरी के समाप्त हो गई और वह बन नहीं सके वह 29 फरवरी तक वैद्य माने जाएंगे। इसको लेकर केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने आदेश जारी कर दिया है। इससे उन लोगों को राहत मिलेगी जो परिवहन विभाग का सारथी पोर्टल तकनीक गड़बड़ियों के कारण समय से अपने लर्निंग या परमानेंट लाइसेंस नहीं बनवा सके थे।

केंद्रीय परिवहन मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 31 जनवरी से 12 फरवरी तक सारथी पोर्टल गड़बड़ रहा। जिससे आवेदकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे में जिनके लाइसेंस की वैधता अवधि इस बीच समाप्त हो गई थी नए बन नहीं सके थे वह लोग परेशाान थे।

बजाज आलियांज ने उन्नत बीमा सेवाओं के लिए अयोध्या में कार्यालय खोला

अवधनामा संवाददाता

नोएडा। भारत की अग्रणी प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने आज उत्तर प्रदेश के अयोध्या में अपना नया कार्यालय खोला। उत्तर प्रदेश राज्य के अग्रणी बीमाकर्ता के लिए अयोध्या में ऑफिस खोला जाना कंपनी के रणनीतिक विस्तार और राज्य में बीमा अंतर को पाटने तथा साथ ही साथ इसके आर्थिक विकास को और मजबूत करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विश्व पटल पर छाए धार्मिक शहर अयोध्या अब समग्र भारतीय अर्थव्यवस्था में अभिन्न भूमिका निभाने जा रहा है। ऐसे में अब बजाज आलियांज का लक्ष्य अपने नागरिकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करके अयोध्या के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। भव्य राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में रोजाना लाखों भक्त और पर्यटक आ रहे हैं और इस सूरत में अयोध्या एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर चुका है। इन परिस्थितियों ने अयोध्या और आसपास के इलाकों में हॉस्पिटैलिटी, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तियों, परिवारों और व्यवसायों के लिए बीमा सॉल्यूशन की माँग बढ़ेगी और ऐसे में बजाज आलियांज अपने विभिन्न प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के जरिये इन उभरती जरूरतों को पूरा कर अयोध्या के चहुंमुखी आर्थिक विकास में में योगदान देने वाला है।

- **कंपनी के रणनीतिक विस्तार के तहत उत्तर प्रदेश में अपनी उपस्थिति और दमदार बनाई**

दो-दो फेरों के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। रेल प्रशासन जालंधर कैंट वाराणसी और बठिंडा बनारस के बीच दो अनारक्षित स्पेशल ट्रेन दो दो फेरों के लिए चलायेगा। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि ट्रेन नम्बर 04664 जालंधर कैंट वाराणसी अनारक्षित स्पेशल 21 फरवरी को जलंधर कैंट से दोपहर 3:10 बजे प्रस्थान कर यात्रा के अगले दिन दोपहर 1:30 बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी दिशा में 04663 वाराणसी जालंधर कैंट अनारक्षित स्पेशल 25 फरवरी को वाराणसी से सांय 6:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 3:35 बजे जलंधर कैंट पहुंचेगी। सामान्य श्रेणी के डिब्बों वाली यह स्पेशल रेलगाड़ी मार्ग में लुधियाना, अम्बाला कैंट जंक्शन, सहारनपुर, मुरादाबाद तथा लखनऊ स्टेशन पर दोनों दिशा में रुकेगी। ट्रेन नम्बर 04530 बठिंडा बनारस अनारक्षित स्पेशल 22 फरवरी को बठिंडा से रात्रि 9:05 बजे प्रस्थान कर यात्रा के अगले दिन सांय 5 बजे बनारस पहुंचेगी। वापसी दिशा में 04529 बनारस बठिंडा अनारक्षित स्पेशल 26 फरवरी को बनारस से रात्रि 9 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सांय 6:10 बजे बठिंडा पहुंचेगी। सामान्य श्रेणी के डिब्बों वाली यह स्पेशल रेलगाड़ी मार्ग मे रामपुराफूल, बरनाला, धुरी, पटियाला, राजपुरा, अम्बाला कैंट, यमुनानगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली तथा लखनऊ में दोनों दिशाओं में रुकेगी।

बच्चों के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे में संरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए डीआरएम आदित्य कुमार के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी डॉ. शिल्पी कन्नौजिया के निर्देशन में लखनऊ सीतापुर रेल खण्ड पर बीकेटी के निकट रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय सरैया के बच्चों के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया। जिसमें कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को संरक्षा जागरुकता अभियान के तहत संरक्षा सलाहकारों ने संरक्षा ज्ञान दिया। संरक्षा ज्ञान में बच्चों को अनधिकृत स्थानों से रेलवे ट्रैक पार न करने एवं समपार अथवा उपरिगामी सेतु से ट्रैक पार करने के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही गेटमैन पर अनधिकृत दबाव नहीं डालने, क्षतिग्रस्त रेलवे फाटकों पर सावधानी बरतने, रेलवे ट्रैक व विद्युत पोल से सुरक्षित दूरी बनाये रखने तथा लाइन किनारे मवेशियों को न आने देने के सम्बंध में संरक्षा जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में 350 संरक्षा जागरुकता सम्बंधित पोस्टर एवं पम्पलेट का वितरण भी किया